जन्म-पत्रिका

नाम-	***SAMPLE(Male)***
जन्म दिन-	***18:12:1975(Thursday)***
जन्म समय-	***01:45:00AM***
जन्म स्थान-	***New Delhi(INDIA) 028:39 077:13***
दादा का नाम-	
दादी का नाम-	
पिता का नाम-	
माता का नाम-	
धर्म-	
जाति-	
उप जाति-	
फोन-	
मोबाइल-	
इ-मेल-	
पता-	

नाम-	MindSutra Software Technologies
संस्था का नाम-	MindSutra Software Technologies
पता-	A-16 Ramdutt Enclave
	Uttam Nagar
	New Delhi
फोन-	

श्रीगणेशाय नमः

गणानां त्वां गणपतिं हवामहे कविं कवीनामुपमश्रवस्तमम् ।
ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां ब्रह्मणस्पत आ नः शृण्वन्नूतिभिः सीद सादनम् ।।

नवग्रहस्तोत्र

जपाकुसुमसंकाशं काश्यपेयं महद्द्युतिम ।
तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽसिदिवाकरम्।। १ ।।
दधिशङ्खतुषाराभं क्षीरोदार्णवसंभवम ।
नमामि शशिनं सोमं शंभोर्मुकुटभूषणम।। 2 ।।
धरणीगर्भसंभूतं विधुत्कान्तिसमप्रभम् ।
कुमारंशक्तिहस्तंचमगंलंण्णमाम्यहम्।। ३ ।।
प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम् ।
सौम्यंसौम्यगुणोपेतंतंवुधंप्रणमाम्यहम् ।। ४ ।।
देवानां च ऋषीणां च गुरूं काड़वनसंनिभम्।
बुद्धिभूतंत्रिलोकेशंतंनमामिबृहस्पतिम् ।। ५ ।।
हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरूम्
सर्वशास्त्रप्रवक्तारंभार्गवंप्रणमाम्यहम् ।। ६ ।।
नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् ।
छायामार्तण्डसुभूतंतंनमामिशनैश्वरम् ।। ७ ।।
अर्धकायं महावीर्य चन्द्रादित्यविमदनम्।
सिंहिकागर्भसंभूतंतंराहुंप्रणमाम्यहम्।। ८ ।।
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम्।
रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम् ।। ९ ।।

फलश्रुति

इति व्यासमुखोद्गीतं यः पठेत्सुसमाहितः।
दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भयविष्यति ।। १ ।।
नरनारीनृपाणां च भवेहुः स्वप्रनाशनम
ऐश्वर्यमतुलंतेषामारोग्यंपुष्टिवर्धनम् ।। 2 ।।
ग्रहनक्षत्रजाः पीडस्तस्कराग्निसमुद्रवाः ।
ताः सर्वाः प्रशमं यान्ति व्यासो ब्रूते न संशयः ।। ३ ।।

इति श्री व्यासविरचितं आदित्यादिनवग्रहस्तोत्रं संपूर्णम् ।।

ज्योतिष सारिणी

जन्म दिन–	18 December 1975 (Thursday)
जन्म समय–	01:45:00AM
जन्म स्थान–	New Delhi , INDIA
रेखांश–	077:13:00E
अक्षांश–	028:39:00N
समयक्षेत्र–	-05:30:00 hrs
समय संशोधन–	00:00:00 hrs
जीएमटी. समय–	20:15:00 hrs
स्थानीय समय संस्कार–	-00:21:08 hrs
स्थानीय समय–	01:23:52 hrs

सांपातिक काल–	07:07:12 hrs
सूर्योदय–	07:10:32AM
सूर्यास्त–	05:24:14PM
अयनांश–	N.C.Lahiri (023:31:17)
विक्रम संवत्–	**2032**
शक संवत्–	**1897**
संवत्सर–	**राक्षस**
संवत्सर अधिपति–	**इन्द्राग्नि**

अवकहड़ा चक्र

लग्न :	कन्या
लग्नाधिपति :	बुध
राशि (चन्द्रमा) :	वृष
राशिपति :	शुक्र
नक्षत्र :	रोहिणी
नक्षत्रपति :	चन्द्रमा
नक्षत्र चरण :	4
पाया :	रजत
ऋतु :	हेमन्त
मास :	मार्गशीर्ष
पक्ष :	शुक्ल
तिथि :	पूर्णिमा
तिथि श्रेणी :	पूर्णा
तिथि पति :	शनि
करण :	विष्टी
करण श्रेणी :	चर
करणपति :	यम
गण :	मनुष्य
वर्ण :	वैश्य
योनि :	सर्प (पु0)
सूर्य सिद्धान्त योग :	शुभ
रज्जु :	कंठ
वश्य :	चतुश्पद
तत्व :	पृथ्वी
तत्वाधिपति :	बुध
विहग :	भारधंक
नाड़ी :	अन्त
नाड़ी पद :	अन्त
वेध :	स्वाती
आद्याक्षर :	वो

घात चक्र

राशि (सूर्य) :	कन्या
मास :	अग्रहण
तिथि :	5,10,15
वार :	शनिवार
नक्षत्र :	हस्ता
प्रहर :	4
लग्न :	वृष
सूर्य सिद्धान्त योग :	सुकर्मन
करण :	शकुनि

शासक ग्रह (कृ0 मू0 पद्धति के अनुसार)

वारेश :	बृहस्पति
लग्नेश :	बुध
लग्न नक्षत्र स्वामी–	चन्द्रमा
लग्न उप स्वामी :	शुक्र
चन्द्र राशि स्वामी :	शुक्र
चन्द्र नक्षत्र स्वामी ब्र	चन्द्रमा
चन्द्र उप स्वामी :	शुक्र
फॉरच्युना(कृ0 प0)	341:57:51
अयनाशं (कृ0 प0) :	023:25:29

पाश्चात्य ज्योतिषीय सारिणी

सूर्य राशि–	धनु
देकानेट–	3
फेस :	VI
चन्द्र राशि (पाश्चात्य) :	मिथुन
लग्न (पाश्चात्य) :	तुला
सूर्य का अवधिपति :	मंगल
चन्द्रमा का अवधिपति :	शुक्र
अवधि बदलाव :	––

आपकी कुण्डली में कुज दोष (या मांगलिक दोष) उपस्थित है। परन्तु कुछ निश्चित परिस्थितियों की अपस्थिति के कारण, मांगलिक दोष निरस्त हो जा रहा है।

SAMPLE DOB-18:12:1975 TOB-01:45:00AM POB-New Delhi

ग्रह स्थिति

ग्रह		राशि	राशि	डिग्री	नक्षत्र – चरन	न0 पति	सप्तकारक	विशेष	विशेष
AC	लग्न	कन्या	बुध	21:15:23	हस्ता.4	चन्द्रमा	...	...	...
☉	सूर्य	धनु	बृहस्पति	01:44:46	मूला.1	केतु	दारा	मित्र के भाव में	शुभ ग्रह के साथ
☽	चन्द्रमा	वृष	शुक्र	22:29:16	रोहिणी.4	चन्द्रमा	अमात्य	मूलत्रिकोन	दुष्ट ग्रह के साथ
♂	मंगल व	वृष	शुक्र	28:34:16	मृगशिर.2	मंगल	आत्म	तटस्थ भाव में	शुभ ग्रह के साथ
☿	बुध	धनु	बृहस्पति	12:14:43	मूला.4	केतु	अपत्या	शत्रु के भाव में	दुष्ट ग्रह के साथ
♃	बृहस्पति	मीन	बृहस्पति	21:18:54	रेवती.2	बुध	भ्रात्रि	स्वग्रही	––
♀	शुक्र	तुला	शुक्र	19:02:52	स्वाति.4	राहु	मात्रि	स्वग्रही	दुष्ट ग्रह के साथ
♄	शनि व	कर्क	चन्द्रमा	08:28:00	पुष्य.2	शनि	ज्ञाति	तटस्थ भाव में	––
☊	राहु व	तुला	शुक्र	26:29:32	विशाखा.2	बृहस्पति	...	मित्र के भाव में	शुभ ग्रह के साथ
☋	केतु व	मेष	मंगल	26:29:32	भरणी.4	शुक्र	...	मित्र के भाव में	––
♅	इन्द्र	तुला	शुक्र	12:16:21	स्वाति.2	राहु	...	––	शुभ ग्रह के साथ
♆	वरूण	वृश्चिक	मंगल	18:29:42	ज्येष्ठा.1	बुध	...	––	––
♇	रूद्र	कन्या	बुध	17:57:42	हस्ता.3	चन्द्रमा	...	––	––

लग्न कुण्डली

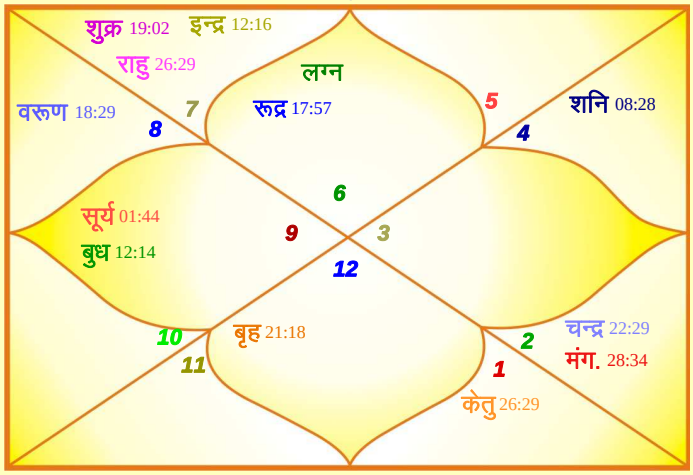

नवांश कुण्डली

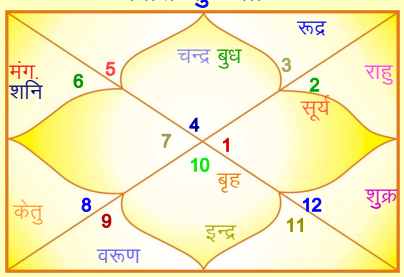

चन्द्र कुण्डली

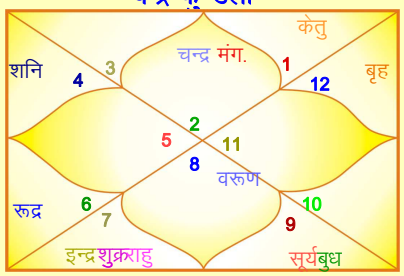

ग्रह से ग्रह और ग्रह से लग्न के बीच की दूरी

	लग्न	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु	इन्द्र	वरूण	रूद्र
लग्न	---	70	241	247	81	180	28	287	35	215	21	57	357
सूर्य	290	---	171	177	10	110	317	217	325	145	311	347	286
चन्द्रमा	119	189	---	6	200	299	147	46	154	334	140	176	115
मंगल	113	183	354	---	194	293	140	40	148	328	134	170	109
बुध	279	350	160	166	---	99	307	206	314	134	300	336	276
बृहस्पति	180	250	61	67	261	---	208	107	215	35	201	237	177
शुक्र	332	43	213	220	53	152	---	259	7	187	353	29	329
शनि	73	143	314	320	154	253	101	---	108	288	94	130	69
राहु	325	35	206	212	46	145	353	252	---	180	346	22	321
केतु	145	215	26	32	226	325	173	72	180	---	166	202	141
इन्द्र	339	49	220	226	60	159	7	266	14	194	---	36	336
वरूण	303	13	184	190	24	123	331	230	338	158	324	---	299
रूद्र	3	74	245	251	84	183	31	291	39	219	24	61	---

0,1,359	कन्जक्शॅन	59,60,61,299,300,301	सेक्सटाइल	89,90,91,269,270,271	स्कवायर
119,120,121,239,240,241	ट्राइन	149,150,151,209,210,211	क्वीनकक्सं	179,180,181	अपोजीसन

भाव स्फूट और कुण्डली

भाव सख्या	भाव मध्य		भाव विस्तार (आरम्भ––अन्त)			
I	कन्या	021:15:23	कन्या	06:22:26	तुला	06:22:26
II	तुला	021:29:29	तुला	06:22:26	वृश्चिक	06:36:32
III	वृश्चिक	021:43:35	वृश्चिक	06:36:32	धनु	06:50:38
IV	धनु	021:57:41	धनु	06:50:38	मकर	06:50:38
V	मकर	021:43:35	मकर	06:50:38	कुम्भ	06:36:32
VI	कुम्भ	021:29:29	कुम्भ	06:36:32	मीन	06:22:26
VII	मीन	021:15:23	मीन	06:22:26	मेष	06:22:26
VIII	मेष	021:29:29	मेष	06:22:26	वृष	06:36:32
IX	वृष	021:43:35	वृष	06:36:32	मिथुन	06:50:38
X	मिथुन	021:57:41	मिथुन	06:50:38	कर्क	06:50:38
XI	कर्क	021:43:35	कर्क	06:50:38	सिहं	06:36:32
XII	सिहं	021:29:29	सिहं	06:36:32	कन्या	06:22:26

लग्न कुण्डली

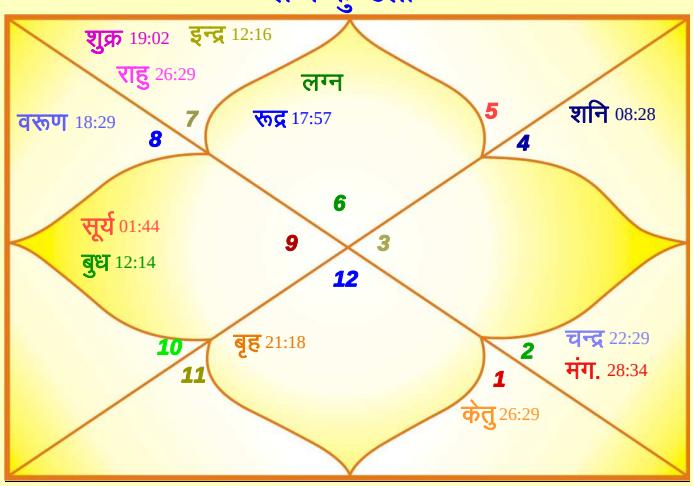

भाव कुण्डली

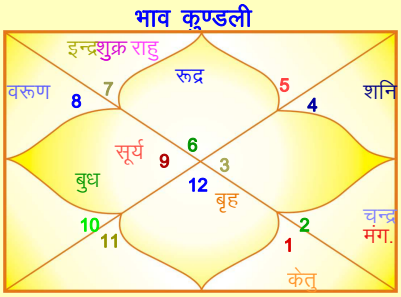

भाव चलित कुण्डली

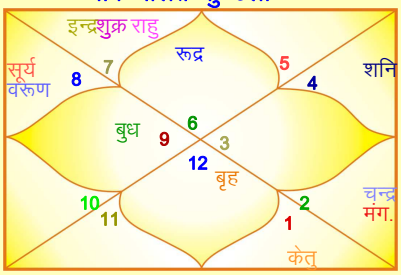

ग्रह से भाव (भाव मध्य) के बीच की दूरी

	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु	इन्द्र	वरूण	रूद्र
लग्न	70	**241**	247	81	**180**	28	287	35	215	21	57	357
दूसरा भाव	40	**211**	217	51	**150**	358	257	5	185	351	27	326
तीसरा भाव	10	**181**	187	21	**120**	327	227	335	155	321	357	296
नादिर	340	**151**	157	350	**89**	297	197	305	125	290	327	266
पॉचवा भाव	310	**121**	127	321	**60**	267	167	275	95	261	297	236
छठवा भाव	280	**91**	97	291	30	238	137	245	65	231	267	206
सातॅवा भाव	250	**61**	67	261	**0**	208	107	215	35	201	237	177
आठवा भाव	220	31	37	231	330	178	77	185	5	171	207	146
नवा भाव	190	**1**	7	201	**300**	147	47	155	335	141	177	116
एम सी	160	331	337	170	**269**	117	17	125	305	110	147	86
ग्यारहवा भाव	130	**301**	307	141	**240**	87	347	95	275	81	117	56
बारहवा भाव	100	**271**	277	111	**210**	58	317	65	245	51	87	26

0,1,359 ०,१,३५९ कन्जक्शॅन ***59,60,61,299,300,301*** सेक्सटाइल ***89,90,91,269,270,271*** स्कवायर

119,120,121,239,240,241 ट्राइन ***149,150,151,209,210,211*** क्वीनकक्सं ***179,180,181*** अपोजीसन

षोडश वर्ग

लग्न(जन्म) कुण्डली

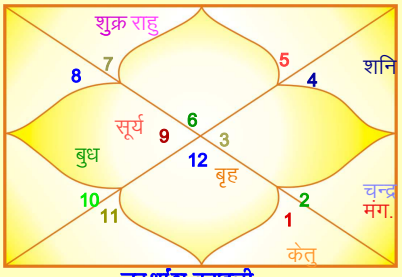

होरा कुण्डली

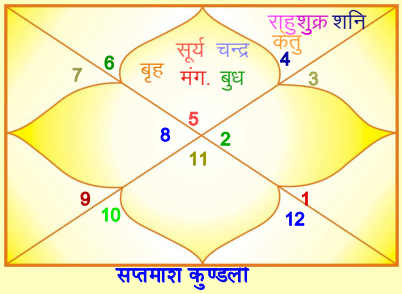

द्रेष्काण कुण्डली

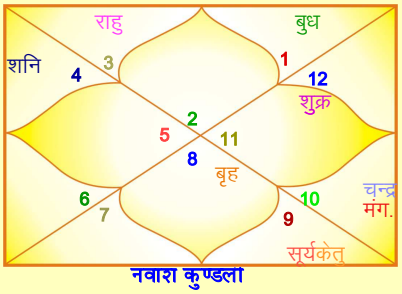

चतुर्थांश कुण्डली

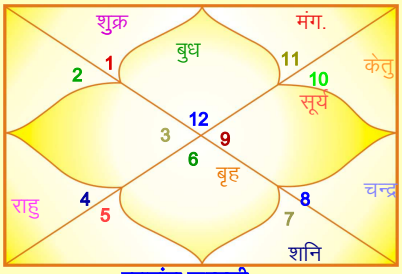

सप्तमांश कुण्डला

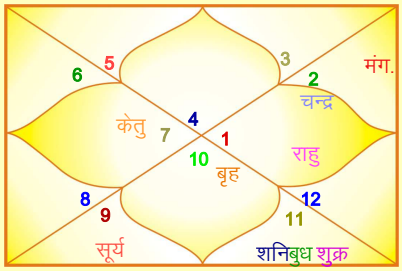

नवांश कुण्डला

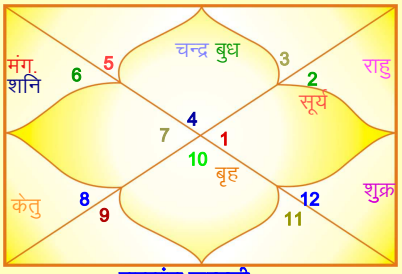

दशमांश कुण्डली

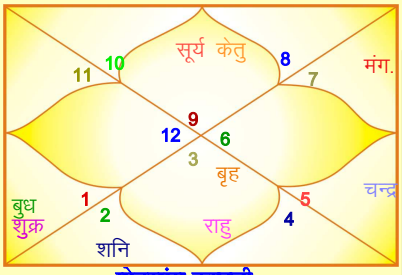

D1	मुख्य कुण्डली, सभी मुद्दों के लिए
D2	धन दौलत के लिए
D3	सहोदरों का जीवन और स्वास्थ्य
D4	भाग्य और रिहायशी मकान
D7	संतान और उनकी संतान
D9	जीवनसाथी और उनका स्वास्थ्य
D10	कारोबार और किसी भी कार्य में सफलता
D12	माता-पिता का जीवन और स्वास्थ्य
D16	वाहन से संबंधित बातें
D20	अध्यात्मिक रूझान
D24	शिक्षा, ज्ञान और समझ
D27	ताकत और दुर्बलता
D30	दरिद्रता, कठिनाईयां और दुर्गति
D40	शुभ-अशुभ घटनाएं
D45	सभी मुद्दों के लिए
D60	सभी मुद्दों के लिए

द्वादशांश कुण्डली

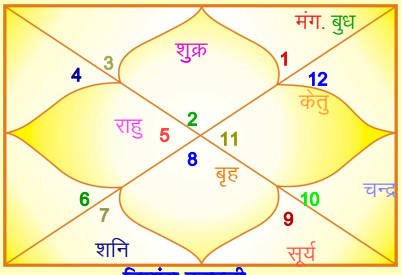

षोडशांश कुण्डली

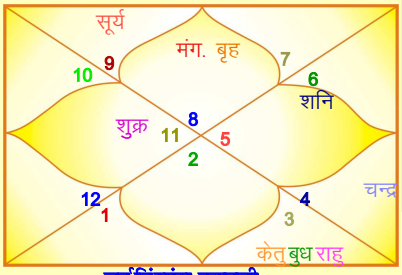

विशांश कुण्डली

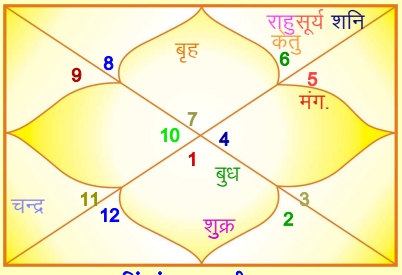

चतुर्विंशांश कुण्डली

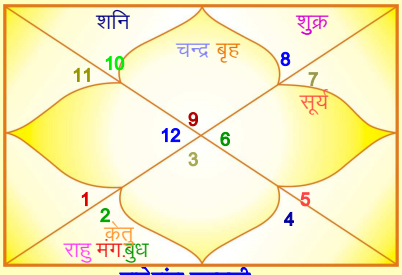

सप्तविंशांश कुण्डली

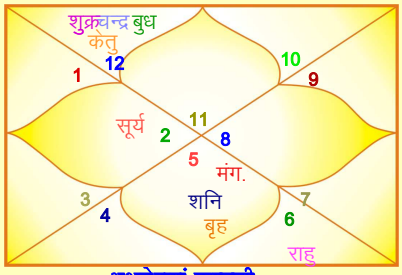

त्रिंशांश कुण्डली

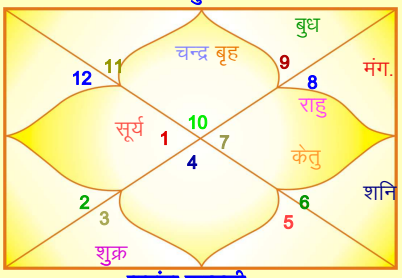

खवेदांश कुण्डली

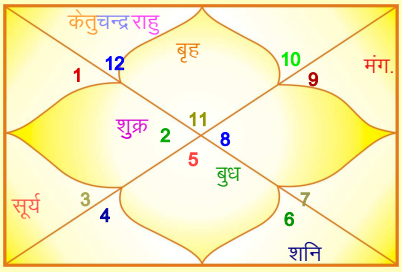

अक्षवेदांशं कुण्डली

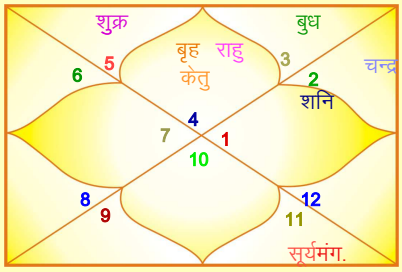

षष्ठांश कुण्डली

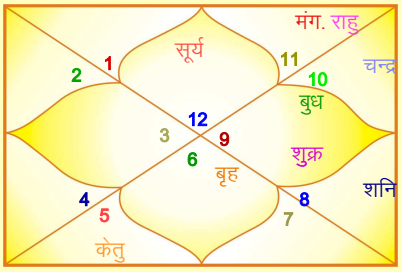

षड्बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि
उच्च बल	17.25	53.50	19.81	30.92	25.44	07.35	26.16
सप्त वर्ग बल	135.00	131.25	91.88	50.63	108.75	133.13	90.00
युग्म अयुग्म बल	30.00	30.00	00.00	15.00	00.00	15.00	00.00
केन्द्रादी बल	60.00	15.00	15.00	60.00	60.00	30.00	30.00
द्रेक्कन बल	15.00	15.00	00.00	15.00	00.00	00.00	00.00
स्थान बल	**257.25**	**244.75**	**126.68**	**171.54**	**194.19**	**185.47**	**146.16**
वांछित स्थान बल	165	133	96	165	165	133	96
वांछित अंश	155.91	184.03	131.96	103.97	117.69	139.45	152.25
दिग बल	**06.74**	**09.82**	**52.20**	**33.00**	**00.02**	**39.03**	**24.26**
वांछित दिग बल	35	50	30	35	35	50	30
वांछित अंश	19.25	19.65	174.01	94.30	00.06	78.06	80.88
नतोन्नत बल	07.33	52.67	52.67	07.33	00.00	07.33	52.67
पक्ष बल	03.09	56.91	03.09	03.09	56.91	56.91	03.09
त्रिभाग बल	00.00	00.00	00.00	00.00	60.00	60.00	00.00
वर्ष बल	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	15.00	00.00
मास बल	00.00	00.00	30.00	00.00	00.00	00.00	00.00
दिन बल	00.00	00.00	00.00	00.00	45.00	00.00	00.00
होरा बल	00.00	00.00	60.00	00.00	00.00	00.00	00.00
अयन बल	00.34	00.99	58.48	58.63	36.86	09.97	04.78
युद्ध बल	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00
काल बल	**10.76**	**110.57**	**204.23**	**69.05**	**198.77**	**149.22**	**60.54**
वांछित काल बल	112	100	67	112	112	100	67
वांछित अंश	09.60	110.57	304.82	61.65	177.48	149.22	90.35
चेष्टा बल	**00.34**	**56.91**	**07.50**	**00.00**	**15.00**	**30.00**	**30.00**
वांछित चेष्टा बल	50	30	40	50	50	30	40
वांछित अंश	00.67	189.71	18.75	00.00	30.00	100.00	75.00
नैसर्गिक बल	**60.00**	**51.43**	**17.14**	**25.71**	**34.29**	**42.86**	**08.57**
द्रिक बल	**12.84**	**09.61**	**10.37**	**12.63**	**-04.21**	**00.09**	**16.25**
कुल षड्बल	**347.92**	**483.11**	**418.14**	**311.95**	**438.06**	**446.67**	**285.78**
षड्बल (रूप में)	**5.80**	**8.05**	**6.97**	**5.20**	**7.30**	**7.44**	**4.76**
न्यूनतम वांछनिय	390	360	300	420	390	330	300
वांछनिय अंश	89.21	134.20	139.38	74.27	112.32	135.35	95.26
तुलनात्मक स्थिति	**5**	**1**	**4**	**6**	**3**	**2**	**7**
इष्ट फल	**05.22**	**55.18**	**12.19**	**00.00**	**19.53**	**14.85**	**28.01**
कष्ट फल	**54.78**	**04.82**	**47.81**	**60.00**	**40.47**	**45.15**	**31.99**
दिप्ति बल	**100.00**	**56.91**	**58.94**	**22.50**	**36.52**	**54.51**	**47.76**

भावबल

भाव सँख्या	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII
भाव राशि	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह
भावाधिपति बल	311.95	446.67	418.14	438.06	285.78	285.78	438.06	418.14	446.67	311.95	483.11	347.92
भाव दिग्बल	60.00	50.00	20.00	00.00	50.00	10.00	30.00	40.00	50.00	30.00	10.00	40.00
भाव दृष्टि बल	-09.05	-07.37	21.74	09.82	04.96	-07.85	-05.92	-21.18	02.69	17.72	18.43	-01.33
भाव बल का योग	**362.90**	**489.29**	**459.88**	**447.88**	**340.73**	**287.92**	**462.14**	**436.96**	**499.35**	**359.67**	**511.54**	**386.59**
भाव बल (रूप में)	**6.05**	**8.15**	**7.66**	**7.46**	**5.68**	**4.80**	**7.70**	**7.28**	**8.32**	**5.99**	**8.53**	**6.44**
तुलनात्मक स्थिति	**9**	**3**	**5**	**6**	**11**	**12**	**4**	**7**	**2**	**10**	**1**	**8**

ग्रह स्थिति-कृष्णमूर्ति पद्धति

ग्रह	राशि	डिग्री	नक्षत्र – चरन	न0 पति	राशि प0	उप	उपउप	उउउ स0	विशेष
लग्न	कन्या	21:21:11	हस्त-४	चन्द्रमा	बुध	शुक्र	राहु	शनि	...
सूर्य	धनु	01:50:33	मूल-१	केतु	बृहस्पति	शुक्र	राहु	शुक्र	मित्र के भाव में
चन्द्रमा	वृष	22:35:04	रोहिणी-४	चन्द्रमा	शुक्र	शुक्र	केतु	मंगल	मूलत्रिकोन
मंगल व	वृष	28:40:04	मृगशिर-२	मंगल	शुक्र	शनि	शुक्र	शुक्र	तटस्थ भाव में
बुध	धनु	12:20:31	मूल-४	केतु	बृहस्पति	बुध	चन्द्रमा	बुध	शत्रु के भाव में
बृहस्पति	मीन	21:24:41	रेवती-२	बुध	बृहस्पति	शुक्र	बुध	शनि	स्वग्रही
शुक्र	तुला	19:08:40	स्वाती-४	राहु	शुक्र	चन्द्रमा	शुक्र	बुध	स्वग्रही
शनि व	कर्क	08:33:48	पुष्य-२	शनि	चन्द्रमा	शुक्र	सूर्य	बुध	तटस्थ भाव में
राहु व	तुला	26:35:19	विशाखा-२	बृहस्पति	शुक्र	शुक्र	शुक्र	शुक्र	मित्र के भाव में
केतु व	मेष	26:35:19	भरणी-४	शुक्र	मंगल	केतु	बुध	शुक्र	मित्र के भाव में
इन्द्र	तुला	12:22:08	स्वाती-२	राहु	शुक्र	शनि	बृहस्पति	बुध	––
वरूण	वृश्चिक	18:35:29	ज्येष्ठा-१	बुध	मंगल	केतु	केतु	शनि	––
रूद्र	कन्या	18:03:30	हस्त-३	चन्द्रमा	बुध	बुध	केतु	शुक्र	––
फारच्यूना	मीन	12:05:41	उत्तराभाद्रपद-३		बृहस्पति	चन्द्रमा	सूर्य	सूर्य	....

लग्न कुण्डली

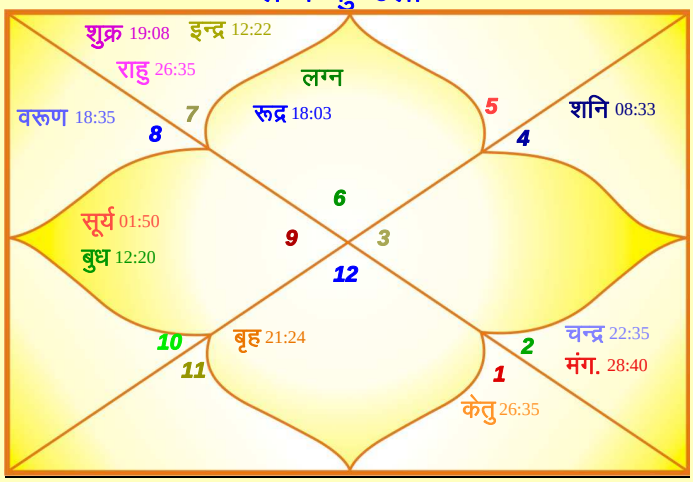

कृष्णमूर्ति भाव चलित

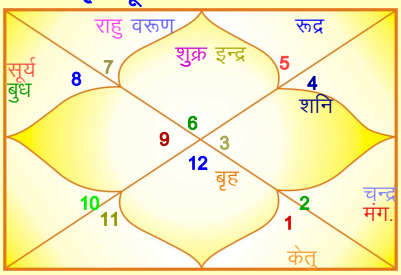

नवांश कुण्डली

भाव विवरण – कृष्णमूर्ति पद्धति

भाव	राशि	डिग्री	नक्षत्र – चरन	न0 पति	राशि प0	उप	उपउप	उउउ स0
I	कन्या	21:21:11	हस्त-४	चन्द्रमा	बुध	शुक्र	राहु	शनि
II	तुला	19:53:10	स्वाती-४	राहु	शुक्र	मंगल	शुक्र	बुध
III	वृश्चिक	20:23:37	ज्येष्ठा-२	बुध	मंगल	शुक्र	राहु	शुक्र
IV	धनु	22:03:29	पूर्वाषाढ-३	शुक्र	बृहस्पति	शनि	शनि	शुक्र
V	मकर	23:51:45	धनिष्ठा-१	मंगल	शनि	मंगल	केतु	बृहस्पति
VI	कुम्भ	24:10:12	पूर्वाभाद्रपद-२	बृहस्पति	शनि	बुध	केतु	शुक्र
VII	मीन	21:21:11	रेवती-२	बुध	बृहस्पति	शुक्र	बुध	बृहस्पति
VIII	मेष	19:53:10	भरणी-२	शुक्र	मंगल	राहु	चन्द्रमा	बृहस्पति
IX	वृष	20:23:37	रोहिणी-४	चन्द्रमा	शुक्र	केतु	बुध	मंगल
X	मिथुन	22:03:29	पुनर्वसु-१	बृहस्पति	बुध	शनि	शनि	राहु
XI	कर्क	23:51:45	आश्लेषा-३	बुध	चन्द्रमा	मंगल	केतु	बृहस्पति
XII	सिंह	24:10:12	पूर्वाफाल्गुनी-४	शुक्र	सूर्य	बुध	बुध	राहु

जैमिनी लग्न कुण्डली

लग्न(जन्म) कण्डली

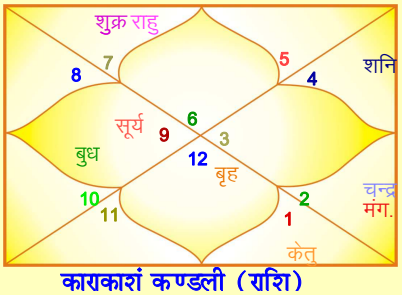

नवांश कण्डली

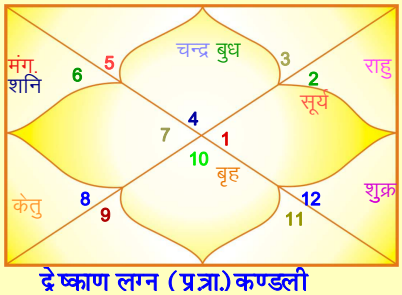

नवांश कण्डली (कष्ण मिश्रा)

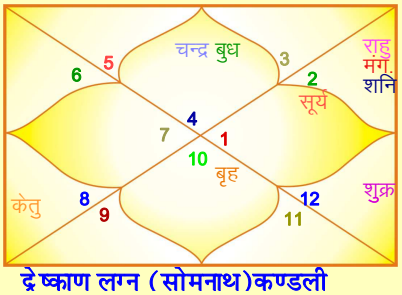

कारकाशं कण्डली (राशि)

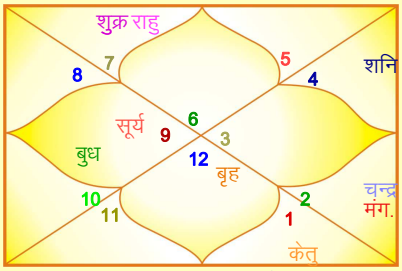

द्रेष्काण लग्न (प्र.त्रा.) कण्डली

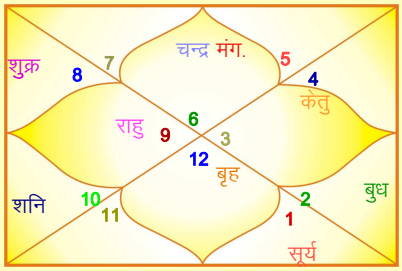

द्रेष्काण लग्न (सोमनाथ) कण्डली

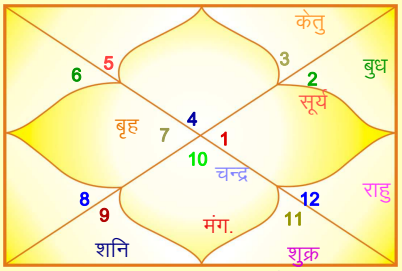

आरुढ लग्न कण्डली

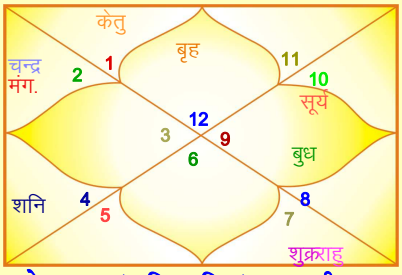

उप-पद लग्न कण्डली

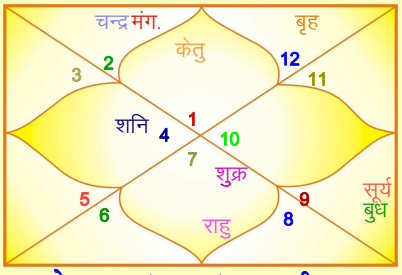

होरा लग्न (वद्धि करिका) कण्डली

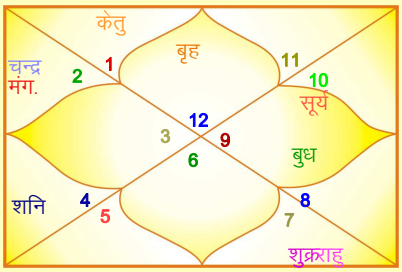

होरा लग्न (सवाया) कण्डली

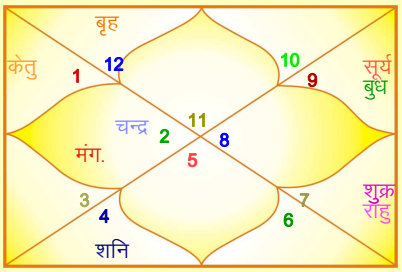

आयर लग्न कण्डली

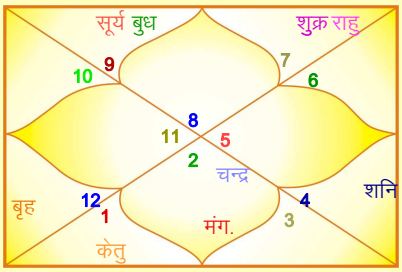

पका लग्न कण्डली

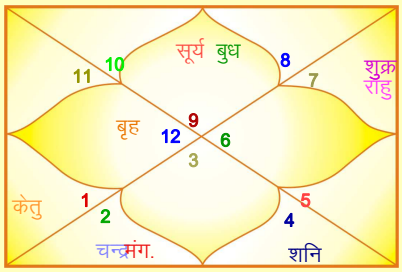

इन्द लग्न कण्डली

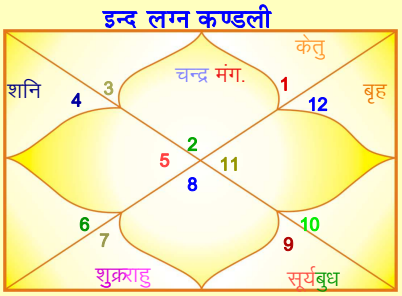

दिव्य लग्न कण्डली

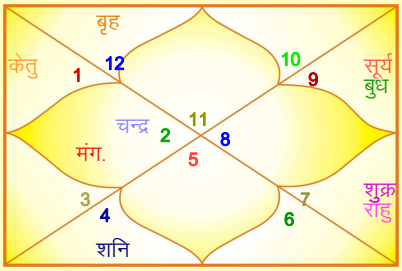

तारा लग्न कण्डली

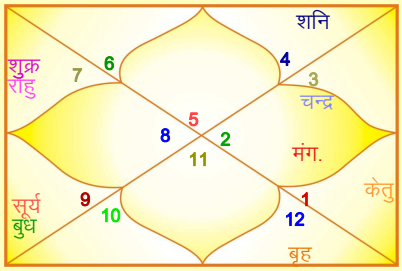

त्रिप्रवन लग्न कण्डली

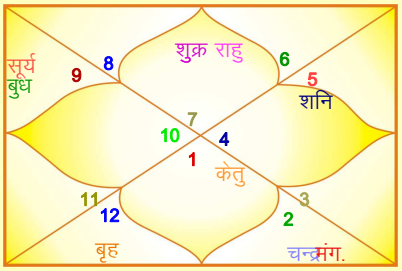

मैत्री चक्र

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह		सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु
☉	सूर्य	....	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
☽	चन्द्रमा	मित्र	....	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
♂	मंगल	मित्र	मित्र	....	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
☿	बुध	मित्र	शत्रु	सम	....	सम	मित्र	सम	सम	सम
♃	बृहस्पति	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	....	शत्रु	सम	मित्र	सम
♀	शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	....	मित्र	मित्र	मित्र
♄	शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	....	मित्र	मित्र
☊	राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	मित्र	मित्र	....	सम
☋	केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	मित्र	सम	....

तत्कालिक मैत्री

ग्रह		सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु
☉	सूर्य	....	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
☽	चन्द्रमा	शत्रु	....	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र
♂	मंगल	शत्रु	शत्रु	....	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र
☿	बुध	शत्रु	शत्रु	शत्रु	....	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
♃	बृहस्पति	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	....	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र
♀	शुक्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	....	मित्र	शत्रु	शत्रु
♄	शनि	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	....	मित्र	मित्र
☊	राहु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	....	शत्रु
☋	केतु	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	....

पचंधा मैत्री

ग्रह		सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु
☉	सूर्य	....	सम	सम	शत्रु	अधिमित्र	सम	अधिशत्रु	सम	अधिशत्रु
☽	चन्द्रमा	सम	....	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	अधिशत्रु	सम
♂	मंगल	सम	सम	....	अधिशत्रु	अधिमित्र	शत्रु	मित्र	अधिशत्रु	अधिमित्र
☿	बुध	सम	अधिशत्रु	शत्रु	....	मित्र	अधिमित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
♃	बृहस्पति	अधिमित्र	अधिमित्र	अधिमित्र	सम	....	अधिशत्रु	शत्रु	सम	मित्र
♀	शुक्र	सम	अधिशत्रु	शत्रु	अधिमित्र	शत्रु	....	अधिमित्र	सम	सम
♄	शनि	अधिशत्रु	सम	सम	सम	शत्रु	अधिमित्र	....	अधिमित्र	अधिमित्र
☊	राहु	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	मित्र	सम	सम	अधिमित्र	....	शत्रु
☋	केतु	अधिशत्रु	सम	अधिमित्र	शत्रु	मित्र	सम	अधिमित्र	शत्रु	....

उपग्रहों की स्थिति

सूर्य पर आधारित उपग्रह

उपग्रह	अधिपति	राशि	डिग्री	नक्षत्र	नक्षत्र चरन
धुम	मंगल	मेष	15:04:46	भरणी	1
व्यतिपात	राहु	मीन	14:55:14	उत्तराभाद्रपद	4
परिवेश	चन्द्रमा	कन्या	14:55:14	हस्त	2
इन्द्रचाप	शुक्र	तुला	15:04:46	स्वाती	3
शिखि	केतु	वृश्चिक	01:44:46	विशाखा	4
भुकम्प	....	कुम्भ	21:44:46	पूर्वाभाद्रपद	1
उल्का	....	मेष	01:44:46	अश्विनी	1
ब्रह्मदंड	....	मिथुन	08:24:46	आर्द्रा	1
ध्वजा	....	सिहं	28:24:46	उत्तराफाल्गुनी	1

दिवस पर आधारित उपग्रह (पराशर)

उपग्रह	अधिपति	राशि	डिग्री	नक्षत्र	नक्षत्र चरन
मृत्यु	मंगल	मिथुन	02:35:56	मृगशिर	3
अर्द्धप्रहर	बुध	मिथुन	25:41:12	पुनर्वसु	2
यमकन्टक	बृहस्पति	कर्क	17:45:55	आश्लेषा	1
कोदन्ड	शुक्र	सिहं	09:59:39	मघा	3
गुलिका	शनि	कन्या	01:48:08	उत्तराफाल्गुनी	2
कालबेला	सूर्य	कन्या	24:34:09	चित्रा	1
परिधि	चन्द्रमा	तुला	16:58:17	स्वाती	4
मन्दी	यम	मिथुन	00:46:25	मृगशिर	3

दिवस पर आधारित उपग्रह (कालिदास)

उपग्रह	अधिपति	राशि	डिग्री	नक्षत्र	नक्षत्र चरन
मृत्यु	मंगल	मिथुन	25:41:12	पुनर्वसु	2
अर्द्धप्रहर	बुध	कर्क	17:45:55	आश्लेषा	1
यमकन्टक	बृहस्पति	सिहं	09:59:39	मघा	3
कोदन्ड	शुक्र	कन्या	01:48:08	उत्तराफाल्गुनी	2
गुलिका	शनि	कन्या	24:34:09	चित्रा	1
कालबेला	सूर्य	तुला	16:58:17	स्वाती	4
परिधि	चन्द्रमा	वृश्चिक	09:01:07	अनुराधा	2
मन्दी	यम	मिथुन	00:46:25	मृगशिर	3

अर्गला चक्र

मुख्य अर्गला

ग्रह	अर्गला (द्वितिय) के द्वारा	विरोधार्गला (द्वादश) के द्वारा	अर्गला (चतुर्थ) के द्वारा	विरोधार्गला (दशम्) के द्वारा	अर्गला (एकादश) के	विरोधार्गला (तृतीय) के द्वारा
सूर्य	–––	–––	बृहस्पति	–––	शुक्र, राहु	–––
चन्द्रमा	–––	केतु	–––	–––	बृहस्पति	शनि
मंगल	–––	केतु	–––	–––	बृहस्पति	शनि
बुध	–––	–––	बृहस्पति	–––	शुक्र, राहु	–––
बृहस्पति	केतु	–––	–––	सूर्य, बुध	–––	चन्द्रमा, मंगल
शुक्र	–––	–––	–––	शनि	–––	सूर्य, बुध
शनि	–––	–––	शुक्र, राहु	केतु	चन्द्रमा, मंगल	–––
राहु	–––	–––	शनि	–––	सूर्य, बुध	–––
केतु	बृहस्पति	चन्द्रमा, मंगल	–––	शनि	–––	–––

गौण अर्गला

ग्रह	अर्गला पंचम के द्वारा	विरोधार्गला (नवम्) के द्वारा
सूर्य	केतु	–––
चन्द्रमा	–––	–––
मंगल	–––	–––
बुध	केतु	–––
बृहस्पति	शनि	–––
शुक्र	–––	–––
शनि	–––	बृहस्पति
राहु	–––	–––
केतु	सूर्य, बुध	–––

विशेष अर्गला

ग्रह	विरोधार्गला (तृतीय) के द्वारा
सूर्य	....
चन्द्रमा	....
मंगल	....
बुध	....
बृहस्पति	....
शुक्र	....
शनि	....
राहु	....
केतु	....

केतु और राहु ग्रह के लिए अर्गला और विरोध अर्गला मुख्य और गौण दोनो, की गणना उल्टी तरफ से किया जाता है। यह सामान्य नियमों के विपरीत है–यह सिद्धान्त हमारे प्राचीन ज्योतिषीयों के द्वारा दिया गया है

ग्रह दृष्टि (पराशरी)

ग्रह	मुख्य दृष्टि	विशेष दृष्टि
सूर्य	------	------
चन्द्रमा	------	------
मंगल	------	सूर्य, बुध
बुध	------	------
बृहस्पति	लग्न	शनि
शुक्र	केतु	------
शनि	------	लग्न, केतु
राहु	केतु	------
केतु	शुक्र, राहु	------

ग्रह दृष्टि (जैमिनी)

राशि (ग्रह)	सम्मुख दृष्टि	पृष्ठ दृष्टि
मेष (के0)	वृश्चिक	सिहं, कुम्भ
वृष (च0, मं0)	तुला (शु0, रा0)	कर्क (श0), मकर
मिथुन	कन्या	धनु (सू0, बु0), मीन (बृ0)
कर्क (श0)	कुम्भ	वृष (च0, मं0), वृश्चिक
सिहं	मकर	मेष (के0), तुला (शु0, रा0)
कन्या	मिथुन	धनु (सू0, बु0), मीन (बृ0)
तुला (शु0, रा0)	वृष (च0, मं0)	सिहं, कुम्भ
वृश्चिक	मेष (के0)	कर्क (श0), मकर
धनु (सू0, बु0)	मीन (बृ0)	मिथुन, कन्या
मकर	सिहं	वृष (च0, मं0), वृश्चिक
कुम्भ	कर्क (श0)	मेष (के0), तुला (शु0, रा0)
मीन (बृ0)	धनु (सू0, बु0)	मिथुन, कन्या

नोट-सम्मुख दृष्टि का प्रभाव पृष्ठ दृष्टि से ज्यादा होता है।

ग्रह दृष्टि (ताजिक)

ग्रह	लग्न	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु
लग्न	---									
सूर्य	4/10 (-)	---								
चन्द्रमा	5/9 (+)	6/8 (-)	---							
मंगल	5/9 (-)	6/8 (-)	1/1 (+)	---						
बुध	4/10 (-)	1/1 (+)	6/8 (-)	6/8 (-)	---					
बृहस्पति	7/7 (+)	4/10 (-)	3/11 (+)	3/11 (+)	4/10 (-)	---				
शुक्र	2/12 (+)	3/11 (-)	6/8 (+)	6/8 (-)	3/11 (+)	6/8 (+)	---			
शनि	3/11 (-)	6/8 (+)	3/11 (-)	3/11 (-)	6/8 (+)	5/9 (-)	4/10 (-)	---		
राहु	2/12 (-)	3/11 (-)	6/8 (+)	6/8 (+)	3/11 (-)	6/8 (+)	1/1 (-)	4/10 (-)	---	
केतु	6/8 (-)	5/9 (-)	2/12 (+)	2/12 (+)	5/9 (-)	2/12 (+)	7/7 (-)	4/10 (-)	7/7 (+)	---

लिजेन्ड-

१/१ कन्जक्शन , २ /१२ सेमी सेक्सटाइल , ३/११ सेक्सटाइल , ४/१० स्क्वायर , ५/९ ट्राइन , ६/८ क्वीन्कशं , ७/७ अपोजीशन (.) से अभिप्राय यह है कि इसमें ग्रहीय दृष्टि सीमा का समावेश है , (_) से अभिप्राय यह है कि इसमें ग्रहीय दृष्टि सीमा का समावेश नहीं है।

नोट- ग्रह दृष्टि के लिए ताजिक सिद्धान्त के अनुसार औसत ग्रहीय दृष्टि सीमा को लिया गया है। राहु और केतु के लिए दृष्टि सीमा ६ लिय गया है, परन्तु लग्न के लिए किसी दृष्टि सीमा को नहीं लिया गया है।

ग्रह अवस्था

ग्रह	स्वप्नादि 3	बलादि 5	लज्जितादि 9	दिप्तादि 9	दिप्तादि 10
सूर्य	स्वप्न	बाल	मुदित	प्रमुदित	मुदित
चन्द्रमा	सुप्त	कुमार	लज्जित	दीप्त	दीप्त
मंगल	स्वप्न	बाल	मुदित	दीन	वक्र
बुध	सुप्त	युवा	क्षुदित	दुखित	संत
बृहस्पति	जाग्रत	कुमार		स्वस्थ	स्वस्थ
शुक्र	जाग्रत	वृद्ध	मुदित	स्वस्थ	स्वस्थ
शनि	जाग्रत	वृद्ध	गर्वित	दीन	मुदित
राहु	स्वप्न	बाल	मुदित	शांत	संत
केतु	स्वप्न	बाल	मुदित	प्रमुदित	मुदित

सन्धि

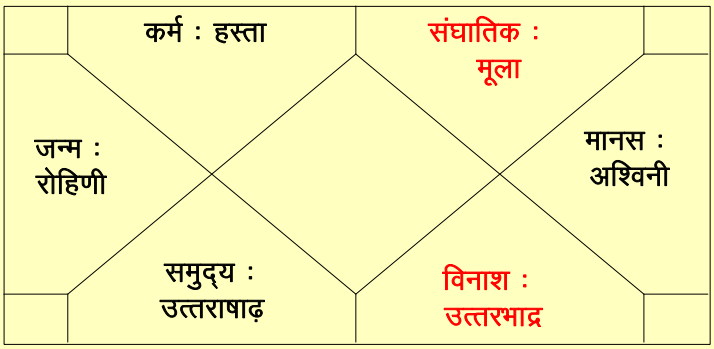

स्थुन		कंटक स्थुन-	मूल	जाति-	अश्विनी	देश-	भरणी
कुज स्थुन-	ज्येष्ठा	रक्त स्थुन-	अश्विनी	प्रतिष्ठा-	कृत्तिका	त्रि-नाड़ि	

नव-तारा चक्र

जन्म	संपत	विपत	क्षेम	प्रत्यरि	साधक	निधन	मित्र	अति मित्र
रोहिणी	मृगशिर	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पूर्वाफाल्गुनी	उत्तराफाल्गुनी
हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ	उत्तराषाढ़
श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पूर्वाभाद्रपद	उत्तराभाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका

आर्कचतुष्टय और नवशुभ अर्क

जन्म : रोहिणी	कर्म : हस्ता	आधान : अभिजीत	नैधव : पूर्वाभाद्र

आर्कचतुष्टय की गणना चन्द्रमा के नक्षत्र से की जाती है (२८ नक्षत्र के आधार पर)।

		दग्ध : मूला	क्षय : धनिष्ठा
	शूल : उत्तरभाद्र	सन्निपात : मृगशिर	ध्वज : अश्लेषा
उल्का : उत्तरफाल्गुनी	भुकम्प : हस्ता	वज्रक : चित्रा	निर्घात : स्वाति

नवशुभ अर्क की गणना चन्द्रमा के नक्षत्र से की जाती है (२७ नक्षत्र के आधार पर)।

जैमिनी पद चक्र

भाव पद

क्रस	पद नाम	पद राशि
1	लग्न पद	मीन
2	धन पद	तुला
3	सहज पद	वृश्चिक
4	मात्रि पद	मिथुन
5	मंत्र पद	मकर
6	अरि पद	धनु
7	दारा पद	मीन
8	रन्ध्र पद	मिथुन
9	पितृ पद	मीन
10	कर्म पद	मिथुन
11	लाभ पद	मीन
12	ब्यय पद	मेष

ग्रह पद

ग्रह		पद राशि
☉	सूर्य	मेष
☽	चन्द्रमा	मीन
♂	मंगल	मिथुन
☿	बुध	मिथुन
♃	बृहस्पति	मिथुन
♀	शुक्र	तुला
♄	शनि	धनु

राशि पद

क्रस	राशि	पद राशि
1	मेष	मेष
2	वृष	धनु
3	मिथुन	मिथुन
4	कर्क	कर्क
5	सिंह	सिंह
6	कन्या	धनु
7	तुला	तुला
8	वृश्चिक	मिथुन
9	धनु	धनु
10	मकर	धनु
11	कुम्भ	कुम्भ
12	मीन	कन्या

त्रि-पाप चक्र

प्रथम चक्र उम्र	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
द्वितिय चक्र उम्र	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48
तृतिय चक्र उम्र	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84
केतु पताकी	चन्द्रमा	मंगल	बुध	शनि	बृहस्पति	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध
केतु कुण्डली	बुध	बुध	मंगल	मंगल	मंगल	केतु	बृहस्पति	बृहस्पति	बृहस्पति	चन्द्रमा	चन्द्रमा	चन्द्रमा
गुरू कुण्डली	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चन्द्रमा	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि

प्रथम चक्र उम्र	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
द्वितिय चक्र उम्र	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
तृतिय चक्र उम्र	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96
केतु पताकी	शनि	बृहस्पति	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	शनि	बृहस्पति	राहु
केतु कुण्डली	केतु	शुक्र	शुक्र	शुक्र	राहु	राहु	केतु	शनि	शनि	शनि	सूर्य	सूर्य
गुरू कुण्डली	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चन्द्रमा	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल

प्रथम चक्र उम्र	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36
द्वितिय चक्र उम्र	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72
तृतिय चक्र उम्र	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108
केतु पताकी	केतु	शुक्र	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	शनि	बृहस्पति	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य
केतु कुण्डली	सूर्य	केतु	बुध	बुध	बुध	मंगल	मंगल	मंगल	केतु	बृहस्पति	बृहस्पति	बृहस्पति
गुरू कुण्डली	केतु	चन्द्रमा	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चन्द्रमा	बुध

सुदर्शन चक्र

2/14/26/38/50/62/74/86/98/110 1/13/25/37/49/61/73/85/97/109 12/24/36/48/60/72/84/96/108/120

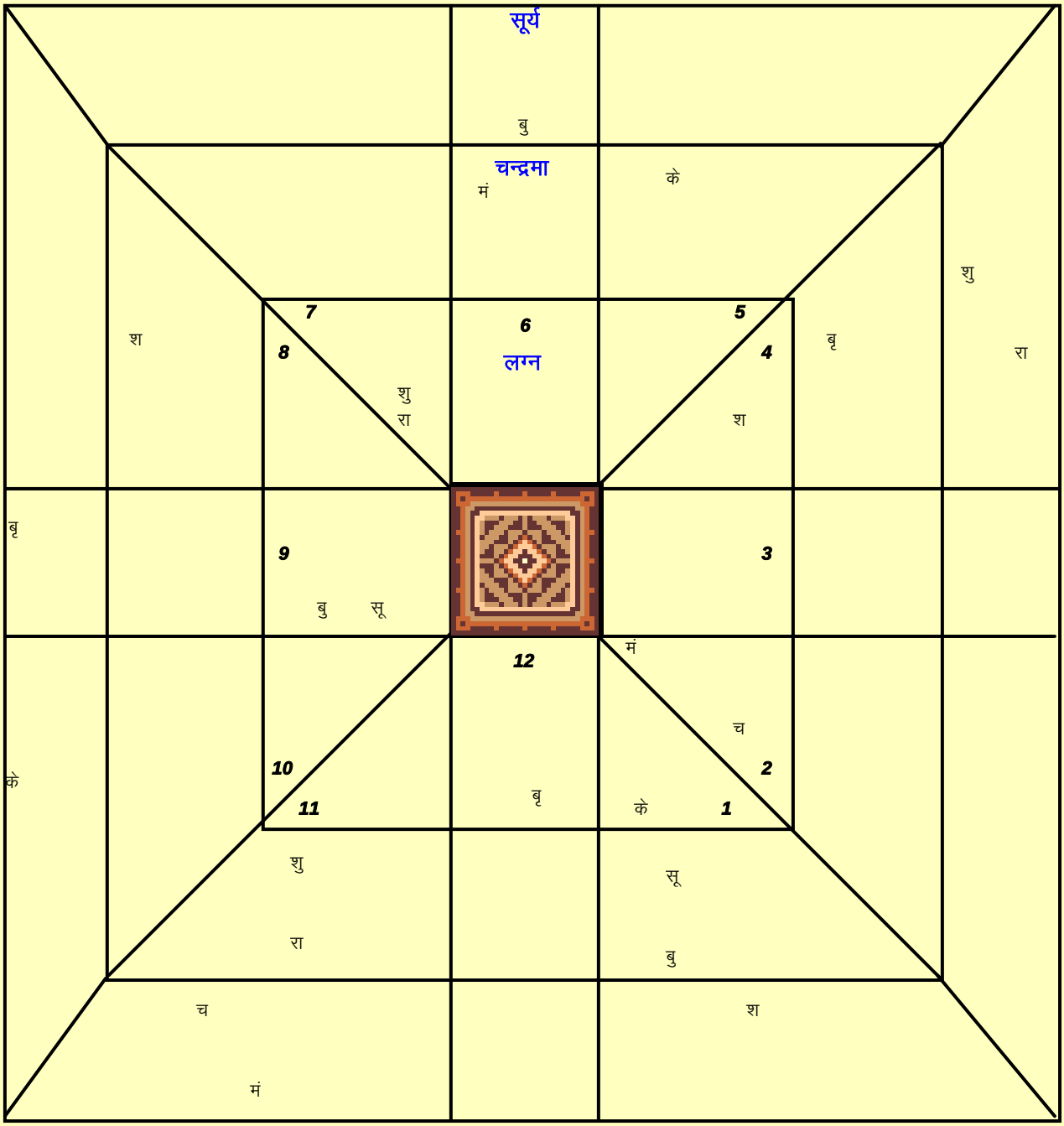

6/18/30/42/54/66/78/90/102/114 7/19/31/43/55/67/79/91/103/115 8/20/32/44/56/68/80/92/104/116

सुदर्शन चक्र शुभ और अशुभ ग्रहों के प्रभाव को दर्शाता है यह (i) लग्न (ii) चन्द्रमा और (iii)सूर्य की स्थिति से इन प्रभावों देखता है। यह जातक की उम्र को भी दर्शाता है कि कब ये प्रभाव जातक पर पड़गें।

यदि केवल शुभ ग्रहों (वृहस्पति, शुक्र वुध, चन्द्रमा) का प्रभाव है तो पूरा साल खुशीयो से भरा होगा और मांगलिक कार्य होगें। यदि केवल अशुभ ग्रहों (मंगल, शनि, राहु, केतू, सुर्य) का प्रभाव है तो यह साल अमंगलकारी होगा।

भिन्न अष्टक वर्ग कुण्डली

शनि

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
♄ शनि	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	**4**
♃ वृह0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	**4**
♂ मगंल	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	**6**
☉ सूर्य	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	**7**
♀ शुक्र	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	**3**
☿ वृध	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	0	0	**6**
☽ न्द्रमा	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	**3**
AC लग्न	0	0	1	1	0	1	0	1	1	0	1	0	**6**
योग	**1**	**2**	**2**	**6**	**3**	**6**	**4**	**3**	**3**	**2**	**3**	**4**	39

बृहस्पति

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
♄ शनि	0	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	**4**
♃ वृह0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	**8**
♂ मगंल	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	**7**
☉ सूर्य	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	1	1	**9**
♀ शुक्र	0	0	1	1	1	0	0	1	0	0	1	1	**6**
☿ वृध	1	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	1	**8**
☽ न्द्रमा	0	0	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	**5**
AC लग्न	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	1	**9**
योग	**2**	**4**	**7**	**3**	**4**	**6**	**4**	**4**	**6**	**5**	**4**	**7**	56

मंगल

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
♄ शनि	1	1	0	1	0	0	1	0	0	1	1	1	**7**
♃ वृह0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	1	0	0	**4**
♂ मगंल	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	**7**
☉ सूर्य	1	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	**5**
♀ शुक्र	0	1	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	**4**
☿ वृध	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	**4**
☽ न्द्रमा	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	**3**
AC लग्न	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	0	**5**
योग	**3**	**5**	**2**	**3**	**3**	**3**	**4**	**2**	**2**	**2**	**6**	**4**	39

सूर्य

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
♄ शनि	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	**8**
♃ वृह0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	0	0	**4**
♂ मगंल	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	**8**
☉ सूर्य	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	**8**
♀ शुक्र	1	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	1	**3**
☿ वृध	1	1	0	0	1	1	1	1	0	0	1	0	**7**
☽ न्द्रमा	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	**4**
AC लग्न	0	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	**6**
योग	**3**	**3**	**3**	**5**	**6**	**3**	**4**	**4**	**3**	**4**	**5**	**5**	48

शुक्र

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
♄ शनि	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	**7**
♃ वृह0	0	0	0	1	0	0	1	1	1	1	0	0	**5**
♂ मगंल	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	**6**
☉ सूर्य	0	0	0	1	0	0	1	1	0	0	0	0	**3**
♀ शुक्र	0	1	1	1	1	0	1	1	1	1	1	0	**9**
☿ वृध	1	1	0	0	1	0	1	0	0	0	1	0	**5**
☽ न्द्रमा	1	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	**9**
AC लग्न	1	1	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	**8**
योग	**5**	**5**	**2**	**6**	**3**	**4**	**7**	**5**	**4**	**5**	**3**	**3**	52

बुध

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
♄ शनि	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	**8**
♃ वृह0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	**4**
♂ मगंल	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	**8**
☉ सूर्य	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	**5**
♀ शुक्र	0	1	1	0	1	0	1	1	1	1	1	0	**8**
☿ वृध	1	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	0	**8**
☽ न्द्रमा	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	**6**
AC लग्न	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	0	**7**
योग	**4**	**5**	**4**	**2**	**7**	**2**	**7**	**4**	**5**	**4**	**7**	**3**	54

चन्द्रमा

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
♄ शनि	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	**4**
♃ वृह0	0	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	1	**7**
♂ मगंल	0	0	1	1	0	1	1	0	0	1	1	1	**7**
☉ सूर्य	0	1	1	1	0	1	1	0	0	0	1	0	**6**
♀ शुक्र	1	0	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	**7**
☿ वृध	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	1	**8**
☽ न्द्रमा	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	**6**
AC लग्न	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	**4**
योग	**2**	**3**	**6**	**6**	**1**	**5**	**5**	**3**	**4**	**3**	**7**	**4**	49

लग्न

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
♄ शनि	1	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	**6**
♃ वृह0	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	1	**9**
♂ मगंल	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	**5**
☉ सूर्य	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	**6**
♀ शुक्र	0	1	1	0	0	0	1	1	1	1	1	0	**7**
☿ वृध	0	1	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	**7**
☽ न्द्रमा	1	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	**5**
AC लग्न	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	**4**
योग	**3**	**5**	**3**	**6**	**1**	**4**	**6**	**4**	**4**	**3**	**5**	**5**	49

राहु

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
♄ शनि	1	1	1	0	0	1	0	1	0	1	0	0	**6**
♃ वृह0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	0	0	1	**5**
♂ मगंल	1	0	1	1	0	1	0	1	0	0	0	0	**5**
☉ सूर्य	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	0	**7**
♀ शुक्र	1	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	**4**
☿ वृध	0	0	1	1	0	0	0	1	0	1	0	1	**5**
☽ न्द्रमा	0	1	0	1	0	1	0	1	1	1	1	0	**7**
AC लग्न	0	1	0	0	1	0	0	1	1	1	0	0	**5**
योग	**4**	**4**	**5**	**4**	**3**	**5**	**1**	**5**	**3**	**5**	**2**	**3**	44

कक्ष बल

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
♄ शनि	5	7	1	4	2	5	5	4	4	3	4	4	**48**
♃ वृह0	2	1	3	4	5	3	4	3	5	8	4	3	**45**
♂ मगंल	2	5	5	4	4	3	4	4	4	4	7	8	**54**
☉ सूर्य	2	4	4	5	3	6	8	3	3	3	4	4	**49**
♀ शुक्र	2	4	5	3	6	3	3	4	4	4	5	4	**47**
☿ वृध	6	7	1	3	5	6	8	3	4	2	5	3	**53**
☽ न्द्रमा	2	2	3	6	2	2	6	2	2	2	4	8	**41**
AC लग्न	2	2	7	8	1	5	3	6	5	2	7	1	**49**
योग	**23**	**32**	**29**	**37**	**28**	**33**	**41**	**29**	**31**	**28**	**40**	**35**	386

सर्वाष्टक वर्ग से निष्कर्ष

सर्वाष्टक वर्ग

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिहं	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
♄ शनि	1	2	2	6	3	6	4	3	3	2	3	4	39
♃ बृहस्पति	2	4	7	3	4	6	4	4	6	5	4	7	56
♂ मगंल	3	5	2	3	3	3	4	2	2	2	6	4	39
☉ सूर्य	3	3	3	5	6	3	4	4	3	4	5	5	48
♀ शुक	5	5	2	6	3	4	7	5	4	5	3	3	52
☿ बुध	4	5	4	2	7	2	7	4	5	4	7	3	54
☽ चन्द्रमा	2	3	6	6	1	5	5	3	4	3	7	4	49
योग	20	27	26	31	27	29	35	25	27	25	35	30	337
AC लग्न	3	5	3	6	1	4	6	4	4	3	5	5	49
☊ राहु	4	4	5	4	3	5	1	5	3	5	2	3	44

तत्व चक्र

स0 व0 बिन्दु	पूर्णांकं	प्राप्ति	शुभ दिशा
अग्नि त्रिकोन	84.25	74	पूर्व
पृथ्वी त्रिकोन	84.25	81	दक्षिण
वायु त्रिकोन	84.25	96	पश्चिम
जल त्रिकोन	84.25	86	उत्तर

)विशेष - सबसे ज़्यादा बिन्दु सबसे शुभ दिशा को इंगित करता है (पू, द, प और उ)। अगर दोनों भागों के बिन्दुओं की संख्या बराबर या आसपास हैं, तो शुभ दिशा (उ पू, दपू, उ प और दप) होगी।)

भुवन चक्र

स0 व0 बिन्दु	पूर्णांकं	प्राप्ति	निष्कर्ष
केन्द्र भाव–राशि	112.33	112	मेहनत और लगन
पनफरा भाव–राशि	112.33	111	आर्थिक स्थिति
अपक्लिम् भाव–राशि	112.33	114	वित्त हानि

दिशा चक्र

भाग	स0 व0 बिन्दु	पूर्णांकं	प्राप्ति	निष्कर्ष
बन्धुक	भाग्य त्रिकोन	84.25	81	बन्धु –बान्धवो से सहायता
सेवक	कर्म त्रिकोन	84.25	96	नौकरी से अर्जन
पोषक	लाभ त्रिकोन	84.25	86	लाभ और धन
घातक	व्यय त्रिकोन	84.25	74	दुर्भाग्य और हानि

सर्वातोभद्र चक्र

जन्म						
ग्रह	**राशि**	**डिग्री**	**नक्षत्र**	**दिशा**		
AC लग्न	कन्या	021:15:23	13 (4)	—	—	—
सूर्य	धनु	001:44:46	19 (1)		मि0ग्र0	शु0ग्र0
चन्द्रमा	वृष	022:29:16	4 (4)		मूत्रि	दु0ग्रह
मंगल	वृष	028:34:16	5 (2)	व0	त0ग्र0	शु0ग्र0
बुध	धनु	012:14:43	19 (4)		श0ग्र0	दु0ग्रह
बृहस्पति	मीन	021:18:54	28 (2)		स्0	—
शुक्र	तुला	019:02:52	15 (4)		स्0	दु0ग्रह
शनि	कर्क	008:28:00	8 (2)	व0	त0ग्र0	—
राहु	तुला	026:29:32	16 (2)	व0	मि0ग्र0	शु0ग्र0
केतु	मेष	026:29:32	2 (4)	व0	मि0ग्र0	—

गोचर						
ग्रह	**राशि**	**डिग्री**	**नक्षत्र**	**दिशा**		
AC लग्न	मिथुन	020:53:56	7 (1)	—	—	—
सूर्य	मकर	006:13:48	21 (3)			शु0ग्र0
चन्द्रमा	कुम्भ	013:21:09	25 (3)			—
मंगल	वृश्चिक	002:08:54	16 (4)			—
बुध	धनु	018:54:01	20 (2)			दु0ग्रह
बृहस्पति	तुला	025:46:28	16 (2)			—
शुक्र	मकर	008:53:53	22 (4)			ज्व0
शनि	धनु	009:30:13	19 (3)			शु0ग्र0
राहु	कर्क	021:45:36	9 (2)	व0	व0	—
केतु	मकर	021:45:36	23 (4)	व0	व0	शु0ग्र0

Name: SAMPLE Date : 18 December 1975 (Thursday) Time : 01:45:00AM Place : New Delhi , INDIA
Transit Date : 20 January 2018 (Saturday) Transit Time : 04:34:37PM Place : New Delhi , INDIA

■ गोचर के ग्रह ■ जन्म समय के ग्रह

Top band (corners अ, आ)

	कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिर	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा
राशियाँ	मे / वृष	वृष	वृष / मिथुन	मिथुन	मिथुन / कर्क	कर्क	कर्क
नवतारा	अतिमित्र	जन्म	संपत	विपत	क्षेम	प्रत्यरी	साधक
नाड़ी	प्रचन्ड	पवन	देहन	शोष्य	नीर	जल	अमृत
नवाशं	9 10 11 12	1 2 3 4	5 6 7 8	9 10 11 12	1 2 3 4	5 6 7 8	9 10 11 12
पद	1 2 3 4	1 2 3 **4**	1 **2** 3 4	1 2 3 4	1 2 3 4	1 **2** 3 4	1 2 3 4
ग्रह		च	मं			श	रा

Inner grid

00	अ	व	क	ह	द	00
ल	लृ	वृष	मिथुन	कर्क	लृ	म
च	मेष	ओ	रवि, मंगल १, ६, ११	औ	सिंह	ट
ध	मीन	शुक्रवार ४, ६, १४	शनिवार ५, १०, १५	सोम, बुध २, ७, १२	कन्या	प
स	कुम्भ	अः	बृहस्पतिवार ३, ८, १३	अं	तुला	र
ग	ऐ	मकर	धनु	वृश्चिक	ऐ	थ
ॠ	ख	ज	भ	य	न	ॠ

Left band

नक्षत्र	राशियाँ	नवतारा	नाड़ी	नवाशं	पद	ग्रह
भरणी	मेष	मित्र	प्रचन्ड	8 7 6 5	**4** 3 2 1	के
अश्विनी		निधन	पवन	4 3 2 1	4 3 2 1	
रेवती	मीन	साधक	देहन	12 11 10 9	4 3 **2** 1	बृ
उत्तराभाद्रपद		प्रत्यरी	शोष्य	8 7 6 5	4 3 2 1	
पूर्वाभाद्रपद	कुम्भ	क्षेम	नीर	4 3 2 1	4 3 2 1	
शतभिषा		विपत	जल	12 11 10 9	4 3 2 1	च
धनिष्ठा	मकर	संपत	अमृत	8 7 6 5	4 3 2 1	

Right band

नक्षत्र	पद	नवाशं	नाड़ी	नवतारा	राशियाँ	ग्रह
मघा	1 2 3 4	1 2 3 4	अमृत	निधन	सिंह	
पूर्वाफाल्गुनी	1 2 3 4	5 6 7 8	जल	मित्र		
उत्तराफाल्गुनी	1 2 3 4	9 10 11 12	नीर	अतिमित्र	कन्या	
हस्त	1 2 3 4	1 2 3 4	शोष्य	जन्म		
चित्रा	1 2 3 4	5 6 7 8	देहन	संपत	तुला	
स्वाती	1 2 3 **4**	9 10 11 12	पवन	विपत		शु
विशाखा	1 **2** 3 4	1 2 3 4	प्रचन्ड	क्षेम	वृ	बृ, रा, मं

Bottom band (corners इ, ई)

	श्रवण	अभिजीत	उत्तराषाढ़	पूर्वाषाढ	मूल	ज्येष्ठा	अनुराधा
ग्रह	के	शु	सू	बु	श, बु, सू		
पद	4 3 2 1	4 3 2 1	4 3 2 1	4 3 2 1	**4** 3 2 **1**	4 3 2 1	4 3 2 1
नवाशं	4 3 2 1	12 12 12 12	12 11 10 9	8 7 6 5	4 3 2 1	12 11 10 9	8 7 6 5
नाड़ी	अमृत	जल	नीर	शोष्य	देहन	पवन	प्रचन्ड
नवतारा	जन्म		अतिमित्र	मित्र	निधन	साधक	प्रत्यरी
राशियाँ	मकर	मकर	मकर / धनु	धनु	धनु / वृश्चिक	वृश्चिक	वृश्चिक

कोटा चक्र

Name: SAMPLE Date : 18 December 1975 (Thursday) Time : 01:45:00AM Place : New Delhi , INDIA
Transit Date : 20 January 2018 (Saturday) Transit Time : 04:34:37PM Place : New Delhi , INDIA

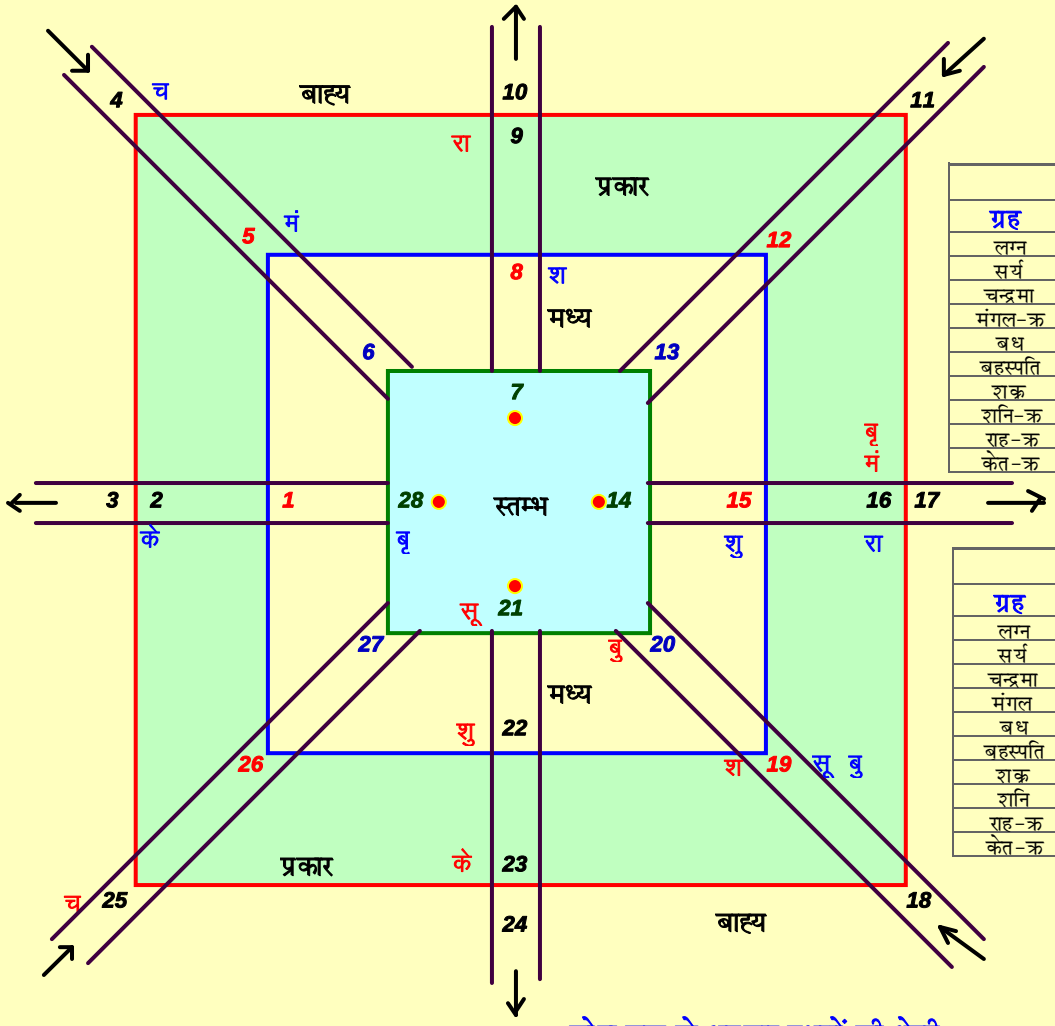

गोचर के ग्रह
जन्म समय के ग्रह

ग्रह स्थिति-जन्म

ग्रह	राशि	डिग्री	नक्षत्र	नपति
लग्न	कन्या	21:15:23	हस्त (४)	चन्द्रमा
सूर्य	धन	01:44:46	मूल (१)	केतु
चन्द्रमा	वृष	22:29:16	रोहिणी (४)	चन्द्रमा
मंगल-क्र	वृष	28:34:16	मृगशिर (२)	मंगल
बुध	धन	12:14:43	मूल (४)	केतु
बृहस्पति	मीन	21:18:54	रेवती (२)	शनि
शुक्र	तुला	19:02:52	स्वाती (४)	राहु
शनि-क्र	कर्क	08:28:00	पुष्य (२)	शनि
राहु-क्र	तुला	26:29:32	विशाखा (२)	बृहस्पति
केतु-क्र	मेष	26:29:32	भरणी (४)	शुक्र

ग्रह स्थिति-गोचर

ग्रह	राशि	डिग्री	नक्षत्र	नपति
लग्न	मिथुन	20:53:56	पुनर्वसु (१)	बृहस्पति
सूर्य	मकर	06:13:48	उत्तराषाढ (३)	सूर्य
चन्द्रमा	कुम्भ	13:21:09	शतभिषा (३)	मंगल
मंगल	वृश्चिक	02:08:54	विशाखा (४)	बृहस्पति
बुध	धन	18:54:01	पूर्वाषाढ (२)	शुक्र
बृहस्पति	तुला	25:46:28	विशाखा (२)	बृहस्पति
शुक्र	मकर	08:53:53	अभिजीत (४)	सूर्य
शनि	धनु	09:30:13	मूल (३)	केतु
राहु-क्र	कर्क	21:45:36	आश्लेषा (२)	बुध
केतु-क्र	मकर	21:45:36	श्रवण (४)	चन्द्रमा

कोटा चक्र के अनुसार नक्षत्रों की श्रेणी

(२८ नक्षत्र के सिद्धान्त पर अभिजित नक्षत्र के साथ)

क्र स	श्रेणी	I	II	III	IV
1.	स्तम्भ नक्षत्र-	पुनर्वसु	चित्रा	उत्तराषाढ़	रेवती
2.	मध्य नक्षत्र (सुर्य से शनि आदि ग्रहों का प्रवेश और राह तथा केत का निकास)	आर्द्रा	हस्त	पूर्वाषाढ	उत्तराभाद्रपद
3.	मध्य नक्षत्र (सुर्य से शनि आदि ग्रहों का निकास और राह तथा केत का प्रवेश)	पुष्य	स्वाती	अभिजीत	अश्विनी
4.	प्रकार नक्षत्र (सुर्य से शनि आदि ग्रहों का प्रवेश और राह तथा केत का निकास)	मृगशिर	उत्तराफाल्गुनी	मूल	पूर्वाभाद्रपद
5.	प्रकार नक्षत्र (सुर्य से शनि आदि ग्रहों का निकास और राह तथा केत का प्रवेश)	आश्लेषा	विशाखा	श्रवण	भरणी
6.	बाह्य नक्षत्र (सुर्य से शनि आदि ग्रहों का प्रवेश और राह तथा केत का निकास)	रोहिणी	पूर्वाफाल्गुनी	ज्येष्ठा	शतभिषा
7.	बाह्य नक्षत्र (सुर्य से शनि आदि ग्रहों का निकास और राह तथा केत का प्रवेश)	मघा	अनुराधा	धनिष्ठा	कृत्तिका

कोटा स्वामी- शुक्र

कोटा पाल- चन्द्रमा

नैसर्गिक शुभ ग्रह- बृहस्पति, शुक्र, बुध और चन्द्रमा		
विवरण	जन्म	गोचर
मारक ग्रह १	शुक्र	चन्द्रमा
मारक ग्रह २	बृहस्पति	बृहस्पति
सामान्य बाधक ग्रह	बृहस्पति	बृहस्पति
विशेष बाधक ग्रह	राहु	केतु
त्रिका स्वामी १	शनि	मंगल
त्रिका स्वामी २	मंगल	शनि
त्रिका स्वामी ३	सूर्य	शुक्र

नैसर्गिक अशुभ ग्रह- शनि, मंगल, राहु और केतु		
विवरण	जन्म	गोचर
क्रियात्मक अशुभ ग्रह १	चन्द्रमा	मंगल
क्रियात्मक अशुभ ग्रह २	मंगल	सूर्य
कोटा पाल और कोटा स्वामी के लिए बाधक ग्रह	---	---
मुख्य कोटा स्वामी और गौण कोटा स्वामी के लिए बाधक ग्रह	---	---

विंशोत्तरी दशा

जन्म के समय विंशोत्तरी ोग्य दशा (एन सी लहरी अयनाश : ०२३:३१:१७) : चन्द्रमा : 0 व0 ७ मा0 १८ दि0

क0 स0	ग्रह दशा	अवधि	से ———————— तक
1	☽ चन्द्रमा महादशा	0 y.7 m.18 d.	18:12:1975 --- 06:08:1976
2	♂ मंगल महादशा	7 y.0 m.0 d.	06:08:1976 --- 06:08:1983
3	☊ राहु महादशा	18 y.0 m.0 d.	06:08:1983 --- 06:08:2001
4	♃ बृहस्पति महादशा	16 y.0 m.0 d.	06:08:2001 --- 06:08:2017
5	♄ शनि महादशा	19 y.0 m.0 d.	06:08:2017 --- 06:08:2036
6	☿ बुध महादशा	17 y.0 m.0 d.	06:08:2036 --- 06:08:2053
7	☋ केतु महादशा	7 y.0 m.0 d.	06:08:2053 --- 06:08:2060
8	♀ शुक्र महादशा	20 y.0 m.0 d.	06:08:2060 --- 06:08:2080
9	☉ सूर्य महादशा	6 y.0 m.0 d.	06:08:2080 --- 06:08:2086

विंशोत्तरी अन्तर्दशा

चन्द्रमा दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
चन्द्रमा	
मंगल	
राहु	
बृहस्पति	
शनि	
बुध	
केतु	
शुक्र	18:12:1975 - 05:02:1976
सूर्य	05:02:1976 - 06:08:1976

मंगल दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
मंगल	06:08:1976 - 02:01:1977
राहु	02:01:1977 - 20:01:1978
बृहस्पति	20:01:1978 - 27:12:1978
शनि	27:12:1978 - 05:02:1980
बुध	05:02:1980 - 02:02:1981
केतु	02:02:1981 - 01:07:1981
शुक्र	01:07:1981 - 30:08:1982
सूर्य	30:08:1982 - 05:01:1983
चन्द्रमा	05:01:1983 - 06:08:1983

राहु दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
राहु	06:08:1983 - 19:04:1986
बृहस्पति	19:04:1986 - 11:09:1988
शनि	11:09:1988 - 19:07:1991
बुध	19:07:1991 - 05:02:1994
केतु	05:02:1994 - 23:02:1995
शुक्र	23:02:1995 - 23:02:1998
सूर्य	23:02:1998 - 17:01:1999
चन्द्रमा	17:01:1999 - 18:07:2000
मंगल	18:07:2000 - 06:08:2001

बृहस्पति दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
बृहस्पति	06:08:2001 - 24:09:2003
शनि	24:09:2003 - 06:04:2006
बुध	06:04:2006 - 12:07:2008
केतु	12:07:2008 - 18:06:2009
शुक्र	18:06:2009 - 17:02:2012
सूर्य	17:02:2012 - 06:12:2012
चन्द्रमा	06:12:2012 - 06:04:2014
मंगल	06:04:2014 - 13:03:2015
राहु	13:03:2015 - 06:08:2017

शनि दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
शनि	06:08:2017 - 09:08:2020
बुध	09:08:2020 - 19:04:2023
केतु	19:04:2023 - 28:05:2024
शुक्र	28:05:2024 - 28:07:2027
सूर्य	28:07:2027 - 09:07:2028
चन्द्रमा	09:07:2028 - 08:02:2030
मंगल	08:02:2030 - 19:03:2031
राहु	19:03:2031 - 23:01:2034
बृहस्पति	23:01:2034 - 06:08:2036

बुध दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
बुध	06:08:2036 - 02:01:2039
केतु	02:01:2039 - 30:12:2039
शुक्र	30:12:2039 - 30:10:2042
सूर्य	30:10:2042 - 06:09:2043
चन्द्रमा	06:09:2043 - 05:02:2045
मंगल	05:02:2045 - 02:02:2046
राहु	02:02:2046 - 21:08:2048
बृहस्पति	21:08:2048 - 27:11:2050
शनि	27:11:2050 - 06:08:2053

केतु दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
केतु	06:08:2053 - 02:01:2054
शुक्र	02:01:2054 - 04:03:2055
सूर्य	04:03:2055 - 10:07:2055
चन्द्रमा	10:07:2055 - 08:02:2056
मंगल	08:02:2056 - 06:07:2056
राहु	06:07:2056 - 25:07:2057
बृहस्पति	25:07:2057 - 01:07:2058
शनि	01:07:2058 - 09:08:2059
बुध	09:08:2059 - 06:08:2060

शुक्र दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
शुक्र	06:08:2060 - 06:12:2063
सूर्य	06:12:2063 - 06:12:2064
चन्द्रमा	06:12:2064 - 06:08:2066
मंगल	06:08:2066 - 06:10:2067
राहु	06:10:2067 - 06:10:2070
बृहस्पति	06:10:2070 - 06:06:2073
शनि	06:06:2073 - 06:08:2076
बुध	06:08:2076 - 06:06:2079
केतु	06:06:2079 - 06:08:2080

सूर्य दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
सूर्य	06:08:2080 - 23:11:2080
चन्द्रमा	23:11:2080 - 25:05:2081
मंगल	25:05:2081 - 30:09:2081
राहु	30:09:2081 - 24:08:2082
बृहस्पति	24:08:2082 - 12:06:2083
शनि	12:06:2083 - 24:05:2084
बुध	24:05:2084 - 31:03:2085
केतु	31:03:2085 - 06:08:2085
शुक्र	06:08:2085 - 06:08:2086

विंशोत्तरी दशा

शनि महादशा (06:08:2017 से 06:08:2036)

शनि अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शनि	06:08:2017
बुध	27:01:2018
केतु	02:07:2018
शुक्र	04:09:2018
सूर्य	06:03:2019
चन्द्रमा	29:04:2019
मंगल	30:07:2019
राहु	02:10:2019
बृहस्पति	15:03:2020

बुध अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बुध	09:08:2020
केतु	26:12:2020
शुक्र	22:02:2021
सूर्य	04:08:2021
चन्द्रमा	22:09:2021
मंगल	13:12:2021
राहु	09:02:2022
बृहस्पति	06:07:2022
शनि	14:11:2022

केतु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
केतु	19:04:2023
शुक्र	12:05:2023
सूर्य	19:07:2023
चन्द्रमा	08:08:2023
मंगल	11:09:2023
राहु	04:10:2023
बृहस्पति	04:12:2023
शनि	27:01:2024
बुध	31:03:2024

शुक्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शुक्र	28:05:2024
सूर्य	07:12:2024
चन्द्रमा	03:02:2025
मंगल	10:05:2025
राहु	16:07:2025
बृहस्पति	06:01:2026
शनि	09:06:2026
बुध	09:12:2026
केतु	22:05:2027

सूर्य अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
सूर्य	28:07:2027
चन्द्रमा	14:08:2027
मंगल	12:09:2027
राहु	02:10:2027
बृहस्पति	23:11:2027
शनि	09:01:2028
बुध	04:03:2028
केतु	22:04:2028
शुक्र	12:05:2028

चन्द्रमा अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
चन्द्रमा	09:07:2028
मंगल	27:08:2028
राहु	29:09:2028
बृहस्पति	25:12:2028
शनि	12:03:2029
बुध	12:06:2029
केतु	02:09:2029
शुक्र	05:10:2029
सूर्य	10:01:2030

मंगल अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
मंगल	08:02:2030
राहु	03:03:2030
बृहस्पति	03:05:2030
शनि	26:06:2030
बुध	29:08:2030
केतु	25:10:2030
शुक्र	18:11:2030
सूर्य	24:01:2031
चन्द्रमा	13:02:2031

राहु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
राहु	19:03:2031
बृहस्पति	22:08:2031
शनि	08:01:2032
बुध	21:06:2032
केतु	16:11:2032
शुक्र	16:01:2033
सूर्य	08:07:2033
चन्द्रमा	29:08:2033
मंगल	24:11:2033

बृहस्पति अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बृहस्पति	23:01:2034
शनि	27:05:2034
बुध	20:10:2034
केतु	28:02:2035
शुक्र	23:04:2035
सूर्य	24:09:2035
चन्द्रमा	09:11:2035
मंगल	26:01:2036
राहु	20:03:2036

विंशोत्तरी दशा

शनि अन्तर्दशा (06:08:2017 से 09:08:2020)

शनि प्रत्यन्तर्दशा

सूक्ष्म दशा	से –
शनि	06:08:2017
बुध	03:09:2017
केतु	27:09:2017
शुक्र	07:10:2017
सूर्य	05:11:2017
चन्द्रमा	14:11:2017
मंगल	29:11:2017
राहु	09:12:2017
बृहस्पति	04:01:2018

बुध प्रत्यन्तर्दशा

सूक्ष्म दशा	से –
बुध	27:01:2018
केतु	18:02:2018
शुक्र	27:02:2018
सूर्य	25:03:2018
चन्द्रमा	02:04:2018
मंगल	15:04:2018
राहु	24:04:2018
बृहस्पति	17:05:2018
शनि	07:06:2018

केतु प्रत्यन्तर्दशा

सूक्ष्म दशा	से –
केतु	02:07:2018
शुक्र	05:07:2018
सूर्य	16:07:2018
चन्द्रमा	19:07:2018
मंगल	24:07:2018
राहु	28:07:2018
बृहस्पति	07:08:2018
शनि	15:08:2018
बुध	25:08:2018

शुक्र प्रत्यन्तर्दशा

सूक्ष्म दशा	से –
शुक्र	04:09:2018
सूर्य	04:10:2018
चन्द्रमा	13:10:2018
मंगल	28:10:2018
राहु	08:11:2018
बृहस्पति	06:12:2018
शनि	30:12:2018
बुध	28:01:2019
केतु	23:02:2019

सूर्य प्रत्यन्तर्दशा

सूक्ष्म दशा	से –
सूर्य	06:03:2019
चन्द्रमा	08:03:2019
मंगल	13:03:2019
राहु	16:03:2019
बृहस्पति	24:03:2019
शनि	01:04:2019
बुध	09:04:2019
केतु	17:04:2019
शुक्र	20:04:2019

चन्द्रमा प्रत्यन्तर्दशा

सूक्ष्म दशा	से –
चन्द्रमा	29:04:2019
मंगल	07:05:2019
राहु	12:05:2019
बृहस्पति	26:05:2019
शनि	07:06:2019
बुध	22:06:2019
केतु	05:07:2019
शुक्र	10:07:2019
सूर्य	25:07:2019

मंगल प्रत्यन्तर्दशा

सूक्ष्म दशा	से –
मंगल	30:07:2019
राहु	03:08:2019
बृहस्पति	12:08:2019
शनि	21:08:2019
बुध	31:08:2019
केतु	09:09:2019
शुक्र	13:09:2019
सूर्य	23:09:2019
चन्द्रमा	27:09:2019

राहु प्रत्यन्तर्दशा

सूक्ष्म दशा	से –
राहु	02:10:2019
बृहस्पति	27:10:2019
शनि	18:11:2019
बुध	14:12:2019
केतु	06:01:2020
शुक्र	16:01:2020
सूर्य	12:02:2020
चन्द्रमा	21:02:2020
मंगल	05:03:2020

बृहस्पति प्रत्यन्तर्दशा

सूक्ष्म दशा	से –
बृहस्पति	15:03:2020
शनि	04:04:2020
बुध	27:04:2020
केतु	18:05:2020
शुक्र	26:05:2020
सूर्य	20:06:2020
चन्द्रमा	27:06:2020
मंगल	09:07:2020
राहु	18:07:2020

विंशोत्तरी दशा

शनि प्रत्यन्तर्दशा (06:08:2017 से 27:01:2018)

शनि सुक्ष्म दशा

प्राण दशा	से –
शनि	06:08:2017 : 01:11:26PM
बुध	10:08:2017 : 09:47:39PM
केतु	14:08:2017 : 07:23:14PM
शुक्र	16:08:2017 : 09:55:31AM
सूर्य	21:08:2017 : 00:02:04AM
चन्द्रमा	22:08:2017 : 09:04:02AM
मंगल	24:08:2017 : 04:07:19PM
राहु	26:08:2017 : 06:39:36AM
बृहस्पति	30:08:2017 : 09:45:30AM

बुध सुक्ष्म दशा

प्राण दशा	से –
बुध	03:09:2017 : 01:50:44AM
केतु	06:09:2017 : 01:35:12PM
शुक्र	08:09:2017 : 00:04:05AM
सूर्य	12:09:2017 : 02:35:13AM
चन्द्रमा	13:09:2017 : 08:08:33AM
मंगल	15:09:2017 : 09:24:07AM
राहु	16:09:2017 : 07:53:00PM
बृहस्पति	20:09:2017 : 00:33:01PM
शनि	23:09:2017 : 07:21:55PM

केतु सुक्ष्म दशा

प्राण दशा	से –
केतु	27:09:2017 : 04:57:29PM
शुक्र	28:09:2017 : 07:09:23AM
सूर्य	29:09:2017 : 11:43:22PM
चन्द्रमा	30:09:2017 : 11:53:34AM
मंगल	01:10:2017 : 08:10:34AM
राहु	01:10:2017 : 10:22:28PM
बृहस्पति	03:10:2017 : 10:53:04AM
शनि	04:10:2017 : 07:20:15PM
बुध	06:10:2017 : 09:52:33AM

शुक्र सुक्ष्म दशा

प्राण दशा	से –
शुक्र	07:10:2017 : 08:21:26PM
सूर्य	12:10:2017 : 04:15:42PM
चन्द्रमा	14:10:2017 : 03:01:59AM
मंगल	16:10:2017 : 00:59:07PM
राहु	18:10:2017 : 05:33:06AM
बृहस्पति	22:10:2017 : 01:51:57PM
शनि	26:10:2017 : 10:35:21AM
बुध	31:10:2017 : 00:41:54AM
केतु	04:11:2017 : 03:13:02AM

सूर्य सुक्ष्म दशा

प्राण दशा	से –
सूर्य	05:11:2017 : 07:47:01PM
चन्द्रमा	06:11:2017 : 06:12:54AM
मंगल	06:11:2017 : 11:36:03PM
राहु	07:11:2017 : 11:46:15AM
बृहस्पति	08:11:2017 : 07:03:54PM
शनि	09:11:2017 : 10:52:55PM
बुध	11:11:2017 : 07:54:53AM
केतु	12:11:2017 : 01:28:13PM
शुक्र	13:11:2017 : 01:38:25AM

चन्द्रमा सुक्ष्म दशा

प्राण दशा	से –
चन्द्रमा	14:11:2017 : 00:24:42PM
मंगल	15:11:2017 : 05:23:16PM
राहु	16:11:2017 : 01:40:16PM
बृहस्पति	18:11:2017 : 05:49:41PM
शनि	20:11:2017 : 04:11:23PM
बुध	22:11:2017 : 11:14:40PM
केतु	25:11:2017 : 00:30:13AM
शुक्र	25:11:2017 : 08:47:13PM
सूर्य	28:11:2017 : 06:44:21AM

मंगल सुक्ष्म दशा

प्राण दशा	से –
मंगल	29:11:2017 : 00:07:29AM
राहु	29:11:2017 : 02:19:23PM
बृहस्पति	01:12:2017 : 02:49:59AM
शनि	02:12:2017 : 11:17:10AM
बुध	04:12:2017 : 01:49:28AM
केतु	05:12:2017 : 00:18:22PM
शुक्र	06:12:2017 : 02:30:15AM
सूर्य	07:12:2017 : 07:04:15PM
चन्द्रमा	08:12:2017 : 07:14:27AM

राहु सुक्ष्म दशा

प्राण दशा	से –
राहु	09:12:2017 : 03:31:27AM
बृहस्पति	13:12:2017 : 01:24:24AM
शनि	16:12:2017 : 00:51:28PM
बुध	20:12:2017 : 03:57:22PM
केतु	24:12:2017 : 08:37:22AM
शुक्र	25:12:2017 : 09:07:58PM
सूर्य	30:12:2017 : 05:26:48AM
चन्द्रमा	31:12:2017 : 00:44:27PM
मंगल	02:01:2018 : 04:53:52PM

बृहस्पति सुक्ष्म दशा

प्राण दशा	से –
बृहस्पति	04:01:2018 : 05:24:28AM
शनि	07:01:2018 : 07:35:12AM
बुध	10:01:2018 : 11:40:26PM
केतु	14:01:2018 : 06:29:20AM
शुक्र	15:01:2018 : 02:56:32PM
सूर्य	19:01:2018 : 11:39:57AM
चन्द्रमा	20:01:2018 : 03:28:58PM
मंगल	22:01:2018 : 01:50:40PM
राहु	23:01:2018 : 10:17:52PM

विंशोत्तरी दशा

चन्द्रमा महादशा (18:12:1975 से 06:08:1976)

प्रत्यन्तर्दशा	से –

प्रत्यन्तर्दशा	से –

प्रत्यन्तर्दशा	से –

प्रत्यन्तर्दशा	से –

प्रत्यन्तर्दशा	से –

प्रत्यन्तर्दशा	से –

प्रत्यन्तर्दशा	से –

शुक्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बुध	18:12:1975
केतु	31:12:1975

सूर्य अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
सूर्य	05:02:1976
चन्द्रमा	14:02:1976
मंगल	29:02:1976
राहु	11:03:1976
बृहस्पति	07:04:1976
शनि	02:05:1976
बुध	31:05:1976
केतु	26:06:1976
शुक्र	06:07:1976

विंशोत्तरी दशा

मंगल महादशा (06:08:1976 से 06:08:1983)

मंगल अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
मंगल	06:08:1976
राहु	14:08:1976
बृहस्पति	06:09:1976
शनि	26:09:1976
बुध	19:10:1976
केतु	10:11:1976
शुक्र	18:11:1976
सूर्य	13:12:1976
चन्द्रमा	21:12:1976

राहु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
राहु	02:01:1977
बृहस्पति	01:03:1977
शनि	21:04:1977
बुध	20:06:1977
केतु	14:08:1977
शुक्र	05:09:1977
सूर्य	08:11:1977
चन्द्रमा	27:11:1977
मंगल	29:12:1977

बृहस्पति अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बृहस्पति	20:01:1978
शनि	07:03:1978
बुध	30:04:1978
केतु	17:06:1978
शुक्र	07:07:1978
सूर्य	02:09:1978
चन्द्रमा	19:09:1978
मंगल	17:10:1978
राहु	06:11:1978

शनि अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शनि	27:12:1978
बुध	01:03:1979
केतु	27:04:1979
शुक्र	21:05:1979
सूर्य	27:07:1979
चन्द्रमा	17:08:1979
मंगल	19:09:1979
राहु	13:10:1979
बृहस्पति	13:12:1979

बुध अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बुध	05:02:1980
केतु	27:03:1980
शुक्र	17:04:1980
सूर्य	17:06:1980
चन्द्रमा	05:07:1980
मंगल	04:08:1980
राहु	25:08:1980
बृहस्पति	19:10:1980
शनि	06:12:1980

केतु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
केतु	02:02:1981
शुक्र	10:02:1981
सूर्य	07:03:1981
चन्द्रमा	15:03:1981
मंगल	27:03:1981
राहु	05:04:1981
बृहस्पति	27:04:1981
शनि	17:05:1981
बुध	09:06:1981

शुक्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शुक्र	01:07:1981
सूर्य	10:09:1981
चन्द्रमा	01:10:1981
मंगल	05:11:1981
राहु	30:11:1981
बृहस्पति	02:02:1982
शनि	31:03:1982
बुध	06:06:1982
केतु	06:08:1982

सूर्य अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
सूर्य	30:08:1982
चन्द्रमा	06:09:1982
मंगल	16:09:1982
राहु	24:09:1982
बृहस्पति	13:10:1982
शनि	30:10:1982
बुध	19:11:1982
केतु	07:12:1982
शुक्र	15:12:1982

चन्द्रमा अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
चन्द्रमा	05:01:1983
मंगल	23:01:1983
राहु	04:02:1983
बृहस्पति	08:03:1983
शनि	06:04:1983
बुध	09:05:1983
केतु	09:06:1983
शुक्र	21:06:1983
सूर्य	26:07:1983

विंशोत्तरी दशा

राहु महादशा (06:08:1983 से 06:08:2001)

राहु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
राहु	06:08:1983
बृहस्पति	01:01:1984
शनि	12:05:1984
बुध	15:10:1984
केतु	04:03:1985
शुक्र	30:04:1985
सूर्य	12:10:1985
चन्द्रमा	30:11:1985
मंगल	20:02:1986

बृहस्पति अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बृहस्पति	19:04:1986
शनि	13:08:1986
बुध	30:12:1986
केतु	03:05:1987
शुक्र	23:06:1987
सूर्य	16:11:1987
चन्द्रमा	30:12:1987
मंगल	12:03:1988
राहु	03:05:1988

शनि अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शनि	11:09:1988
बुध	23:02:1989
केतु	21:07:1989
शुक्र	19:09:1989
सूर्य	12:03:1990
चन्द्रमा	03:05:1990
मंगल	28:07:1990
राहु	27:09:1990
बृहस्पति	02:03:1991

बुध अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बुध	19:07:1991
केतु	28:11:1991
शुक्र	21:01:1992
सूर्य	25:06:1992
चन्द्रमा	10:08:1992
मंगल	27:10:1992
राहु	20:12:1992
बृहस्पति	09:05:1993
शनि	10:09:1993

केतु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
केतु	05:02:1994
शुक्र	27:02:1994
सूर्य	02:05:1994
चन्द्रमा	21:05:1994
मंगल	22:06:1994
राहु	14:07:1994
बृहस्पति	10:09:1994
शनि	31:10:1994
बुध	31:12:1994

शुक्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शुक्र	23:02:1995
सूर्य	24:08:1995
चन्द्रमा	18:10:1995
मंगल	17:01:1996
राहु	21:03:1996
बृहस्पति	02:09:1996
शनि	26:01:1997
बुध	19:07:1997
केतु	21:12:1997

सूर्य अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
सूर्य	23:02:1998
चन्द्रमा	11:03:1998
मंगल	08:04:1998
राहु	27:04:1998
बृहस्पति	15:06:1998
शनि	29:07:1998
बुध	19:09:1998
केतु	04:11:1998
शुक्र	24:11:1998

चन्द्रमा अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
चन्द्रमा	17:01:1999
मंगल	04:03:1999
राहु	05:04:1999
बृहस्पति	26:06:1999
शनि	07:09:1999
बुध	03:12:1999
केतु	18:02:2000
शुक्र	21:03:2000
सूर्य	21:06:2000

मंगल अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
मंगल	18:07:2000
राहु	10:08:2000
बृहस्पति	06:10:2000
शनि	27:11:2000
बुध	26:01:2001
केतु	22:03:2001
शुक्र	13:04:2001
सूर्य	16:06:2001
चन्द्रमा	05:07:2001

विंशोत्तरी दशा

बृहस्पति महादशा (06:08:2001 से 06:08:2017)

बृहस्पति अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बृहस्पति	06:08:2001
शनि	18:11:2001
बुध	21:03:2002
केतु	10:07:2002
शुक्र	24:08:2002
सूर्य	01:01:2003
चन्द्रमा	09:02:2003
मंगल	15:04:2003
राहु	30:05:2003

शनि अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शनि	24:09:2003
बुध	17:02:2004
केतु	28:06:2004
शुक्र	21:08:2004
सूर्य	22:01:2005
चन्द्रमा	09:03:2005
मंगल	25:05:2005
राहु	18:07:2005
बृहस्पति	04:12:2005

बुध अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बुध	06:04:2006
केतु	02:08:2006
शुक्र	19:09:2006
सूर्य	04:02:2007
चन्द्रमा	17:03:2007
मंगल	25:05:2007
राहु	12:07:2007
बृहस्पति	13:11:2007
शनि	03:03:2008

केतु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
केतु	12:07:2008
शुक्र	01:08:2008
सूर्य	27:09:2008
चन्द्रमा	14:10:2008
मंगल	12:11:2008
राहु	02:12:2008
बृहस्पति	22:01:2009
शनि	08:03:2009
बुध	01:05:2009

शुक्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शुक्र	18:06:2009
सूर्य	28:11:2009
चन्द्रमा	15:01:2010
मंगल	06:04:2010
राहु	02:06:2010
बृहस्पति	26:10:2010
शनि	05:03:2011
बुध	06:08:2011
केतु	22:12:2011

सूर्य अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
सूर्य	17:02:2012
चन्द्रमा	03:03:2012
मंगल	27:03:2012
राहु	13:04:2012
बृहस्पति	27:05:2012
शनि	05:07:2012
बुध	20:08:2012
केतु	01:10:2012
शुक्र	18:10:2012

चन्द्रमा अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
चन्द्रमा	06:12:2012
मंगल	15:01:2013
राहु	13:02:2013
बृहस्पति	27:04:2013
शनि	01:07:2013
बुध	16:09:2013
केतु	24:11:2013
शुक्र	22:12:2013
सूर्य	13:03:2014

मंगल अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
मंगल	06:04:2014
राहु	26:04:2014
बृहस्पति	16:06:2014
शनि	01:08:2014
बुध	24:09:2014
केतु	11:11:2014
शुक्र	01:12:2014
सूर्य	27:01:2015
चन्द्रमा	13:02:2015

राहु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
राहु	13:03:2015
बृहस्पति	22:07:2015
शनि	16:11:2015
बुध	03:04:2016
केतु	06:08:2016
शुक्र	26:09:2016
सूर्य	19:02:2017
चन्द्रमा	04:04:2017
मंगल	16:06:2017

विंशोत्तरी दशा

शनि महादशा (06:08:2017 से 06:08:2036)

शनि अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शनि	06:08:2017
बुध	27:01:2018
केतु	02:07:2018
शुक्र	04:09:2018
सूर्य	06:03:2019
चन्द्रमा	29:04:2019
मंगल	30:07:2019
राहु	02:10:2019
बृहस्पति	15:03:2020

बुध अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बुध	09:08:2020
केतु	26:12:2020
शुक्र	22:02:2021
सूर्य	04:08:2021
चन्द्रमा	22:09:2021
मंगल	13:12:2021
राहु	09:02:2022
बृहस्पति	06:07:2022
शनि	14:11:2022

केतु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
केतु	19:04:2023
शुक्र	12:05:2023
सूर्य	19:07:2023
चन्द्रमा	08:08:2023
मंगल	11:09:2023
राहु	04:10:2023
बृहस्पति	04:12:2023
शनि	27:01:2024
बुध	31:03:2024

शुक्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शुक्र	28:05:2024
सूर्य	07:12:2024
चन्द्रमा	03:02:2025
मंगल	10:05:2025
राहु	16:07:2025
बृहस्पति	06:01:2026
शनि	09:06:2026
बुध	09:12:2026
केतु	22:05:2027

सूर्य अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
सूर्य	28:07:2027
चन्द्रमा	14:08:2027
मंगल	12:09:2027
राहु	02:10:2027
बृहस्पति	23:11:2027
शनि	09:01:2028
बुध	04:03:2028
केतु	22:04:2028
शुक्र	12:05:2028

चन्द्रमा अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
चन्द्रमा	09:07:2028
मंगल	27:08:2028
राहु	29:09:2028
बृहस्पति	25:12:2028
शनि	12:03:2029
बुध	12:06:2029
केतु	02:09:2029
शुक्र	05:10:2029
सूर्य	10:01:2030

मंगल अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
मंगल	08:02:2030
राहु	03:03:2030
बृहस्पति	03:05:2030
शनि	26:06:2030
बुध	29:08:2030
केतु	25:10:2030
शुक्र	18:11:2030
सूर्य	24:01:2031
चन्द्रमा	13:02:2031

राहु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
राहु	19:03:2031
बृहस्पति	22:08:2031
शनि	08:01:2032
बुध	21:06:2032
केतु	16:11:2032
शुक्र	16:01:2033
सूर्य	08:07:2033
चन्द्रमा	29:08:2033
मंगल	24:11:2033

बृहस्पति अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बृहस्पति	23:01:2034
शनि	27:05:2034
बुध	20:10:2034
केतु	28:02:2035
शुक्र	23:04:2035
सूर्य	24:09:2035
चन्द्रमा	09:11:2035
मंगल	26:01:2036
राहु	20:03:2036

विंशोत्तरी दशा

बुध महादशा (06:08:2036 से 06:08:2053)

बुध अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बुध	06:08:2036
केतु	09:12:2036
शुक्र	29:01:2037
सूर्य	24:06:2037
चन्द्रमा	07:08:2037
मंगल	20:10:2037
राहु	10:12:2037
बृहस्पति	21:04:2038
शनि	16:08:2038

केतु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
केतु	02:01:2039
शुक्र	23:01:2039
सूर्य	25:03:2039
चन्द्रमा	12:04:2039
मंगल	12:05:2039
राहु	02:06:2039
बृहस्पति	26:07:2039
शनि	13:09:2039
बुध	09:11:2039

शुक्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शुक्र	30:12:2039
सूर्य	20:06:2040
चन्द्रमा	11:08:2040
मंगल	05:11:2040
राहु	05:01:2041
बृहस्पति	09:06:2041
शनि	25:10:2041
बुध	06:04:2042
केतु	31:08:2042

सूर्य अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
सूर्य	30:10:2042
चन्द्रमा	15:11:2042
मंगल	11:12:2042
राहु	29:12:2042
बृहस्पति	13:02:2043
शनि	27:03:2043
बुध	15:05:2043
केतु	28:06:2043
शुक्र	16:07:2043

चन्द्रमा अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
चन्द्रमा	06:09:2043
मंगल	19:10:2043
राहु	18:11:2043
बृहस्पति	03:02:2044
शनि	13:04:2044
बुध	04:07:2044
केतु	15:09:2044
शुक्र	15:10:2044
सूर्य	10:01:2045

मंगल अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
मंगल	05:02:2045
राहु	26:02:2045
बृहस्पति	21:04:2045
शनि	08:06:2045
बुध	05:08:2045
केतु	25:09:2045
शुक्र	16:10:2045
सूर्य	15:12:2045
चन्द्रमा	02:01:2046

राहु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
राहु	02:02:2046
बृहस्पति	21:06:2046
शनि	23:10:2046
बुध	20:03:2047
केतु	29:07:2047
शुक्र	22:09:2047
सूर्य	24:02:2048
चन्द्रमा	11:04:2048
मंगल	27:06:2048

बृहस्पति अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बृहस्पति	21:08:2048
शनि	10:12:2048
बुध	20:04:2049
केतु	15:08:2049
शुक्र	02:10:2049
सूर्य	17:02:2050
चन्द्रमा	30:03:2050
मंगल	07:06:2050
राहु	26:07:2050

शनि अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शनि	27:11:2050
बुध	01:05:2051
केतु	17:09:2051
शुक्र	14:11:2051
सूर्य	26:04:2052
चन्द्रमा	14:06:2052
मंगल	04:09:2052
राहु	01:11:2052
बृहस्पति	28:03:2053

विंशोत्तरी दशा

केतु महादशा (06:08:2053 से 06:08:2060)

केतु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
केतु	06:08:2053
शुक्र	15:08:2053
सूर्य	09:09:2053
चन्द्रमा	16:09:2053
मंगल	28:09:2053
राहु	07:10:2053
बृहस्पति	30:10:2053
शनि	18:11:2053
बुध	12:12:2053

शुक्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शुक्र	02:01:2054
सूर्य	14:03:2054
चन्द्रमा	04:04:2054
मंगल	10:05:2054
राहु	04:06:2054
बृहस्पति	07:08:2054
शनि	02:10:2054
बुध	09:12:2054
केतु	07:02:2055

सूर्य अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
सूर्य	04:03:2055
चन्द्रमा	10:03:2055
मंगल	21:03:2055
राहु	28:03:2055
बृहस्पति	17:04:2055
शनि	04:05:2055
बुध	24:05:2055
केतु	11:06:2055
शुक्र	18:06:2055

चन्द्रमा अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
चन्द्रमा	10:07:2055
मंगल	27:07:2055
राहु	09:08:2055
बृहस्पति	10:09:2055
शनि	08:10:2055
बुध	11:11:2055
केतु	11:12:2055
शुक्र	24:12:2055
सूर्य	28:01:2056

मंगल अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
मंगल	08:02:2056
राहु	16:02:2056
बृहस्पति	10:03:2056
शनि	30:03:2056
बुध	22:04:2056
केतु	14:05:2056
शुक्र	22:05:2056
सूर्य	16:06:2056
चन्द्रमा	24:06:2056

राहु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
राहु	06:07:2056
बृहस्पति	02:09:2056
शनि	23:10:2056
बुध	23:12:2056
केतु	15:02:2057
शुक्र	10:03:2057
सूर्य	12:05:2057
चन्द्रमा	01:06:2057
मंगल	03:07:2057

बृहस्पति अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बृहस्पति	25:07:2057
शनि	08:09:2057
बुध	01:11:2057
केतु	20:12:2057
शुक्र	08:01:2058
सूर्य	06:03:2058
चन्द्रमा	23:03:2058
मंगल	21:04:2058
राहु	10:05:2058

शनि अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शनि	01:07:2058
बुध	03:09:2058
केतु	30:10:2058
शुक्र	23:11:2058
सूर्य	29:01:2059
चन्द्रमा	18:02:2059
मंगल	24:03:2059
राहु	17:04:2059
बृहस्पति	16:06:2059

बुध अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बुध	09:08:2059
केतु	29:09:2059
शुक्र	21:10:2059
सूर्य	20:12:2059
चन्द्रमा	07:01:2060
मंगल	06:02:2060
राहु	27:02:2060
बृहस्पति	22:04:2060
शनि	09:06:2060

विंशोत्तरी दशा

शुक्र महादशा (06:08:2060 से 06:08:2080)

शुक्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शुक्र	06:08:2060
सूर्य	25:02:2061
चन्द्रमा	27:04:2061
मंगल	06:08:2061
राहु	16:10:2061
बृहस्पति	17:04:2062
शनि	26:09:2062
बुध	06:04:2063
केतु	26:09:2063

सूर्य अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
सूर्य	06:12:2063
चन्द्रमा	24:12:2063
मंगल	23:01:2064
राहु	14:02:2064
बृहस्पति	09:04:2064
शनि	28:05:2064
बुध	24:07:2064
केतु	14:09:2064
शुक्र	06:10:2064

चन्द्रमा अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
चन्द्रमा	06:12:2064
मंगल	25:01:2065
राहु	02:03:2065
बृहस्पति	01:06:2065
शनि	21:08:2065
बुध	26:11:2065
केतु	20:02:2066
शुक्र	27:03:2066
सूर्य	07:07:2066

मंगल अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
मंगल	06:08:2066
राहु	31:08:2066
बृहस्पति	03:11:2066
शनि	30:12:2066
बुध	07:03:2067
केतु	06:05:2067
शुक्र	31:05:2067
सूर्य	10:08:2067
चन्द्रमा	31:08:2067

राहु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
राहु	06:10:2067
बृहस्पति	18:03:2068
शनि	12:08:2068
बुध	02:02:2069
केतु	07:07:2069
शुक्र	09:09:2069
सूर्य	10:03:2070
चन्द्रमा	04:05:2070
मंगल	03:08:2070

बृहस्पति अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बृहस्पति	06:10:2070
शनि	13:02:2071
बुध	17:07:2071
केतु	02:12:2071
शुक्र	28:01:2072
सूर्य	08:07:2072
चन्द्रमा	26:08:2072
मंगल	15:11:2072
राहु	11:01:2073

शनि अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शनि	06:06:2073
बुध	06:12:2073
केतु	19:05:2074
शुक्र	25:07:2074
सूर्य	03:02:2075
चन्द्रमा	02:04:2075
मंगल	07:07:2075
राहु	13:09:2075
बृहस्पति	04:03:2076

बुध अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बुध	06:08:2076
केतु	31:12:2076
शुक्र	01:03:2077
सूर्य	20:08:2077
चन्द्रमा	11:10:2077
मंगल	05:01:2078
राहु	07:03:2078
बृहस्पति	09:08:2078
शनि	25:12:2078

केतु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
केतु	06:06:2079
शुक्र	01:07:2079
सूर्य	10:09:2079
चन्द्रमा	01:10:2079
मंगल	06:11:2079
राहु	01:12:2079
बृहस्पति	03:02:2080
शनि	31:03:2080
बुध	06:06:2080

विंशोत्तरी दशा

सूर्य महादशा (06:08:2080 से 06:08:2086)

सूर्य अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
सूर्य	06:08:2080
चन्द्रमा	11:08:2080
मंगल	20:08:2080
राहु	27:08:2080
बृहस्पति	12:09:2080
शनि	27:09:2080
बुध	14:10:2080
केतु	30:10:2080
शुक्र	05:11:2080

चन्द्रमा अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
चन्द्रमा	23:11:2080
मंगल	09:12:2080
राहु	19:12:2080
बृहस्पति	16:01:2081
शनि	09:02:2081
बुध	10:03:2081
केतु	05:04:2081
शुक्र	16:04:2081
सूर्य	16:05:2081

मंगल अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
मंगल	25:05:2081
राहु	02:06:2081
बृहस्पति	21:06:2081
शनि	08:07:2081
बुध	28:07:2081
केतु	15:08:2081
शुक्र	23:08:2081
सूर्य	13:09:2081
चन्द्रमा	19:09:2081

राहु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
राहु	30:09:2081
बृहस्पति	18:11:2081
शनि	01:01:2082
बुध	22:02:2082
केतु	09:04:2082
शुक्र	29:04:2082
सूर्य	22:06:2082
चन्द्रमा	09:07:2082
मंगल	05:08:2082

बृहस्पति अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बृहस्पति	24:08:2082
शनि	02:10:2082
बुध	18:11:2082
केतु	29:12:2082
शुक्र	15:01:2083
सूर्य	05:03:2083
चन्द्रमा	19:03:2083
मंगल	13:04:2083
राहु	30:04:2083

शनि अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शनि	12:06:2083
बुध	06:08:2083
केतु	24:09:2083
शुक्र	15:10:2083
सूर्य	11:12:2083
चन्द्रमा	29:12:2083
मंगल	27:01:2084
राहु	16:02:2084
बृहस्पति	08:04:2084

बुध अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बुध	24:05:2084
केतु	08:07:2084
शुक्र	26:07:2084
सूर्य	16:09:2084
चन्द्रमा	01:10:2084
मंगल	27:10:2084
राहु	14:11:2084
बृहस्पति	31:12:2084
शनि	10:02:2085

केतु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
केतु	31:03:2085
शुक्र	08:04:2085
सूर्य	29:04:2085
चन्द्रमा	05:05:2085
मंगल	16:05:2085
राहु	24:05:2085
बृहस्पति	12:06:2085
शनि	29:06:2085
बुध	19:07:2085

शुक्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शुक्र	06:08:2085
सूर्य	06:10:2085
चन्द्रमा	24:10:2085
मंगल	24:11:2085
राहु	15:12:2085
बृहस्पति	08:02:2086
शनि	28:03:2086
बुध	25:05:2086
केतु	16:07:2086

विंशोत्तरी दशा

(अन्य विभाजन विधि)

जन्म के समय विंशोत्तरी ोग्य दशा (एन सी लहरी अयनाश : ०२३:३१:१७) : चन्द्रमा : ० व० ७ मा० १८ दि०

क्र० स०	ग्रह दशा	अवधि	से ———————— तक
1	☽ चन्द्रमा महादशा	0 y.7 m.18 d.	18:12:1975 --- 06:08:1976
2	♂ मंगल महादशा	7 y.0 m.0 d.	06:08:1976 --- 06:08:1983
3	☊ राहु महादशा	18 y.0 m.0 d.	06:08:1983 --- 06:08:2001
4	♃ बृहस्पति महादशा	16 y.0 m.0 d.	06:08:2001 --- 06:08:2017
5	♄ शनि महादशा	19 y.0 m.0 d.	06:08:2017 --- 06:08:2036
6	☿ बुध महादशा	17 y.0 m.0 d.	06:08:2036 --- 06:08:2053
7	☋ केतु महादशा	7 y.0 m.0 d.	06:08:2053 --- 06:08:2060
8	♀ शुक्र महादशा	20 y.0 m.0 d.	06:08:2060 --- 06:08:2080
9	☉ सूर्य महादशा	6 y.0 m.0 d.	06:08:2080 --- 06:08:2086

विंशोत्तरी अन्तर्दशा

चन्द्रमा दशा

अन्तर्दशा	से
वृष	18:12:1975
मिथुन	18:12:1975
कर्क	18:12:1975
सिहं	18:12:1975
कन्या	18:12:1975
तुला	18:12:1975
वृश्चिक	18:12:1975
धन्	18:12:1975
मकर	18:12:1975
कुम्भ	18:12:1975
मीन	18:12:1975
मेष	18:12:1975

मंगल दशा

अन्तर्दशा	से
वृष	06:08:1976
मिथुन	07:03:1977
कर्क	06:10:1977
सिहं	07:05:1978
कन्या	06:12:1978
तुला	07:07:1979
वृश्चिक	05:02:1980
धन्	05:09:1980
मकर	06:04:1981
कुम्भ	05:11:1981
मीन	06:06:1982
मेष	05:01:1983

राहु दशा

अन्तर्दशा	से
तुला	06:08:1983
वृश्चिक	05:02:1985
धन्	06:08:1986
मकर	05:02:1988
कुम्भ	06:08:1989
मीन	05:02:1991
मेष	06:08:1992
वृष	05:02:1994
मिथुन	06:08:1995
कर्क	05:02:1997
सिहं	06:08:1998
कन्या	05:02:2000

बृहस्पति दशा

अन्तर्दशा	से
मीन	06:08:2001
मेष	06:12:2002
वृष	06:04:2004
मिथुन	06:08:2005
कर्क	06:12:2006
सिहं	06:04:2008
कन्या	06:08:2009
तुला	06:12:2010
वृश्चिक	06:04:2012
धन्	06:08:2013
मकर	06:12:2014
कुम्भ	06:04:2016

शनि दशा

अन्तर्दशा	से
कर्क	06:08:2017
सिहं	07:03:2019
कन्या	06:10:2020
तुला	07:05:2022
वृश्चिक	06:12:2023
धन्	07:07:2025
मकर	05:02:2027
कुम्भ	05:09:2028
मीन	06:04:2030
मेष	05:11:2031
वृष	06:06:2033
मिथुन	05:01:2035

बुध दशा

अन्तर्दशा	से
धन्	06:08:2036
मकर	05:01:2038
कुम्भ	06:06:2039
मीन	05:11:2040
मेष	06:04:2042
वृष	06:09:2043
मिथुन	05:02:2045
कर्क	07:07:2046
सिहं	06:12:2047
कन्या	07:05:2049
तुला	06:10:2050
वृश्चिक	06:03:2052

केतु दशा

अन्तर्दशा	से
मेष	06:08:2053
वृष	07:03:2054
मिथुन	06:10:2054
कर्क	07:05:2055
सिहं	06:12:2055
कन्या	06:07:2056
तुला	05:02:2057
वृश्चिक	06:09:2057
धन्	06:04:2058
मकर	05:11:2058
कुम्भ	06:06:2059
मीन	05:01:2060

शुक्र दशा

अन्तर्दशा	से
तुला	06:08:2060
वृश्चिक	06:04:2062
धन्	06:12:2063
मकर	06:08:2065
कुम्भ	06:04:2067
मीन	06:12:2068
मेष	06:08:2070
वृष	06:04:2072
मिथुन	06:12:2073
कर्क	06:08:2075
सिहं	06:04:2077
कन्या	06:12:2078

सूर्य दशा

अन्तर्दशा	से
धन्	06:08:2080
मकर	05:02:2081
कुम्भ	06:08:2081
मीन	05:02:2082
मेष	06:08:2082
वृष	05:02:2083
मिथुन	06:08:2083
कर्क	05:02:2084
सिहं	06:08:2084
कन्या	05:02:2085
तुला	06:08:2085
वृश्चिक	05:02:2086

विंशोत्तरी दशा

(अन्य विभाजन विधि)

शनि दशा (06:08:2017 —— 06:08:2036)

कर्क अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:08:2017
बृहस्पति	17:10:2017
मंगल	29:12:2017
सूर्य	11:03:2018
शुक्र	22:05:2018
बुध	02:08:2018
चन्द्रमा	14:10:2018
लग्न	25:12:2018

सिहं अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	07:03:2019
बृहस्पति	18:05:2019
मंगल	29:07:2019
सूर्य	10:10:2019
शुक्र	21:12:2019
बुध	02:03:2020
चन्द्रमा	14:05:2020
लग्न	25:07:2020

कन्या अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:10:2020
बृहस्पति	17:12:2020
मंगल	27:02:2021
सूर्य	11:05:2021
शुक्र	22:07:2021
बुध	02:10:2021
चन्द्रमा	13:12:2021
लग्न	24:02:2022

तुला अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	07:05:2022
बृहस्पति	18:07:2022
मंगल	28:09:2022
सूर्य	10:12:2022
शुक्र	20:02:2023
बुध	03:05:2023
चन्द्रमा	14:07:2023
लग्न	25:09:2023

वृश्चिक अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:12:2023
बृहस्पति	16:02:2024
मंगल	29:04:2024
सूर्य	10:07:2024
शुक्र	20:09:2024
बुध	02:12:2024
चन्द्रमा	12:02:2025
लग्न	25:04:2025

धनु अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	07:07:2025
बृहस्पति	17:09:2025
मंगल	28:11:2025
सूर्य	08:02:2026
शुक्र	22:04:2026
बुध	03:07:2026
चन्द्रमा	13:09:2026
लग्न	24:11:2026

मकर अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:02:2027
बृहस्पति	18:04:2027
मंगल	29:06:2027
सूर्य	09:09:2027
शुक्र	21:11:2027
बुध	01:02:2028
चन्द्रमा	13:04:2028
लग्न	25:06:2028

कुम्भ अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:09:2028
बृहस्पति	17:11:2028
मंगल	28:01:2029
सूर्य	10:04:2029
शुक्र	21:06:2029
बुध	02:09:2029
चन्द्रमा	13:11:2029
लग्न	24:01:2030

मीन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:04:2030
बृहस्पति	18:06:2030
मंगल	29:08:2030
सूर्य	09:11:2030
शुक्र	20:01:2031
बुध	03:04:2031
चन्द्रमा	14:06:2031
लग्न	25:08:2031

मेष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:11:2031
बृहस्पति	17:01:2032
मंगल	29:03:2032
सूर्य	10:06:2032
शुक्र	21:08:2032
बुध	01:11:2032
चन्द्रमा	13:01:2033
लग्न	26:03:2033

वृष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:06:2033
बृहस्पति	17:08:2033
मंगल	29:10:2033
सूर्य	09:01:2034
शुक्र	22:03:2034
बुध	02:06:2034
चन्द्रमा	14:08:2034
लग्न	25:10:2034

मिथुन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:01:2035
बृहस्पति	18:03:2035
मंगल	30:05:2035
सूर्य	10:08:2035
शुक्र	21:10:2035
बुध	01:01:2036
चन्द्रमा	14:03:2036
लग्न	25:05:2036

विंशोत्तरी दशा

(अन्य विभाजन विधि)

चन्द्रमा दशा (18:12:1975 —— 06:08:1976)

पत्यंर्तर	से ---- तक
शनि	
बृहस्पति	
मंगल	
सूर्य	
शुक्र	
बुध	
चन्द्रमा	
लग्न	

पत्यंर्तर	से ---- तक
शनि	
बृहस्पति	
मंगल	
सूर्य	
शुक्र	
बुध	
चन्द्रमा	
लग्न	

पत्यंर्तर	से ---- तक
शनि	
बृहस्पति	
मंगल	
सूर्य	
शुक्र	
बुध	
चन्द्रमा	
लग्न	

पत्यंर्तर	से ---- तक
शनि	
बृहस्पति	
मंगल	
सूर्य	
शुक्र	
बुध	
चन्द्रमा	
लग्न	

पत्यंर्तर	से ---- तक
शनि	
बृहस्पति	
मंगल	
सूर्य	
शुक्र	
बुध	
चन्द्रमा	
लग्न	

पत्यंर्तर	से ---- तक
शनि	
बृहस्पति	
मंगल	
सूर्य	
शुक्र	
बुध	
चन्द्रमा	
लग्न	

पत्यंर्तर	से ---- तक
शनि	
बृहस्पति	
मंगल	
सूर्य	
शुक्र	
बुध	
चन्द्रमा	
लग्न	

पत्यंर्तर	से ---- तक
शनि	
बृहस्पति	
मंगल	
सूर्य	
शुक्र	
बुध	
चन्द्रमा	
लग्न	

पत्यंर्तर	से ---- तक
शनि	
बृहस्पति	
मंगल	
सूर्य	
शुक्र	
बुध	
चन्द्रमा	
लग्न	

पत्यंर्तर	से ---- तक
शनि	
बृहस्पति	
मंगल	
सूर्य	
शुक्र	
बुध	
चन्द्रमा	
लग्न	

पत्यंर्तर	से ---- तक
शनि	
बृहस्पति	
मंगल	
सूर्य	
शुक्र	
बुध	
चन्द्रमा	
लग्न	

मेष अन्तर

पत्यंर्तर	से ---- तक
शनि	
बृहस्पति	18:12:1975
मंगल	21:12:1975
सूर्य	28:01:1976
शुक्र	06:03:1976
बुध	13:04:1976
चन्द्रमा	21:05:1976
लग्न	29:06:1976

विंशोत्तरी दशा

(अन्य विभाजन विधि)

मंगल दशा (06:08:1976 —— 06:08:1983)

वृष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:08:1976
बृहस्पति	01:09:1976
मंगल	28:09:1976
सूर्य	25:10:1976
शुक्र	20:11:1976
बुध	17:12:1976
चन्द्रमा	13:01:1977
लग्न	08:02:1977

मिथुन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	07:03:1977
बृहस्पति	03:04:1977
मंगल	29:04:1977
सूर्य	26:05:1977
शुक्र	21:06:1977
बुध	18:07:1977
चन्द्रमा	14:08:1977
लग्न	09:09:1977

कर्क अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:10:1977
बृहस्पति	02:11:1977
मंगल	28:11:1977
सूर्य	25:12:1977
शुक्र	20:01:1978
बुध	16:02:1978
चन्द्रमा	15:03:1978
लग्न	10:04:1978

सिहं अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	07:05:1978
बृहस्पति	02:06:1978
मंगल	29:06:1978
सूर्य	26:07:1978
शुक्र	21:08:1978
बुध	17:09:1978
चन्द्रमा	14:10:1978
लग्न	09:11:1978

कन्या अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:12:1978
बृहस्पति	01:01:1979
मंगल	28:01:1979
सूर्य	24:02:1979
शुक्र	22:03:1979
बुध	18:04:1979
चन्द्रमा	14:05:1979
लग्न	10:06:1979

तुला अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	07:07:1979
बृहस्पति	02:08:1979
मंगल	29:08:1979
सूर्य	25:09:1979
शुक्र	21:10:1979
बुध	17:11:1979
चन्द्रमा	13:12:1979
लग्न	09:01:1980

वृश्चिक अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:02:1980
बृहस्पति	02:03:1980
मंगल	29:03:1980
सूर्य	25:04:1980
शुक्र	21:05:1980
बुध	17:06:1980
चन्द्रमा	14:07:1980
लग्न	10:08:1980

धनु अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:09:1980
बृहस्पति	02:10:1980
मंगल	29:10:1980
सूर्य	24:11:1980
शुक्र	21:12:1980
बुध	17:01:1981
चन्द्रमा	12:02:1981
लग्न	11:03:1981

मकर अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:04:1981
बृहस्पति	03:05:1981
मंगल	30:05:1981
सूर्य	25:06:1981
शुक्र	22:07:1981
बुध	17:08:1981
चन्द्रमा	13:09:1981
लग्न	10:10:1981

कुम्भ अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:11:1981
बृहस्पति	02:12:1981
मंगल	29:12:1981
सूर्य	24:01:1982
शुक्र	20:02:1982
बुध	18:03:1982
चन्द्रमा	14:04:1982
लग्न	11:05:1982

मीन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:06:1982
बृहस्पति	03:07:1982
मंगल	29:07:1982
सूर्य	25:08:1982
शुक्र	21:09:1982
बुध	17:10:1982
चन्द्रमा	13:11:1982
लग्न	10:12:1982

मेष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:01:1983
बृहस्पति	01:02:1983
मंगल	27:02:1983
सूर्य	26:03:1983
शुक्र	22:04:1983
बुध	18:05:1983
चन्द्रमा	14:06:1983
लग्न	10:07:1983

विंशोत्तरी दशा

(अन्य विभाजन विधि)

राहु दशा (06:08:1983 –– 06:08:2001)

तुला अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:08:1983
बृहस्पति	14:10:1983
मंगल	21:12:1983
सूर्य	28:02:1984
शुक्र	06:05:1984
बुध	14:07:1984
चन्द्रमा	20:09:1984
लग्न	28:11:1984

वृश्चिक अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:02:1985
बृहस्पति	14:04:1985
मंगल	21:06:1985
सूर्य	29:08:1985
शुक्र	05:11:1985
बुध	13:01:1986
चन्द्रमा	22:03:1986
लग्न	30:05:1986

धनु अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:08:1986
बृहस्पति	14:10:1986
मंगल	21:12:1986
सूर्य	27:02:1987
शुक्र	07:05:1987
बुध	14:07:1987
चन्द्रमा	21:09:1987
लग्न	28:11:1987

मकर अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:02:1988
बृहस्पति	13:04:1988
मंगल	21:06:1988
सूर्य	29:08:1988
शुक्र	05:11:1988
बुध	13:01:1989
चन्द्रमा	22:03:1989
लग्न	30:05:1989

कुम्भ अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:08:1989
बृहस्पति	14:10:1989
मंगल	21:12:1989
सूर्य	27:02:1990
शुक्र	07:05:1990
बुध	14:07:1990
चन्द्रमा	21:09:1990
लग्न	28:11:1990

मीन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:02:1991
बृहस्पति	14:04:1991
मंगल	21:06:1991
सूर्य	29:08:1991
शुक्र	05:11:1991
बुध	13:01:1992
चन्द्रमा	21:03:1992
लग्न	29:05:1992

मेष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:08:1992
बृहस्पति	13:10:1992
मंगल	21:12:1992
सूर्य	27:02:1993
शुक्र	07:05:1993
बुध	14:07:1993
चन्द्रमा	21:09:1993
लग्न	28:11:1993

वृष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:02:1994
बृहस्पति	14:04:1994
मंगल	21:06:1994
सूर्य	29:08:1994
शुक्र	05:11:1994
बुध	13:01:1995
चन्द्रमा	22:03:1995
लग्न	30:05:1995

मिथुन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:08:1995
बृहस्पति	14:10:1995
मंगल	21:12:1995
सूर्य	28:02:1996
शुक्र	06:05:1996
बुध	14:07:1996
चन्द्रमा	20:09:1996
लग्न	28:11:1996

कर्क अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:02:1997
बृहस्पति	14:04:1997
मंगल	21:06:1997
सूर्य	29:08:1997
शुक्र	05:11:1997
बुध	13:01:1998
चन्द्रमा	22:03:1998
लग्न	30:05:1998

सिहं अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:08:1998
बृहस्पति	14:10:1998
मंगल	21:12:1998
सूर्य	27:02:1999
शुक्र	07:05:1999
बुध	14:07:1999
चन्द्रमा	21:09:1999
लग्न	28:11:1999

कन्या अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:02:2000
बृहस्पति	13:04:2000
मंगल	21:06:2000
सूर्य	29:08:2000
शुक्र	05:11:2000
बुध	13:01:2001
चन्द्रमा	22:03:2001
लग्न	30:05:2001

विंशोत्तरी दशा

(अन्य विभाजन विधि)

बृहस्पति दशा (06:08:2001 —— 06:08:2017)

मीन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:08:2001
बृहस्पति	06:10:2001
मंगल	06:12:2001
सूर्य	05:02:2002
शुक्र	06:04:2002
बुध	06:06:2002
चन्द्रमा	06:08:2002
लग्न	06:10:2002

मेष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:12:2002
बृहस्पति	05:02:2003
मंगल	06:04:2003
सूर्य	06:06:2003
शुक्र	06:08:2003
बुध	06:10:2003
चन्द्रमा	06:12:2003
लग्न	05:02:2004

वृष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:04:2004
बृहस्पति	06:06:2004
मंगल	06:08:2004
सूर्य	06:10:2004
शुक्र	06:12:2004
बुध	05:02:2005
चन्द्रमा	06:04:2005
लग्न	06:06:2005

मिथुन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:08:2005
बृहस्पति	06:10:2005
मंगल	06:12:2005
सूर्य	05:02:2006
शुक्र	06:04:2006
बुध	06:06:2006
चन्द्रमा	06:08:2006
लग्न	06:10:2006

कर्क अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:12:2006
बृहस्पति	05:02:2007
मंगल	06:04:2007
सूर्य	06:06:2007
शुक्र	06:08:2007
बुध	06:10:2007
चन्द्रमा	06:12:2007
लग्न	05:02:2008

सिहं अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:04:2008
बृहस्पति	06:06:2008
मंगल	06:08:2008
सूर्य	06:10:2008
शुक्र	06:12:2008
बुध	05:02:2009
चन्द्रमा	06:04:2009
लग्न	06:06:2009

कन्या अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:08:2009
बृहस्पति	06:10:2009
मंगल	06:12:2009
सूर्य	05:02:2010
शुक्र	06:04:2010
बुध	06:06:2010
चन्द्रमा	06:08:2010
लग्न	06:10:2010

तुला अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:12:2010
बृहस्पति	05:02:2011
मंगल	06:04:2011
सूर्य	06:06:2011
शुक्र	06:08:2011
बुध	06:10:2011
चन्द्रमा	06:12:2011
लग्न	05:02:2012

वृश्चिक अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:04:2012
बृहस्पति	06:06:2012
मंगल	06:08:2012
सूर्य	06:10:2012
शुक्र	06:12:2012
बुध	05:02:2013
चन्द्रमा	06:04:2013
लग्न	06:06:2013

धनु अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:08:2013
बृहस्पति	06:10:2013
मंगल	06:12:2013
सूर्य	05:02:2014
शुक्र	06:04:2014
बुध	06:06:2014
चन्द्रमा	06:08:2014
लग्न	06:10:2014

मकर अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:12:2014
बृहस्पति	05:02:2015
मंगल	06:04:2015
सूर्य	06:06:2015
शुक्र	06:08:2015
बुध	06:10:2015
चन्द्रमा	06:12:2015
लग्न	05:02:2016

कुम्भ अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:04:2016
बृहस्पति	06:06:2016
मंगल	06:08:2016
सूर्य	06:10:2016
शुक्र	06:12:2016
बुध	05:02:2017
चन्द्रमा	06:04:2017
लग्न	06:06:2017

विंशोत्तरी दशा

(अन्य विभाजन विधि)

शनि दशा (06:08:2017 —— 06:08:2036)

कर्क अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:08:2017
बृहस्पति	17:10:2017
मंगल	29:12:2017
सूर्य	11:03:2018
शुक्र	22:05:2018
बुध	02:08:2018
चन्द्रमा	14:10:2018
लग्न	25:12:2018

सिहं अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	07:03:2019
बृहस्पति	18:05:2019
मंगल	29:07:2019
सूर्य	10:10:2019
शुक्र	21:12:2019
बुध	02:03:2020
चन्द्रमा	14:05:2020
लग्न	25:07:2020

कन्या अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:10:2020
बृहस्पति	17:12:2020
मंगल	27:02:2021
सूर्य	11:05:2021
शुक्र	22:07:2021
बुध	02:10:2021
चन्द्रमा	13:12:2021
लग्न	24:02:2022

तुला अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	07:05:2022
बृहस्पति	18:07:2022
मंगल	28:09:2022
सूर्य	10:12:2022
शुक्र	20:02:2023
बुध	03:05:2023
चन्द्रमा	14:07:2023
लग्न	25:09:2023

वृश्चिक अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:12:2023
बृहस्पति	16:02:2024
मंगल	29:04:2024
सूर्य	10:07:2024
शुक्र	20:09:2024
बुध	02:12:2024
चन्द्रमा	12:02:2025
लग्न	25:04:2025

धनु अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	07:07:2025
बृहस्पति	17:09:2025
मंगल	28:11:2025
सूर्य	08:02:2026
शुक्र	22:04:2026
बुध	03:07:2026
चन्द्रमा	13:09:2026
लग्न	24:11:2026

मकर अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:02:2027
बृहस्पति	18:04:2027
मंगल	29:06:2027
सूर्य	09:09:2027
शुक्र	21:11:2027
बुध	01:02:2028
चन्द्रमा	13:04:2028
लग्न	25:06:2028

कुम्भ अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:09:2028
बृहस्पति	17:11:2028
मंगल	28:01:2029
सूर्य	10:04:2029
शुक्र	21:06:2029
बुध	02:09:2029
चन्द्रमा	13:11:2029
लग्न	24:01:2030

मीन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:04:2030
बृहस्पति	18:06:2030
मंगल	29:08:2030
सूर्य	09:11:2030
शुक्र	20:01:2031
बुध	03:04:2031
चन्द्रमा	14:06:2031
लग्न	25:08:2031

मेष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:11:2031
बृहस्पति	17:01:2032
मंगल	29:03:2032
सूर्य	10:06:2032
शुक्र	21:08:2032
बुध	01:11:2032
चन्द्रमा	13:01:2033
लग्न	26:03:2033

वृष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:06:2033
बृहस्पति	17:08:2033
मंगल	29:10:2033
सूर्य	09:01:2034
शुक्र	22:03:2034
बुध	02:06:2034
चन्द्रमा	14:08:2034
लग्न	25:10:2034

मिथुन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:01:2035
बृहस्पति	18:03:2035
मंगल	30:05:2035
सूर्य	10:08:2035
शुक्र	21:10:2035
बुध	01:01:2036
चन्द्रमा	14:03:2036
लग्न	25:05:2036

विंशोत्तरी दशा

(अन्य विभाजन विधि)

बुध दशा (06:08:2036 —— 06:08:2053)

धनु अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:08:2036
बृहस्पति	10:10:2036
मंगल	13:12:2036
सूर्य	16:02:2037
शुक्र	22:04:2037
बुध	25:06:2037
चन्द्रमा	29:08:2037
लग्न	02:11:2037

मकर अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:01:2038
बृहस्पति	11:03:2038
मंगल	14:05:2038
सूर्य	18:07:2038
शुक्र	21:09:2038
बुध	24:11:2038
चन्द्रमा	28:01:2039
लग्न	03:04:2039

कुम्भ अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:06:2039
बृहस्पति	10:08:2039
मंगल	14:10:2039
सूर्य	17:12:2039
शुक्र	20:02:2040
बुध	25:04:2040
चन्द्रमा	29:06:2040
लग्न	01:09:2040

मीन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:11:2040
बृहस्पति	09:01:2041
मंगल	15:03:2041
सूर्य	18:05:2041
शुक्र	22:07:2041
बुध	25:09:2041
चन्द्रमा	28:11:2041
लग्न	01:02:2042

मेष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:04:2042
बृहस्पति	10:06:2042
मंगल	14:08:2042
सूर्य	17:10:2042
शुक्र	21:12:2042
बुध	24:02:2043
चन्द्रमा	29:04:2043
लग्न	03:07:2043

वृष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:09:2043
बृहस्पति	09:11:2043
मंगल	13:01:2044
सूर्य	18:03:2044
शुक्र	21:05:2044
बुध	25:07:2044
चन्द्रमा	28:09:2044
लग्न	02:12:2044

मिथुन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:02:2045
बृहस्पति	10:04:2045
मंगल	14:06:2045
सूर्य	17:08:2045
शुक्र	21:10:2045
बुध	25:12:2045
चन्द्रमा	27:02:2046
लग्न	03:05:2046

कर्क अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	07:07:2046
बृहस्पति	09:09:2046
मंगल	13:11:2046
सूर्य	17:01:2047
शुक्र	22:03:2047
बुध	26:05:2047
चन्द्रमा	29:07:2047
लग्न	02:10:2047

सिहं अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:12:2047
बृहस्पति	09:02:2048
मंगल	13:04:2048
सूर्य	17:06:2048
शुक्र	21:08:2048
बुध	25:10:2048
चन्द्रमा	29:12:2048
लग्न	03:03:2049

कन्या अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	07:05:2049
बृहस्पति	10:07:2049
मंगल	13:09:2049
सूर्य	17:11:2049
शुक्र	20:01:2050
बुध	26:03:2050
चन्द्रमा	30:05:2050
लग्न	02:08:2050

तुला अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:10:2050
बृहस्पति	10:12:2050
मंगल	12:02:2051
सूर्य	18:04:2051
शुक्र	21:06:2051
बुध	25:08:2051
चन्द्रमा	29:10:2051
लग्न	01:01:2052

वृश्चिक अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:03:2052
बृहस्पति	10:05:2052
मंगल	14:07:2052
सूर्य	17:09:2052
शुक्र	20:11:2052
बुध	24:01:2053
चन्द्रमा	30:03:2053
लग्न	02:06:2053

विंशोत्तरी दशा

(अन्य विभाजन विधि)

केतु दशा (06:08:2053 —— 06:08:2060)

मेष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:08:2053
बृहस्पति	02:09:2053
मंगल	28:09:2053
सूर्य	25:10:2053
शुक्र	21:11:2053
बुध	17:12:2053
चन्द्रमा	13:01:2054
लग्न	08:02:2054

वृष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	07:03:2054
बृहस्पति	03:04:2054
मंगल	29:04:2054
सूर्य	26:05:2054
शुक्र	21:06:2054
बुध	18:07:2054
चन्द्रमा	14:08:2054
लग्न	09:09:2054

मिथुन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:10:2054
बृहस्पति	02:11:2054
मंगल	28:11:2054
सूर्य	25:12:2054
शुक्र	20:01:2055
बुध	16:02:2055
चन्द्रमा	15:03:2055
लग्न	10:04:2055

कर्क अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	07:05:2055
बृहस्पति	02:06:2055
मंगल	29:06:2055
सूर्य	26:07:2055
शुक्र	21:08:2055
बुध	17:09:2055
चन्द्रमा	14:10:2055
लग्न	09:11:2055

सिहं अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:12:2055
बृहस्पति	01:01:2056
मंगल	28:01:2056
सूर्य	24:02:2056
शुक्र	21:03:2056
बुध	17:04:2056
चन्द्रमा	14:05:2056
लग्न	10:06:2056

कन्या अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:07:2056
बृहस्पति	02:08:2056
मंगल	29:08:2056
सूर्य	24:09:2056
शुक्र	21:10:2056
बुध	17:11:2056
चन्द्रमा	13:12:2056
लग्न	09:01:2057

तुला अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:02:2057
बृहस्पति	03:03:2057
मंगल	30:03:2057
सूर्य	25:04:2057
शुक्र	22:05:2057
बुध	18:06:2057
चन्द्रमा	14:07:2057
लग्न	10:08:2057

वृश्चिक अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:09:2057
बृहस्पति	02:10:2057
मंगल	29:10:2057
सूर्य	24:11:2057
शुक्र	21:12:2057
बुध	17:01:2058
चन्द्रमा	12:02:2058
लग्न	11:03:2058

धनु अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:04:2058
बृहस्पति	03:05:2058
मंगल	30:05:2058
सूर्य	25:06:2058
शुक्र	22:07:2058
बुध	17:08:2058
चन्द्रमा	13:09:2058
लग्न	10:10:2058

मकर अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:11:2058
बृहस्पति	02:12:2058
मंगल	29:12:2058
सूर्य	24:01:2059
शुक्र	20:02:2059
बुध	18:03:2059
चन्द्रमा	14:04:2059
लग्न	11:05:2059

कुम्भ अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:06:2059
बृहस्पति	03:07:2059
मंगल	29:07:2059
सूर्य	25:08:2059
शुक्र	21:09:2059
बुध	17:10:2059
चन्द्रमा	13:11:2059
लग्न	10:12:2059

मीन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:01:2060
बृहस्पति	01:02:2060
मंगल	28:02:2060
सूर्य	25:03:2060
शुक्र	21:04:2060
बुध	18:05:2060
चन्द्रमा	13:06:2060
लग्न	10:07:2060

विंशोत्तरी दशा

(अन्य विभाजन विधि)

शुक्र दशा (06:08:2060 —— 06:08:2080)

तुला अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:08:2060
बृहस्पति	21:10:2060
मंगल	05:01:2061
सूर्य	22:03:2061
शुक्र	06:06:2061
बुध	21:08:2061
चन्द्रमा	05:11:2061
लग्न	20:01:2062

वृश्चिक अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:04:2062
बृहस्पति	21:06:2062
मंगल	06:09:2062
सूर्य	21:11:2062
शुक्र	05:02:2063
बुध	22:04:2063
चन्द्रमा	07:07:2063
लग्न	21:09:2063

धनु अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:12:2063
बृहस्पति	20:02:2064
मंगल	06:05:2064
सूर्य	21:07:2064
शुक्र	06:10:2064
बुध	21:12:2064
चन्द्रमा	07:03:2065
लग्न	22:05:2065

मकर अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:08:2065
बृहस्पति	21:10:2065
मंगल	05:01:2066
सूर्य	22:03:2066
शुक्र	06:06:2066
बुध	21:08:2066
चन्द्रमा	05:11:2066
लग्न	20:01:2067

कुम्भ अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:04:2067
बृहस्पति	21:06:2067
मंगल	06:09:2067
सूर्य	21:11:2067
शुक्र	05:02:2068
बुध	21:04:2068
चन्द्रमा	06:07:2068
लग्न	20:09:2068

मीन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:12:2068
बृहस्पति	20:02:2069
मंगल	07:05:2069
सूर्य	22:07:2069
शुक्र	06:10:2069
बुध	21:12:2069
चन्द्रमा	07:03:2070
लग्न	22:05:2070

मेष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:08:2070
बृहस्पति	21:10:2070
मंगल	05:01:2071
सूर्य	22:03:2071
शुक्र	06:06:2071
बुध	21:08:2071
चन्द्रमा	05:11:2071
लग्न	20:01:2072

वृष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:04:2072
बृहस्पति	21:06:2072
मंगल	05:09:2072
सूर्य	20:11:2072
शुक्र	05:02:2073
बुध	22:04:2073
चन्द्रमा	07:07:2073
लग्न	21:09:2073

मिथुन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:12:2073
बृहस्पति	20:02:2074
मंगल	07:05:2074
सूर्य	22:07:2074
शुक्र	06:10:2074
बुध	21:12:2074
चन्द्रमा	07:03:2075
लग्न	22:05:2075

कर्क अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:08:2075
बृहस्पति	21:10:2075
मंगल	05:01:2076
सूर्य	21:03:2076
शुक्र	06:06:2076
बुध	21:08:2076
चन्द्रमा	05:11:2076
लग्न	20:01:2077

सिहं अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:04:2077
बृहस्पति	21:06:2077
मंगल	06:09:2077
सूर्य	21:11:2077
शुक्र	05:02:2078
बुध	22:04:2078
चन्द्रमा	07:07:2078
लग्न	21:09:2078

कन्या अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:12:2078
बृहस्पति	20:02:2079
मंगल	07:05:2079
सूर्य	22:07:2079
शुक्र	06:10:2079
बुध	21:12:2079
चन्द्रमा	06:03:2080
लग्न	21:05:2080

विंशोत्तरी दशा

(अन्य विभाजन विधि)

सूर्य दशा (06:08:2080 —— 06:08:2086)

धनु अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:08:2080
बृहस्पति	29:08:2080
मंगल	20:09:2080
सूर्य	13:10:2080
शुक्र	05:11:2080
बुध	28:11:2080
चन्द्रमा	21:12:2080
लग्न	13:01:2081

मकर अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:02:2081
बृहस्पति	27:02:2081
मंगल	22:03:2081
सूर्य	14:04:2081
शुक्र	07:05:2081
बुध	30:05:2081
चन्द्रमा	21:06:2081
लग्न	14:07:2081

कुम्भ अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:08:2081
बृहस्पति	29:08:2081
मंगल	21:09:2081
सूर्य	14:10:2081
शुक्र	05:11:2081
बुध	28:11:2081
चन्द्रमा	21:12:2081
लग्न	13:01:2082

मीन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:02:2082
बृहस्पति	27:02:2082
मंगल	22:03:2082
सूर्य	14:04:2082
शुक्र	07:05:2082
बुध	30:05:2082
चन्द्रमा	21:06:2082
लग्न	14:07:2082

मेष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:08:2082
बृहस्पति	29:08:2082
मंगल	21:09:2082
सूर्य	14:10:2082
शुक्र	05:11:2082
बुध	28:11:2082
चन्द्रमा	21:12:2082
लग्न	13:01:2083

वृष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:02:2083
बृहस्पति	27:02:2083
मंगल	22:03:2083
सूर्य	14:04:2083
शुक्र	07:05:2083
बुध	30:05:2083
चन्द्रमा	21:06:2083
लग्न	14:07:2083

मिथुन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:08:2083
बृहस्पति	29:08:2083
मंगल	21:09:2083
सूर्य	14:10:2083
शुक्र	05:11:2083
बुध	28:11:2083
चन्द्रमा	21:12:2083
लग्न	13:01:2084

कर्क अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:02:2084
बृहस्पति	28:02:2084
मंगल	21:03:2084
सूर्य	13:04:2084
शुक्र	06:05:2084
बुध	29:05:2084
चन्द्रमा	21:06:2084
लग्न	14:07:2084

सिहं अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:08:2084
बृहस्पति	29:08:2084
मंगल	20:09:2084
सूर्य	13:10:2084
शुक्र	05:11:2084
बुध	28:11:2084
चन्द्रमा	21:12:2084
लग्न	13:01:2085

कन्या अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:02:2085
बृहस्पति	27:02:2085
मंगल	22:03:2085
सूर्य	14:04:2085
शुक्र	07:05:2085
बुध	30:05:2085
चन्द्रमा	21:06:2085
लग्न	14:07:2085

तुला अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	06:08:2085
बृहस्पति	29:08:2085
मंगल	21:09:2085
सूर्य	14:10:2085
शुक्र	05:11:2085
बुध	28:11:2085
चन्द्रमा	21:12:2085
लग्न	13:01:2086

वृश्चिक अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	05:02:2086
बृहस्पति	27:02:2086
मंगल	22:03:2086
सूर्य	14:04:2086
शुक्र	07:05:2086
बुध	30:05:2086
चन्द्रमा	21:06:2086
लग्न	14:07:2086

द्वादशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

जन्म के समय द्वादशोत्तरी ोग्य दशा (एन सी लहरी अयनाश : ०२३:३१:१७) : चन्द्रमा : १ व0 ३ मा0 २६ दि0

आपकी कुण्डली में लग्न शुक्र द्वारा शासित किसी नवांश राशि (न वृष, न तुला) में नहीं पड़ रहा है। क्ष्ख्स्ऋ स्नह्न.रूब्द्ध दृह्यड्ड द्वादशोत्तरी ठ्ठ%ड्ढय्ञ्च ढ्ढद्धति (११२ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है।

क0 स0		ग्रह दशा	अवधि	से ---------- तक
1	☽	चन्द्रमा दशा	1 y.3 m.29 d.	18:12:1975 -- 18:04:1977
2	☉	सूर्य दशा	7 y.0 m.0 d.	18:04:1977 -- 17:04:1984
3	♃	बृहस्पति दशा	9 y.0 m.0 d.	17:04:1984 -- 18:04:1993
4	☋	केतु दशा	11 y.0 m.0 d.	18:04:1993 -- 17:04:2004
5	☿	बुध दशा	13 y.0 m.0 d.	17:04:2004 -- 18:04:2017
6	☊	राहु दशा	15 y.0 m.0 d.	18:04:2017 -- 17:04:2032
7	♂	मंगल दशा	17 y.0 m.0 d.	17:04:2032 -- 18:04:2049
8	♄	शनि दशा	19 y.0 m.0 d.	18:04:2049 -- 17:04:2068

द्वादशोत्तरी दशा की अन्तर्दशाएं

चन्द्रमा दशा

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	
सूर्य	
बृहस्पति	
केतु	
बुध	
राहु	
मंगल	
शनि	18:12:1975

सूर्य दशा

अन्तर्दशा	से
सूर्य	18:04:1977
बृहस्पति	24:09:1977
केतु	18:04:1978
बुध	25:12:1978
राहु	17:10:1979
मंगल	24:09:1980
शनि	17:10:1981
चन्द्रमा	25:12:1982

बृहस्पति दशा

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	17:04:1984
केतु	07:01:1985
बुध	25:11:1985
राहु	12:12:1986
मंगल	25:02:1988
शनि	08:07:1989
चन्द्रमा	16:01:1991
सूर्य	24:09:1992

केतु दशा

अन्तर्दशा	से
केतु	18:04:1993
बुध	17:05:1994
राहु	26:08:1995
मंगल	15:02:1997
शनि	17:10:1998
चन्द्रमा	29:08:2000
सूर्य	21:09:2002
बृहस्पति	30:05:2003

बुध दशा

अन्तर्दशा	से
बुध	17:04:2004
राहु	20:10:2005
मंगल	18:07:2007
शनि	08:07:2009
चन्द्रमा	21:09:2011
सूर्य	28:02:2014
बृहस्पति	21:12:2014
केतु	07:01:2016

राहु दशा

अन्तर्दशा	से
राहु	18:04:2017
मंगल	21:04:2019
शनि	31:07:2021
चन्द्रमा	15:02:2024
सूर्य	08:12:2026
बृहस्पति	16:11:2027
केतु	30:01:2029
बुध	21:07:2030

मंगल दशा

अन्तर्दशा	से
मंगल	17:04:2032
शनि	16:11:2034
चन्द्रमा	04:10:2037
सूर्य	12:12:2040
बृहस्पति	03:01:2042
केतु	17:05:2043
बुध	16:01:2045
राहु	07:01:2047

शनि दशा

अन्तर्दशा	से
शनि	18:04:2049
चन्द्रमा	08:07:2052
सूर्य	30:01:2056
बृहस्पति	08:04:2057
केतु	17:10:2058
बुध	29:08:2060
राहु	12:11:2062
मंगल	30:05:2065

द्वादशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

राहु दशा (18:04:2017–17:04:2032)

आपकी कुण्डली में लग्न शुक्र द्वारा शासित किसी नवांश राशि (न वृष, न तुला) में नहीं पड़ रहा है। क्ष्द्वस्त्रद्ध स्रह्न.रूब्द्ध द्गह्यड्ड द्वादशोत्तरी ठ्ठ%द्मद्म द्बद्धति (११२ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है।

राहु अन्तर

पत्यंर्तर	से
राहु	18:04:2017
मंगल	25:07:2017
शनि	13:11:2017
चन्द्रमा	18:03:2018
सूर्य	02:08:2018
बृहस्पति	17:09:2018
केतु	15:11:2018
बुध	26:01:2019

मंगल अन्तर

पत्यंर्तर	से
मंगल	21:04:2019
शनि	25:08:2019
चन्द्रमा	13:01:2020
सूर्य	17:06:2020
बृहस्पति	08:08:2020
केतु	14:10:2020
बुध	04:01:2021
राहु	11:04:2021

शनि अन्तर

पत्यंर्तर	से
शनि	31:07:2021
चन्द्रमा	05:01:2022
सूर्य	28:06:2022
बृहस्पति	25:08:2022
केतु	07:11:2022
बुध	07:02:2023
राहु	25:05:2023
मंगल	27:09:2023

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंर्तर	से
चन्द्रमा	15:02:2024
सूर्य	26:08:2024
बृहस्पति	29:10:2024
केतु	20:01:2025
बुध	01:05:2025
राहु	28:08:2025
मंगल	12:01:2026
शनि	17:06:2026

सूर्य अन्तर

पत्यंर्तर	से
सूर्य	08:12:2026
बृहस्पति	30:12:2026
केतु	26:01:2027
बुध	01:03:2027
राहु	10:04:2027
मंगल	25:05:2027
शनि	16:07:2027
चन्द्रमा	12:09:2027

बृहस्पति अन्तर

पत्यंर्तर	से
बृहस्पति	16:11:2027
केतु	21:12:2027
बुध	02:02:2028
राहु	24:03:2028
मंगल	22:05:2028
शनि	28:07:2028
चन्द्रमा	11:10:2028
सूर्य	02:01:2029

केतु अन्तर

पत्यंर्तर	से
केतु	30:01:2029
बुध	23:03:2029
राहु	25:05:2029
मंगल	05:08:2029
शनि	25:10:2029
चन्द्रमा	25:01:2030
सूर्य	05:05:2030
बृहस्पति	08:06:2030

बुध अन्तर

पत्यंर्तर	से
बुध	21:07:2030
राहु	03:10:2030
मंगल	27:12:2030
शनि	03:04:2031
चन्द्रमा	19:07:2031
सूर्य	16:11:2031
बृहस्पति	25:12:2031
केतु	14:02:2032

द्वादशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

चन्द्रमा दशा (18:12:1975–18:04:1977)

आपकी कुण्डली में लग्न शुक्र द्वारा शासित किसी नवांश राशि (न वृष, न तुला) में नहीं पड़ रहा है। क्म्द्वस्न्द्ध स्न्ह्र.रूब्द्ध द्न्ह्यड्ड द्वादशोत्तरी ठ्ठ%ग्न्ध्र द्वद्धति (११२ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है।

पत्यंर्तर	से

पत्यंर्तर	से

पत्यंर्तर	से

पत्यंर्तर	से

पत्यंर्तर	से

पत्यंर्तर	से

पत्यंर्तर	से

शनि अन्तर

पत्यंर्तर	से
बुध	18:12:1975
राहु	10:04:1976
मंगल	02:10:1976

द्वादशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

सूर्य दशा (18:04:1977—17:04:1984)

आपकी कुण्डली में लग्न शुक्र द्वारा शासित किसी नवांश राशि (न वृष, न तुला) में नहीं पड़ रहा है। क्म्द्वस्न्द्ध स्न्ह्व.रूब्द्ध द्ध्ह्यडु द्वादशोत्तरी ठ्ठ%द्मद्म द्धद्धति (११२ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है।

सूर्य अन्तर

पत्यंर्तर	से
सूर्य	18:04:1977
बृहस्पति	28:04:1977
केतु	11:05:1977
बुध	26:05:1977
राहु	14:06:1977
मंगल	05:07:1977
शनि	29:07:1977
चन्द्रमा	25:08:1977

बृहस्पति अन्तर

पत्यंर्तर	से
बृहस्पति	24:09:1977
केतु	11:10:1977
बुध	31:10:1977
राहु	24:11:1977
मंगल	21:12:1977
शनि	22:01:1978
चन्द्रमा	25:02:1978
सूर्य	05:04:1978

केतु अन्तर

पत्यंर्तर	से
केतु	18:04:1978
बुध	12:05:1978
राहु	10:06:1978
मंगल	14:07:1978
शनि	21:08:1978
चन्द्रमा	03:10:1978
सूर्य	19:11:1978
बृहस्पति	04:12:1978

बुध अन्तर

पत्यंर्तर	से
बुध	25:12:1978
राहु	28:01:1979
मंगल	09:03:1979
शनि	23:04:1979
चन्द्रमा	12:06:1979
सूर्य	07:08:1979
बृहस्पति	25:08:1979
केतु	18:09:1979

राहु अन्तर

पत्यंर्तर	से
राहु	17:10:1979
मंगल	02:12:1979
शनि	23:01:1980
चन्द्रमा	21:03:1980
सूर्य	25:05:1980
बृहस्पति	15:06:1980
केतु	13:07:1980
बुध	15:08:1980

मंगल अन्तर

पत्यंर्तर	से
मंगल	24:09:1980
शनि	22:11:1980
चन्द्रमा	27:01:1981
सूर्य	10:04:1981
बृहस्पति	04:05:1981
केतु	04:06:1981
बुध	12:07:1981
राहु	26:08:1981

शनि अन्तर

पत्यंर्तर	से
शनि	17:10:1981
चन्द्रमा	30:12:1981
सूर्य	21:03:1982
बृहस्पति	17:04:1982
केतु	22:05:1982
बुध	04:07:1982
राहु	23:08:1982
मंगल	20:10:1982

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंर्तर	से
चन्द्रमा	25:12:1982
सूर्य	24:03:1983
बृहस्पति	23:04:1983
केतु	01:06:1983
बुध	18:07:1983
राहु	12:09:1983
मंगल	15:11:1983
शनि	27:01:1984

द्वादशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

बृहस्पति दशा (17:04:1984–18:04:1993)

आपकी कुण्डली में लग्न शुक्र द्वारा शासित किसी नवांश राशि (न वृष, न तुला) में नहीं पड़ रहा है। क्यद्वस्नद्ध स्नह्र.रूब्द्ध द्वह्यड्ड द्वादशोत्तरी छ्%द्मद्म द्वद्धति (११२ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है।

बृहस्पति अन्तर

पत्यंर्तर	से
बृहस्पति	17:04:1984
केतु	08:05:1984
बुध	03:06:1984
राहु	04:07:1984
मंगल	08:08:1984
शनि	18:09:1984
चन्द्रमा	02:11:1984
सूर्य	21:12:1984

केतु अन्तर

पत्यंर्तर	से
केतु	07:01:1985
बुध	07:02:1985
राहु	17:03:1985
मंगल	29:04:1985
शनि	17:06:1985
चन्द्रमा	11:08:1985
सूर्य	10:10:1985
बृहस्पति	30:10:1985

बुध अन्तर

पत्यंर्तर	से
बुध	25:11:1985
राहु	09:01:1986
मंगल	01:03:1986
शनि	28:04:1986
चन्द्रमा	01:07:1986
सूर्य	11:09:1986
बृहस्पति	05:10:1986
केतु	04:11:1986

राहु अन्तर

पत्यंर्तर	से
राहु	12:12:1986
मंगल	09:02:1987
शनि	16:04:1987
चन्द्रमा	30:06:1987
सूर्य	20:09:1987
बृहस्पति	18:10:1987
केतु	22:11:1987
बुध	05:01:1988

मंगल अन्तर

पत्यंर्तर	से
मंगल	25:02:1988
शनि	11:05:1988
चन्द्रमा	03:08:1988
सूर्य	05:11:1988
बृहस्पति	06:12:1988
केतु	16:01:1989
बुध	06:03:1989
राहु	02:05:1989

शनि अन्तर

पत्यंर्तर	से
शनि	08:07:1989
चन्द्रमा	11:10:1989
सूर्य	23:01:1990
बृहस्पति	27:02:1990
केतु	13:04:1990
बुध	07:06:1990
राहु	10:08:1990
मंगल	24:10:1990

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंर्तर	से
चन्द्रमा	16:01:1991
सूर्य	12:05:1991
बृहस्पति	19:06:1991
केतु	08:08:1991
बुध	07:10:1991
राहु	18:12:1991
मंगल	10:03:1992
शनि	11:06:1992

सूर्य अन्तर

पत्यंर्तर	से
सूर्य	24:09:1992
बृहस्पति	07:10:1992
केतु	24:10:1992
बुध	13:11:1992
राहु	07:12:1992
मंगल	03:01:1993
शनि	03:02:1993
चन्द्रमा	10:03:1993

द्वादशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

केतु दशा (18:04:1993–17:04:2004)

आपकी कुण्डली में लग्न शुक्र द्वारा शासित किसी नवांश राशि (न वृष, न तुला) में नहीं पड़ रहा है। क्मद्वस्त्रद्ध स्रह्न.रूब्द्ध द्दह्यड्ड द्वादशोत्तरी ङ्ग%ह्मद्म द्वद्धति (११२ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है।

केतु अन्तर

पत्यंर्तर	से
केतु	18:04:1993
बुध	26:05:1993
राहु	11:07:1993
मंगल	02:09:1993
शनि	01:11:1993
चन्द्रमा	07:01:1994
सूर्य	22:03:1994
बृहस्पति	15:04:1994

बुध अन्तर

पत्यंर्तर	से
बुध	17:05:1994
राहु	10:07:1994
मंगल	11:09:1994
शनि	20:11:1994
चन्द्रमा	07:02:1995
सूर्य	06:05:1995
बृहस्पति	04:06:1995
केतु	11:07:1995

राहु अन्तर

पत्यंर्तर	से
राहु	26:08:1995
मंगल	06:11:1995
शनि	27:01:1996
चन्द्रमा	27:04:1996
सूर्य	06:08:1996
बृहस्पति	09:09:1996
केतु	22:10:1996
बुध	14:12:1996

मंगल अन्तर

पत्यंर्तर	से
मंगल	15:02:1997
शनि	18:05:1997
चन्द्रमा	30:08:1997
सूर्य	22:12:1997
बृहस्पति	29:01:1998
केतु	19:03:1998
बुध	18:05:1998
राहु	28:07:1998

शनि अन्तर

पत्यंर्तर	से
शनि	17:10:1998
चन्द्रमा	10:02:1999
सूर्य	17:06:1999
बृहस्पति	30:07:1999
केतु	23:09:1999
बुध	29:11:1999
राहु	16:02:2000
मंगल	17:05:2000

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंर्तर	से
चन्द्रमा	29:08:2000
सूर्य	17:01:2001
बृहस्पति	06:03:2001
केतु	05:05:2001
बुध	18:07:2001
राहु	13:10:2001
मंगल	22:01:2002
शनि	16:05:2002

सूर्य अन्तर

पत्यंर्तर	से
सूर्य	21:09:2002
बृहस्पति	07:10:2002
केतु	27:10:2002
बुध	21:11:2002
राहु	20:12:2002
मंगल	22:01:2003
शनि	01:03:2003
चन्द्रमा	13:04:2003

बृहस्पति अन्तर

पत्यंर्तर	से
बृहस्पति	30:05:2003
केतु	25:06:2003
बुध	27:07:2003
राहु	02:09:2003
मंगल	15:10:2003
शनि	03:12:2003
चन्द्रमा	27:01:2004
सूर्य	28:03:2004

द्वादशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

बुध दशा (17:04:2004—18:04:2017)

आपकी कुण्डली में लग्न शुक्र द्वारा शासित किसी नवांश राशि (न वृष, न तुला) में नहीं पड़ रहा है। क्यद्मस्नद्ध स्नह्र.रूब्द्ध द्दह्यड्ड द्वादशोत्तरी ठ्ठ%ग्रञ्च द्धद्धति (११२ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है।

बुध अन्तर

पत्यंर्तर	से
बुध	17:04:2004
राहु	20:06:2004
मंगल	02:09:2004
शनि	25:11:2004
चन्द्रमा	26:02:2005
सूर्य	10:06:2005
बृहस्पति	14:07:2005
केतु	27:08:2005

राहु अन्तर

पत्यंर्तर	से
राहु	20:10:2005
मंगल	14:01:2006
शनि	20:04:2006
चन्द्रमा	06:08:2006
सूर्य	03:12:2006
बृहस्पति	12:01:2007
केतु	04:03:2007
बुध	05:05:2007

मंगल अन्तर

पत्यंर्तर	से
मंगल	18:07:2007
शनि	04:11:2007
चन्द्रमा	06:03:2008
सूर्य	19:07:2008
बृहस्पति	02:09:2008
केतु	30:10:2008
बुध	09:01:2009
राहु	03:04:2009

शनि अन्तर

पत्यंर्तर	से
शनि	08:07:2009
चन्द्रमा	22:11:2009
सूर्य	22:04:2010
बृहस्पति	11:06:2010
केतु	15:08:2010
बुध	02:11:2010
राहु	03:02:2011
मंगल	22:05:2011

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंर्तर	से
चन्द्रमा	21:09:2011
सूर्य	06:03:2012
बृहस्पति	01:05:2012
केतु	12:07:2012
बुध	07:10:2012
राहु	19:01:2013
मंगल	18:05:2013
शनि	30:09:2013

सूर्य अन्तर

पत्यंर्तर	से
सूर्य	28:02:2014
बृहस्पति	18:03:2014
केतु	11:04:2014
बुध	10:05:2014
राहु	14:06:2014
मंगल	23:07:2014
शनि	06:09:2014
चन्द्रमा	27:10:2014

बृहस्पति अन्तर

पत्यंर्तर	से
बृहस्पति	21:12:2014
केतु	21:01:2015
बुध	27:02:2015
राहु	13:04:2015
मंगल	03:06:2015
शनि	31:07:2015
चन्द्रमा	03:10:2015
सूर्य	14:12:2015

केतु अन्तर

पत्यंर्तर	से
केतु	07:01:2016
बुध	22:02:2016
राहु	16:04:2016
मंगल	17:06:2016
शनि	27:08:2016
चन्द्रमा	15:11:2016
सूर्य	10:02:2017
बृहस्पति	11:03:2017

द्वादशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

राहु दशा (18:04:2017–17:04:2032)

आपकी कुण्डली में लग्न शुक्र द्वारा शासित किसी नवांश राशि (न वृष, न तुला) में नहीं पड़ रहा है। क्ष्म्रद्बस्नद्ध स्नह्र.रूब्द्ध द्रह्यड्ड द्वादशोत्तरी ङ्क%ह्म्ह्म द्बद्धति (११२ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है।

राहु अन्तर

पत्यंर्तर	से
राहु	18:04:2017
मंगल	25:07:2017
शनि	13:11:2017
चन्द्रमा	18:03:2018
सूर्य	02:08:2018
बृहस्पति	17:09:2018
केतु	15:11:2018
बुध	26:01:2019

मंगल अन्तर

पत्यंर्तर	से
मंगल	21:04:2019
शनि	25:08:2019
चन्द्रमा	13:01:2020
सूर्य	17:06:2020
बृहस्पति	08:08:2020
केतु	14:10:2020
बुध	04:01:2021
राहु	11:04:2021

शनि अन्तर

पत्यंर्तर	से
शनि	31:07:2021
चन्द्रमा	05:01:2022
सूर्य	28:06:2022
बृहस्पति	25:08:2022
केतु	07:11:2022
बुध	07:02:2023
राहु	25:05:2023
मंगल	27:09:2023

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंर्तर	से
चन्द्रमा	15:02:2024
सूर्य	26:08:2024
बृहस्पति	29:10:2024
केतु	20:01:2025
बुध	01:05:2025
राहु	28:08:2025
मंगल	12:01:2026
शनि	17:06:2026

सूर्य अन्तर

पत्यंर्तर	से
सूर्य	08:12:2026
बृहस्पति	30:12:2026
केतु	26:01:2027
बुध	01:03:2027
राहु	10:04:2027
मंगल	25:05:2027
शनि	16:07:2027
चन्द्रमा	12:09:2027

बृहस्पति अन्तर

पत्यंर्तर	से
बृहस्पति	16:11:2027
केतु	21:12:2027
बुध	02:02:2028
राहु	24:03:2028
मंगल	22:05:2028
शनि	28:07:2028
चन्द्रमा	11:10:2028
सूर्य	02:01:2029

केतु अन्तर

पत्यंर्तर	से
केतु	30:01:2029
बुध	23:03:2029
राहु	25:05:2029
मंगल	05:08:2029
शनि	25:10:2029
चन्द्रमा	25:01:2030
सूर्य	05:05:2030
बृहस्पति	08:06:2030

बुध अन्तर

पत्यंर्तर	से
बुध	21:07:2030
राहु	03:10:2030
मंगल	27:12:2030
शनि	03:04:2031
चन्द्रमा	19:07:2031
सूर्य	16:11:2031
बृहस्पति	25:12:2031
केतु	14:02:2032

द्वादशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

मंगल दशा (17:04:2032—18:04:2049)

आपकी कुण्डली में लग्न शुक्र द्वारा शासित किसी नवांश राशि (न वृष, न तुला) में नहीं पड़ रहा है। क्म्रद्वस्त्रद्ध स्त्रह्न.रूब्द्ध द्गह्यड्ड द्वादशोत्तरी ठ्ठ%ग्मद्म द्वद्धति (११२ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है।

मंगल अन्तर

पत्यंर्तर	से
मंगल	17:04:2032
शनि	07:09:2032
चन्द्रमा	14:02:2033
सूर्य	10:08:2033
बृहस्पति	08:10:2033
केतु	23:12:2033
बुध	25:03:2034
राहु	12:07:2034

शनि अन्तर

पत्यंर्तर	से
शनि	16:11:2034
चन्द्रमा	13:05:2035
सूर्य	26:11:2035
बृहस्पति	31:01:2036
केतु	25:04:2036
बुध	07:08:2036
राहु	07:12:2036
मंगल	27:04:2037

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंर्तर	से
चन्द्रमा	04:10:2037
सूर्य	10:05:2038
बृहस्पति	22:07:2038
केतु	24:10:2038
बुध	15:02:2039
राहु	30:06:2039
मंगल	03:12:2039
शनि	28:05:2040

सूर्य अन्तर

पत्यंर्तर	से
सूर्य	12:12:2040
बृहस्पति	05:01:2041
केतु	05:02:2041
बुध	15:03:2041
राहु	29:04:2041
मंगल	20:06:2041
शनि	18:08:2041
चन्द्रमा	23:10:2041

बृहस्पति अन्तर

पत्यंर्तर	से
बृहस्पति	03:01:2042
केतु	12:02:2042
बुध	02:04:2042
राहु	30:05:2042
मंगल	05:08:2042
शनि	20:10:2042
चन्द्रमा	12:01:2043
सूर्य	16:04:2043

केतु अन्तर

पत्यंर्तर	से
केतु	17:05:2043
बुध	16:07:2043
राहु	25:09:2043
मंगल	15:12:2043
शनि	17:03:2044
चन्द्रमा	29:06:2044
सूर्य	21:10:2044
बृहस्पति	28:11:2044

बुध अन्तर

पत्यंर्तर	से
बुध	16:01:2045
राहु	10:04:2045
मंगल	16:07:2045
शनि	02:11:2045
चन्द्रमा	04:03:2046
सूर्य	17:07:2046
बृहस्पति	31:08:2046
केतु	28:10:2046

राहु अन्तर

पत्यंर्तर	से
राहु	07:01:2047
मंगल	28:04:2047
शनि	01:09:2047
चन्द्रमा	20:01:2048
सूर्य	24:06:2048
बृहस्पति	15:08:2048
केतु	21:10:2048
बुध	11:01:2049

द्वादशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

शनि दशा (18:04:2049–17:04:2068)

आपकी कुण्डली में लग्न शुक्र द्वारा शासित किसी नवांश राशि (न वृष, न तुला) में नहीं पड़ रहा है। क्यद्धस्न्द्ध स्न्ह्र.रूब्द्ध द्दद्यड्ढ द्वादशोत्तरी ठ्ठ%द्यद्म द्धद्धति (११२ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है।

शनि अन्तर

पत्यंर्तर	से
शनि	18:04:2049
चन्द्रमा	03:11:2049
सूर्य	12:06:2050
बृहस्पति	24:08:2050
केतु	27:11:2050
बुध	22:03:2051
राहु	06:08:2051
मंगल	11:01:2052

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंर्तर	से
चन्द्रमा	08:07:2052
सूर्य	09:03:2053
बृहस्पति	29:05:2053
केतु	11:09:2053
बुध	16:01:2054
राहु	16:06:2054
मंगल	08:12:2054
शनि	23:06:2055

सूर्य अन्तर

पत्यंर्तर	से
सूर्य	30:01:2056
बृहस्पति	26:02:2056
केतु	01:04:2056
बुध	13:05:2056
राहु	03:07:2056
मंगल	30:08:2056
शनि	04:11:2056
चन्द्रमा	17:01:2057

बृहस्पति अन्तर

पत्यंर्तर	से
बृहस्पति	08:04:2057
केतु	23:05:2057
बुध	16:07:2057
राहु	19:09:2057
मंगल	03:12:2057
शनि	25:02:2058
चन्द्रमा	31:05:2058
सूर्य	12:09:2058

केतु अन्तर

पत्यंर्तर	से
केतु	17:10:2058
बुध	23:12:2058
राहु	12:03:2059
मंगल	11:06:2059
शनि	23:09:2059
चन्द्रमा	16:01:2060
सूर्य	23:05:2060
बृहस्पति	05:07:2060

बुध अन्तर

पत्यंर्तर	से
बुध	29:08:2060
राहु	01:12:2060
मंगल	19:03:2061
शनि	19:07:2061
चन्द्रमा	02:12:2061
सूर्य	02:05:2062
बृहस्पति	22:06:2062
केतु	25:08:2062

राहु अन्तर

पत्यंर्तर	से
राहु	12:11:2062
मंगल	17:03:2063
शनि	05:08:2063
चन्द्रमा	09:01:2064
सूर्य	02:07:2064
बृहस्पति	29:08:2064
केतु	12:11:2064
बुध	11:02:2065

मंगल अन्तर

पत्यंर्तर	से
मंगल	30:05:2065
शनि	06:11:2065
चन्द्रमा	03:05:2066
सूर्य	17:11:2066
बृहस्पति	22:01:2067
केतु	16:04:2067
बुध	29:07:2067
राहु	28:11:2067

षोडशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

जन्म के समय षोडशोत्तरी ोग्य दशा (एन सी लहरी अयनाश : ०२३:३१:१७) : शुक्र : १ व० १ मा० २१ दि०

आपका जन्म शुक्ल-पक्ष (आरोही चंद्र) में हुआ है और आपकी जन्मकुण्डली की होरा कुण्डली में लग्न सूर्य के होरा में पड़ रहा है। इस तरह से आपकी कुण्डली में षोडशोत्तरी दशा पद्धति (११६ साल का पूर्ण चक्र) लागू हो रहा है। आपको अपनी कुण्डली में ध्यान देना चाहिए कि आपके जीवन में सभी मुख्य एवं महत्त्वपूर्ण घटनाओं के समय एवं स्वभाव की जानकारी के लिए षोडशोत्तरी दशा पद्धति विंशोत्तरी दशा पद्धति की तुलना में ज्यादा सत्य प्रमाण होगा।

क्र० स०		ग्रह दशा	अवधि	से ---------- तक
1	♀	शुक्र दशा	1 y.1 m.21 d.	18:12:1975 -- 07:02:1977
2	☉	सूर्य दशा	11 y.0 m.0 d.	07:02:1977 -- 07:02:1988
3	♂	मंगल दशा	12 y.0 m.0 d.	07:02:1988 -- 07:02:2000
4	♃	बृहस्पति दशा	13 y.0 m.0 d.	07:02:2000 -- 07:02:2013
5	♄	शनि दशा	14 y.0 m.0 d.	07:02:2013 -- 07:02:2027
6	☋	केतु दशा	15 y.0 m.0 d.	07:02:2027 -- 07:02:2042
7	☽	चन्द्रमा दशा	16 y.0 m.0 d.	07:02:2042 -- 07:02:2058
8	☿	बुध दशा	17 y.0 m.0 d.	07:02:2058 -- 07:02:2075

षोडशोत्तरी दशा की अर्न्तदशाएं

शुक्र दशा

अन्तर्दशा	से
शुक्र	
सूर्य	
मंगल	
बृहस्पति	
शनि	
केतु	
चन्द्रमा	
बुध	18:12:1975

सूर्य दशा

अन्तर्दशा	से
सूर्य	07:02:1977
मंगल	23:02:1978
बृहस्पति	14:04:1979
शनि	08:07:1980
केतु	05:11:1981
चन्द्रमा	08:04:1983
बुध	14:10:1984
शुक्र	25:05:1986

मंगल दशा

अन्तर्दशा	से
मंगल	07:02:1988
बृहस्पति	06:05:1989
शनि	09:09:1990
केतु	20:02:1992
चन्द्रमा	09:09:1993
बुध	06:05:1995
शुक्र	07:02:1997
सूर्य	19:12:1998

बृहस्पति दशा

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	07:02:2000
शनि	24:07:2001
केतु	17:02:2003
चन्द्रमा	23:10:2004
बुध	09:08:2006
शुक्र	05:07:2008
सूर्य	11:07:2010
मंगल	04:10:2011

शनि दशा

अन्तर्दशा	से
शनि	07:02:2013
केतु	17:10:2014
चन्द्रमा	08:08:2016
बुध	15:07:2018
शुक्र	02:08:2020
सूर्य	04:10:2022
मंगल	01:02:2024
बृहस्पति	15:07:2025

केतु दशा

अन्तर्दशा	से
केतु	07:02:2027
चन्द्रमा	16:01:2029
बुध	10:02:2031
शुक्र	24:04:2033
सूर्य	21:08:2035
मंगल	23:01:2037
बृहस्पति	12:08:2038
शनि	17:04:2040

चन्द्रमा दशा

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	07:02:2042
बुध	23:04:2044
शुक्र	28:08:2046
सूर्य	20:02:2049
मंगल	28:08:2050
बृहस्पति	23:04:2052
शनि	07:02:2054
केतु	13:01:2056

बुध दशा

अन्तर्दशा	से
बुध	07:02:2058
शुक्र	05:08:2060
सूर्य	26:03:2063
मंगल	05:11:2064
बृहस्पति	09:08:2066
शनि	05:07:2068
केतु	24:07:2070
चन्द्रमा	04:10:2072

षोडशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

शनि दशा (07:02:2013–07:02:2027)

आपका जन्म शुक्ल-पक्ष (आरोही चंद्र) में हुआ है और आपकी जन्मकुण्डली की होरा कुण्डली में लग्न सूर्य के होरा में पड़ रहा है। इस तरह से आपकी कुण्डली में षोडशोत्तरी दशा पद्धति (११६ साल का पूर्ण चक्र) लागू हो रहा है। आपको अपनी कुण्डली में ध्यान देना चाहिए कि आपके जीवन में सभी मुख्य एवं महत्त्वपूर्ण घटनाओं के समय एवं स्वभाव की जानकारी के लिए षोडशोत्तरी दशा पद्धति विंशोत्तरी दशा पद्धति की तुलना में उत्तम फल प्रदान करेगा।

शनि अन्तर

पत्यंतर	से
शनि	07:02:2013
केतु	23:04:2013
चन्द्रमा	11:07:2013
बुध	05:10:2013
शुक्र	03:01:2014
सूर्य	09:04:2014
मंगल	06:06:2014
बृहस्पति	09:08:2014

केतु अन्तर

पत्यंतर	से
केतु	17:10:2014
चन्द्रमा	10:01:2015
बुध	12:04:2015
शुक्र	17:07:2015
सूर्य	28:10:2015
मंगल	30:12:2015
बृहस्पति	07:03:2016
शनि	20:05:2016

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंतर	से
चन्द्रमा	08:08:2016
बुध	14:11:2016
शुक्र	25:02:2017
सूर्य	15:06:2017
मंगल	20:08:2017
बृहस्पति	01:11:2017
शनि	19:01:2018
केतु	14:04:2018

बुध अन्तर

पत्यंतर	से
बुध	15:07:2018
शुक्र	01:11:2018
सूर्य	26:02:2019
मंगल	08:05:2019
बृहस्पति	24:07:2019
शनि	16:10:2019
केतु	14:01:2020
चन्द्रमा	20:04:2020

शुक्र अन्तर

पत्यंतर	से
शुक्र	02:08:2020
सूर्य	03:12:2020
मंगल	17:02:2021
बृहस्पति	10:05:2021
शनि	07:08:2021
केतु	10:11:2021
चन्द्रमा	21:02:2022
बुध	10:06:2022

सूर्य अन्तर

पत्यंतर	से
सूर्य	04:10:2022
मंगल	19:11:2022
बृहस्पति	08:01:2023
शनि	04:03:2023
केतु	01:05:2023
चन्द्रमा	03:07:2023
बुध	08:09:2023
शुक्र	18:11:2023

मंगल अन्तर

पत्यंतर	से
मंगल	01:02:2024
बृहस्पति	27:03:2024
शनि	25:05:2024
केतु	28:07:2024
चन्द्रमा	05:10:2024
बुध	17:12:2024
शुक्र	04:03:2025
सूर्य	25:05:2025

बृहस्पति अन्तर

पत्यंतर	से
बृहस्पति	15:07:2025
शनि	17:09:2025
केतु	25:11:2025
चन्द्रमा	07:02:2026
बुध	27:04:2026
शुक्र	20:07:2026
सूर्य	17:10:2026
मंगल	10:12:2026

षोडशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

शुक्र दशा (18:12:1975–07:02:1977)

आपका जन्म शुक्ल-पक्ष (आरोही चंद्र) में हुआ है और आपकी जन्मकुण्डली की होरा कुण्डली में लग्न सूर्य के होरा में पड़ रहा है। इस तरह से आपकी कुण्डली में षोडशोत्तरी दशा पद्धति (११६ साल का पूर्ण चक्र) लागू हो रहा है। आपको अपनी कुण्डली में ध्यान देना चाहिए कि आपके जीवन में सभी मुख्य एवं महत्त्वपूर्ण घटनाओं के समय एवं स्वभाव की जानकारी के लिए षोडशोत्तरी दशा पद्धति विंशोत्तरी दशा पद्धति की तुलना में उत्तम फल प्रदान करेगा।

पत्यंतर	से	पत्यंतर	से	पत्यंतर	से

पत्यंतर	से	पत्यंतर	से

पत्यंतर	से	पत्यंतर	से	बुध अन्तर	
				बृहस्पति	18:12:1975
				शनि	30:01:1976
				केतु	25:05:1976
				चन्द्रमा	27:09:1976

षोडशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

सूर्य दशा (07:02:1977--07:02:1988)

आपका जन्म शुक्ल-पक्ष (आरोही चंद्र) में हुआ है और आपकी जन्मकुण्डली की होरा कुण्डली में लग्न सूर्य के होरा में पड़ रहा है। इस तरह से आपकी कुण्डली में षोडशोत्तरी दशा पद्धति (११६ साल का पूर्ण चक्र) लागू हो रहा है। आपको अपनी कुण्डली में ध्यान देना चाहिए कि आपके जीवन में सभी मुख्य एवं महत्त्वपूर्ण घटनाओं के समय एवं स्वभाव की जानकारी के लिए षोडशोत्तरी दशा पद्धति विंशोत्तरी दशा पद्धति की तुलना में उत्तम फल प्रदान करेगा।

सूर्य अन्तर

पत्यंतर	से
सूर्य	07:02:1977
मंगल	15:03:1977
बृहस्पति	24:04:1977
शनि	05:06:1977
केतु	21:07:1977
चन्द्रमा	09:09:1977
बुध	31:10:1977
शुक्र	26:12:1977

मंगल अन्तर

पत्यंतर	से
मंगल	23:02:1978
बृहस्पति	07:04:1978
शनि	24:05:1978
केतु	13:07:1978
चन्द्रमा	04:09:1978
बुध	01:11:1978
शुक्र	01:01:1979
सूर्य	06:03:1979

बृहस्पति अन्तर

पत्यंतर	से
बृहस्पति	14:04:1979
शनि	04:06:1979
केतु	28:07:1979
चन्द्रमा	24:09:1979
बुध	25:11:1979
शुक्र	30:01:1980
सूर्य	09:04:1980
मंगल	22:05:1980

शनि अन्तर

पत्यंतर	से
शनि	08:07:1980
केतु	04:09:1980
चन्द्रमा	06:11:1980
बुध	12:01:1981
शुक्र	24:03:1981
सूर्य	07:06:1981
मंगल	23:07:1981
बृहस्पति	12:09:1981

केतु अन्तर

पत्यंतर	से
केतु	05:11:1981
चन्द्रमा	11:01:1982
बुध	24:03:1982
शुक्र	08:06:1982
सूर्य	27:08:1982
मंगल	16:10:1982
बृहस्पति	08:12:1982
शनि	04:02:1983

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंतर	से
चन्द्रमा	08:04:1983
बुध	23:06:1983
शुक्र	13:09:1983
सूर्य	08:12:1983
मंगल	29:01:1984
बृहस्पति	27:03:1984
शनि	28:05:1984
केतु	03:08:1984

बुध अन्तर

पत्यंतर	से
बुध	14:10:1984
शुक्र	08:01:1985
सूर्य	09:04:1985
मंगल	04:06:1985
बृहस्पति	04:08:1985
शनि	09:10:1985
केतु	19:12:1985
चन्द्रमा	05:03:1986

शुक्र अन्तर

पत्यंतर	से
शुक्र	25:05:1986
सूर्य	30:08:1986
मंगल	28:10:1986
बृहस्पति	31:12:1986
शनि	11:03:1987
केतु	25:05:1987
चन्द्रमा	14:08:1987
बुध	08:11:1987

षोडशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

मंगल दशा (07:02:1988–07:02:2000)

आपका जन्म शुक्ल-पक्ष (आरोही चंद्र) में हुआ है और आपकी जन्मकुण्डली की होरा कुण्डली में लग्न सूर्य के होरा में पड़ रहा है। इस तरह से आपकी कुण्डली में षोडशोत्तरी दशा पद्धति (११६ साल का पूर्ण चक्र) लागू हो रहा है। आपको अपनी कुण्डली में ध्यान देना चाहिए कि आपके जीवन में सभी मुख्य एवं महत्त्वपूर्ण घटनाओं के समय एवं स्वभाव की जानकारी के लिए षोडशोत्तरी दशा पद्धति विंशोत्तरी दशा पद्धति की तुलना में उत्तम फल प्रदान करेगा।

मंगल अन्तर

पत्यंतर	से
मंगल	07:02:1988
बृहस्पति	25:03:1988
शनि	15:05:1988
केतु	09:07:1988
चन्द्रमा	06:09:1988
बुध	08:11:1988
शुक्र	13:01:1989
सूर्य	24:03:1989

बृहस्पति अन्तर

पत्यंतर	से
बृहस्पति	06:05:1989
शनि	30:06:1989
केतु	29:08:1989
चन्द्रमा	31:10:1989
बुध	07:01:1990
शुक्र	20:03:1990
सूर्य	04:06:1990
मंगल	20:07:1990

शनि अन्तर

पत्यंतर	से
शनि	09:09:1990
केतु	12:11:1990
चन्द्रमा	19:01:1991
बुध	02:04:1991
शुक्र	19:06:1991
सूर्य	09:09:1991
मंगल	29:10:1991
बृहस्पति	23:12:1991

केतु अन्तर

पत्यंतर	से
केतु	20:02:1992
चन्द्रमा	03:05:1992
बुध	21:07:1992
शुक्र	12:10:1992
सूर्य	08:01:1993
मंगल	03:03:1993
बृहस्पति	30:04:1993
शनि	03:07:1993

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंतर	से
चन्द्रमा	09:09:1993
बुध	02:12:1993
शुक्र	28:02:1994
सूर्य	02:06:1994
मंगल	29:07:1994
बृहस्पति	30:09:1994
शनि	06:12:1994
केतु	17:02:1995

बुध अन्तर

पत्यंतर	से
बुध	06:05:1995
शुक्र	08:08:1995
सूर्य	16:11:1995
मंगल	16:01:1996
बृहस्पति	23:03:1996
शनि	03:06:1996
केतु	19:08:1996
चन्द्रमा	11:11:1996

शुक्र अन्तर

पत्यंतर	से
शुक्र	07:02:1997
सूर्य	24:05:1997
मंगल	27:07:1997
बृहस्पति	05:10:1997
शनि	21:12:1997
केतु	13:03:1998
चन्द्रमा	09:06:1998
बुध	10:09:1998

सूर्य अन्तर

पत्यंतर	से
सूर्य	19:12:1998
मंगल	27:01:1999
बृहस्पति	11:03:1999
शनि	27:04:1999
केतु	16:06:1999
चन्द्रमा	09:08:1999
बुध	05:10:1999
शुक्र	05:12:1999

षोडशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

बृहस्पति दशा (07:02:2000–07:02:2013)

आपका जन्म शुक्ल-पक्ष (आरोही चंद्र) में हुआ है और आपकी जन्मकुण्डली की होरा कुण्डली में लग्न सूर्य के होरा में पड़ रहा है। इस तरह से आपकी कुण्डली में षोडशोत्तरी दशा पद्धति (११६ साल का पूर्ण चक्र) लागू हो रहा है। आपको अपनी कुण्डली में ध्यान देना चाहिए कि आपके जीवन में सभी मुख्य एवं महत्त्वपूर्ण घटनाओं के समय एवं स्वभाव की जानकारी के लिए षोडशोत्तरी दशा पद्धति विंशोत्तरी दशा पद्धति की तुलना में उत्तम फल प्रदान करेगा।

बृहस्पति अन्तर

पत्यंतर	से
बृहस्पति	07:02:2000
शनि	07:04:2000
केतु	10:06:2000
चन्द्रमा	18:08:2000
बुध	31:10:2000
शुक्र	17:01:2001
सूर्य	10:04:2001
मंगल	30:05:2001

शनि अन्तर

पत्यंतर	से
शनि	24:07:2001
केतु	01:10:2001
चन्द्रमा	14:12:2001
बुध	03:03:2002
शुक्र	26:05:2002
सूर्य	23:08:2002
मंगल	16:10:2002
बृहस्पति	15:12:2002

केतु अन्तर

पत्यंतर	से
केतु	17:02:2003
चन्द्रमा	07:05:2003
बुध	31:07:2003
शुक्र	29:10:2003
सूर्य	01:02:2004
मंगल	30:03:2004
बृहस्पति	02:06:2004
शनि	10:08:2004

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंतर	से
चन्द्रमा	23:10:2004
बुध	22:01:2005
शुक्र	27:04:2005
सूर्य	07:08:2005
मंगल	08:10:2005
बृहस्पति	15:12:2005
शनि	26:02:2006
केतु	16:05:2006

बुध अन्तर

पत्यंतर	से
बुध	09:08:2006
शुक्र	19:11:2006
सूर्य	07:03:2007
मंगल	12:05:2007
बृहस्पति	22:07:2007
शनि	08:10:2007
केतु	31:12:2007
चन्द्रमा	30:03:2008

शुक्र अन्तर

पत्यंतर	से
शुक्र	05:07:2008
सूर्य	27:10:2008
मंगल	05:01:2009
बृहस्पति	22:03:2009
शनि	13:06:2009
केतु	10:09:2009
चन्द्रमा	14:12:2009
बुध	26:03:2010

सूर्य अन्तर

पत्यंतर	से
सूर्य	11:07:2010
मंगल	23:08:2010
बृहस्पति	09:10:2010
शनि	28:11:2010
केतु	21:01:2011
चन्द्रमा	21:03:2011
बुध	22:05:2011
शुक्र	27:07:2011

मंगल अन्तर

पत्यंतर	से
मंगल	04:10:2011
बृहस्पति	24:11:2011
शनि	18:01:2012
केतु	18:03:2012
चन्द्रमा	20:05:2012
बुध	27:07:2012
शुक्र	07:10:2012
सूर्य	23:12:2012

षोडशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

शनि दशा (07:02:2013–07:02:2027)

आपका जन्म शुक्ल-पक्ष (आरोही चंद्र) में हुआ है और आपकी जन्मकुण्डली की होरा कुण्डली में लग्न सूर्य के होरा में पड़ रहा है। इस तरह से आपकी कुण्डली में षोडशोत्तरी दशा पद्धति (११६ साल का पूर्ण चक्र) लागू हो रहा है। आपको अपनी कुण्डली में ध्यान देना चाहिए कि आपके जीवन में सभी मुख्य एवं महत्त्वपूर्ण घटनाओं के समय एवं स्वभाव की जानकारी के लिए षोडशोत्तरी दशा पद्धति विंशोत्तरी दशा पद्धति की तुलना में उत्तम फल प्रदान करेगा।

शनि अन्तर

पत्यंतर	से
शनि	07:02:2013
केतु	23:04:2013
चन्द्रमा	11:07:2013
बुध	05:10:2013
शुक्र	03:01:2014
सूर्य	09:04:2014
मंगल	06:06:2014
बृहस्पति	09:08:2014

केतु अन्तर

पत्यंतर	से
केतु	17:10:2014
चन्द्रमा	10:01:2015
बुध	12:04:2015
शुक्र	17:07:2015
सूर्य	28:10:2015
मंगल	30:12:2015
बृहस्पति	07:03:2016
शनि	20:05:2016

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंतर	से
चन्द्रमा	08:08:2016
बुध	14:11:2016
शुक्र	25:02:2017
सूर्य	15:06:2017
मंगल	20:08:2017
बृहस्पति	01:11:2017
शनि	19:01:2018
केतु	14:04:2018

बुध अन्तर

पत्यंतर	से
बुध	15:07:2018
शुक्र	01:11:2018
सूर्य	26:02:2019
मंगल	08:05:2019
बृहस्पति	24:07:2019
शनि	16:10:2019
केतु	14:01:2020
चन्द्रमा	20:04:2020

शुक्र अन्तर

पत्यंतर	से
शुक्र	02:08:2020
सूर्य	03:12:2020
मंगल	17:02:2021
बृहस्पति	10:05:2021
शनि	07:08:2021
केतु	10:11:2021
चन्द्रमा	21:02:2022
बुध	10:06:2022

सूर्य अन्तर

पत्यंतर	से
सूर्य	04:10:2022
मंगल	19:11:2022
बृहस्पति	08:01:2023
शनि	04:03:2023
केतु	01:05:2023
चन्द्रमा	03:07:2023
बुध	08:09:2023
शुक्र	18:11:2023

मंगल अन्तर

पत्यंतर	से
मंगल	01:02:2024
बृहस्पति	27:03:2024
शनि	25:05:2024
केतु	28:07:2024
चन्द्रमा	05:10:2024
बुध	17:12:2024
शुक्र	04:03:2025
सूर्य	25:05:2025

बृहस्पति अन्तर

पत्यंतर	से
बृहस्पति	15:07:2025
शनि	17:09:2025
केतु	25:11:2025
चन्द्रमा	07:02:2026
बुध	27:04:2026
शुक्र	20:07:2026
सूर्य	17:10:2026
मंगल	10:12:2026

षोडशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

केतु दशा (07:02:2027—07:02:2042)

आपका जन्म शुक्ल-पक्ष (आरोही चंद्र) में हुआ है और आपकी जन्मकुण्डली की होरा कुण्डली में लग्न सूर्य के होरा में पड़ रहा है। इस तरह से आपकी कुण्डली में षोडशोत्तरी दशा पद्धति (११६ साल का पूर्ण चक्र) लागू हो रहा है। आपको अपनी कुण्डली में ध्यान देना चाहिए कि आपके जीवन में सभी मुख्य एवं महत्त्वपूर्ण घटनाओं के समय एवं स्वभाव की जानकारी के लिए षोडशोत्तरी दशा पद्धति विंशोत्तरी दशा पद्धति की तुलना में उत्तम फल प्रदान करेगा।

केतु अन्तर

पत्यंतर	से
केतु	07:02:2027
चन्द्रमा	10:05:2027
बुध	15:08:2027
शुक्र	27:11:2027
सूर्य	16:03:2028
मंगल	23:05:2028
बृहस्पति	04:08:2028
शनि	23:10:2028

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंतर	से
चन्द्रमा	16:01:2029
बुध	30:04:2029
शुक्र	19:08:2029
सूर्य	14:12:2029
मंगल	24:02:2030
बृहस्पति	13:05:2030
शनि	06:08:2030
केतु	05:11:2030

बुध अन्तर

पत्यंतर	से
बुध	10:02:2031
शुक्र	08:06:2031
सूर्य	11:10:2031
मंगल	26:12:2031
बृहस्पति	18:03:2032
शनि	16:06:2032
केतु	21:09:2032
चन्द्रमा	03:01:2033

शुक्र अन्तर

पत्यंतर	से
शुक्र	24:04:2033
सूर्य	03:09:2033
मंगल	22:11:2033
बृहस्पति	18:02:2034
शनि	24:05:2034
केतु	04:09:2034
चन्द्रमा	23:12:2034
बुध	19:04:2035

सूर्य अन्तर

पत्यंतर	से
सूर्य	21:08:2035
मंगल	10:10:2035
बृहस्पति	02:12:2035
शनि	30:01:2036
केतु	01:04:2036
चन्द्रमा	08:06:2036
बुध	19:08:2036
शुक्र	03:11:2036

मंगल अन्तर

पत्यंतर	से
मंगल	23:01:2037
बृहस्पति	22:03:2037
शनि	25:05:2037
केतु	01:08:2037
चन्द्रमा	13:10:2037
बुध	30:12:2037
शुक्र	23:03:2038
सूर्य	19:06:2038

बृहस्पति अन्तर

पत्यंतर	से
बृहस्पति	12:08:2038
शनि	20:10:2038
केतु	02:01:2039
चन्द्रमा	22:03:2039
बुध	15:06:2039
शुक्र	13:09:2039
सूर्य	17:12:2039
मंगल	13:02:2040

शनि अन्तर

पत्यंतर	से
शनि	17:04:2040
केतु	06:07:2040
चन्द्रमा	29:09:2040
बुध	30:12:2040
शुक्र	06:04:2041
सूर्य	17:07:2041
मंगल	18:09:2041
बृहस्पति	25:11:2041

षोडशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

चन्द्रमा दशा (07:02:2042--07:02:2058)

आपका जन्म शुक्ल-पक्ष (आरोही चंद्र) में हुआ है और आपकी जन्मकुण्डली की होरा कुण्डली में लग्न सूर्य के होरा में पड़ रहा है। इस तरह से आपकी कुण्डली में षोडशोत्तरी दशा पद्धति (११६ साल का पूर्ण चक्र) लागू हो रहा है। आपको अपनी कुण्डली में ध्यान देना चाहिए कि आपके जीवन में सभी मुख्य एवं महत्त्वपूर्ण घटनाओं के समय एवं स्वभाव की जानकारी के लिए षोडशोत्तरी दशा पद्धति विंशोत्तरी दशा पद्धति की तुलना में उत्तम फल प्रदान करेगा।

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंतर	से
चन्द्रमा	07:02:2042
बुध	29:05:2042
शुक्र	24:09:2042
सूर्य	27:01:2043
मंगल	14:04:2043
बृहस्पति	06:07:2043
शनि	04:10:2043
केतु	10:01:2044

बुध अन्तर

पत्यंतर	से
बुध	23:04:2044
शुक्र	27:08:2044
सूर्य	07:01:2045
मंगल	29:03:2045
बृहस्पति	26:06:2045
शनि	30:09:2045
केतु	11:01:2046
चन्द्रमा	02:05:2046

शुक्र अन्तर

पत्यंतर	से
शुक्र	28:08:2046
सूर्य	15:01:2047
मंगल	11:04:2047
बृहस्पति	14:07:2047
शनि	24:10:2047
केतु	10:02:2048
चन्द्रमा	06:06:2048
बुध	10:10:2048

सूर्य अन्तर

पत्यंतर	से
सूर्य	20:02:2049
मंगल	13:04:2049
बृहस्पति	10:06:2049
शनि	11:08:2049
केतु	17:10:2049
चन्द्रमा	27:12:2049
बुध	14:03:2050
शुक्र	03:06:2050

मंगल अन्तर

पत्यंतर	से
मंगल	28:08:2050
बृहस्पति	29:10:2050
शनि	05:01:2051
केतु	19:03:2051
चन्द्रमा	05:06:2051
बुध	27:08:2051
शुक्र	24:11:2051
सूर्य	26:02:2052

बृहस्पति अन्तर

पत्यंतर	से
बृहस्पति	23:04:2052
शनि	06:07:2052
केतु	23:09:2052
चन्द्रमा	17:12:2052
बुध	17:03:2053
शुक्र	21:06:2053
सूर्य	01:10:2053
मंगल	02:12:2053

शनि अन्तर

पत्यंतर	से
शनि	07:02:2054
केतु	03:05:2054
चन्द्रमा	02:08:2054
बुध	08:11:2054
शुक्र	19:02:2055
सूर्य	08:06:2055
मंगल	14:08:2055
बृहस्पति	26:10:2055

केतु अन्तर

पत्यंतर	से
केतु	13:01:2056
चन्द्रमा	20:04:2056
बुध	03:08:2056
शुक्र	21:11:2056
सूर्य	19:03:2057
मंगल	29:05:2057
बृहस्पति	15:08:2057
शनि	08:11:2057

षोडशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

बुध दशा (07:02:2058–07:02:2075)

आपका जन्म शुक्ल-पक्ष (आरोही चंद्र) में हुआ है और आपकी जन्मकुण्डली की होरा कुण्डली में लग्न सूर्य के होरा में पड़ रहा है। इस तरह से आपकी कुण्डली में षोडशोत्तरी दशा पद्धति (११६ साल का पूर्ण चक्र) लागू हो रहा है। आपको अपनी कुण्डली में ध्यान देना चाहिए कि आपके जीवन में सभी मुख्य एवं महत्त्वपूर्ण घटनाओं के समय एवं स्वभाव की जानकारी के लिए षोडशोत्तरी दशा पद्धति विंशोत्तरी दशा पद्धति की तुलना में उत्तम फल प्रदान करेगा।

बुध अन्तर

पत्यंतर	से
बुध	07:02:2058
शुक्र	21:06:2058
सूर्य	09:11:2058
मंगल	03:02:2059
बृहस्पति	08:05:2059
शनि	18:08:2059
केतु	06:12:2059
चन्द्रमा	01:04:2060

शुक्र अन्तर

पत्यंतर	से
शुक्र	05:08:2060
सूर्य	02:01:2061
मंगल	03:04:2061
बृहस्पति	12:07:2061
शनि	28:10:2061
केतु	21:02:2062
चन्द्रमा	26:06:2062
बुध	05:11:2062

सूर्य अन्तर

पत्यंतर	से
सूर्य	26:03:2063
मंगल	21:05:2063
बृहस्पति	21:07:2063
शनि	25:09:2063
केतु	05:12:2063
चन्द्रमा	19:02:2064
बुध	11:05:2064
शुक्र	05:08:2064

मंगल अन्तर

पत्यंतर	से
मंगल	05:11:2064
बृहस्पति	10:01:2065
शनि	23:03:2065
केतु	09:06:2065
चन्द्रमा	31:08:2065
बुध	27:11:2065
शुक्र	01:03:2066
सूर्य	09:06:2066

बृहस्पति अन्तर

पत्यंतर	से
बृहस्पति	09:08:2066
शनि	26:10:2066
केतु	18:01:2067
चन्द्रमा	18:04:2067
बुध	22:07:2067
शुक्र	01:11:2067
सूर्य	17:02:2068
मंगल	24:04:2068

शनि अन्तर

पत्यंतर	से
शनि	05:07:2068
केतु	03:10:2068
चन्द्रमा	08:01:2069
बुध	22:04:2069
शुक्र	09:08:2069
सूर्य	04:12:2069
मंगल	13:02:2070
बृहस्पति	01:05:2070

केतु अन्तर

पत्यंतर	से
केतु	24:07:2070
चन्द्रमा	05:11:2070
बुध	23:02:2071
शुक्र	21:06:2071
सूर्य	24:10:2071
मंगल	08:01:2072
बृहस्पति	31:03:2072
शनि	29:06:2072

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंतर	से
चन्द्रमा	04:10:2072
बुध	30:01:2073
शुक्र	05:06:2073
सूर्य	16:10:2073
मंगल	05:01:2074
बृहस्पति	03:04:2074
शनि	08:07:2074
केतु	20:10:2074

त्रिभागी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

जन्म के समय त्रिागी ेग्य दशा (एन सी लहरी अयनाश : ०२३:३१:१७) : चन्द्रमा : 0 व0 ५ मा0 १0 दि0

क0 स0	ग्रह दशा	अवधि	से ———————— तक
1	☽ चन्द्रमा दशा	0 y.5 m.10 d.	18:12:1975 -- 28:05:1976
2	♂ मंगल दशा	5 y.0 m.0 d.	28:05:1976 -- 27:01:1981
3	☊ राहु दशा	12 y.0 m.0 d.	27:01:1981 -- 27:01:1993
4	♃ बृहस्पति दशा	11 y.0 m.0 d.	27:01:1993 -- 27:09:2003
5	♄ शनि दशा	13 y.0 m.0 d.	27:09:2003 -- 28:05:2016
6	☿ बुध दशा	11 y.0 m.0 d.	28:05:2016 -- 27:09:2027
7	☋ केतु दशा	5 y.0 m.0 d.	27:09:2027 -- 28:05:2032
8	♀ शुक्र दशा	13 y.0 m.0 d.	28:05:2032 -- 27:09:2045
9	☉ सूर्य दशा	4 y.0 m.0 d.	27:09:2045 -- 27:09:2049

त्रिभागी दशा की अर्न्तदशाएं

चन्द्रमा दशा

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	
मंगल	
राहु	
बृहस्पति	
शनि	
बुध	
केतु	
शुक्र	18:12:1975
सूर्य	27:01:1976

मंगल दशा

अन्तर्दशा	से
मंगल	28:05:1976
राहु	05:09:1976
बृहस्पति	19:05:1977
शनि	01:01:1978
बुध	27:09:1978
केतु	27:05:1979
शुक्र	03:09:1979
सूर्य	13:06:1980
चन्द्रमा	07:09:1980

राहु दशा

अन्तर्दशा	से
राहु	27:01:1981
बृहस्पति	15:11:1982
शनि	21:06:1984
बुध	16:05:1986
केतु	27:01:1988
शुक्र	09:10:1988
सूर्य	09:10:1990
चन्द्रमा	16:05:1991
मंगल	16:05:1992

बृहस्पति दशा

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	27:01:1993
शनि	30:06:1994
बुध	08:03:1996
केतु	11:09:1997
शुक्र	26:04:1998
सूर्य	04:02:2000
चन्द्रमा	17:08:2000
मंगल	08:07:2001
राहु	20:02:2002

शनि दशा

अन्तर्दशा	से
शनि	27:09:2003
बुध	29:09:2005
केतु	16:07:2007
शुक्र	11:04:2008
सूर्य	23:05:2010
चन्द्रमा	09:01:2011
मंगल	29:01:2012
राहु	26:10:2012
बृहस्पति	19:09:2014

बुध दशा

अन्तर्दशा	से
बुध	28:05:2016
केतु	05:01:2018
शुक्र	03:09:2018
सूर्य	24:07:2020
चन्द्रमा	16:02:2021
मंगल	27:01:2022
राहु	25:09:2022
बृहस्पति	07:06:2024
शनि	11:12:2025

केतु दशा

अन्तर्दशा	से
केतु	27:09:2027
शुक्र	05:01:2028
सूर्य	15:10:2028
चन्द्रमा	09:01:2029
मंगल	31:05:2029
राहु	07:09:2029
बृहस्पति	21:05:2030
शनि	03:01:2031
बुध	29:09:2031

शुक्र दशा

अन्तर्दशा	से
शुक्र	28:05:2032
सूर्य	18:08:2034
चन्द्रमा	18:04:2035
मंगल	28:05:2036
राहु	09:03:2037
बृहस्पति	09:03:2039
शनि	17:12:2040
बुध	27:01:2043
केतु	17:12:2044

सूर्य दशा

अन्तर्दशा	से
सूर्य	27:09:2045
चन्द्रमा	09:12:2045
मंगल	10:04:2046
राहु	04:07:2046
बृहस्पति	08:02:2047
शनि	22:08:2047
बुध	09:04:2048
केतु	03:11:2048
शुक्र	27:01:2049

त्रिभागी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

बुध दशा (28:05:2016 — 27:09:2027)

बुध अन्तर

अन्तर्दशा	से
बुध	28:05:2016
केतु	19:08:2016
शुक्र	23:09:2016
सूर्य	30:12:2016
चन्द्रमा	28:01:2017
मंगल	18:03:2017
राहु	21:04:2017
बृहस्पति	18:07:2017
शनि	04:10:2017

केतु अन्तर

अन्तर्दशा	से
केतु	05:01:2018
शुक्र	19:01:2018
सूर्य	28:02:2018
चन्द्रमा	12:03:2018
मंगल	01:04:2018
राहु	15:04:2018
बृहस्पति	21:05:2018
शनि	23:06:2018
बुध	31:07:2018

शुक्र अन्तर

अन्तर्दशा	से
शुक्र	03:09:2018
सूर्य	27:12:2018
चन्द्रमा	30:01:2019
मंगल	29:03:2019
राहु	08:05:2019
बृहस्पति	19:08:2019
शनि	19:11:2019
बुध	08:03:2020
केतु	14:06:2020

सूर्य अन्तर

अन्तर्दशा	से
सूर्य	24:07:2020
चन्द्रमा	03:08:2020
मंगल	21:08:2020
राहु	02:09:2020
बृहस्पति	03:10:2020
शनि	31:10:2020
बुध	02:12:2020
केतु	01:01:2021
शुक्र	13:01:2021

चन्द्रमा अन्तर

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	16:02:2021
मंगल	17:03:2021
राहु	06:04:2021
बृहस्पति	28:05:2021
शनि	13:07:2021
बुध	05:09:2021
केतु	24:10:2021
शुक्र	13:11:2021
सूर्य	10:01:2022

मंगल अन्तर

अन्तर्दशा	से
मंगल	27:01:2022
राहु	10:02:2022
बृहस्पति	18:03:2022
शनि	19:04:2022
बुध	28:05:2022
केतु	01:07:2022
शुक्र	15:07:2022
सूर्य	24:08:2022
चन्द्रमा	05:09:2022

राहु अन्तर

अन्तर्दशा	से
राहु	25:09:2022
बृहस्पति	27:12:2022
शनि	20:03:2023
बुध	26:06:2023
केतु	22:09:2023
शुक्र	28:10:2023
सूर्य	09:02:2024
चन्द्रमा	11:03:2024
मंगल	02:05:2024

बृहस्पति अन्तर

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	07:06:2024
शनि	20:08:2024
बुध	16:11:2024
केतु	02:02:2025
शुक्र	06:03:2025
सूर्य	06:06:2025
चन्द्रमा	03:07:2025
मंगल	18:08:2025
राहु	20:09:2025

शनि अन्तर

अन्तर्दशा	से
शनि	11:12:2025
बुध	25:03:2026
केतु	26:06:2026
शुक्र	03:08:2026
सूर्य	20:11:2026
चन्द्रमा	23:12:2026
मंगल	16:02:2027
राहु	26:03:2027
बृहस्पति	02:07:2027

त्रिभागी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

चन्द्रमा दशा (18:12:1975 —— 28:05:1976)

अन्तर्दशा	से

अन्तर्दशा	से

अन्तर्दशा	से

अन्तर्दशा	से

अन्तर्दशा	से

अन्तर्दशा	से

अन्तर्दशा	से

शुक्र अन्तर

अन्तर्दशा	से
बुध	18:12:1975
केतु	03:01:1976

सूर्य अन्तर

अन्तर्दशा	से
सूर्य	27:01:1976
चन्द्रमा	02:02:1976
मंगल	12:02:1976
राहु	19:02:1976
बृहस्पति	09:03:1976
शनि	25:03:1976
बुध	13:04:1976
केतु	01:05:1976
शुक्र	08:05:1976

त्रिभागी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

मंगल दशा (28:05:1976 — 27:01:1981)

मंगल अन्तर

अन्तर्दशा	से
मंगल	28:05:1976
राहु	03:06:1976
बृहस्पति	18:06:1976
शनि	01:07:1976
बुध	17:07:1976
केतु	31:07:1976
शुक्र	06:08:1976
सूर्य	22:08:1976
चन्द्रमा	27:08:1976

राहु अन्तर

अन्तर्दशा	से
राहु	05:09:1976
बृहस्पति	13:10:1976
शनि	16:11:1976
बुध	27:12:1976
केतु	01:02:1977
शुक्र	16:02:1977
सूर्य	31:03:1977
चन्द्रमा	12:04:1977
मंगल	04:05:1977

बृहस्पति अन्तर

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	19:05:1977
शनि	18:06:1977
बुध	24:07:1977
केतु	25:08:1977
शुक्र	07:09:1977
सूर्य	15:10:1977
चन्द्रमा	26:10:1977
मंगल	14:11:1977
राहु	28:11:1977

शनि अन्तर

अन्तर्दशा	से
शनि	01:01:1978
बुध	12:02:1978
केतु	23:03:1978
शुक्र	07:04:1978
सूर्य	22:05:1978
चन्द्रमा	05:06:1978
मंगल	27:06:1978
राहु	13:07:1978
बृहस्पति	22:08:1978

बुध अन्तर

अन्तर्दशा	से
बुध	27:09:1978
केतु	31:10:1978
शुक्र	15:11:1978
सूर्य	25:12:1978
चन्द्रमा	06:01:1979
मंगल	26:01:1979
राहु	09:02:1979
बृहस्पति	17:03:1979
शनि	18:04:1979

केतु अन्तर

अन्तर्दशा	से
केतु	27:05:1979
शुक्र	01:06:1979
सूर्य	18:06:1979
चन्द्रमा	23:06:1979
मंगल	01:07:1979
राहु	07:07:1979
बृहस्पति	22:07:1979
शनि	04:08:1979
बुध	20:08:1979

शुक्र अन्तर

अन्तर्दशा	से
शुक्र	03:09:1979
सूर्य	20:10:1979
चन्द्रमा	03:11:1979
मंगल	27:11:1979
राहु	14:12:1979
बृहस्पति	25:01:1980
शनि	03:03:1980
बुध	17:04:1980
केतु	28:05:1980

सूर्य अन्तर

अन्तर्दशा	से
सूर्य	13:06:1980
चन्द्रमा	18:06:1980
मंगल	25:06:1980
राहु	30:06:1980
बृहस्पति	13:07:1980
शनि	24:07:1980
बुध	06:08:1980
केतु	19:08:1980
शुक्र	23:08:1980

चन्द्रमा अन्तर

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	07:09:1980
मंगल	19:09:1980
राहु	27:09:1980
बृहस्पति	18:10:1980
शनि	06:11:1980
बुध	29:11:1980
केतु	19:12:1980
शुक्र	27:12:1980
सूर्य	20:01:1981

त्रिभागी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

राहु दशा (27:01:1981 —— 27:01:1993)

राहु अन्तर

अन्तर्दशा	से
राहु	27:01:1981
बृहस्पति	06:05:1981
शनि	01:08:1981
बुध	13:11:1981
केतु	14:02:1982
शुक्र	25:03:1982
सूर्य	12:07:1982
चन्द्रमा	14:08:1982
मंगल	08:10:1982

बृहस्पति अन्तर

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	15:11:1982
शनि	01:02:1983
बुध	04:05:1983
केतु	26:07:1983
शुक्र	29:08:1983
सूर्य	04:12:1983
चन्द्रमा	03:01:1984
मंगल	20:02:1984
राहु	26:03:1984

शनि अन्तर

अन्तर्दशा	से
शनि	21:06:1984
बुध	10:10:1984
केतु	16:01:1985
शुक्र	25:02:1985
सूर्य	21:06:1985
चन्द्रमा	26:07:1985
मंगल	22:09:1985
राहु	01:11:1985
बृहस्पति	13:02:1986

बुध अन्तर

अन्तर्दशा	से
बुध	16:05:1986
केतु	12:08:1986
शुक्र	18:09:1986
सूर्य	30:12:1986
चन्द्रमा	30:01:1987
मंगल	23:03:1987
राहु	28:04:1987
बृहस्पति	30:07:1987
शनि	21:10:1987

केतु अन्तर

अन्तर्दशा	से
केतु	27:01:1988
शुक्र	11:02:1988
सूर्य	25:03:1988
चन्द्रमा	07:04:1988
मंगल	28:04:1988
राहु	13:05:1988
बृहस्पति	20:06:1988
शनि	24:07:1988
बुध	03:09:1988

शुक्र अन्तर

अन्तर्दशा	से
शुक्र	09:10:1988
सूर्य	08:02:1989
चन्द्रमा	17:03:1989
मंगल	16:05:1989
राहु	28:06:1989
बृहस्पति	16:10:1989
शनि	21:01:1990
बुध	16:05:1990
केतु	28:08:1990

सूर्य अन्तर

अन्तर्दशा	से
सूर्य	09:10:1990
चन्द्रमा	20:10:1990
मंगल	08:11:1990
राहु	20:11:1990
बृहस्पति	23:12:1990
शनि	22:01:1991
बुध	25:02:1991
केतु	28:03:1991
शुक्र	10:04:1991

चन्द्रमा अन्तर

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	16:05:1991
मंगल	16:06:1991
राहु	07:07:1991
बृहस्पति	31:08:1991
शनि	19:10:1991
बुध	15:12:1991
केतु	05:02:1992
शुक्र	27:02:1992
सूर्य	28:04:1992

मंगल अन्तर

अन्तर्दशा	से
मंगल	16:05:1992
राहु	31:05:1992
बृहस्पति	08:07:1992
शनि	11:08:1992
बुध	21:09:1992
केतु	27:10:1992
शुक्र	11:11:1992
सूर्य	24:12:1992
चन्द्रमा	06:01:1993

त्रिभागी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

बृहस्पति दशा (27:01:1993 —— 27:09:2003)

बृहस्पति अन्तर

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	27:01:1993
शनि	06:04:1993
बुध	27:06:1993
केतु	09:09:1993
शुक्र	09:10:1993
सूर्य	04:01:1994
चन्द्रमा	30:01:1994
मंगल	14:03:1994
राहु	13:04:1994

शनि अन्तर

अन्तर्दशा	से
शनि	30:06:1994
बुध	06:10:1994
केतु	01:01:1995
शुक्र	06:02:1995
सूर्य	20:05:1995
चन्द्रमा	20:06:1995
मंगल	10:08:1995
राहु	15:09:1995
बृहस्पति	16:12:1995

बुध अन्तर

अन्तर्दशा	से
बुध	08:03:1996
केतु	25:05:1996
शुक्र	26:06:1996
सूर्य	27:09:1996
चन्द्रमा	24:10:1996
मंगल	09:12:1996
राहु	10:01:1997
बृहस्पति	03:04:1997
शनि	16:06:1997

केतु अन्तर

अन्तर्दशा	से
केतु	11:09:1997
शुक्र	24:09:1997
सूर्य	01:11:1997
चन्द्रमा	13:11:1997
मंगल	01:12:1997
राहु	15:12:1997
बृहस्पति	18:01:1998
शनि	17:02:1998
बुध	25:03:1998

शुक्र अन्तर

अन्तर्दशा	से
शुक्र	26:04:1998
सूर्य	12:08:1998
चन्द्रमा	14:09:1998
मंगल	07:11:1998
राहु	15:12:1998
बृहस्पति	22:03:1999
शनि	17:06:1999
बुध	27:09:1999
केतु	28:12:1999

सूर्य अन्तर

अन्तर्दशा	से
सूर्य	04:02:2000
चन्द्रमा	14:02:2000
मंगल	01:03:2000
राहु	13:03:2000
बृहस्पति	11:04:2000
शनि	07:05:2000
बुध	07:06:2000
केतु	04:07:2000
शुक्र	16:07:2000

चन्द्रमा अन्तर

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	17:08:2000
मंगल	14:09:2000
राहु	02:10:2000
बृहस्पति	20:11:2000
शनि	03:01:2001
बुध	23:02:2001
केतु	10:04:2001
शुक्र	29:04:2001
सूर्य	22:06:2001

मंगल अन्तर

अन्तर्दशा	से
मंगल	08:07:2001
राहु	21:07:2001
बृहस्पति	25:08:2001
शनि	24:09:2001
बुध	30:10:2001
केतु	01:12:2001
शुक्र	14:12:2001
सूर्य	21:01:2002
चन्द्रमा	01:02:2002

राहु अन्तर

अन्तर्दशा	से
राहु	20:02:2002
बृहस्पति	19:05:2002
शनि	05:08:2002
बुध	05:11:2002
केतु	27:01:2003
शुक्र	02:03:2003
सूर्य	07:06:2003
चन्द्रमा	07:07:2003
मंगल	24:08:2003

त्रिभागी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

शनि दशा (27:09:2003 —– 28:05:2016)

शनि अन्तर

अन्तर्दशा	से
शनि	27:09:2003
बुध	21:01:2004
केतु	04:05:2004
शुक्र	16:06:2004
सूर्य	16:10:2004
चन्द्रमा	22:11:2004
मंगल	22:01:2005
राहु	06:03:2005
बृहस्पति	24:06:2005

बुध अन्तर

अन्तर्दशा	से
बुध	29:09:2005
केतु	31:12:2005
शुक्र	07:02:2006
सूर्य	27:05:2006
चन्द्रमा	29:06:2006
मंगल	23:08:2006
राहु	30:09:2006
बृहस्पति	06:01:2007
शनि	04:04:2007

केतु अन्तर

अन्तर्दशा	से
केतु	16:07:2007
शुक्र	01:08:2007
सूर्य	15:09:2007
चन्द्रमा	28:09:2007
मंगल	21:10:2007
राहु	06:11:2007
बृहस्पति	16:12:2007
शनि	21:01:2008
बुध	04:03:2008

शुक्र अन्तर

अन्तर्दशा	से
शुक्र	11:04:2008
सूर्य	18:08:2008
चन्द्रमा	26:09:2008
मंगल	29:11:2008
राहु	13:01:2009
बृहस्पति	09:05:2009
शनि	19:08:2009
बुध	19:12:2009
केतु	08:04:2010

सूर्य अन्तर

अन्तर्दशा	से
सूर्य	23:05:2010
चन्द्रमा	03:06:2010
मंगल	22:06:2010
राहु	06:07:2010
बृहस्पति	10:08:2010
शनि	09:09:2010
बुध	16:10:2010
केतु	18:11:2010
शुक्र	01:12:2010

चन्द्रमा अन्तर

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	09:01:2011
मंगल	10:02:2011
राहु	04:03:2011
बृहस्पति	01:05:2011
शनि	21:06:2011
बुध	21:08:2011
केतु	15:10:2011
शुक्र	07:11:2011
सूर्य	10:01:2012

मंगल अन्तर

अन्तर्दशा	से
मंगल	29:01:2012
राहु	14:02:2012
बृहस्पति	25:03:2012
शनि	30:04:2012
बुध	12:06:2012
केतु	21:07:2012
शुक्र	05:08:2012
सूर्य	19:09:2012
चन्द्रमा	03:10:2012

राहु अन्तर

अन्तर्दशा	से
राहु	26:10:2012
बृहस्पति	07:02:2013
शनि	10:05:2013
बुध	28:08:2013
केतु	04:12:2013
शुक्र	14:01:2014
सूर्य	09:05:2014
चन्द्रमा	13:06:2014
मंगल	10:08:2014

बृहस्पति अन्तर

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	19:09:2014
शनि	10:12:2014
बुध	18:03:2015
केतु	13:06:2015
शुक्र	19:07:2015
सूर्य	30:10:2015
चन्द्रमा	30:11:2015
मंगल	20:01:2016
राहु	25:02:2016

त्रिभागी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

बुध दशा (28:05:2016 — 27:09:2027)

बुध अन्तर

अन्तर्दशा	से
बुध	28:05:2016
केतु	19:08:2016
शुक्र	23:09:2016
सूर्य	30:12:2016
चन्द्रमा	28:01:2017
मंगल	18:03:2017
राहु	21:04:2017
बृहस्पति	18:07:2017
शनि	04:10:2017

केतु अन्तर

अन्तर्दशा	से
केतु	05:01:2018
शुक्र	19:01:2018
सूर्य	28:02:2018
चन्द्रमा	12:03:2018
मंगल	01:04:2018
राहु	15:04:2018
बृहस्पति	21:05:2018
शनि	23:06:2018
बुध	31:07:2018

शुक्र अन्तर

अन्तर्दशा	से
शुक्र	03:09:2018
सूर्य	27:12:2018
चन्द्रमा	30:01:2019
मंगल	29:03:2019
राहु	08:05:2019
बृहस्पति	19:08:2019
शनि	19:11:2019
बुध	08:03:2020
केतु	14:06:2020

सूर्य अन्तर

अन्तर्दशा	से
सूर्य	24:07:2020
चन्द्रमा	03:08:2020
मंगल	21:08:2020
राहु	02:09:2020
बृहस्पति	03:10:2020
शनि	31:10:2020
बुध	02:12:2020
केतु	01:01:2021
शुक्र	13:01:2021

चन्द्रमा अन्तर

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	16:02:2021
मंगल	17:03:2021
राहु	06:04:2021
बृहस्पति	28:05:2021
शनि	13:07:2021
बुध	05:09:2021
केतु	24:10:2021
शुक्र	13:11:2021
सूर्य	10:01:2022

मंगल अन्तर

अन्तर्दशा	से
मंगल	27:01:2022
राहु	10:02:2022
बृहस्पति	18:03:2022
शनि	19:04:2022
बुध	28:05:2022
केतु	01:07:2022
शुक्र	15:07:2022
सूर्य	24:08:2022
चन्द्रमा	05:09:2022

राहु अन्तर

अन्तर्दशा	से
राहु	25:09:2022
बृहस्पति	27:12:2022
शनि	20:03:2023
बुध	26:06:2023
केतु	22:09:2023
शुक्र	28:10:2023
सूर्य	09:02:2024
चन्द्रमा	11:03:2024
मंगल	02:05:2024

बृहस्पति अन्तर

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	07:06:2024
शनि	20:08:2024
बुध	16:11:2024
केतु	02:02:2025
शुक्र	06:03:2025
सूर्य	06:06:2025
चन्द्रमा	03:07:2025
मंगल	18:08:2025
राहु	20:09:2025

शनि अन्तर

अन्तर्दशा	से
शनि	11:12:2025
बुध	25:03:2026
केतु	26:06:2026
शुक्र	03:08:2026
सूर्य	20:11:2026
चन्द्रमा	23:12:2026
मंगल	16:02:2027
राहु	26:03:2027
बृहस्पति	02:07:2027

त्रिभागी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

केतु दशा (27:09:2027 —– 28:05:2032)

केतु अन्तर

अन्तर्दशा	से
केतु	27:09:2027
शुक्र	03:10:2027
सूर्य	20:10:2027
चन्द्रमा	25:10:2027
मंगल	02:11:2027
राहु	08:11:2027
बृहस्पति	23:11:2027
शनि	06:12:2027
बुध	22:12:2027

शुक्र अन्तर

अन्तर्दशा	से
शुक्र	05:01:2028
सूर्य	21:02:2028
चन्द्रमा	06:03:2028
मंगल	30:03:2028
राहु	16:04:2028
बृहस्पति	28:05:2028
शनि	05:07:2028
बुध	19:08:2028
केतु	29:09:2028

सूर्य अन्तर

अन्तर्दशा	से
सूर्य	15:10:2028
चन्द्रमा	20:10:2028
मंगल	27:10:2028
राहु	01:11:2028
बृहस्पति	14:11:2028
शनि	25:11:2028
बुध	08:12:2028
केतु	21:12:2028
शुक्र	26:12:2028

चन्द्रमा अन्तर

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	09:01:2029
मंगल	21:01:2029
राहु	29:01:2029
बृहस्पति	19:02:2029
शनि	10:03:2029
बुध	02:04:2029
केतु	22:04:2029
शुक्र	30:04:2029
सूर्य	24:05:2029

मंगल अन्तर

अन्तर्दशा	से
मंगल	31:05:2029
राहु	05:06:2029
बृहस्पति	20:06:2029
शनि	04:07:2029
बुध	19:07:2029
केतु	02:08:2029
शुक्र	08:08:2029
सूर्य	25:08:2029
चन्द्रमा	30:08:2029

राहु अन्तर

अन्तर्दशा	से
राहु	07:09:2029
बृहस्पति	15:10:2029
शनि	18:11:2029
बुध	29:12:2029
केतु	03:02:2030
शुक्र	18:02:2030
सूर्य	02:04:2030
चन्द्रमा	14:04:2030
मंगल	06:05:2030

बृहस्पति अन्तर

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	21:05:2030
शनि	20:06:2030
बुध	26:07:2030
केतु	27:08:2030
शुक्र	09:09:2030
सूर्य	17:10:2030
चन्द्रमा	28:10:2030
मंगल	16:11:2030
राहु	30:11:2030

शनि अन्तर

अन्तर्दशा	से
शनि	03:01:2031
बुध	14:02:2031
केतु	25:03:2031
शुक्र	09:04:2031
सूर्य	24:05:2031
चन्द्रमा	07:06:2031
मंगल	29:06:2031
राहु	15:07:2031
बृहस्पति	24:08:2031

बुध अन्तर

अन्तर्दशा	से
बुध	29:09:2031
केतु	03:11:2031
शुक्र	17:11:2031
सूर्य	27:12:2031
चन्द्रमा	08:01:2032
मंगल	28:01:2032
राहु	11:02:2032
बृहस्पति	18:03:2032
शनि	20:04:2032

त्रिभागी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

शुक्र दशा (28:05:2032 — 27:09:2045)

शुक्र अन्तर

अन्तर्दशा	से
शुक्र	28:05:2032
सूर्य	11:10:2032
चन्द्रमा	20:11:2032
मंगल	27:01:2033
राहु	15:03:2033
बृहस्पति	15:07:2033
शनि	31:10:2033
बुध	09:03:2034
केतु	01:07:2034

सूर्य अन्तर

अन्तर्दशा	से
सूर्य	18:08:2034
चन्द्रमा	30:08:2034
मंगल	19:09:2034
राहु	03:10:2034
बृहस्पति	09:11:2034
शनि	11:12:2034
बुध	19:01:2035
केतु	22:02:2035
शुक्र	09:03:2035

चन्द्रमा अन्तर

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	18:04:2035
मंगल	22:05:2035
राहु	15:06:2035
बृहस्पति	14:08:2035
शनि	07:10:2035
बुध	11:12:2035
केतु	06:02:2036
शुक्र	01:03:2036
सूर्य	08:05:2036

मंगल अन्तर

अन्तर्दशा	से
मंगल	28:05:2036
राहु	14:06:2036
बृहस्पति	26:07:2036
शनि	02:09:2036
बुध	17:10:2036
केतु	27:11:2036
शुक्र	13:12:2036
सूर्य	30:01:2037
चन्द्रमा	13:02:2037

राहु अन्तर

अन्तर्दशा	से
राहु	09:03:2037
बृहस्पति	26:06:2037
शनि	01:10:2037
बुध	25:01:2038
केतु	08:05:2038
शुक्र	20:06:2038
सूर्य	20:10:2038
चन्द्रमा	25:11:2038
मंगल	25:01:2039

बृहस्पति अन्तर

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	09:03:2039
शनि	03:06:2039
बुध	14:09:2039
केतु	15:12:2039
शुक्र	22:01:2040
सूर्य	09:05:2040
चन्द्रमा	11:06:2040
मंगल	04:08:2040
राहु	11:09:2040

शनि अन्तर

अन्तर्दशा	से
शनि	17:12:2040
बुध	18:04:2041
केतु	06:08:2041
शुक्र	20:09:2041
सूर्य	26:01:2042
चन्द्रमा	05:03:2042
मंगल	09:05:2042
राहु	23:06:2042
बृहस्पति	16:10:2042

बुध अन्तर

अन्तर्दशा	से
बुध	27:01:2043
केतु	05:05:2043
शुक्र	14:06:2043
सूर्य	07:10:2043
चन्द्रमा	10:11:2043
मंगल	07:01:2044
राहु	16:02:2044
बृहस्पति	30:05:2044
शनि	30:08:2044

केतु अन्तर

अन्तर्दशा	से
केतु	17:12:2044
शुक्र	03:01:2045
सूर्य	19:02:2045
चन्द्रमा	05:03:2045
मंगल	29:03:2045
राहु	15:04:2045
बृहस्पति	27:05:2045
शनि	04:07:2045
बुध	18:08:2045

त्रिभागी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

सूर्य दशा (27:09:2045 —– 27:09:2049)

सूर्य अन्तर

अन्तर्दशा	से
सूर्य	27:09:2045
चन्द्रमा	01:10:2045
मंगल	07:10:2045
राहु	11:10:2045
बृहस्पति	22:10:2045
शनि	01:11:2045
बुध	13:11:2045
केतु	23:11:2045
शुक्र	27:11:2045

चन्द्रमा अन्तर

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	09:12:2045
मंगल	19:12:2045
राहु	27:12:2045
बृहस्पति	14:01:2046
शनि	30:01:2046
बुध	18:02:2046
केतु	08:03:2046
शुक्र	15:03:2046
सूर्य	04:04:2046

मंगल अन्तर

अन्तर्दशा	से
मंगल	10:04:2046
राहु	15:04:2046
बृहस्पति	28:04:2046
शनि	09:05:2046
बुध	23:05:2046
केतु	04:06:2046
शुक्र	09:06:2046
सूर्य	23:06:2046
चन्द्रमा	27:06:2046

राहु अन्तर

अन्तर्दशा	से
राहु	04:07:2046
बृहस्पति	06:08:2046
शनि	04:09:2046
बुध	09:10:2046
केतु	09:11:2046
शुक्र	22:11:2046
सूर्य	28:12:2046
चन्द्रमा	08:01:2047
मंगल	26:01:2047

बृहस्पति अन्तर

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	08:02:2047
शनि	06:03:2047
बुध	06:04:2047
केतु	04:05:2047
शुक्र	15:05:2047
सूर्य	16:06:2047
चन्द्रमा	26:06:2047
मंगल	12:07:2047
राहु	24:07:2047

शनि अन्तर

अन्तर्दशा	से
शनि	22:08:2047
बुध	27:09:2047
केतु	30:10:2047
शुक्र	13:11:2047
सूर्य	21:12:2047
चन्द्रमा	02:01:2048
मंगल	21:01:2048
राहु	04:02:2048
बृहस्पति	09:03:2048

बुध अन्तर

अन्तर्दशा	से
बुध	09:04:2048
केतु	09:05:2048
शुक्र	21:05:2048
सूर्य	24:06:2048
चन्द्रमा	05:07:2048
मंगल	22:07:2048
राहु	03:08:2048
बृहस्पति	03:09:2048
शनि	01:10:2048

केतु अन्तर

अन्तर्दशा	से
केतु	03:11:2048
शुक्र	08:11:2048
सूर्य	22:11:2048
चन्द्रमा	26:11:2048
मंगल	03:12:2048
राहु	08:12:2048
बृहस्पति	21:12:2048
शनि	01:01:2049
बुध	15:01:2049

शुक्र अन्तर

अन्तर्दशा	से
शुक्र	27:01:2049
सूर्य	09:03:2049
चन्द्रमा	21:03:2049
मंगल	10:04:2049
राहु	24:04:2049
बृहस्पति	31:05:2049
शनि	02:07:2049
बुध	10:08:2049
केतु	13:09:2049

अष्टोत्तरी दशा

आपकी कुण्डली में अष्टोत्तरी दशा का अरिद्रादी सिद्धान्त प्रावी हो रहा है।

क्रस	ग्रह (नक्षत्र)	दशा अवधि	से ---------- तक	समय बिन्दु
1	शुक्र(रोहिणी)	0 y.5 m.10 d.	18:12:1975 -- 28:05:1976	251:32:08
2	शुक्र(मृगशिर)	7 y.0 m.0 d.	28:05:1976 -- 29:05:1983	257:37:09
3	सूर्य(आर्द्रा)	1 y.6 m.0 d.	29:05:1983 -- 27:11:1984	088:14:17
4	सूर्य(पुनर्वसु)	1 y.6 m.0 d.	27:11:1984 -- 29:05:1986	233:03:39
5	सूर्य(पुष्य)	1 y.6 m.0 d.	29:05:1986 -- 27:11:1987	340:12:46
6	सूर्य(आश्लेषा)	1 y.6 m.0 d.	27:11:1987 -- 29:05:1989	133:59:29
7	चन्द्रमा(मघा)	5 y.0 m.0 d.	29:05:1989 -- 29:05:1994	078:58:48
8	चन्द्रमा(पूर्वाफाल्गुनी)	5 y.0 m.0 d.	29:05:1994 -- 29:05:1999	251:32:08
9	चन्द्रमा(उत्तराफाल्गुनी)	5 y.0 m.0 d.	29:05:1999 -- 28:05:2004	294:14:02
10	मंगल(हस्त)	2 y.0 m.0 d.	28:05:2004 -- 29:05:2006	111:03:32
11	मंगल(चित्रा)	2 y.0 m.0 d.	29:05:2006 -- 28:05:2008	117:08:33
12	मंगल(स्वाती)	2 y.0 m.0 d.	28:05:2008 -- 29:05:2010	265:03:48
13	मंगल(विशाखा)	2 y.0 m.0 d.	29:05:2010 -- 28:05:2012	049:53:10
14	बुध(अनुराधा)	5 y.8 m.0 d.	28:05:2012 -- 27:01:2018	350:42:44
15	बुध(ज़्येष्ठा)	5 y.8 m.0 d.	27:01:2018 -- 27:09:2023	144:29:27
16	बुध(मूल)	5 y.8 m.0 d.	27:09:2023 -- 29:05:2029	278:44:15
17	शनि(पूर्वाषाढ)	2 y.6 m.0 d.	29:05:2029 -- 27:11:2031	297:30:53
18	शनि(उत्तराषाढ़)	2 y.6 m.0 d.	27:11:2031 -- 29:05:2034	340:12:46
19	शनि(अभिजीत)	2 y.6 m.0 d.	29:05:2034 -- 27:11:2036	340:12:46
20	शनि(श्रवण)	2 y.6 m.0 d.	27:11:2036 -- 29:05:2039	150:57:16
21	बृहस्पति(धनिष्ठा)	6 y.4 m.0 d.	29:05:2039 -- 27:09:2045	049:53:10
22	बृहस्पति(शतभिषा)	6 y.4 m.0 d.	27:09:2045 -- 27:01:2052	197:48:26
23	बृहस्पति(पूर्वाभाद्रपद)	6 y.4 m.0 d.	27:01:2052 -- 29:05:2058	342:37:48
24	राहु(उत्तराभाद्रपद)	3 y.0 m.0 d.	29:05:2058 -- 29:05:2061	304:57:32
25	राहु(रेवती)	3 y.0 m.0 d.	29:05:2061 -- 28:05:2064	098:44:15
26	राहु(अश्विनी)	3 y.0 m.0 d.	28:05:2064 -- 29:05:2067	232:59:03
27	राहु(भरणी)	3 y.0 m.0 d.	29:05:2067 -- 29:05:2070	045:32:24

(विशेष- घटनाओं के समय की सटीक जानकारी और स्पष्ट परिणाम के लिए आपको केवल एन सी लाहिड़ी अयनांश का प्रयोग करना चाहिए।)

षष्ठी–हायनी दशा

क्रस	ग्रह (नक्षत्र)	दशा अवधि	से ---------- तक	समय बिन्दु
1	सूर्य (रोहिणी)	0 y.1 m.27 d.	18:12:1975 -- 14:02:1976	294:14:02
2	सूर्य (मृगशिर)	2 y.6 m.0 d.	14:02:1976 -- 15:08:1978	300:19:02
3	सूर्य (आर्द्रा)	2 y.6 m.0 d.	15:08:1978 -- 13:02:1981	088:14:17
4	सूर्य (पुनर्वसु)	2 y.6 m.0 d.	13:02:1981 -- 15:08:1983	233:03:39
5	मंगल (पुष्य)	3 y.4 m.0 d.	15:08:1983 -- 15:12:1986	157:02:17
6	मंगल (आश्लेषा)	3 y.4 m.0 d.	15:12:1986 -- 15:04:1990	310:49:00
7	मंगल (मघा)	3 y.4 m.0 d.	15:04:1990 -- 15:08:1993	085:03:48
8	चन्द्रमा (पूर्वाफाल्गुनी)	1 y.6 m.0 d.	15:08:1993 -- 13:02:1995	251:32:08
9	चन्द्रमा (उत्तराफाल्गुनी)	1 y.6 m.0 d.	13:02:1995 -- 15:08:1996	294:14:02
10	चन्द्रमा (हस्त)	1 y.6 m.0 d.	15:08:1996 -- 13:02:1998	104:58:32
11	चन्द्रमा (चित्रा)	1 y.6 m.0 d.	13:02:1998 -- 15:08:1999	111:03:32
12	बुध (स्वाती)	2 y.0 m.0 d.	15:08:1999 -- 15:08:2001	098:44:15
13	बुध (विशाखा)	2 y.0 m.0 d.	15:08:2001 -- 15:08:2003	243:33:37
14	बुध (अनुराधा)	2 y.0 m.0 d.	15:08:2003 -- 15:08:2005	350:42:44
15	शुक्र (ज़्येष्ठा)	1 y.6 m.0 d.	15:08:2005 -- 13:02:2007	091:17:36
16	शुक्र (मूल)	1 y.6 m.0 d.	13:02:2007 -- 15:08:2008	225:32:24
17	शुक्र (पूर्वाषाढ)	1 y.6 m.0 d.	15:08:2008 -- 13:02:2010	038:05:44
18	शुक्र (उत्तराषाढ़)	1 y.6 m.0 d.	13:02:2010 -- 15:08:2011	080:47:38
19	शनि (अभिजीत)	2 y.0 m.0 d.	15:08:2011 -- 15:08:2013	150:57:16
20	शनि (श्रवण)	2 y.0 m.0 d.	15:08:2013 -- 15:08:2015	150:57:16
21	शनि (धनिष्ठा)	2 y.0 m.0 d.	15:08:2015 -- 15:08:2017	157:02:17
22	राहु (शतभिषा)	1 y.6 m.0 d.	15:08:2017 -- 13:02:2019	052:59:03
23	राहु (पूर्वाभाद्रपद)	1 y.6 m.0 d.	13:02:2019 -- 15:08:2020	197:48:26
24	राहु (उत्तराभाद्रपद)	1 y.6 m.0 d.	15:08:2020 -- 13:02:2022	304:57:32
25	राहु (रेवती)	1 y.6 m.0 d.	13:02:2022 -- 15:08:2023	098:44:15
26	बृहस्पति (अश्विनी)	3 y.4 m.0 d.	15:08:2023 -- 15:12:2026	017:48:26
27	बृहस्पति (भरणी)	3 y.4 m.0 d.	15:12:2026 -- 15:04:2030	190:21:46
28	बृहस्पति (कृत्तिका)	3 y.4 m.0 d.	15:04:2030 -- 15:08:2033	233:03:39

योगिनी दशा

क्रस	ग्रह (नक्षत्र)	दशा अवधि	से ---------- तक	समय बिन्दु
1	सिद्धा (शुक्र)(रोहिणी)	0 y.5 m.10 d.	18:12:1975 to 28:05:1976	251:32:08
2	संकटा (राहु)(मृगशिर)	8 y.0 m.0 d.	28:05:1976 to 28:05:1984	265:03:48
3	मंगला (चन्द्रमा)(आर्द्रा)	1 y.0 m.0 d.	28:05:1984 to 29:05:1985	258:58:48
4	पिगंला (सूर्य)(पुनर्वसु)	2 y.0 m.0 d.	29:05:1985 to 29:05:1987	233:03:39
5	धन्या (बृहस्पति)(पुष्य)	3 y.0 m.0 d.	29:05:1987 to 29:05:1990	089:46:54
6	भ्रमरी(मंगल)(आश्लेषा)	4 y.0 m.0 d.	29:05:1990 to 29:05:1994	310:49:00
7	भद्रीका(बुध)(मघा)	5 y.0 m.0 d.	29:05:1994 to 29:05:1999	278:44:15
8	उल्का (शनि)(पूर्वाफाल्गुनी)	6 y.0 m.0 d.	29:05:1999 to 29:05:2005	297:30:53
9	सिद्धा (शुक्र)(उत्तराफाल्गुनी)	7 y.0 m.0 d.	29:05:2005 to 28:05:2012	080:47:38
10	संकटा (राहु)(हस्त)	8 y.0 m.0 d.	28:05:2012 to 28:05:2020	258:58:48
11	मंगला (चन्द्रमा)(चित्रा)	1 y.0 m.0 d.	28:05:2020 to 29:05:2021	111:03:32
12	पिगंला (सूर्य)(स्वाती)	2 y.0 m.0 d.	29:05:2021 to 29:05:2023	088:14:17
13	धन्या (बृहस्पति)(विशाखा)	3 y.0 m.0 d.	29:05:2023 to 29:05:2026	342:37:48
14	भ्रमरी(मंगल)(अनुराधा)	4 y.0 m.0 d.	29:05:2026 to 29:05:2030	157:02:17
15	भद्रीका(बुध)(ज़्येष्ठा)	5 y.0 m.0 d.	29:05:2030 to 29:05:2035	144:29:27
16	उल्का (शनि)(मूल)	6 y.0 m.0 d.	29:05:2035 to 29:05:2041	124:57:32
17	सिद्धा (शुक्र)(पूर्वाषाढ)	7 y.0 m.0 d.	29:05:2041 to 28:05:2048	038:05:44
18	संकटा (राहु)(उत्तराषाढ़)	8 y.0 m.0 d.	28:05:2048 to 28:05:2056	088:14:17
19	मंगला (चन्द्रमा)(श्रवण)	1 y.0 m.0 d.	28:05:2056 to 29:05:2057	104:58:32
20	पिगंला (सूर्य)(धनिष्ठा)	2 y.0 m.0 d.	29:05:2057 to 29:05:2059	300:19:02
21	धन्या (बृहस्पति)(शतभिषा)	3 y.0 m.0 d.	29:05:2059 to 29:05:2062	197:48:26
22	भ्रमरी(मंगल)(पूर्वाभाद्रपद)	4 y.0 m.0 d.	29:05:2062 to 29:05:2066	049:53:10
23	भद्रीका(बुध)(उत्तराभाद्रपद)	5 y.0 m.0 d.	29:05:2066 to 29:05:2071	350:42:44
24	उल्का (शनि)(रेवती)	6 y.0 m.0 d.	29:05:2071 to 29:05:2077	350:42:44

जैमिनी चर दशा

(नीलकान्त सिद्धान्त)

क्र0 स0	राशि दशा	अवधि	से ———————— तक
1	कन्या दशा	9 y.0 m.0 d.	18:12:1975 --- 18:12:1984
2	तुला दशा	12 y.0 m.0 d.	18:12:1984 --- 18:12:1996
3	वृश्चिक दशा	6 y.0 m.0 d.	18:12:1996 --- 18:12:2002
4	धनु दशा	3 y.0 m.0 d.	18:12:2002 --- 18:12:2005
5	मकर दशा	6 y.0 m.0 d.	18:12:2005 --- 18:12:2011
6	कुम्भ दशा	8 y.0 m.0 d.	18:12:2011 --- 18:12:2019
7	मीन दशा	12 y.0 m.0 d.	18:12:2019 --- 18:12:2031
8	मेष दशा	1 y.0 m.0 d.	18:12:2031 --- 18:12:2032
9	वृष दशा	7 y.0 m.0 d.	18:12:2032 --- 18:12:2039
10	मिथुन दशा	6 y.0 m.0 d.	18:12:2039 --- 18:12:2045
11	कर्क दशा	2 y.0 m.0 d.	18:12:2045 --- 18:12:2047
12	सिहं दशा	4 y.0 m.0 d.	18:12:2047 --- 18:12:2051

जैमिनी चर दशा की भुक्ति

कन्या दशा

भुक्ति	से
तुला	***18:12:1975***
वृश्चिक	***17:09:1976***
धनु	***18:06:1977***
मकर	***19:03:1978***
कुम्भ	***18:12:1978***
मीन	***17:09:1979***
मेष	***18:06:1980***
वृष	***19:03:1981***
मिथुन	***18:12:1981***
कर्क	***17:09:1982***
सिहं	***18:06:1983***
कन्या	***18:03:1984***

तुला दशा

भुक्ति	से
वृश्चिक	***18:12:1984***
धनु	***18:12:1985***
मकर	***18:12:1986***
कुम्भ	***18:12:1987***
मीन	***18:12:1988***
मेष	***18:12:1989***
वृष	***18:12:1990***
मिथुन	***18:12:1991***
कर्क	***18:12:1992***
सिहं	***18:12:1993***
कन्या	***18:12:1994***
तुला	***18:12:1995***

वृश्चिक दशा

भुक्ति	से
तुला	***18:12:1996***
कन्या	***18:06:1997***
सिहं	***18:12:1997***
कर्क	***18:06:1998***
मिथुन	***18:12:1998***
वृष	***18:06:1999***
मेष	***18:12:1999***
मीन	***18:06:2000***
कुम्भ	***18:12:2000***
मकर	***18:06:2001***
धनु	***18:12:2001***
वृश्चिक	***18:06:2002***

धनु दशा

भुक्ति	से
वृश्चिक	***18:12:2002***
तुला	***19:03:2003***
कन्या	***18:06:2003***
सिहं	***17:09:2003***
कर्क	***18:12:2003***
मिथुन	***18:03:2004***
वृष	***18:06:2004***
मेष	***17:09:2004***
मीन	***18:12:2004***
कुम्भ	***19:03:2005***
मकर	***18:06:2005***
धनु	***17:09:2005***

मकर दशा

भुक्ति	से
धनु	***18:12:2005***
वृश्चिक	***18:06:2006***
तुला	***18:12:2006***
कन्या	***18:06:2007***
सिहं	***18:12:2007***
कर्क	***18:06:2008***
मिथुन	***18:12:2008***
वृष	***18:06:2009***
मेष	***18:12:2009***
मीन	***18:06:2010***
कुम्भ	***18:12:2010***
मकर	***18:06:2011***

कुम्भ दशा

भुक्ति	से
मीन	***18:12:2011***
मेष	***18:08:2012***
वृष	***18:04:2013***
मिथुन	***18:12:2013***
कर्क	***18:08:2014***
सिहं	***18:04:2015***
कन्या	***18:12:2015***
तुला	***18:08:2016***
वृश्चिक	***18:04:2017***
धनु	***18:12:2017***
मकर	***18:08:2018***
कुम्भ	***18:04:2019***

मीन दशा

भुक्ति	से
मेष	***18:12:2019***
वृष	***18:12:2020***
मिथुन	***18:12:2021***
कर्क	***18:12:2022***
सिहं	***18:12:2023***
कन्या	***18:12:2024***
तुला	***18:12:2025***
वृश्चिक	***18:12:2026***
धनु	***18:12:2027***
मकर	***18:12:2028***
कुम्भ	***18:12:2029***
मीन	***18:12:2030***

मेष दशा

भुक्ति	से
वृष	***18:12:2031***
मिथुन	***17:01:2032***
कर्क	***17:02:2032***
सिहं	***18:03:2032***
कन्या	***18:04:2032***
तुला	***18:05:2032***
वृश्चिक	***18:06:2032***
धनु	***18:07:2032***
मकर	***18:08:2032***
कुम्भ	***17:09:2032***
मीन	***18:10:2032***
मेष	***17:11:2032***

वृष दशा

भुक्ति	से
मेष	***18:12:2032***
मीन	***19:07:2033***
कुम्भ	***16:02:2034***
मकर	***17:09:2034***
धनु	***18:04:2035***
वृश्चिक	***17:11:2035***
तुला	***18:06:2036***
कन्या	***17:01:2037***
सिहं	***18:08:2037***
कर्क	***19:03:2038***
मिथुन	***18:10:2038***
वृष	***19:05:2039***

मिथुन दशा

भुक्ति	से
वृष	***18:12:2039***
मेष	***18:06:2040***
मीन	***18:12:2040***
कुम्भ	***18:06:2041***
मकर	***18:12:2041***
धनु	***18:06:2042***
वृश्चिक	***18:12:2042***
तुला	***18:06:2043***
कन्या	***18:12:2043***
सिहं	***18:06:2044***
कर्क	***18:12:2044***
मिथुन	***18:06:2045***

कर्क दशा

भुक्ति	से
मिथुन	***18:12:2045***
वृष	***16:02:2046***
मेष	***18:04:2046***
मीन	***18:06:2046***
कुम्भ	***18:08:2046***
मकर	***18:10:2046***
धनु	***18:12:2046***
वृश्चिक	***16:02:2047***
तुला	***18:04:2047***
कन्या	***18:06:2047***
सिहं	***18:08:2047***
कर्क	***18:10:2047***

सिहं दशा

भुक्ति	से
कन्या	***18:12:2047***
तुला	***18:04:2048***
वृश्चिक	***18:08:2048***
धनु	***18:12:2048***
मकर	***18:04:2049***
कुम्भ	***18:08:2049***
मीन	***18:12:2049***
मेष	***18:04:2050***
वृष	***18:08:2050***
मिथुन	***18:12:2050***
कर्क	***18:04:2051***
सिहं	***18:08:2051***

जैमिनी चर दशा

(नीलकान्त सिद्धान्त)

कुम्भ दशा (18:12:2011 – 18:12:2019)

मीन भुक्ति	
अंतर	से
मेष	18:12:2011
वृष	07:01:2012
मिथुन	27:01:2012
कर्क	17:02:2012
सिहं	08:03:2012
कन्या	28:03:2012
तुला	18:04:2012
वृश्चिक	08:05:2012
धन्	28:05:2012
मकर	18:06:2012
कुम्भ	08:07:2012
मीन	28:07:2012

मेष भुक्ति	
अंतर	से
वृष	18:08:2012
मिथुन	07:09:2012
कर्क	27:09:2012
सिहं	18:10:2012
कन्या	07:11:2012
तुला	27:11:2012
वृश्चिक	18:12:2012
धन्	07:01:2013
मकर	27:01:2013
कुम्भ	16:02:2013
मीन	09:03:2013
मेष	29:03:2013

वृष भुक्ति	
अंतर	से
मेष	18:04:2013
मीन	09:05:2013
कुम्भ	29:05:2013
मकर	18:06:2013
धन्	08:07:2013
वृश्चिक	29:07:2013
तुला	18:08:2013
कन्या	07:09:2013
सिहं	28:09:2013
कर्क	18:10:2013
मिथुन	07:11:2013
वृष	27:11:2013

मिथुन भुक्ति	
अंतर	से
वृष	18:12:2013
मेष	07:01:2014
मीन	27:01:2014
कुम्भ	16:02:2014
मकर	09:03:2014
धन्	29:03:2014
वृश्चिक	18:04:2014
तुला	09:05:2014
कन्या	29:05:2014
सिहं	18:06:2014
कर्क	08:07:2014
मिथुन	29:07:2014

कर्क भुक्ति	
अंतर	से
मिथुन	18:08:2014
वृष	07:09:2014
मेष	28:09:2014
मीन	18:10:2014
कुम्भ	07:11:2014
मकर	27:11:2014
धन्	18:12:2014
वृश्चिक	07:01:2015
तुला	27:01:2015
कन्या	16:02:2015
सिहं	09:03:2015
कर्क	29:03:2015

सिहं भुक्ति	
अंतर	से
कन्या	18:04:2015
तुला	09:05:2015
वृश्चिक	29:05:2015
धन्	18:06:2015
मकर	08:07:2015
कुम्भ	29:07:2015
मीन	18:08:2015
मेष	07:09:2015
वृष	28:09:2015
मिथुन	18:10:2015
कर्क	07:11:2015
सिहं	27:11:2015

कन्या भुक्ति	
अंतर	से
तुला	18:12:2015
वृश्चिक	07:01:2016
धन्	27:01:2016
मकर	17:02:2016
कुम्भ	08:03:2016
मीन	28:03:2016
मेष	18:04:2016
वृष	08:05:2016
मिथुन	28:05:2016
कर्क	18:06:2016
सिहं	08:07:2016
कन्या	28:07:2016

तुला भुक्ति	
अंतर	से
वृश्चिक	18:08:2016
धन्	07:09:2016
मकर	27:09:2016
कुम्भ	18:10:2016
मीन	07:11:2016
मेष	27:11:2016
वृष	18:12:2016
मिथुन	07:01:2017
कर्क	27:01:2017
सिहं	16:02:2017
कन्या	09:03:2017
तुला	29:03:2017

वृश्चिक भुक्ति	
अंतर	से
तुला	18:04:2017
कन्या	09:05:2017
सिहं	29:05:2017
कर्क	18:06:2017
मिथुन	08:07:2017
वृष	29:07:2017
मेष	18:08:2017
मीन	07:09:2017
कुम्भ	28:09:2017
मकर	18:10:2017
धन्	07:11:2017
वृश्चिक	27:11:2017

धनु भुक्ति	
अंतर	से
वृश्चिक	18:12:2017
तुला	07:01:2018
कन्या	27:01:2018
सिहं	16:02:2018
कर्क	09:03:2018
मिथुन	29:03:2018
वृष	18:04:2018
मेष	09:05:2018
मीन	29:05:2018
कुम्भ	18:06:2018
मकर	08:07:2018
धन्	29:07:2018

मकर भुक्ति	
अंतर	से
धन्	18:08:2018
वृश्चिक	07:09:2018
तुला	28:09:2018
कन्या	18:10:2018
सिहं	07:11:2018
कर्क	27:11:2018
मिथुन	18:12:2018
वृष	07:01:2019
मेष	27:01:2019
मीन	16:02:2019
कुम्भ	09:03:2019
मकर	29:03:2019

कुम्भ भुक्ति	
अंतर	से
मीन	18:04:2019
मेष	09:05:2019
वृष	29:05:2019
मिथुन	18:06:2019
कर्क	08:07:2019
सिहं	29:07:2019
कन्या	18:08:2019
तुला	07:09:2019
वृश्चिक	28:09:2019
धन्	18:10:2019
मकर	07:11:2019
कुम्भ	27:11:2019

जैमिनी चर दशा

(नीलकान्त सिद्धान्त)

कन्या दशा (18:12:1975 – 18:12:1984)

तुला भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		धनु भुक्ति		मकर भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	18:12:1975	तुला	17:09:1976	वृश्चिक	18:06:1977	धनु	19:03:1978
धनु	09:01:1976	कन्या	10:10:1976	तुला	11:07:1977	वृश्चिक	11:04:1978
मकर	01:02:1976	सिहं	02:11:1976	कन्या	03:08:1977	तुला	03:05:1978
कुम्भ	24:02:1976	कर्क	25:11:1976	सिहं	26:08:1977	कन्या	26:05:1978
मीन	18:03:1976	मिथुन	18:12:1976	कर्क	17:09:1977	सिहं	18:06:1978
मेष	10:04:1976	वृष	09:01:1977	मिथुन	10:10:1977	कर्क	11:07:1978
वृष	03:05:1976	मेष	01:02:1977	वृष	02:11:1977	मिथुन	03:08:1978
मिथुन	26:05:1976	मीन	24:02:1977	मेष	25:11:1977	वृष	26:08:1978
कर्क	18:06:1976	कुम्भ	19:03:1977	मीन	18:12:1977	मेष	17:09:1978
सिहं	10:07:1976	मकर	11:04:1977	कुम्भ	09:01:1978	मीन	10:10:1978
कन्या	02:08:1976	धनु	03:05:1977	मकर	01:02:1978	कुम्भ	02:11:1978
तुला	25:08:1976	वृश्चिक	26:05:1977	धनु	24:02:1978	मकर	25:11:1978

कुम्भ भुक्ति		मीन भुक्ति		मेष भुक्ति		वृष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मीन	18:12:1978	मेष	17:09:1979	वृष	18:06:1980	मेष	19:03:1981
मेष	09:01:1979	वृष	10:10:1979	मिथुन	10:07:1980	मीन	11:04:1981
वृष	01:02:1979	मिथुन	02:11:1979	कर्क	02:08:1980	कुम्भ	03:05:1981
मिथुन	24:02:1979	कर्क	25:11:1979	सिहं	25:08:1980	मकर	26:05:1981
कर्क	19:03:1979	सिहं	18:12:1979	कन्या	17:09:1980	धनु	18:06:1981
सिहं	11:04:1979	कन्या	09:01:1980	तुला	10:10:1980	वृश्चिक	11:07:1981
कन्या	03:05:1979	तुला	01:02:1980	वृश्चिक	02:11:1980	तुला	03:08:1981
तुला	26:05:1979	वृश्चिक	24:02:1980	धनु	25:11:1980	कन्या	26:08:1981
वृश्चिक	18:06:1979	धनु	18:03:1980	मकर	18:12:1980	सिहं	17:09:1981
धनु	11:07:1979	मकर	10:04:1980	कुम्भ	09:01:1981	कर्क	10:10:1981
मकर	03:08:1979	कुम्भ	03:05:1980	मीन	01:02:1981	मिथुन	02:11:1981
कुम्भ	26:08:1979	मीन	26:05:1980	मेष	24:02:1981	वृष	25:11:1981

मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति		सिहं भुक्ति		कन्या भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	18:12:1981	मिथुन	17:09:1982	कन्या	18:06:1983	तुला	18:03:1984
मेष	09:01:1982	वृष	10:10:1982	तुला	11:07:1983	वृश्चिक	10:04:1984
मीन	01:02:1982	मेष	02:11:1982	वृश्चिक	03:08:1983	धनु	03:05:1984
कुम्भ	24:02:1982	मीन	25:11:1982	धनु	26:08:1983	मकर	26:05:1984
मकर	19:03:1982	कुम्भ	18:12:1982	मकर	17:09:1983	कुम्भ	18:06:1984
धनु	11:04:1982	मकर	09:01:1983	कुम्भ	10:10:1983	मीन	10:07:1984
वृश्चिक	03:05:1982	धनु	01:02:1983	मीन	02:11:1983	मेष	02:08:1984
तुला	26:05:1982	वृश्चिक	24:02:1983	मेष	25:11:1983	वृष	25:08:1984
कन्या	18:06:1982	तुला	19:03:1983	वृष	18:12:1983	मिथुन	17:09:1984
सिहं	11:07:1982	कन्या	11:04:1983	मिथुन	09:01:1984	कर्क	10:10:1984
कर्क	03:08:1982	सिहं	03:05:1983	कर्क	01:02:1984	सिहं	02:11:1984
मिथुन	26:08:1982	कर्क	26:05:1983	सिहं	24:02:1984	कन्या	25:11:1984

जैमिनी चर दशा

(नीलकान्त सिद्धान्त)

तुला दशा (18:12:1984 – 18:12:1996)

वृश्चिक भुक्ति		धनु भुक्ति		मकर भुक्ति		कुम्भ भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
तुला	18:12:1984	वृश्चिक	18:12:1985	धनु	18:12:1986	मीन	18:12:1987
कन्या	17:01:1985	तुला	17:01:1986	वृश्चिक	17:01:1987	मेष	17:01:1988
सिहं	16:02:1985	कन्या	16:02:1986	तुला	16:02:1987	वृष	17:02:1988
कर्क	19:03:1985	सिहं	19:03:1986	कन्या	19:03:1987	मिथुन	18:03:1988
मिथुन	18:04:1985	कर्क	18:04:1986	सिहं	18:04:1987	कर्क	18:04:1988
वृष	19:05:1985	मिथुन	19:05:1986	कर्क	19:05:1987	सिहं	18:05:1988
मेष	18:06:1985	वृष	18:06:1986	मिथुन	18:06:1987	कन्या	18:06:1988
मीन	19:07:1985	मेष	19:07:1986	वृष	19:07:1987	तुला	18:07:1988
कुम्भ	18:08:1985	मीन	18:08:1986	मेष	18:08:1987	वृश्चिक	18:08:1988
मकर	17:09:1985	कुम्भ	17:09:1986	मीन	17:09:1987	धनु	17:09:1988
धनु	18:10:1985	मकर	18:10:1986	कुम्भ	18:10:1987	मकर	18:10:1988
वृश्चिक	17:11:1985	धनु	17:11:1986	मकर	17:11:1987	कुम्भ	17:11:1988

मीन भुक्ति		मेष भुक्ति		वृष भुक्ति		मिथुन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मेष	18:12:1988	वृष	18:12:1989	मेष	18:12:1990	वृष	18:12:1991
वृष	17:01:1989	मिथुन	17:01:1990	मीन	17:01:1991	मेष	17:01:1992
मिथुन	16:02:1989	कर्क	16:02:1990	कुम्भ	16:02:1991	मीन	17:02:1992
कर्क	19:03:1989	सिहं	19:03:1990	मकर	19:03:1991	कुम्भ	18:03:1992
सिहं	18:04:1989	कन्या	18:04:1990	धनु	18:04:1991	मकर	18:04:1992
कन्या	19:05:1989	तुला	19:05:1990	वृश्चिक	19:05:1991	धनु	18:05:1992
तुला	18:06:1989	वृश्चिक	18:06:1990	तुला	18:06:1991	वृश्चिक	18:06:1992
वृश्चिक	19:07:1989	धनु	19:07:1990	कन्या	19:07:1991	तुला	18:07:1992
धनु	18:08:1989	मकर	18:08:1990	सिहं	18:08:1991	कन्या	18:08:1992
मकर	17:09:1989	कुम्भ	17:09:1990	कर्क	17:09:1991	सिहं	17:09:1992
कुम्भ	18:10:1989	मीन	18:10:1990	मिथुन	18:10:1991	कर्क	18:10:1992
मीन	17:11:1989	मेष	17:11:1990	वृष	17:11:1991	मिथुन	17:11:1992

कर्क भुक्ति		सिहं भुक्ति		कन्या भुक्ति		तुला भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मिथुन	18:12:1992	कन्या	18:12:1993	तुला	18:12:1994	वृश्चिक	18:12:1995
वृष	17:01:1993	तुला	17:01:1994	वृश्चिक	17:01:1995	धनु	17:01:1996
मेष	16:02:1993	वृश्चिक	16:02:1994	धनु	16:02:1995	मकर	17:02:1996
मीन	19:03:1993	धनु	19:03:1994	मकर	19:03:1995	कुम्भ	18:03:1996
कुम्भ	18:04:1993	मकर	18:04:1994	कुम्भ	18:04:1995	मीन	18:04:1996
मकर	19:05:1993	कुम्भ	19:05:1994	मीन	19:05:1995	मेष	18:05:1996
धनु	18:06:1993	मीन	18:06:1994	मेष	18:06:1995	वृष	18:06:1996
वृश्चिक	19:07:1993	मेष	19:07:1994	वृष	19:07:1995	मिथुन	18:07:1996
तुला	18:08:1993	वृष	18:08:1994	मिथुन	18:08:1995	कर्क	18:08:1996
कन्या	17:09:1993	मिथुन	17:09:1994	कर्क	17:09:1995	सिहं	17:09:1996
सिहं	18:10:1993	कर्क	18:10:1994	सिहं	18:10:1995	कन्या	18:10:1996
कर्क	17:11:1993	सिहं	17:11:1994	कन्या	17:11:1995	तुला	17:11:1996

जैमिनी चर दशा

(नीलकान्त सिद्धान्त)

वृश्चिक दशा (18:12:1996 – 18:12:2002)

तुला भुक्ति		कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति		कर्क भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	18:12:1996	तुला	18:06:1997	कन्या	18:12:1997	मिथुन	18:06:1998
धनु	02:01:1997	वृश्चिक	03:07:1997	तुला	02:01:1998	वृष	03:07:1998
मकर	17:01:1997	धनु	19:07:1997	वृश्चिक	17:01:1998	मेष	19:07:1998
कुम्भ	01:02:1997	मकर	03:08:1997	धनु	01:02:1998	मीन	03:08:1998
मीन	16:02:1997	कुम्भ	18:08:1997	मकर	16:02:1998	कुम्भ	18:08:1998
मेष	04:03:1997	मीन	02:09:1997	कुम्भ	04:03:1998	मकर	02:09:1998
वृष	19:03:1997	मेष	17:09:1997	मीन	19:03:1998	धनु	17:09:1998
मिथुन	03:04:1997	वृष	03:10:1997	मेष	03:04:1998	वृश्चिक	03:10:1998
कर्क	18:04:1997	मिथुन	18:10:1997	वृष	18:04:1998	तुला	18:10:1998
सिहं	03:05:1997	कर्क	02:11:1997	मिथुन	03:05:1998	कन्या	02:11:1998
कन्या	19:05:1997	सिहं	17:11:1997	कर्क	19:05:1998	सिहं	17:11:1998
तुला	03:06:1997	कन्या	02:12:1997	सिहं	03:06:1998	कर्क	02:12:1998

मिथुन भुक्ति		वृष भुक्ति		मेष भुक्ति		मीन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	18:12:1998	मेष	18:06:1999	वृष	18:12:1999	मेष	18:06:2000
मेष	02:01:1999	मीन	03:07:1999	मिथुन	02:01:2000	वृष	03:07:2000
मीन	17:01:1999	कुम्भ	19:07:1999	कर्क	17:01:2000	मिथुन	18:07:2000
कुम्भ	01:02:1999	मकर	03:08:1999	सिहं	01:02:2000	कर्क	02:08:2000
मकर	16:02:1999	धनु	18:08:1999	कन्या	17:02:2000	सिहं	18:08:2000
धनु	04:03:1999	वृश्चिक	02:09:1999	तुला	03:03:2000	कन्या	02:09:2000
वृश्चिक	19:03:1999	तुला	17:09:1999	वृश्चिक	18:03:2000	तुला	17:09:2000
तुला	03:04:1999	कन्या	03:10:1999	धनु	02:04:2000	वृश्चिक	02:10:2000
कन्या	18:04:1999	सिहं	18:10:1999	मकर	18:04:2000	धनु	18:10:2000
सिहं	03:05:1999	कर्क	02:11:1999	कुम्भ	03:05:2000	मकर	02:11:2000
कर्क	19:05:1999	मिथुन	17:11:1999	मीन	18:05:2000	कुम्भ	17:11:2000
मिथुन	03:06:1999	वृष	02:12:1999	मेष	02:06:2000	मीन	02:12:2000

कुम्भ भुक्ति		मकर भुक्ति		धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मीन	18:12:2000	धनु	18:06:2001	वृश्चिक	18:12:2001	तुला	18:06:2002
मेष	02:01:2001	वृश्चिक	03:07:2001	तुला	02:01:2002	कन्या	03:07:2002
वृष	17:01:2001	तुला	19:07:2001	कन्या	17:01:2002	सिहं	19:07:2002
मिथुन	01:02:2001	कन्या	03:08:2001	सिहं	01:02:2002	कर्क	03:08:2002
कर्क	16:02:2001	सिहं	18:08:2001	कर्क	16:02:2002	मिथुन	18:08:2002
सिहं	04:03:2001	कर्क	02:09:2001	मिथुन	04:03:2002	वृष	02:09:2002
कन्या	19:03:2001	मिथुन	17:09:2001	वृष	19:03:2002	मेष	17:09:2002
तुला	03:04:2001	वृष	03:10:2001	मेष	03:04:2002	मीन	03:10:2002
वृश्चिक	18:04:2001	मेष	18:10:2001	मीन	18:04:2002	कुम्भ	18:10:2002
धनु	03:05:2001	मीन	02:11:2001	कुम्भ	03:05:2002	मकर	02:11:2002
मकर	19:05:2001	कुम्भ	17:11:2001	मकर	19:05:2002	धनु	17:11:2002
कुम्भ	03:06:2001	मकर	02:12:2001	धनु	03:06:2002	वृश्चिक	02:12:2002

जैमिनी चर दशा

(नीलकान्त सिद्धान्त)

धनु दशा (18:12:2002 – 18:12:2005)

वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति		कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
तुला	18:12:2002	वृश्चिक	19:03:2003	तुला	18:06:2003	कन्या	17:09:2003
कन्या	25:12:2002	धन्	26:03:2003	वृश्चिक	26:06:2003	तुला	25:09:2003
सिहं	02:01:2003	मकर	03:04:2003	धन्	03:07:2003	वृश्चिक	03:10:2003
कर्क	09:01:2003	कुम्भ	11:04:2003	मकर	11:07:2003	धन्	10:10:2003
मिथुन	17:01:2003	मीन	18:04:2003	कुम्भ	19:07:2003	मकर	18:10:2003
वृष	25:01:2003	मेष	26:04:2003	मीन	26:07:2003	कुम्भ	25:10:2003
मेष	01:02:2003	वृष	03:05:2003	मेष	03:08:2003	मीन	02:11:2003
मीन	09:02:2003	मिथुन	11:05:2003	वृष	10:08:2003	मेष	10:11:2003
कुम्भ	16:02:2003	कर्क	19:05:2003	मिथुन	18:08:2003	वृष	17:11:2003
मकर	24:02:2003	सिहं	26:05:2003	कर्क	26:08:2003	मिथुन	25:11:2003
धन्	04:03:2003	कन्या	03:06:2003	सिहं	02:09:2003	कर्क	02:12:2003
वृश्चिक	11:03:2003	तुला	11:06:2003	कन्या	10:09:2003	सिहं	10:12:2003

कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति		वृष भुक्ति		मेष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मिथुन	18:12:2003	वृष	18:03:2004	मेष	18:06:2004	वृष	17:09:2004
वृष	25:12:2003	मेष	26:03:2004	मीन	25:06:2004	मिथुन	25:09:2004
मेष	02:01:2004	मीन	02:04:2004	कुम्भ	03:07:2004	कर्क	02:10:2004
मीन	09:01:2004	कुम्भ	10:04:2004	मकर	10:07:2004	सिहं	10:10:2004
कुम्भ	17:01:2004	मकर	18:04:2004	धन्	18:07:2004	कन्या	18:10:2004
मकर	25:01:2004	धन्	25:04:2004	वृश्चिक	26:07:2004	तुला	25:10:2004
धन्	01:02:2004	वृश्चिक	03:05:2004	तुला	02:08:2004	वृश्चिक	02:11:2004
वृश्चिक	09:02:2004	तुला	10:05:2004	कन्या	10:08:2004	धन्	09:11:2004
तुला	17:02:2004	कन्या	18:05:2004	सिहं	18:08:2004	मकर	17:11:2004
कन्या	24:02:2004	सिहं	26:05:2004	कर्क	25:08:2004	कुम्भ	25:11:2004
सिहं	03:03:2004	कर्क	02:06:2004	मिथुन	02:09:2004	मीन	02:12:2004
कर्क	10:03:2004	मिथुन	10:06:2004	वृष	09:09:2004	मेष	10:12:2004

मीन भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मकर भुक्ति		धनु भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मेष	18:12:2004	मीन	19:03:2005	धन्	18:06:2005	वृश्चिक	17:09:2005
वृष	25:12:2004	मेष	26:03:2005	वृश्चिक	26:06:2005	तुला	25:09:2005
मिथुन	02:01:2005	वृष	03:04:2005	तुला	03:07:2005	कन्या	03:10:2005
कर्क	09:01:2005	मिथुन	11:04:2005	कन्या	11:07:2005	सिहं	10:10:2005
सिहं	17:01:2005	कर्क	18:04:2005	सिहं	19:07:2005	कर्क	18:10:2005
कन्या	25:01:2005	सिहं	26:04:2005	कर्क	26:07:2005	मिथुन	25:10:2005
तुला	01:02:2005	कन्या	03:05:2005	मिथुन	03:08:2005	वृष	02:11:2005
वृश्चिक	09:02:2005	तुला	11:05:2005	वृष	10:08:2005	मेष	10:11:2005
धन्	16:02:2005	वृश्चिक	19:05:2005	मेष	18:08:2005	मीन	17:11:2005
मकर	24:02:2005	धन्	26:05:2005	मीन	26:08:2005	कुम्भ	25:11:2005
कुम्भ	04:03:2005	मकर	03:06:2005	कुम्भ	02:09:2005	मकर	02:12:2005
मीन	11:03:2005	कुम्भ	11:06:2005	मकर	10:09:2005	धन्	10:12:2005

जैमिनी चर दशा

(नीलकान्त सिद्धान्त)

मकर दशा (18:12:2005 – 18:12:2011)

धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति		कन्या भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	18:12:2005	तुला	18:06:2006	वृश्चिक	18:12:2006	तुला	18:06:2007
तुला	02:01:2006	कन्या	03:07:2006	धनु	02:01:2007	वृश्चिक	03:07:2007
कन्या	17:01:2006	सिहं	19:07:2006	मकर	17:01:2007	धनु	19:07:2007
सिहं	01:02:2006	कर्क	03:08:2006	कुम्भ	01:02:2007	मकर	03:08:2007
कर्क	16:02:2006	मिथुन	18:08:2006	मीन	16:02:2007	कुम्भ	18:08:2007
मिथुन	04:03:2006	वृष	02:09:2006	मेष	04:03:2007	मीन	02:09:2007
वृष	19:03:2006	मेष	17:09:2006	वृष	19:03:2007	मेष	17:09:2007
मेष	03:04:2006	मीन	03:10:2006	मिथुन	03:04:2007	वृष	03:10:2007
मीन	18:04:2006	कुम्भ	18:10:2006	कर्क	18:04:2007	मिथुन	18:10:2007
कुम्भ	03:05:2006	मकर	02:11:2006	सिहं	03:05:2007	कर्क	02:11:2007
मकर	19:05:2006	धनु	17:11:2006	कन्या	19:05:2007	सिहं	17:11:2007
धनु	03:06:2006	वृश्चिक	02:12:2006	तुला	03:06:2007	कन्या	02:12:2007

सिहं भुक्ति		कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति		वृष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
कन्या	18:12:2007	मिथुन	18:06:2008	वृष	18:12:2008	मेष	18:06:2009
तुला	02:01:2008	वृष	03:07:2008	मेष	02:01:2009	मीन	03:07:2009
वृश्चिक	17:01:2008	मेष	18:07:2008	मीन	17:01:2009	कुम्भ	19:07:2009
धनु	01:02:2008	मीन	02:08:2008	कुम्भ	01:02:2009	मकर	03:08:2009
मकर	17:02:2008	कुम्भ	18:08:2008	मकर	16:02:2009	धनु	18:08:2009
कुम्भ	03:03:2008	मकर	02:09:2008	धनु	04:03:2009	वृश्चिक	02:09:2009
मीन	18:03:2008	धनु	17:09:2008	वृश्चिक	19:03:2009	तुला	17:09:2009
मेष	02:04:2008	वृश्चिक	02:10:2008	तुला	03:04:2009	कन्या	03:10:2009
वृष	18:04:2008	तुला	18:10:2008	कन्या	18:04:2009	सिहं	18:10:2009
मिथुन	03:05:2008	कन्या	02:11:2008	सिहं	03:05:2009	कर्क	02:11:2009
कर्क	18:05:2008	सिहं	17:11:2008	कर्क	19:05:2009	मिथुन	17:11:2009
सिहं	02:06:2008	कर्क	02:12:2008	मिथुन	03:06:2009	वृष	02:12:2009

मेष भुक्ति		मीन भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मकर भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	18:12:2009	मेष	18:06:2010	मीन	18:12:2010	धनु	18:06:2011
मिथुन	02:01:2010	वृष	03:07:2010	मेष	02:01:2011	वृश्चिक	03:07:2011
कर्क	17:01:2010	मिथुन	19:07:2010	वृष	17:01:2011	तुला	19:07:2011
सिहं	01:02:2010	कर्क	03:08:2010	मिथुन	01:02:2011	कन्या	03:08:2011
कन्या	16:02:2010	सिहं	18:08:2010	कर्क	16:02:2011	सिहं	18:08:2011
तुला	04:03:2010	कन्या	02:09:2010	सिहं	04:03:2011	कर्क	02:09:2011
वृश्चिक	19:03:2010	तुला	17:09:2010	कन्या	19:03:2011	मिथुन	17:09:2011
धनु	03:04:2010	वृश्चिक	03:10:2010	तुला	03:04:2011	वृष	03:10:2011
मकर	18:04:2010	धनु	18:10:2010	वृश्चिक	18:04:2011	मेष	18:10:2011
कुम्भ	03:05:2010	मकर	02:11:2010	धनु	03:05:2011	मीन	02:11:2011
मीन	19:05:2010	कुम्भ	17:11:2010	मकर	19:05:2011	कुम्भ	17:11:2011
मेष	03:06:2010	मीन	02:12:2010	कुम्भ	03:06:2011	मकर	02:12:2011

जैमिनी चर दशा

(नीलकान्त सिद्धान्त)

कुम्भ दशा (18:12:2011 – 18:12:2019)

मीन भुक्ति		मेष भुक्ति		वृष भुक्ति		मिथुन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मेष	18:12:2011	वृष	18:08:2012	मेष	18:04:2013	वृष	18:12:2013
वृष	07:01:2012	मिथुन	07:09:2012	मीन	09:05:2013	मेष	07:01:2014
मिथुन	27:01:2012	कर्क	27:09:2012	कुम्भ	29:05:2013	मीन	27:01:2014
कर्क	17:02:2012	सिहं	18:10:2012	मकर	18:06:2013	कुम्भ	16:02:2014
सिहं	08:03:2012	कन्या	07:11:2012	धनु	08:07:2013	मकर	09:03:2014
कन्या	28:03:2012	तुला	27:11:2012	वृश्चिक	29:07:2013	धनु	29:03:2014
तुला	18:04:2012	वृश्चिक	18:12:2012	तुला	18:08:2013	वृश्चिक	18:04:2014
वृश्चिक	08:05:2012	धनु	07:01:2013	कन्या	07:09:2013	तुला	09:05:2014
धनु	28:05:2012	मकर	27:01:2013	सिहं	28:09:2013	कन्या	29:05:2014
मकर	18:06:2012	कुम्भ	16:02:2013	कर्क	18:10:2013	सिहं	18:06:2014
कुम्भ	08:07:2012	मीन	09:03:2013	मिथुन	07:11:2013	कर्क	08:07:2014
मीन	28:07:2012	मेष	29:03:2013	वृष	27:11:2013	मिथुन	29:07:2014

कर्क भुक्ति		सिहं भुक्ति		कन्या भुक्ति		तुला भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मिथुन	18:08:2014	कन्या	18:04:2015	तुला	18:12:2015	वृश्चिक	18:08:2016
वृष	07:09:2014	तुला	09:05:2015	वृश्चिक	07:01:2016	धनु	07:09:2016
मेष	28:09:2014	वृश्चिक	29:05:2015	धनु	27:01:2016	मकर	27:09:2016
मीन	18:10:2014	धनु	18:06:2015	मकर	17:02:2016	कुम्भ	18:10:2016
कुम्भ	07:11:2014	मकर	08:07:2015	कुम्भ	08:03:2016	मीन	07:11:2016
मकर	27:11:2014	कुम्भ	29:07:2015	मीन	28:03:2016	मेष	27:11:2016
धनु	18:12:2014	मीन	18:08:2015	मेष	18:04:2016	वृष	18:12:2016
वृश्चिक	07:01:2015	मेष	07:09:2015	वृष	08:05:2016	मिथुन	07:01:2017
तुला	27:01:2015	वृष	28:09:2015	मिथुन	28:05:2016	कर्क	27:01:2017
कन्या	16:02:2015	मिथुन	18:10:2015	कर्क	18:06:2016	सिहं	16:02:2017
सिहं	09:03:2015	कर्क	07:11:2015	सिहं	08:07:2016	कन्या	09:03:2017
कर्क	29:03:2015	सिहं	27:11:2015	कन्या	28:07:2016	तुला	29:03:2017

वृश्चिक भुक्ति		धनु भुक्ति		मकर भुक्ति		कुम्भ भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
तुला	18:04:2017	वृश्चिक	18:12:2017	धनु	18:08:2018	मीन	18:04:2019
कन्या	09:05:2017	तुला	07:01:2018	वृश्चिक	07:09:2018	मेष	09:05:2019
सिहं	29:05:2017	कन्या	27:01:2018	तुला	28:09:2018	वृष	29:05:2019
कर्क	18:06:2017	सिहं	16:02:2018	कन्या	18:10:2018	मिथुन	18:06:2019
मिथुन	08:07:2017	कर्क	09:03:2018	सिहं	07:11:2018	कर्क	08:07:2019
वृष	29:07:2017	मिथुन	29:03:2018	कर्क	27:11:2018	सिहं	29:07:2019
मेष	18:08:2017	वृष	18:04:2018	मिथुन	18:12:2018	कन्या	18:08:2019
मीन	07:09:2017	मेष	09:05:2018	वृष	07:01:2019	तुला	07:09:2019
कुम्भ	28:09:2017	मीन	29:05:2018	मेष	27:01:2019	वृश्चिक	28:09:2019
मकर	18:10:2017	कुम्भ	18:06:2018	मीन	16:02:2019	धनु	18:10:2019
धनु	07:11:2017	मकर	08:07:2018	कुम्भ	09:03:2019	मकर	07:11:2019
वृश्चिक	27:11:2017	धनु	29:07:2018	मकर	29:03:2019	कुम्भ	27:11:2019

जैमिनी चर दशा

(नीलकान्त सिद्धान्त)

मीन दशा (18:12:2019 – 18:12:2031)

मेष भुक्ति		वृष भुक्ति		मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	18:12:2019	मेष	18:12:2020	वृष	18:12:2021	मिथुन	18:12:2022
मिथुन	17:01:2020	मीन	17:01:2021	मेष	17:01:2022	वृष	17:01:2023
कर्क	17:02:2020	कुम्भ	16:02:2021	मीन	16:02:2022	मेष	16:02:2023
सिहं	18:03:2020	मकर	19:03:2021	कुम्भ	19:03:2022	मीन	19:03:2023
कन्या	18:04:2020	धनु	18:04:2021	मकर	18:04:2022	कुम्भ	18:04:2023
तुला	18:05:2020	वृश्चिक	19:05:2021	धनु	19:05:2022	मकर	19:05:2023
वृश्चिक	18:06:2020	तुला	18:06:2021	वृश्चिक	18:06:2022	धनु	18:06:2023
धनु	18:07:2020	कन्या	19:07:2021	तुला	19:07:2022	वृश्चिक	19:07:2023
मकर	18:08:2020	सिहं	18:08:2021	कन्या	18:08:2022	तुला	18:08:2023
कुम्भ	17:09:2020	कर्क	17:09:2021	सिहं	17:09:2022	कन्या	17:09:2023
मीन	18:10:2020	मिथुन	18:10:2021	कर्क	18:10:2022	सिहं	18:10:2023
मेष	17:11:2020	वृष	17:11:2021	मिथुन	17:11:2022	कर्क	17:11:2023

सिहं भुक्ति		कन्या भुक्ति		तुला भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
कन्या	18:12:2023	तुला	18:12:2024	वृश्चिक	18:12:2025	तुला	18:12:2026
तुला	17:01:2024	वृश्चिक	17:01:2025	धनु	17:01:2026	कन्या	17:01:2027
वृश्चिक	17:02:2024	धनु	16:02:2025	मकर	16:02:2026	सिहं	16:02:2027
धनु	18:03:2024	मकर	19:03:2025	कुम्भ	19:03:2026	कर्क	19:03:2027
मकर	18:04:2024	कुम्भ	18:04:2025	मीन	18:04:2026	मिथुन	18:04:2027
कुम्भ	18:05:2024	मीन	19:05:2025	मेष	19:05:2026	वृष	19:05:2027
मीन	18:06:2024	मेष	18:06:2025	वृष	18:06:2026	मेष	18:06:2027
मेष	18:07:2024	वृष	19:07:2025	मिथुन	19:07:2026	मीन	19:07:2027
वृष	18:08:2024	मिथुन	18:08:2025	कर्क	18:08:2026	कुम्भ	18:08:2027
मिथुन	17:09:2024	कर्क	17:09:2025	सिहं	17:09:2026	मकर	17:09:2027
कर्क	18:10:2024	सिहं	18:10:2025	कन्या	18:10:2026	धनु	18:10:2027
सिहं	17:11:2024	कन्या	17:11:2025	तुला	17:11:2026	वृश्चिक	17:11:2027

धनु भुक्ति		मकर भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मीन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	18:12:2027	धनु	18:12:2028	मीन	18:12:2029	मेष	18:12:2030
तुला	17:01:2028	वृश्चिक	17:01:2029	मेष	17:01:2030	वृष	17:01:2031
कन्या	17:02:2028	तुला	16:02:2029	वृष	16:02:2030	मिथुन	16:02:2031
सिहं	18:03:2028	कन्या	19:03:2029	मिथुन	19:03:2030	कर्क	19:03:2031
कर्क	18:04:2028	सिहं	18:04:2029	कर्क	18:04:2030	सिहं	18:04:2031
मिथुन	18:05:2028	कर्क	19:05:2029	सिहं	19:05:2030	कन्या	19:05:2031
वृष	18:06:2028	मिथुन	18:06:2029	कन्या	18:06:2030	तुला	18:06:2031
मेष	18:07:2028	वृष	19:07:2029	तुला	19:07:2030	वृश्चिक	19:07:2031
मीन	18:08:2028	मेष	18:08:2029	वृश्चिक	18:08:2030	धनु	18:08:2031
कुम्भ	17:09:2028	मीन	17:09:2029	धनु	17:09:2030	मकर	17:09:2031
मकर	18:10:2028	कुम्भ	18:10:2029	मकर	18:10:2030	कुम्भ	18:10:2031
धनु	17:11:2028	मकर	17:11:2029	कुम्भ	17:11:2030	मीन	17:11:2031

जैमिनी चर दशा

(नीलकान्त सिद्धान्त)

मेष दशा (18:12:2031 – 18:12:2032)

वृष भुक्ति		मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति		सिहं भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मेष	18:12:2031	वृष	17:01:2032	मिथुन	17:02:2032	कन्या	18:03:2032
मीन	20:12:2031	मेष	20:01:2032	वृष	19:02:2032	तुला	21:03:2032
कुम्भ	23:12:2031	मीन	22:01:2032	मेष	22:02:2032	वृश्चिक	23:03:2032
मकर	25:12:2031	कुम्भ	25:01:2032	मीन	24:02:2032	धनु	26:03:2032
धनु	28:12:2031	मकर	27:01:2032	कुम्भ	27:02:2032	मकर	28:03:2032
वृश्चिक	30:12:2031	धनु	30:01:2032	मकर	29:02:2032	कुम्भ	31:03:2032
तुला	02:01:2032	वृश्चिक	01:02:2032	धनु	03:03:2032	मीन	02:04:2032
कन्या	04:01:2032	तुला	04:02:2032	वृश्चिक	05:03:2032	मेष	05:04:2032
सिहं	07:01:2032	कन्या	06:02:2032	तुला	08:03:2032	वृष	07:04:2032
कर्क	09:01:2032	सिहं	09:02:2032	कन्या	10:03:2032	मिथुन	10:04:2032
मिथुन	12:01:2032	कर्क	11:02:2032	सिहं	13:03:2032	कर्क	12:04:2032
वृष	15:01:2032	मिथुन	14:02:2032	कर्क	16:03:2032	सिहं	15:04:2032

कन्या भुक्ति		तुला भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		धनु भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
तुला	18:04:2032	वृश्चिक	18:05:2032	तुला	18:06:2032	वृश्चिक	18:07:2032
वृश्चिक	20:04:2032	धनु	21:05:2032	कन्या	20:06:2032	तुला	21:07:2032
धनु	23:04:2032	मकर	23:05:2032	सिहं	23:06:2032	कन्या	23:07:2032
मकर	25:04:2032	कुम्भ	26:05:2032	कर्क	25:06:2032	सिहं	26:07:2032
कुम्भ	28:04:2032	मीन	28:05:2032	मिथुन	28:06:2032	कर्क	28:07:2032
मीन	30:04:2032	मेष	31:05:2032	वृष	30:06:2032	मिथुन	31:07:2032
मेष	03:05:2032	वृष	02:06:2032	मेष	03:07:2032	वृष	02:08:2032
वृष	05:05:2032	मिथुन	05:06:2032	मीन	05:07:2032	मेष	05:08:2032
मिथुन	08:05:2032	कर्क	07:06:2032	कुम्भ	08:07:2032	मीन	07:08:2032
कर्क	10:05:2032	सिहं	10:06:2032	मकर	10:07:2032	कुम्भ	10:08:2032
सिहं	13:05:2032	कन्या	12:06:2032	धनु	13:07:2032	मकर	12:08:2032
कन्या	16:05:2032	तुला	15:06:2032	वृश्चिक	16:07:2032	धनु	15:08:2032

मकर भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मीन भुक्ति		मेष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
धनु	18:08:2032	मीन	17:09:2032	मेष	18:10:2032	वृष	17:11:2032
वृश्चिक	20:08:2032	मेष	20:09:2032	वृष	20:10:2032	मिथुन	20:11:2032
तुला	23:08:2032	वृष	22:09:2032	मिथुन	23:10:2032	कर्क	22:11:2032
कन्या	25:08:2032	मिथुन	25:09:2032	कर्क	25:10:2032	सिहं	25:11:2032
सिहं	28:08:2032	कर्क	27:09:2032	सिहं	28:10:2032	कन्या	27:11:2032
कर्क	30:08:2032	सिहं	30:09:2032	कन्या	30:10:2032	तुला	30:11:2032
मिथुन	02:09:2032	कन्या	02:10:2032	तुला	02:11:2032	वृश्चिक	02:12:2032
वृष	04:09:2032	तुला	05:10:2032	वृश्चिक	04:11:2032	धनु	05:12:2032
मेष	07:09:2032	वृश्चिक	07:10:2032	धनु	07:11:2032	मकर	07:12:2032
मीन	09:09:2032	धनु	10:10:2032	मकर	09:11:2032	कुम्भ	10:12:2032
कुम्भ	12:09:2032	मकर	12:10:2032	कुम्भ	12:11:2032	मीन	12:12:2032
मकर	15:09:2032	कुम्भ	15:10:2032	मीन	15:11:2032	मेष	15:12:2032

जैमिनी चर दशा

(नीलकान्त सिद्धान्त)

वृष दशा (18:12:2032 – 18:12:2039)

मेष भुक्ति		मीन भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मकर भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	18:12:2032	मेष	19:07:2033	मीन	16:02:2034	धन्	17:09:2034
मिथुन	04:01:2033	वृष	05:08:2033	मेष	06:03:2034	वृश्चिक	05:10:2034
कर्क	22:01:2033	मिथुन	23:08:2033	वृष	24:03:2034	तुला	23:10:2034
सिहं	09:02:2033	कर्क	10:09:2033	मिथुन	11:04:2034	कन्या	10:11:2034
कन्या	27:02:2033	सिहं	28:09:2033	कर्क	28:04:2034	सिहं	27:11:2034
तुला	16:03:2033	कन्या	15:10:2033	सिहं	16:05:2034	कर्क	15:12:2034
वृश्चिक	03:04:2033	तुला	02:11:2033	कन्या	03:06:2034	मिथुन	02:01:2035
धन्	21:04:2033	वृश्चिक	20:11:2033	तुला	21:06:2034	वृष	20:01:2035
मकर	09:05:2033	धन्	07:12:2033	वृश्चिक	08:07:2034	मेष	06:02:2035
कुम्भ	26:05:2033	मकर	25:12:2033	धन्	26:07:2034	मीन	24:02:2035
मीन	13:06:2033	कुम्भ	12:01:2034	मकर	13:08:2034	कुम्भ	14:03:2035
मेष	01:07:2033	मीन	30:01:2034	कुम्भ	31:08:2034	मकर	01:04:2035

धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति		कन्या भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	18:04:2035	तुला	17:11:2035	वृश्चिक	18:06:2036	तुला	17:01:2037
तुला	06:05:2035	कन्या	05:12:2035	धन्	05:07:2036	वृश्चिक	04:02:2037
कन्या	24:05:2035	सिहं	23:12:2035	मकर	23:07:2036	धन्	22:02:2037
सिहं	11:06:2035	कर्क	09:01:2036	कुम्भ	10:08:2036	मकर	11:03:2037
कर्क	28:06:2035	मिथुन	27:01:2036	मीन	28:08:2036	कुम्भ	29:03:2037
मिथुन	16:07:2035	वृष	14:02:2036	मेष	15:09:2036	मीन	16:04:2037
वृष	03:08:2035	मेष	03:03:2036	वृष	02:10:2036	मेष	03:05:2037
मेष	20:08:2035	मीन	21:03:2036	मिथुन	20:10:2036	वृष	21:05:2037
मीन	07:09:2035	कुम्भ	07:04:2036	कर्क	07:11:2036	मिथुन	08:06:2037
कुम्भ	25:09:2035	मकर	25:04:2036	सिहं	25:11:2036	कर्क	26:06:2037
मकर	13:10:2035	धन्	13:05:2036	कन्या	12:12:2036	सिहं	13:07:2037
धन्	30:10:2035	वृश्चिक	31:05:2036	तुला	30:12:2036	कन्या	31:07:2037

सिहं भुक्ति		कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति		वृष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
कन्या	18:08:2037	मिथुन	19:03:2038	वृष	18:10:2038	मेष	19:05:2039
तुला	05:09:2037	वृष	06:04:2038	मेष	05:11:2038	मीन	05:06:2039
वृश्चिक	22:09:2037	मेष	23:04:2038	मीन	22:11:2038	कुम्भ	23:06:2039
धन्	10:10:2037	मीन	11:05:2038	कुम्भ	10:12:2038	मकर	11:07:2039
मकर	28:10:2037	कुम्भ	29:05:2038	मकर	28:12:2038	धन्	29:07:2039
कुम्भ	15:11:2037	मकर	16:06:2038	धन्	14:01:2039	वृश्चिक	15:08:2039
मीन	02:12:2037	धन्	03:07:2038	वृश्चिक	01:02:2039	तुला	02:09:2039
मेष	20:12:2037	वृश्चिक	21:07:2038	तुला	19:02:2039	कन्या	20:09:2039
वृष	07:01:2038	तुला	08:08:2038	कन्या	09:03:2039	सिहं	08:10:2039
मिथुन	25:01:2038	कन्या	26:08:2038	सिहं	26:03:2039	कर्क	25:10:2039
कर्क	11:02:2038	सिहं	12:09:2038	कर्क	13:04:2039	मिथुन	12:11:2039
सिहं	01:03:2038	कर्क	30:09:2038	मिथुन	01:05:2039	वृष	30:11:2039

जैमिनी चर दशा

(नीलकान्त सिद्धान्त)

मिथुन दशा (18:12:2039 – 18:12:2045)

वृष भुक्ति		मेष भुक्ति		मीन भुक्ति		कुम्भ भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मेष	18:12:2039	वृष	18:06:2040	मेष	18:12:2040	मीन	18:06:2041
मीन	02:01:2040	मिथुन	03:07:2040	वृष	02:01:2041	मेष	03:07:2041
कुम्भ	17:01:2040	कर्क	18:07:2040	मिथुन	17:01:2041	वृष	19:07:2041
मकर	01:02:2040	सिहं	02:08:2040	कर्क	01:02:2041	मिथुन	03:08:2041
धनु	17:02:2040	कन्या	18:08:2040	सिहं	16:02:2041	कर्क	18:08:2041
वृश्चिक	03:03:2040	तुला	02:09:2040	कन्या	04:03:2041	सिहं	02:09:2041
तुला	18:03:2040	वृश्चिक	17:09:2040	तुला	19:03:2041	कन्या	17:09:2041
कन्या	02:04:2040	धनु	02:10:2040	वृश्चिक	03:04:2041	तुला	03:10:2041
सिहं	18:04:2040	मकर	18:10:2040	धनु	18:04:2041	वृश्चिक	18:10:2041
कर्क	03:05:2040	कुम्भ	02:11:2040	मकर	03:05:2041	धनु	02:11:2041
मिथुन	18:05:2040	मीन	17:11:2040	कुम्भ	19:05:2041	मकर	17:11:2041
वृष	02:06:2040	मेष	02:12:2040	मीन	03:06:2041	कुम्भ	02:12:2041

मकर भुक्ति		धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
धनु	18:12:2041	वृश्चिक	18:06:2042	तुला	18:12:2042	वृश्चिक	18:06:2043
वृश्चिक	02:01:2042	तुला	03:07:2042	कन्या	02:01:2043	धनु	03:07:2043
तुला	17:01:2042	कन्या	19:07:2042	सिहं	17:01:2043	मकर	19:07:2043
कन्या	01:02:2042	सिहं	03:08:2042	कर्क	01:02:2043	कुम्भ	03:08:2043
सिहं	16:02:2042	कर्क	18:08:2042	मिथुन	16:02:2043	मीन	18:08:2043
कर्क	04:03:2042	मिथुन	02:09:2042	वृष	04:03:2043	मेष	02:09:2043
मिथुन	19:03:2042	वृष	17:09:2042	मेष	19:03:2043	वृष	17:09:2043
वृष	03:04:2042	मेष	03:10:2042	मीन	03:04:2043	मिथुन	03:10:2043
मेष	18:04:2042	मीन	18:10:2042	कुम्भ	18:04:2043	कर्क	18:10:2043
मीन	03:05:2042	कुम्भ	02:11:2042	मकर	03:05:2043	सिहं	02:11:2043
कुम्भ	19:05:2042	मकर	17:11:2042	धनु	19:05:2043	कन्या	17:11:2043
मकर	03:06:2042	धनु	02:12:2042	वृश्चिक	03:06:2043	तुला	02:12:2043

कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति		कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
तुला	18:12:2043	कन्या	18:06:2044	मिथुन	18:12:2044	वृष	18:06:2045
वृश्चिक	02:01:2044	तुला	03:07:2044	वृष	02:01:2045	मेष	03:07:2045
धनु	17:01:2044	वृश्चिक	18:07:2044	मेष	17:01:2045	मीन	19:07:2045
मकर	01:02:2044	धनु	02:08:2044	मीन	01:02:2045	कुम्भ	03:08:2045
कुम्भ	17:02:2044	मकर	18:08:2044	कुम्भ	16:02:2045	मकर	18:08:2045
मीन	03:03:2044	कुम्भ	02:09:2044	मकर	04:03:2045	धनु	02:09:2045
मेष	18:03:2044	मीन	17:09:2044	धनु	19:03:2045	वृश्चिक	17:09:2045
वृष	02:04:2044	मेष	02:10:2044	वृश्चिक	03:04:2045	तुला	03:10:2045
मिथुन	18:04:2044	वृष	18:10:2044	तुला	18:04:2045	कन्या	18:10:2045
कर्क	03:05:2044	मिथुन	02:11:2044	कन्या	03:05:2045	सिहं	02:11:2045
सिहं	18:05:2044	कर्क	17:11:2044	सिहं	19:05:2045	कर्क	17:11:2045
कन्या	02:06:2044	सिहं	02:12:2044	कर्क	03:06:2045	मिथुन	02:12:2045

जैमिनी चर दशा

(नीलकान्त सिद्धान्त)

कर्क दशा (18:12:2045 – 18:12:2047)

मिथुन भुक्ति	
अंतर	से
वृष	18:12:2045
मेष	23:12:2045
मीन	28:12:2045
कुम्भ	02:01:2046
मकर	07:01:2046
धनु	12:01:2046
वृश्चिक	17:01:2046
तुला	22:01:2046
कन्या	27:01:2046
सिहं	01:02:2046
कर्क	06:02:2046
मिथुन	11:02:2046

वृष भुक्ति	
अंतर	से
मेष	16:02:2046
मीन	22:02:2046
कुम्भ	27:02:2046
मकर	04:03:2046
धनु	09:03:2046
वृश्चिक	14:03:2046
तुला	19:03:2046
कन्या	24:03:2046
सिहं	29:03:2046
कर्क	03:04:2046
मिथुन	08:04:2046
वृष	13:04:2046

मेष भुक्ति	
अंतर	से
वृष	18:04:2046
मिथुन	23:04:2046
कर्क	28:04:2046
सिहं	03:05:2046
कन्या	09:05:2046
तुला	14:05:2046
वृश्चिक	19:05:2046
धनु	24:05:2046
मकर	29:05:2046
कुम्भ	03:06:2046
मीन	08:06:2046
मेष	13:06:2046

मीन भुक्ति	
अंतर	से
मेष	18:06:2046
वृष	23:06:2046
मिथुन	28:06:2046
कर्क	03:07:2046
सिहं	08:07:2046
कन्या	13:07:2046
तुला	19:07:2046
वृश्चिक	24:07:2046
धनु	29:07:2046
मकर	03:08:2046
कुम्भ	08:08:2046
मीन	13:08:2046

कुम्भ भुक्ति	
अंतर	से
मीन	18:08:2046
मेष	23:08:2046
वृष	28:08:2046
मिथुन	02:09:2046
कर्क	07:09:2046
सिहं	12:09:2046
कन्या	17:09:2046
तुला	22:09:2046
वृश्चिक	28:09:2046
धनु	03:10:2046
मकर	08:10:2046
कुम्भ	13:10:2046

मकर भुक्ति	
अंतर	से
धनु	18:10:2046
वृश्चिक	23:10:2046
तुला	28:10:2046
कन्या	02:11:2046
सिहं	07:11:2046
कर्क	12:11:2046
मिथुन	17:11:2046
वृष	22:11:2046
मेष	27:11:2046
मीन	02:12:2046
कुम्भ	07:12:2046
मकर	13:12:2046

धनु भुक्ति	
अंतर	से
वृश्चिक	18:12:2046
तुला	23:12:2046
कन्या	28:12:2046
सिहं	02:01:2047
कर्क	07:01:2047
मिथुन	12:01:2047
वृष	17:01:2047
मेष	22:01:2047
मीन	27:01:2047
कुम्भ	01:02:2047
मकर	06:02:2047
धनु	11:02:2047

वृश्चिक भुक्ति	
अंतर	से
तुला	16:02:2047
कन्या	22:02:2047
सिहं	27:02:2047
कर्क	04:03:2047
मिथुन	09:03:2047
वृष	14:03:2047
मेष	19:03:2047
मीन	24:03:2047
कुम्भ	29:03:2047
मकर	03:04:2047
धनु	08:04:2047
वृश्चिक	13:04:2047

तुला भुक्ति	
अंतर	से
वृश्चिक	18:04:2047
धनु	23:04:2047
मकर	28:04:2047
कुम्भ	03:05:2047
मीन	09:05:2047
मेष	14:05:2047
वृष	19:05:2047
मिथुन	24:05:2047
कर्क	29:05:2047
सिहं	03:06:2047
कन्या	08:06:2047
तुला	13:06:2047

कन्या भुक्ति	
अंतर	से
तुला	18:06:2047
वृश्चिक	23:06:2047
धनु	28:06:2047
मकर	03:07:2047
कुम्भ	08:07:2047
मीन	13:07:2047
मेष	19:07:2047
वृष	24:07:2047
मिथुन	29:07:2047
कर्क	03:08:2047
सिहं	08:08:2047
कन्या	13:08:2047

सिहं भुक्ति	
अंतर	से
कन्या	18:08:2047
तुला	23:08:2047
वृश्चिक	28:08:2047
धनु	02:09:2047
मकर	07:09:2047
कुम्भ	12:09:2047
मीन	17:09:2047
मेष	22:09:2047
वृष	28:09:2047
मिथुन	03:10:2047
कर्क	08:10:2047
सिहं	13:10:2047

कर्क भुक्ति	
अंतर	से
मिथुन	18:10:2047
वृष	23:10:2047
मेष	28:10:2047
मीन	02:11:2047
कुम्भ	07:11:2047
मकर	12:11:2047
धनु	17:11:2047
वृश्चिक	22:11:2047
तुला	27:11:2047
कन्या	02:12:2047
सिहं	07:12:2047
कर्क	13:12:2047

जैमिनी चर दशा

(नीलकान्त सिद्धान्त)

सिहं दशा (18:12:2047 – 18:12:2051)

कन्या भुक्ति	
अंतर	से
तुला	18:12:2047
वृश्चिक	28:12:2047
धन्	07:01:2048
मकर	17:01:2048
कुम्भ	27:01:2048
मीन	06:02:2048
मेष	17:02:2048
वृष	27:02:2048
मिथुन	08:03:2048
कर्क	18:03:2048
सिहं	28:03:2048
कन्या	07:04:2048

तुला भुक्ति	
अंतर	से
वृश्चिक	18:04:2048
धन्	28:04:2048
मकर	08:05:2048
कुम्भ	18:05:2048
मीन	28:05:2048
मेष	07:06:2048
वृष	18:06:2048
मिथुन	28:06:2048
कर्क	08:07:2048
सिहं	18:07:2048
कन्या	28:07:2048
तुला	07:08:2048

वृश्चिक भुक्ति	
अंतर	से
तुला	18:08:2048
कन्या	28:08:2048
सिहं	07:09:2048
कर्क	17:09:2048
मिथुन	27:09:2048
वृष	07:10:2048
मेष	18:10:2048
मीन	28:10:2048
कुम्भ	07:11:2048
मकर	17:11:2048
धन्	27:11:2048
वृश्चिक	07:12:2048

धनु भुक्ति	
अंतर	से
वृश्चिक	18:12:2048
तुला	28:12:2048
कन्या	07:01:2049
सिहं	17:01:2049
कर्क	27:01:2049
मिथुन	06:02:2049
वृष	16:02:2049
मेष	27:02:2049
मीन	09:03:2049
कुम्भ	19:03:2049
मकर	29:03:2049
धन्	08:04:2049

मकर भुक्ति	
अंतर	से
धन्	18:04:2049
वृश्चिक	28:04:2049
तुला	09:05:2049
कन्या	19:05:2049
सिहं	29:05:2049
कर्क	08:06:2049
मिथुन	18:06:2049
वृष	28:06:2049
मेष	08:07:2049
मीन	19:07:2049
कुम्भ	29:07:2049
मकर	08:08:2049

कुम्भ भुक्ति	
अंतर	से
मीन	18:08:2049
मेष	28:08:2049
वृष	07:09:2049
मिथुन	17:09:2049
कर्क	28:09:2049
सिहं	08:10:2049
कन्या	18:10:2049
तुला	28:10:2049
वृश्चिक	07:11:2049
धन्	17:11:2049
मकर	27:11:2049
कुम्भ	07:12:2049

मीन भुक्ति	
अंतर	से
मेष	18:12:2049
वृष	28:12:2049
मिथुन	07:01:2050
कर्क	17:01:2050
सिहं	27:01:2050
कन्या	06:02:2050
तुला	16:02:2050
वृश्चिक	27:02:2050
धन्	09:03:2050
मकर	19:03:2050
कुम्भ	29:03:2050
मीन	08:04:2050

मेष भुक्ति	
अंतर	से
वृष	18:04:2050
मिथुन	28:04:2050
कर्क	09:05:2050
सिहं	19:05:2050
कन्या	29:05:2050
तुला	08:06:2050
वृश्चिक	18:06:2050
धन्	28:06:2050
मकर	08:07:2050
कुम्भ	19:07:2050
मीन	29:07:2050
मेष	08:08:2050

वृष भुक्ति	
अंतर	से
मेष	18:08:2050
मीन	28:08:2050
कुम्भ	07:09:2050
मकर	17:09:2050
धन्	28:09:2050
वृश्चिक	08:10:2050
तुला	18:10:2050
कन्या	28:10:2050
सिहं	07:11:2050
कर्क	17:11:2050
मिथुन	27:11:2050
वृष	07:12:2050

मिथुन भुक्ति	
अंतर	से
वृष	18:12:2050
मेष	28:12:2050
मीन	07:01:2051
कुम्भ	17:01:2051
मकर	27:01:2051
धन्	06:02:2051
वृश्चिक	16:02:2051
तुला	27:02:2051
कन्या	09:03:2051
सिहं	19:03:2051
कर्क	29:03:2051
मिथुन	08:04:2051

कर्क भुक्ति	
अंतर	से
मिथुन	18:04:2051
वृष	28:04:2051
मेष	09:05:2051
मीन	19:05:2051
कुम्भ	29:05:2051
मकर	08:06:2051
धन्	18:06:2051
वृश्चिक	28:06:2051
तुला	08:07:2051
कन्या	19:07:2051
सिहं	29:07:2051
कर्क	08:08:2051

सिहं भुक्ति	
अंतर	से
कन्या	18:08:2051
तुला	28:08:2051
वृश्चिक	07:09:2051
धन्	17:09:2051
मकर	28:09:2051
कुम्भ	08:10:2051
मीन	18:10:2051
मेष	28:10:2051
वृष	07:11:2051
मिथुन	17:11:2051
कर्क	27:11:2051
सिहं	07:12:2051

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

क्र0 स0	राशि दशा	अवधि	से ———————— तक
1	कन्या दशा	9 y.0 m.0 d.	18:12:1975 --- 18:12:1984
2	वृष दशा	7 y.0 m.0 d.	18:12:1984 --- 18:12:1991
3	मकर दशा	10 y.0 m.0 d.	18:12:1991 --- 18:12:2001
4	सिहं दशा	8 y.0 m.0 d.	18:12:2001 --- 18:12:2009
5	मेष दशा	1 y.0 m.0 d.	18:12:2009 --- 18:12:2010
6	धनु दशा	3 y.0 m.0 d.	18:12:2010 --- 18:12:2013
7	कर्क दशा	10 y.0 m.0 d.	18:12:2013 --- 18:12:2023
8	मीन दशा	12 y.0 m.0 d.	18:12:2023 --- 18:12:2035
9	वृश्चिक दशा	10 y.0 m.0 d.	18:12:2035 --- 18:12:2045
10	मिथुन दशा	10 y.0 m.0 d.	18:12:2045 --- 18:12:2055
11	कुम्भ दशा	5 y.0 m.0 d.	18:12:2055 --- 18:12:2060
12	तुला दशा	12 y.0 m.0 d.	18:12:2060 --- 18:12:2072

जैमिनी चर दशा की भुक्ति

कन्या दशा

भुक्ति	से
धन्	***18:12:1975***
मकर	***18:12:1976***
कुम्भ	***18:12:1977***
मीन	***18:12:1978***
मेष	***18:12:1979***
वृष	***18:12:1980***
मिथुन	***18:12:1981***
कर्क	***18:12:1982***
सिहं	***18:12:1983***

वृष दशा

भुक्ति	से
तुला	***18:12:1984***
वृश्चिक	***18:12:1985***
धन्	***18:12:1986***
मकर	***18:12:1987***
कुम्भ	***18:12:1988***
मीन	***18:12:1989***
मेष	***18:12:1990***

मकर दशा

भुक्ति	से
कर्क	***18:12:1991***
मिथुन	***18:12:1992***
वृष	***18:12:1993***
मेष	***18:12:1994***
मीन	***18:12:1995***
कुम्भ	***18:12:1996***
मकर	***18:12:1997***
धन्	***18:12:1998***
वृश्चिक	***18:12:1999***
तुला	***18:12:2000***

सिहं दशा

भुक्ति	से
धन्	***18:12:2001***
मकर	***18:12:2002***
कुम्भ	***18:12:2003***
मीन	***18:12:2004***
मेष	***18:12:2005***
वृष	***18:12:2006***
मिथुन	***18:12:2007***
कर्क	***18:12:2008***

मेष दशा

भुक्ति	से
वृष	***18:12:2009***

धनु दशा

भुक्ति	से
मीन	***18:12:2010***
कुम्भ	***18:12:2011***
मकर	***18:12:2012***

कर्क दशा

भुक्ति	से
वृष	***18:12:2013***
मेष	***18:12:2014***
मीन	***18:12:2015***
कुम्भ	***18:12:2016***
मकर	***18:12:2017***
धन्	***18:12:2018***
वृश्चिक	***18:12:2019***
तुला	***18:12:2020***
कन्या	***18:12:2021***
सिहं	***18:12:2022***

मीन दशा

भुक्ति	से
मीन	***18:12:2023***
कुम्भ	***18:12:2024***
मकर	***18:12:2025***
धन्	***18:12:2026***
वृश्चिक	***18:12:2027***
तुला	***18:12:2028***
कन्या	***18:12:2029***
सिहं	***18:12:2030***
कर्क	***18:12:2031***
मिथुन	***18:12:2032***
वृष	***18:12:2033***
मेष	***18:12:2034***

वृश्चिक दशा

भुक्ति	से
वृष	***18:12:2035***
मेष	***18:12:2036***
मीन	***18:12:2037***
कुम्भ	***18:12:2038***
मकर	***18:12:2039***
धन्	***18:12:2040***
वृश्चिक	***18:12:2041***
तुला	***18:12:2042***
कन्या	***18:12:2043***
सिहं	***18:12:2044***

मिथुन दशा

भुक्ति	से
धन्	***18:12:2045***
मकर	***18:12:2046***
कुम्भ	***18:12:2047***
मीन	***18:12:2048***
मेष	***18:12:2049***
वृष	***18:12:2050***
मिथुन	***18:12:2051***
कर्क	***18:12:2052***
सिहं	***18:12:2053***
कन्या	***18:12:2054***

कुम्भ दशा

भुक्ति	से
कर्क	***18:12:2055***
मिथुन	***18:12:2056***
वृष	***18:12:2057***
मेष	***18:12:2058***
मीन	***18:12:2059***

तुला दशा

भुक्ति	से
तुला	***18:12:2060***
वृश्चिक	***18:12:2061***
धन्	***18:12:2062***
मकर	***18:12:2063***
कुम्भ	***18:12:2064***
मीन	***18:12:2065***
मेष	***18:12:2066***
वृष	***18:12:2067***
मिथुन	***18:12:2068***
कर्क	***18:12:2069***
सिहं	***18:12:2070***
कन्या	***18:12:2071***

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

कर्क दशा (18:12:2013 —— 18:12:2023)

वृष भुक्ति		मेष भुक्ति		मीन भुक्ति		कुम्भ भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
तुला	18:12:2013	वृष	18:12:2014	मीन	18:12:2015	कर्क	18:12:2016
वृश्चिक	17:01:2014	मेष	17:01:2015	कुम्भ	17:01:2016	मिथुन	17:01:2017
धनु	16:02:2014	मीन	16:02:2015	मकर	17:02:2016	वृष	16:02:2017
मकर	19:03:2014	कुम्भ	19:03:2015	धनु	18:03:2016	मेष	19:03:2017
कुम्भ	18:04:2014	मकर	18:04:2015	वृश्चिक	18:04:2016	मीन	18:04:2017
मीन	19:05:2014	धनु	19:05:2015	तुला	18:05:2016	कुम्भ	19:05:2017
मेष	18:06:2014	वृश्चिक	18:06:2015	कन्या	18:06:2016	मकर	18:06:2017
वृष	19:07:2014	तुला	19:07:2015	सिहं	18:07:2016	धनु	19:07:2017
मिथुन	18:08:2014	कन्या	18:08:2015	कर्क	18:08:2016	वृश्चिक	18:08:2017
कर्क	17:09:2014	सिहं	17:09:2015	मिथुन	17:09:2016	तुला	17:09:2017
सिहं	18:10:2014	कर्क	18:10:2015	वृष	18:10:2016	कन्या	18:10:2017
कन्या	17:11:2014	मिथुन	17:11:2015	मेष	17:11:2016	सिहं	17:11:2017

मकर भुक्ति		धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
कर्क	18:12:2017	मीन	18:12:2018	वृष	18:12:2019	तुला	18:12:2020
मिथुन	17:01:2018	कुम्भ	17:01:2019	मेष	17:01:2020	वृश्चिक	17:01:2021
वृष	16:02:2018	मकर	16:02:2019	मीन	17:02:2020	धनु	16:02:2021
मेष	19:03:2018	धनु	19:03:2019	कुम्भ	18:03:2020	मकर	19:03:2021
मीन	18:04:2018	वृश्चिक	18:04:2019	मकर	18:04:2020	कुम्भ	18:04:2021
कुम्भ	19:05:2018	तुला	19:05:2019	धनु	18:05:2020	मीन	19:05:2021
मकर	18:06:2018	कन्या	18:06:2019	वृश्चिक	18:06:2020	मेष	18:06:2021
धनु	19:07:2018	सिहं	19:07:2019	तुला	18:07:2020	वृष	19:07:2021
वृश्चिक	18:08:2018	कर्क	18:08:2019	कन्या	18:08:2020	मिथुन	18:08:2021
तुला	17:09:2018	मिथुन	17:09:2019	सिहं	17:09:2020	कर्क	17:09:2021
कन्या	18:10:2018	वृष	18:10:2019	कर्क	18:10:2020	सिहं	18:10:2021
सिहं	17:11:2018	मेष	17:11:2019	मिथुन	17:11:2020	कन्या	17:11:2021

कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति					
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
धनु	18:12:2021	धनु	18:12:2022				
मकर	17:01:2022	मकर	17:01:2023				
कुम्भ	16:02:2022	कुम्भ	16:02:2023				
मीन	19:03:2022	मीन	19:03:2023				
मेष	18:04:2022	मेष	18:04:2023				
वृष	19:05:2022	वृष	19:05:2023				
मिथुन	18:06:2022	मिथुन	18:06:2023				
कर्क	19:07:2022	कर्क	19:07:2023				
सिहं	18:08:2022	सिहं	18:08:2023				
कन्या	17:09:2022	कन्या	17:09:2023				
तुला	18:10:2022	तुला	18:10:2023				
वृश्चिक	17:11:2022	वृश्चिक	17:11:2023				

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

कन्या दशा (18:12:1975 —— 18:12:1984)

धनु भुक्ति		मकर भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मीन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मीन	18:12:1975	कर्क	18:12:1976	कर्क	18:12:1977	मीन	18:12:1978
कुम्भ	17:01:1976	मिथुन	17:01:1977	मिथुन	17:01:1978	कुम्भ	17:01:1979
मकर	17:02:1976	वृष	16:02:1977	वृष	16:02:1978	मकर	16:02:1979
धनु	18:03:1976	मेष	19:03:1977	मेष	19:03:1978	धनु	19:03:1979
वृश्चिक	18:04:1976	मीन	18:04:1977	मीन	18:04:1978	वृश्चिक	18:04:1979
तुला	18:05:1976	कुम्भ	19:05:1977	कुम्भ	19:05:1978	तुला	19:05:1979
कन्या	18:06:1976	मकर	18:06:1977	मकर	18:06:1978	कन्या	18:06:1979
सिहं	18:07:1976	धनु	19:07:1977	धनु	19:07:1978	सिहं	19:07:1979
कर्क	18:08:1976	वृश्चिक	18:08:1977	वृश्चिक	18:08:1978	कर्क	18:08:1979
मिथुन	17:09:1976	तुला	17:09:1977	तुला	17:09:1978	मिथुन	17:09:1979
वृष	18:10:1976	कन्या	18:10:1977	कन्या	18:10:1978	वृष	18:10:1979
मेष	17:11:1976	सिहं	17:11:1977	सिहं	17:11:1978	मेष	17:11:1979

मेष भुक्ति		वृष भुक्ति		मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	18:12:1979	तुला	18:12:1980	धनु	18:12:1981	वृष	18:12:1982
मेष	17:01:1980	वृश्चिक	17:01:1981	मकर	17:01:1982	मेष	17:01:1983
मीन	17:02:1980	धनु	16:02:1981	कुम्भ	16:02:1982	मीन	16:02:1983
कुम्भ	18:03:1980	मकर	19:03:1981	मीन	19:03:1982	कुम्भ	19:03:1983
मकर	18:04:1980	कुम्भ	18:04:1981	मेष	18:04:1982	मकर	18:04:1983
धनु	18:05:1980	मीन	19:05:1981	वृष	19:05:1982	धनु	19:05:1983
वृश्चिक	18:06:1980	मेष	18:06:1981	मिथुन	18:06:1982	वृश्चिक	18:06:1983
तुला	18:07:1980	वृष	19:07:1981	कर्क	19:07:1982	तुला	19:07:1983
कन्या	18:08:1980	मिथुन	18:08:1981	सिहं	18:08:1982	कन्या	18:08:1983
सिहं	17:09:1980	कर्क	17:09:1981	कन्या	17:09:1982	सिहं	17:09:1983
कर्क	18:10:1980	सिहं	18:10:1981	तुला	18:10:1982	कर्क	18:10:1983
मिथुन	17:11:1980	कन्या	17:11:1981	वृश्चिक	17:11:1982	मिथुन	17:11:1983

सिहं भुक्ति							
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
धनु	18:12:1983						
मकर	17:01:1984						
कुम्भ	17:02:1984						
मीन	18:03:1984						
मेष	18:04:1984						
वृष	18:05:1984						
मिथुन	18:06:1984						
कर्क	18:07:1984						
सिहं	18:08:1984						
कन्या	17:09:1984						
तुला	18:10:1984						
वृश्चिक	17:11:1984						

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

वृष दशा (18:12:1984 —— 18:12:1991)

तुला भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		धनु भुक्ति		मकर भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
तुला	18:12:1984	वृष	18:12:1985	मीन	18:12:1986	कर्क	18:12:1987
वृश्चिक	17:01:1985	मेष	17:01:1986	कुम्भ	17:01:1987	मिथुन	17:01:1988
धनु	16:02:1985	मीन	16:02:1986	मकर	16:02:1987	वृष	17:02:1988
मकर	19:03:1985	कुम्भ	19:03:1986	धनु	19:03:1987	मेष	18:03:1988
कुम्भ	18:04:1985	मकर	18:04:1986	वृश्चिक	18:04:1987	मीन	18:04:1988
मीन	19:05:1985	धनु	19:05:1986	तुला	19:05:1987	कुम्भ	18:05:1988
मेष	18:06:1985	वृश्चिक	18:06:1986	कन्या	18:06:1987	मकर	18:06:1988
वृष	19:07:1985	तुला	19:07:1986	सिहं	19:07:1987	धनु	18:07:1988
मिथुन	18:08:1985	कन्या	18:08:1986	कर्क	18:08:1987	वृश्चिक	18:08:1988
कर्क	17:09:1985	सिहं	17:09:1986	मिथुन	17:09:1987	तुला	17:09:1988
सिहं	18:10:1985	कर्क	18:10:1986	वृष	18:10:1987	कन्या	18:10:1988
कन्या	17:11:1985	मिथुन	17:11:1986	मेष	17:11:1987	सिहं	17:11:1988

कुम्भ भुक्ति		मीन भुक्ति		मेष भुक्ति			
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
कर्क	18:12:1988	मीन	18:12:1989	वृष	18:12:1990		
मिथुन	17:01:1989	कुम्भ	17:01:1990	मेष	17:01:1991		
वृष	16:02:1989	मकर	16:02:1990	मीन	16:02:1991		
मेष	19:03:1989	धनु	19:03:1990	कुम्भ	19:03:1991		
मीन	18:04:1989	वृश्चिक	18:04:1990	मकर	18:04:1991		
कुम्भ	19:05:1989	तुला	19:05:1990	धनु	19:05:1991		
मकर	18:06:1989	कन्या	18:06:1990	वृश्चिक	18:06:1991		
धनु	19:07:1989	सिहं	19:07:1990	तुला	19:07:1991		
वृश्चिक	18:08:1989	कर्क	18:08:1990	कन्या	18:08:1991		
तुला	17:09:1989	मिथुन	17:09:1990	सिहं	17:09:1991		
कन्या	18:10:1989	वृष	18:10:1990	कर्क	18:10:1991		
सिहं	17:11:1989	मेष	17:11:1990	मिथुन	17:11:1991		

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

मकर दशा (18:12:1991 —— 18:12:2001)

कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति		वृष भुक्ति		मेष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	18:12:1991	धन्	18:12:1992	तुला	18:12:1993	वृष	18:12:1994
मेष	17:01:1992	मकर	17:01:1993	वृश्चिक	17:01:1994	मेष	17:01:1995
मीन	17:02:1992	कुम्भ	16:02:1993	धन्	16:02:1994	मीन	16:02:1995
कुम्भ	18:03:1992	मीन	19:03:1993	मकर	19:03:1994	कुम्भ	19:03:1995
मकर	18:04:1992	मेष	18:04:1993	कुम्भ	18:04:1994	मकर	18:04:1995
धन्	18:05:1992	वृष	19:05:1993	मीन	19:05:1994	धन्	19:05:1995
वृश्चिक	18:06:1992	मिथुन	18:06:1993	मेष	18:06:1994	वृश्चिक	18:06:1995
तुला	18:07:1992	कर्क	19:07:1993	वृष	19:07:1994	तुला	19:07:1995
कन्या	18:08:1992	सिहं	18:08:1993	मिथुन	18:08:1994	कन्या	18:08:1995
सिहं	17:09:1992	कन्या	17:09:1993	कर्क	17:09:1994	सिहं	17:09:1995
कर्क	18:10:1992	तुला	18:10:1993	सिहं	18:10:1994	कर्क	18:10:1995
मिथुन	17:11:1992	वृश्चिक	17:11:1993	कन्या	17:11:1994	मिथुन	17:11:1995

मीन भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मकर भुक्ति		धनु भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मीन	18:12:1995	कर्क	18:12:1996	कर्क	18:12:1997	मीन	18:12:1998
कुम्भ	17:01:1996	मिथुन	17:01:1997	मिथुन	17:01:1998	कुम्भ	17:01:1999
मकर	17:02:1996	वृष	16:02:1997	वृष	16:02:1998	मकर	16:02:1999
धन्	18:03:1996	मेष	19:03:1997	मेष	19:03:1998	धन्	19:03:1999
वृश्चिक	18:04:1996	मीन	18:04:1997	मीन	18:04:1998	वृश्चिक	18:04:1999
तुला	18:05:1996	कुम्भ	19:05:1997	कुम्भ	19:05:1998	तुला	19:05:1999
कन्या	18:06:1996	मकर	18:06:1997	मकर	18:06:1998	कन्या	18:06:1999
सिहं	18:07:1996	धन्	19:07:1997	धन्	19:07:1998	सिहं	19:07:1999
कर्क	18:08:1996	वृश्चिक	18:08:1997	वृश्चिक	18:08:1998	कर्क	18:08:1999
मिथुन	17:09:1996	तुला	17:09:1997	तुला	17:09:1998	मिथुन	17:09:1999
वृष	18:10:1996	कन्या	18:10:1997	कन्या	18:10:1998	वृष	18:10:1999
मेष	17:11:1996	सिहं	17:11:1997	सिहं	17:11:1998	मेष	17:11:1999

वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति					
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	18:12:1999	तुला	18:12:2000				
मेष	17:01:2000	वृश्चिक	17:01:2001				
मीन	17:02:2000	धन्	16:02:2001				
कुम्भ	18:03:2000	मकर	19:03:2001				
मकर	18:04:2000	कुम्भ	18:04:2001				
धन्	18:05:2000	मीन	19:05:2001				
वृश्चिक	18:06:2000	मेष	18:06:2001				
तुला	18:07:2000	वृष	19:07:2001				
कन्या	18:08:2000	मिथुन	18:08:2001				
सिहं	17:09:2000	कर्क	17:09:2001				
कर्क	18:10:2000	सिहं	18:10:2001				
मिथुन	17:11:2000	कन्या	17:11:2001				

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

सिहं दशा (18:12:2001 —— 18:12:2009)

धनु भुक्ति		मकर भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मीन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मीन	18:12:2001	कर्क	18:12:2002	कर्क	18:12:2003	मीन	18:12:2004
कुम्भ	17:01:2002	मिथुन	17:01:2003	मिथुन	17:01:2004	कुम्भ	17:01:2005
मकर	16:02:2002	वृष	16:02:2003	वृष	17:02:2004	मकर	16:02:2005
धनु	19:03:2002	मेष	19:03:2003	मेष	18:03:2004	धनु	19:03:2005
वृश्चिक	18:04:2002	मीन	18:04:2003	मीन	18:04:2004	वृश्चिक	18:04:2005
तुला	19:05:2002	कुम्भ	19:05:2003	कुम्भ	18:05:2004	तुला	19:05:2005
कन्या	18:06:2002	मकर	18:06:2003	मकर	18:06:2004	कन्या	18:06:2005
सिहं	19:07:2002	धनु	19:07:2003	धनु	18:07:2004	सिहं	19:07:2005
कर्क	18:08:2002	वृश्चिक	18:08:2003	वृश्चिक	18:08:2004	कर्क	18:08:2005
मिथुन	17:09:2002	तुला	17:09:2003	तुला	17:09:2004	मिथुन	17:09:2005
वृष	18:10:2002	कन्या	18:10:2003	कन्या	18:10:2004	वृष	18:10:2005
मेष	17:11:2002	सिहं	17:11:2003	सिहं	17:11:2004	मेष	17:11:2005

मेष भुक्ति		वृष भुक्ति		मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	18:12:2005	तुला	18:12:2006	धनु	18:12:2007	वृष	18:12:2008
मेष	17:01:2006	वृश्चिक	17:01:2007	मकर	17:01:2008	मेष	17:01:2009
मीन	16:02:2006	धनु	16:02:2007	कुम्भ	17:02:2008	मीन	16:02:2009
कुम्भ	19:03:2006	मकर	19:03:2007	मीन	18:03:2008	कुम्भ	19:03:2009
मकर	18:04:2006	कुम्भ	18:04:2007	मेष	18:04:2008	मकर	18:04:2009
धनु	19:05:2006	मीन	19:05:2007	वृष	18:05:2008	धनु	19:05:2009
वृश्चिक	18:06:2006	मेष	18:06:2007	मिथुन	18:06:2008	वृश्चिक	18:06:2009
तुला	19:07:2006	वृष	19:07:2007	कर्क	18:07:2008	तुला	19:07:2009
कन्या	18:08:2006	मिथुन	18:08:2007	सिहं	18:08:2008	कन्या	18:08:2009
सिहं	17:09:2006	कर्क	17:09:2007	कन्या	17:09:2008	सिहं	17:09:2009
कर्क	18:10:2006	सिहं	18:10:2007	तुला	18:10:2008	कर्क	18:10:2009
मिथुन	17:11:2006	कन्या	17:11:2007	वृश्चिक	17:11:2008	मिथुन	17:11:2009

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

मेष दशा (18:12:2009 —— 18:12:2010)

वृष भुक्ति							
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
तुला	18:12:2009						
वृश्चिक	17:01:2010						
धन्	16:02:2010						
मकर	19:03:2010						
कुम्भ	18:04:2010						
मीन	19:05:2010						
मेष	18:06:2010						
वृष	19:07:2010						
मिथुन	18:08:2010						
कर्क	17:09:2010						
सिहं	18:10:2010						
कन्या	17:11:2010						

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

धनु दशा (18:12:2010 —— 18:12:2013)

मीन भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मकर भुक्ति			
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मीन	18:12:2010	कर्क	18:12:2011	कर्क	18:12:2012		
कुम्भ	17:01:2011	मिथुन	17:01:2012	मिथुन	17:01:2013		
मकर	16:02:2011	वृष	17:02:2012	वृष	16:02:2013		
धनु	19:03:2011	मेष	18:03:2012	मेष	19:03:2013		
वृश्चिक	18:04:2011	मीन	18:04:2012	मीन	18:04:2013		
तुला	19:05:2011	कुम्भ	18:05:2012	कुम्भ	19:05:2013		
कन्या	18:06:2011	मकर	18:06:2012	मकर	18:06:2013		
सिहं	19:07:2011	धनु	18:07:2012	धनु	19:07:2013		
कर्क	18:08:2011	वृश्चिक	18:08:2012	वृश्चिक	18:08:2013		
मिथुन	17:09:2011	तुला	17:09:2012	तुला	17:09:2013		
वृष	18:10:2011	कन्या	18:10:2012	कन्या	18:10:2013		
मेष	17:11:2011	सिहं	17:11:2012	सिहं	17:11:2013		

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

कर्क दशा (18:12:2013 —— 18:12:2023)

वृष भुक्ति		मेष भुक्ति		मीन भुक्ति		कुम्भ भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
तुला	18:12:2013	वृष	18:12:2014	मीन	18:12:2015	कर्क	18:12:2016
वृश्चिक	17:01:2014	मेष	17:01:2015	कुम्भ	17:01:2016	मिथुन	17:01:2017
धनु	16:02:2014	मीन	16:02:2015	मकर	17:02:2016	वृष	16:02:2017
मकर	19:03:2014	कुम्भ	19:03:2015	धनु	18:03:2016	मेष	19:03:2017
कुम्भ	18:04:2014	मकर	18:04:2015	वृश्चिक	18:04:2016	मीन	18:04:2017
मीन	19:05:2014	धनु	19:05:2015	तुला	18:05:2016	कुम्भ	19:05:2017
मेष	18:06:2014	वृश्चिक	18:06:2015	कन्या	18:06:2016	मकर	18:06:2017
वृष	19:07:2014	तुला	19:07:2015	सिहं	18:07:2016	धनु	19:07:2017
मिथुन	18:08:2014	कन्या	18:08:2015	कर्क	18:08:2016	वृश्चिक	18:08:2017
कर्क	17:09:2014	सिहं	17:09:2015	मिथुन	17:09:2016	तुला	17:09:2017
सिहं	18:10:2014	कर्क	18:10:2015	वृष	18:10:2016	कन्या	18:10:2017
कन्या	17:11:2014	मिथुन	17:11:2015	मेष	17:11:2016	सिहं	17:11:2017

मकर भुक्ति		धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
कर्क	18:12:2017	मीन	18:12:2018	वृष	18:12:2019	तुला	18:12:2020
मिथुन	17:01:2018	कुम्भ	17:01:2019	मेष	17:01:2020	वृश्चिक	17:01:2021
वृष	16:02:2018	मकर	16:02:2019	मीन	17:02:2020	धनु	16:02:2021
मेष	19:03:2018	धनु	19:03:2019	कुम्भ	18:03:2020	मकर	19:03:2021
मीन	18:04:2018	वृश्चिक	18:04:2019	मकर	18:04:2020	कुम्भ	18:04:2021
कुम्भ	19:05:2018	तुला	19:05:2019	धनु	18:05:2020	मीन	19:05:2021
मकर	18:06:2018	कन्या	18:06:2019	वृश्चिक	18:06:2020	मेष	18:06:2021
धनु	19:07:2018	सिहं	19:07:2019	तुला	18:07:2020	वृष	19:07:2021
वृश्चिक	18:08:2018	कर्क	18:08:2019	कन्या	18:08:2020	मिथुन	18:08:2021
तुला	17:09:2018	मिथुन	17:09:2019	सिहं	17:09:2020	कर्क	17:09:2021
कन्या	18:10:2018	वृष	18:10:2019	कर्क	18:10:2020	सिहं	18:10:2021
सिहं	17:11:2018	मेष	17:11:2019	मिथुन	17:11:2020	कन्या	17:11:2021

कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति					
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
धनु	18:12:2021	धनु	18:12:2022				
मकर	17:01:2022	मकर	17:01:2023				
कुम्भ	16:02:2022	कुम्भ	16:02:2023				
मीन	19:03:2022	मीन	19:03:2023				
मेष	18:04:2022	मेष	18:04:2023				
वृष	19:05:2022	वृष	19:05:2023				
मिथुन	18:06:2022	मिथुन	18:06:2023				
कर्क	19:07:2022	कर्क	19:07:2023				
सिहं	18:08:2022	सिहं	18:08:2023				
कन्या	17:09:2022	कन्या	17:09:2023				
तुला	18:10:2022	तुला	18:10:2023				
वृश्चिक	17:11:2022	वृश्चिक	17:11:2023				

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

मीन दशा (18:12:2023 —— 18:12:2035)

मीन भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मकर भुक्ति		धनु भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मीन	18:12:2023	कर्क	18:12:2024	कर्क	18:12:2025	मीन	18:12:2026
कुम्भ	17:01:2024	मिथुन	17:01:2025	मिथुन	17:01:2026	कुम्भ	17:01:2027
मकर	17:02:2024	वृष	16:02:2025	वृष	16:02:2026	मकर	16:02:2027
धनु	18:03:2024	मेष	19:03:2025	मेष	19:03:2026	धनु	19:03:2027
वृश्चिक	18:04:2024	मीन	18:04:2025	मीन	18:04:2026	वृश्चिक	18:04:2027
तुला	18:05:2024	कुम्भ	19:05:2025	कुम्भ	19:05:2026	तुला	19:05:2027
कन्या	18:06:2024	मकर	18:06:2025	मकर	18:06:2026	कन्या	18:06:2027
सिहं	18:07:2024	धनु	19:07:2025	धनु	19:07:2026	सिहं	19:07:2027
कर्क	18:08:2024	वृश्चिक	18:08:2025	वृश्चिक	18:08:2026	कर्क	18:08:2027
मिथुन	17:09:2024	तुला	17:09:2025	तुला	17:09:2026	मिथुन	17:09:2027
वृष	18:10:2024	कन्या	18:10:2025	कन्या	18:10:2026	वृष	18:10:2027
मेष	17:11:2024	सिहं	17:11:2025	सिहं	17:11:2026	मेष	17:11:2027

वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति		कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	18:12:2027	तुला	18:12:2028	धनु	18:12:2029	धनु	18:12:2030
मेष	17:01:2028	वृश्चिक	17:01:2029	मकर	17:01:2030	मकर	17:01:2031
मीन	17:02:2028	धनु	16:02:2029	कुम्भ	16:02:2030	कुम्भ	16:02:2031
कुम्भ	18:03:2028	मकर	19:03:2029	मीन	19:03:2030	मीन	19:03:2031
मकर	18:04:2028	कुम्भ	18:04:2029	मेष	18:04:2030	मेष	18:04:2031
धनु	18:05:2028	मीन	19:05:2029	वृष	19:05:2030	वृष	19:05:2031
वृश्चिक	18:06:2028	मेष	18:06:2029	मिथुन	18:06:2030	मिथुन	18:06:2031
तुला	18:07:2028	वृष	19:07:2029	कर्क	19:07:2030	कर्क	19:07:2031
कन्या	18:08:2028	मिथुन	18:08:2029	सिहं	18:08:2030	सिहं	18:08:2031
सिहं	17:09:2028	कर्क	17:09:2029	कन्या	17:09:2030	कन्या	17:09:2031
कर्क	18:10:2028	सिहं	18:10:2029	तुला	18:10:2030	तुला	18:10:2031
मिथुन	17:11:2028	कन्या	17:11:2029	वृश्चिक	17:11:2030	वृश्चिक	17:11:2031

कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति		वृष भुक्ति		मेष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	18:12:2031	धनु	18:12:2032	तुला	18:12:2033	वृष	18:12:2034
मेष	17:01:2032	मकर	17:01:2033	वृश्चिक	17:01:2034	मेष	17:01:2035
मीन	17:02:2032	कुम्भ	16:02:2033	धनु	16:02:2034	मीन	16:02:2035
कुम्भ	18:03:2032	मीन	19:03:2033	मकर	19:03:2034	कुम्भ	19:03:2035
मकर	18:04:2032	मेष	18:04:2033	कुम्भ	18:04:2034	मकर	18:04:2035
धनु	18:05:2032	वृष	19:05:2033	मीन	19:05:2034	धनु	19:05:2035
वृश्चिक	18:06:2032	मिथुन	18:06:2033	मेष	18:06:2034	वृश्चिक	18:06:2035
तुला	18:07:2032	कर्क	19:07:2033	वृष	19:07:2034	तुला	19:07:2035
कन्या	18:08:2032	सिहं	18:08:2033	मिथुन	18:08:2034	कन्या	18:08:2035
सिहं	17:09:2032	कन्या	17:09:2033	कर्क	17:09:2034	सिहं	17:09:2035
कर्क	18:10:2032	तुला	18:10:2033	सिहं	18:10:2034	कर्क	18:10:2035
मिथुन	17:11:2032	वृश्चिक	17:11:2033	कन्या	17:11:2034	मिथुन	17:11:2035

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

वृश्चिक दशा (18:12:2035 —— 18:12:2045)

वृष भुक्ति		मेष भुक्ति		मीन भुक्ति		कुम्भ भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
तुला	18:12:2035	वृष	18:12:2036	मीन	18:12:2037	कर्क	18:12:2038
वृश्चिक	17:01:2036	मेष	17:01:2037	कुम्भ	17:01:2038	मिथुन	17:01:2039
धनु	17:02:2036	मीन	16:02:2037	मकर	16:02:2038	वृष	16:02:2039
मकर	18:03:2036	कुम्भ	19:03:2037	धनु	19:03:2038	मेष	19:03:2039
कुम्भ	18:04:2036	मकर	18:04:2037	वृश्चिक	18:04:2038	मीन	18:04:2039
मीन	18:05:2036	धनु	19:05:2037	तुला	19:05:2038	कुम्भ	19:05:2039
मेष	18:06:2036	वृश्चिक	18:06:2037	कन्या	18:06:2038	मकर	18:06:2039
वृष	18:07:2036	तुला	19:07:2037	सिहं	19:07:2038	धनु	19:07:2039
मिथुन	18:08:2036	कन्या	18:08:2037	कर्क	18:08:2038	वृश्चिक	18:08:2039
कर्क	17:09:2036	सिहं	17:09:2037	मिथुन	17:09:2038	तुला	17:09:2039
सिहं	18:10:2036	कर्क	18:10:2037	वृष	18:10:2038	कन्या	18:10:2039
कन्या	17:11:2036	मिथुन	17:11:2037	मेष	17:11:2038	सिहं	17:11:2039

मकर भुक्ति		धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
कर्क	18:12:2039	मीन	18:12:2040	वृष	18:12:2041	तुला	18:12:2042
मिथुन	17:01:2040	कुम्भ	17:01:2041	मेष	17:01:2042	वृश्चिक	17:01:2043
वृष	17:02:2040	मकर	16:02:2041	मीन	16:02:2042	धनु	16:02:2043
मेष	18:03:2040	धनु	19:03:2041	कुम्भ	19:03:2042	मकर	19:03:2043
मीन	18:04:2040	वृश्चिक	18:04:2041	मकर	18:04:2042	कुम्भ	18:04:2043
कुम्भ	18:05:2040	तुला	19:05:2041	धनु	19:05:2042	मीन	19:05:2043
मकर	18:06:2040	कन्या	18:06:2041	वृश्चिक	18:06:2042	मेष	18:06:2043
धनु	18:07:2040	सिहं	19:07:2041	तुला	19:07:2042	वृष	19:07:2043
वृश्चिक	18:08:2040	कर्क	18:08:2041	कन्या	18:08:2042	मिथुन	18:08:2043
तुला	17:09:2040	मिथुन	17:09:2041	सिहं	17:09:2042	कर्क	17:09:2043
कन्या	18:10:2040	वृष	18:10:2041	कर्क	18:10:2042	सिहं	18:10:2043
सिहं	17:11:2040	मेष	17:11:2041	मिथुन	17:11:2042	कन्या	17:11:2043

कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति					
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
धनु	18:12:2043	धनु	18:12:2044				
मकर	17:01:2044	मकर	17:01:2045				
कुम्भ	17:02:2044	कुम्भ	16:02:2045				
मीन	18:03:2044	मीन	19:03:2045				
मेष	18:04:2044	मेष	18:04:2045				
वृष	18:05:2044	वृष	19:05:2045				
मिथुन	18:06:2044	मिथुन	18:06:2045				
कर्क	18:07:2044	कर्क	19:07:2045				
सिहं	18:08:2044	सिहं	18:08:2045				
कन्या	17:09:2044	कन्या	17:09:2045				
तुला	18:10:2044	तुला	18:10:2045				
वृश्चिक	17:11:2044	वृश्चिक	17:11:2045				

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

मिथुन दशा (18:12:2045 —— 18:12:2055)

धनु भुक्ति		मकर भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मीन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मीन	18:12:2045	कर्क	18:12:2046	कर्क	18:12:2047	मीन	18:12:2048
कुम्भ	17:01:2046	मिथुन	17:01:2047	मिथुन	17:01:2048	कुम्भ	17:01:2049
मकर	16:02:2046	वृष	16:02:2047	वृष	17:02:2048	मकर	16:02:2049
धनु	19:03:2046	मेष	19:03:2047	मेष	18:03:2048	धनु	19:03:2049
वृश्चिक	18:04:2046	मीन	18:04:2047	मीन	18:04:2048	वृश्चिक	18:04:2049
तुला	19:05:2046	कुम्भ	19:05:2047	कुम्भ	18:05:2048	तुला	19:05:2049
कन्या	18:06:2046	मकर	18:06:2047	मकर	18:06:2048	कन्या	18:06:2049
सिहं	19:07:2046	धनु	19:07:2047	धनु	18:07:2048	सिहं	19:07:2049
कर्क	18:08:2046	वृश्चिक	18:08:2047	वृश्चिक	18:08:2048	कर्क	18:08:2049
मिथुन	17:09:2046	तुला	17:09:2047	तुला	17:09:2048	मिथुन	17:09:2049
वृष	18:10:2046	कन्या	18:10:2047	कन्या	18:10:2048	वृष	18:10:2049
मेष	17:11:2046	सिहं	17:11:2047	सिहं	17:11:2048	मेष	17:11:2049

मेष भुक्ति		वृष भुक्ति		मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	18:12:2049	तुला	18:12:2050	धनु	18:12:2051	वृष	18:12:2052
मेष	17:01:2050	वृश्चिक	17:01:2051	मकर	17:01:2052	मेष	17:01:2053
मीन	16:02:2050	धनु	16:02:2051	कुम्भ	17:02:2052	मीन	16:02:2053
कुम्भ	19:03:2050	मकर	19:03:2051	मीन	18:03:2052	कुम्भ	19:03:2053
मकर	18:04:2050	कुम्भ	18:04:2051	मेष	18:04:2052	मकर	18:04:2053
धनु	19:05:2050	मीन	19:05:2051	वृष	18:05:2052	धनु	19:05:2053
वृश्चिक	18:06:2050	मेष	18:06:2051	मिथुन	18:06:2052	वृश्चिक	18:06:2053
तुला	19:07:2050	वृष	19:07:2051	कर्क	18:07:2052	तुला	19:07:2053
कन्या	18:08:2050	मिथुन	18:08:2051	सिहं	18:08:2052	कन्या	18:08:2053
सिहं	17:09:2050	कर्क	17:09:2051	कन्या	17:09:2052	सिहं	17:09:2053
कर्क	18:10:2050	सिहं	18:10:2051	तुला	18:10:2052	कर्क	18:10:2053
मिथुन	17:11:2050	कन्या	17:11:2051	वृश्चिक	17:11:2052	मिथुन	17:11:2053

सिहं भुक्ति		कन्या भुक्ति					
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
धनु	18:12:2053	धनु	18:12:2054				
मकर	17:01:2054	मकर	17:01:2055				
कुम्भ	16:02:2054	कुम्भ	16:02:2055				
मीन	19:03:2054	मीन	19:03:2055				
मेष	18:04:2054	मेष	18:04:2055				
वृष	19:05:2054	वृष	19:05:2055				
मिथुन	18:06:2054	मिथुन	18:06:2055				
कर्क	19:07:2054	कर्क	19:07:2055				
सिहं	18:08:2054	सिहं	18:08:2055				
कन्या	17:09:2054	कन्या	17:09:2055				
तुला	18:10:2054	तुला	18:10:2055				
वृश्चिक	17:11:2054	वृश्चिक	17:11:2055				

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

कुम्भ दशा (18:12:2055 — 18:12:2060)

कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति		वृष भुक्ति		मेष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	18:12:2055	धन्	18:12:2056	तुला	18:12:2057	वृष	18:12:2058
मेष	17:01:2056	मकर	17:01:2057	वृश्चिक	17:01:2058	मेष	17:01:2059
मीन	17:02:2056	कुम्भ	16:02:2057	धन्	16:02:2058	मीन	16:02:2059
कुम्भ	18:03:2056	मीन	19:03:2057	मकर	19:03:2058	कुम्भ	19:03:2059
मकर	18:04:2056	मेष	18:04:2057	कुम्भ	18:04:2058	मकर	18:04:2059
धन्	18:05:2056	वृष	19:05:2057	मीन	19:05:2058	धन्	19:05:2059
वृश्चिक	18:06:2056	मिथुन	18:06:2057	मेष	18:06:2058	वृश्चिक	18:06:2059
तुला	18:07:2056	कर्क	19:07:2057	वृष	19:07:2058	तुला	19:07:2059
कन्या	18:08:2056	सिहं	18:08:2057	मिथुन	18:08:2058	कन्या	18:08:2059
सिहं	17:09:2056	कन्या	17:09:2057	कर्क	17:09:2058	सिहं	17:09:2059
कर्क	18:10:2056	तुला	18:10:2057	सिहं	18:10:2058	कर्क	18:10:2059
मिथुन	17:11:2056	वृश्चिक	17:11:2057	कन्या	17:11:2058	मिथुन	17:11:2059

मीन भुक्ति							
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मीन	18:12:2059						
कुम्भ	17:01:2060						
मकर	17:02:2060						
धन्	18:03:2060						
वृश्चिक	18:04:2060						
तुला	18:05:2060						
कन्या	18:06:2060						
सिहं	18:07:2060						
कर्क	18:08:2060						
मिथुन	17:09:2060						
वृष	18:10:2060						
मेष	17:11:2060						

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

तुला दशा (18:12:2060 —— 18:12:2072)

तुला भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		धनु भुक्ति		मकर भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
तुला	18:12:2060	वृष	18:12:2061	मीन	18:12:2062	कर्क	18:12:2063
वृश्चिक	17:01:2061	मेष	17:01:2062	कुम्भ	17:01:2063	मिथुन	17:01:2064
धनु	16:02:2061	मीन	16:02:2062	मकर	16:02:2063	वृष	17:02:2064
मकर	19:03:2061	कुम्भ	19:03:2062	धनु	19:03:2063	मेष	18:03:2064
कुम्भ	18:04:2061	मकर	18:04:2062	वृश्चिक	18:04:2063	मीन	18:04:2064
मीन	19:05:2061	धनु	19:05:2062	तुला	19:05:2063	कुम्भ	18:05:2064
मेष	18:06:2061	वृश्चिक	18:06:2062	कन्या	18:06:2063	मकर	18:06:2064
वृष	19:07:2061	तुला	19:07:2062	सिहं	19:07:2063	धनु	18:07:2064
मिथुन	18:08:2061	कन्या	18:08:2062	कर्क	18:08:2063	वृश्चिक	18:08:2064
कर्क	17:09:2061	सिहं	17:09:2062	मिथुन	17:09:2063	तुला	17:09:2064
सिहं	18:10:2061	कर्क	18:10:2062	वृष	18:10:2063	कन्या	18:10:2064
कन्या	17:11:2061	मिथुन	17:11:2062	मेष	17:11:2063	सिहं	17:11:2064

कुम्भ भुक्ति		मीन भुक्ति		मेष भुक्ति		वृष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
कर्क	18:12:2064	मीन	18:12:2065	वृष	18:12:2066	तुला	18:12:2067
मिथुन	17:01:2065	कुम्भ	17:01:2066	मेष	17:01:2067	वृश्चिक	17:01:2068
वृष	16:02:2065	मकर	16:02:2066	मीन	16:02:2067	धनु	17:02:2068
मेष	19:03:2065	धनु	19:03:2066	कुम्भ	19:03:2067	मकर	18:03:2068
मीन	18:04:2065	वृश्चिक	18:04:2066	मकर	18:04:2067	कुम्भ	18:04:2068
कुम्भ	19:05:2065	तुला	19:05:2066	धनु	19:05:2067	मीन	18:05:2068
मकर	18:06:2065	कन्या	18:06:2066	वृश्चिक	18:06:2067	मेष	18:06:2068
धनु	19:07:2065	सिहं	19:07:2066	तुला	19:07:2067	वृष	18:07:2068
वृश्चिक	18:08:2065	कर्क	18:08:2066	कन्या	18:08:2067	मिथुन	18:08:2068
तुला	17:09:2065	मिथुन	17:09:2066	सिहं	17:09:2067	कर्क	17:09:2068
कन्या	18:10:2065	वृष	18:10:2066	कर्क	18:10:2067	सिहं	18:10:2068
सिहं	17:11:2065	मेष	17:11:2066	मिथुन	17:11:2067	कन्या	17:11:2068

मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति		सिहं भुक्ति		कन्या भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
धनु	18:12:2068	वृष	18:12:2069	धनु	18:12:2070	धनु	18:12:2071
मकर	17:01:2069	मेष	17:01:2070	मकर	17:01:2071	मकर	17:01:2072
कुम्भ	16:02:2069	मीन	16:02:2070	कुम्भ	16:02:2071	कुम्भ	17:02:2072
मीन	19:03:2069	कुम्भ	19:03:2070	मीन	19:03:2071	मीन	18:03:2072
मेष	18:04:2069	मकर	18:04:2070	मेष	18:04:2071	मेष	18:04:2072
वृष	19:05:2069	धनु	19:05:2070	वृष	19:05:2071	वृष	18:05:2072
मिथुन	18:06:2069	वृश्चिक	18:06:2070	मिथुन	18:06:2071	मिथुन	18:06:2072
कर्क	19:07:2069	तुला	19:07:2070	कर्क	19:07:2071	कर्क	18:07:2072
सिहं	18:08:2069	कन्या	18:08:2070	सिहं	18:08:2071	सिहं	18:08:2072
कन्या	17:09:2069	सिहं	17:09:2070	कन्या	17:09:2071	कन्या	17:09:2072
तुला	18:10:2069	कर्क	18:10:2070	तुला	18:10:2071	तुला	18:10:2072
वृश्चिक	17:11:2069	मिथुन	17:11:2070	वृश्चिक	17:11:2071	वृश्चिक	17:11:2072

जातक से संबंधित सामान्य भविष्यफल

सामान्य जानकारी :

आपकी लग्न राशि कन्या है, जिसका स्वामी बुध है। यह एक भौतिक, साधारण तथा लचीली और वायु तत्व की राशि है ।विशेषत: यह नीरस और मानवीय राशि है।

इस लग्न में जन्म होने के कारण आप मेधावी, अध्ययनपरायण एवं समझदार होगें। आप विचारक, सिद्धान्तवादी तथा विधिवत कार्य करने वाले होगें तथा ज्ञान की खोज में लगे रहेगें। आप शांत और स्थिर दिमाग वाले होगें, और लम्बे समय तक अपने मस्तिष्क को एकाग्रचित करके कोई कार्य कर सकते हैं। भौतिक और रसायनिक विज्ञान में आपकी गहन रूचि होगी। अनौपचारिक अध्ययन एवं अनुशंधान में भी आपकी रूचि होगी। आपका ज्ञान विस्तृत होगा, और आप वाक्पटु होगें। आपके ये गुण दूसरों को प्रभावित करेगें, और लोग आपकी प्रशंसा करेगें। आपका व्यक्तित्व आकर्षक होगा। आप सतत् प्रयास और धैर्य के लिए जाने जायेंगें। अपनी भावनाओं और आवेगों पर आपका नियंत्रण होगा। आपएक कूटनीतिक और चतुर व्यक्तिहोगें। आपकी वाणी में मिठास और नम्रता होगी ।

कला, संगीत और साहित्य में भी आपकी रूचि होगी, और आप इन विधाओं में निपुणता प्राप्त करेगें। आप महत्वाकांक्षीहोगें। आप बहुत उदार और सुशील होगें। आप सादा जीवन और ऊॅचे विचार की शैली को मान्यता देगें और कम खर्चीले होगें। आप धार्मिक होगें, और धर्म तथा परम्पराओं के प्रति आपके हृदय में सम्मान होगा। यात्राओं और आनन्द भ्रमण पर जाना आपको प्रिय होगा। आपमें विविध प्रकार की चीजें को इकट्ठा करने की उत्सुकता होगी जो आपकी कल्पना को जागृत करेगा। आप अपने द्वारा इकठ्ठी की गई चीजों को नष्ट करने के पक्ष में नही होगें।

शारीरिक संरचना :

आपकी रंगत गोरी और व्यक्तित्व आकर्षक होगा। आपके नेत्र सुन्दर और चेहरा चौडा होगा। आपके चेहरे पर एक मुस्कराहट विराजमान रहेगी। आप मध्यम कद के बढ़िया आकृति, पतले तथा गोल चेहरे वाले हो सकते हैं। आपका शरीरछरहरा होगा, लेकिन सीना चौडा होगा। आप देखने में खुवा प्रतीत होगें। आपकी नाक सीधी और नुकीली तथा आवाज तीखी हो सकती है। आपका स्वभाव चंचल हो सकता है।

मानसिक स्थिति :

आपकी कुण्डली में चन्द्रमा वृष राशि में स्थित है। यह शुक्र द्वारा संचालित होता है। यह स्थिर, नकारात्मक और भौतिक राशि है। आप शांत, दृढ़-निश्चयी तथा निरंतर प्रयत्नशील होगें। आप सचेत, धैर्यवान, आवेगमुक्त तथा गंभीर छवि के होगें। आप रूढ़िवादी होगें। आप पुराने रीति - रिवाजों तथा परंपराओं का पालन करने वाले होगें। आप किसी भी तरह केपरिवर्तन के विरोधी होगें, तथा आप बाहरी प्रभाव, जिसमें निरंतर संशोधन की आवश्यकता है, का विरोध करेगें। आप सावधानी से लाभ-हानि के बारे में सोचकर उचित निर्णय लेगें, तथा एकबार निर्णय लेने के बाद आप उसी पर अटल रहेगें।

आप कोई ऐसा काम करेगें, जो जिम्मेदारी पूर्ण होगा तथा जिसमें अधिक परिश्रम तथा सावधानी की आवश्यकता होगी। ऐसे व्यवसाय, जिनमें बाहर का काम, लोगों से मिलने के लिए यात्राएॅ, सट्टे में निवेश, बड़ा जोखिम तथा मौके पर निर्णय करना शामिल है, उनको करना आपके लिए अधिक उचित नहीं होगा। परन्तु अपने कुछ गुणों जैसे धैर्य, अनर्थक प्रयत्न, ईमानदारी, विश्वसनीयता, वफादारी आदि के कारण आप अपने वरिष्ठ अधिकारियों या मालिकों से समर्थन तथा लाभ प्राप्त करेगें। आपकी जल्दी पदोन्नति नहीं होगी, फिर भी आप ठीक स्थिति में होगें, तथा भविष्य में किसी ऊॅचे तथासम्मानीय पद पर

पहुचेगें।

आप धन संबंधी मामलों में काफी सावधान होगें, तथा अपने खर्चे हमेशा अपने नियंत्रण मे रखेगें। आपके बहुत से मित्रतथा परिचित होगें, तथा आप उनका मनोरंजन करने के लिए व्यर्थ खर्च नही करेगें। परंतु आप अपने संबंधियों के प्रति उदार होगें। आप अपने परिवार के सदस्यों, जिनके आप बहुत करीब हैं, की भविष्य में आवश्यकताओं की पूर्ति केलिए अधिक से अधिक बचत करेगें। आपकी पत्नी आपका ध्यान रखने वाली होगी। आपके माता-पिता जिम्मेदार तथा अपने परिवार के सदस्य आपको प्यार करने वाले होगें। परन्तु उनके विचार आपके विचारों से भिन्न होगें। जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ेगी, उनकी जीवन शैली तथा विचारों में ताल-मेल न होने के कारण उनके साथ समायोजन करना आपकेलिये मुश्किल हो सकता है।

गुण :

आपकी तार्किक क्षमता विलक्षण होगी, और आप बहुत बुद्धिमान और विवेकी होगें। आपकी स्मरण शक्तिबहुत उत्तम होगी। आपको कई विषयों का ज्ञान होगा। आपको ललित कलाओं, जैसे संगीत, साहित्य आदि से प्रेम होगा। आप झगडोंऔर कलह से दूर रहेगें, और सौहार्द प्रिय होगें। आप धीरे-२ और नम्रतापूर्वक बोलेगें, तथा आपकी वाणी मृदु होगी। आप चीजों को व्यवस्थित ढंग से करना और रखना पसन्द करेगें। आप मितव्ययी होगें, और फिजूलखर्ची से दूर रहेगें।

अवगुण :

आपमें आत्मविश्वास की कमी हो सकती है। कभी -२ आप भ्रमित हो सकते हैं, जिससे आपको अपने निर्णय पर पहुँचने में विलम्ब हो सकता है, इस कारण से आप निरूत्साहित हो सकते हैं। आपका मिजाज गर्म हो सकता है। आप सभी पर शक कर सकते हैं, और हर एक को स्वार्थी समझ सकते हैं। आप छद्म रूप से दंभी हो सकते हैं। आप नकचढेहो सकते है, और आपको खुश करना कठिन हो सकता है। आप दूसरों के धन और घर का लाभ उठा सकते हैं। आप आवेगी हो सकते हैं। आपमें प्रतिशोध की भावना हो सकती है। आपका वास्तविकता से कोई नाता नहीं हो सकता है, और आप सपनों के संसार में विचरण कर सकते हैं।

विशेष लक्षण :

१) आप कर्तव्यपरायण होगें, और अपने कार्यों और जिम्मेदारियों को पूर्ण समपर्ण के साथ निभायेगें।
२) चीजों का विश्लेशण करके अपनी तर्कशक्तिके आधार पर आप उनकी समालोचना करेगें।
३) आपकी बुद्धि बहुत तीक्ष्ण होगी, और अपनी विलक्षण ग्राह्य क्षमता के कारण नवीन चीजों को आप शीघ्र आत्मसात कर लेगें।
४) आप प्रत्येक कार्य विधिवत ढंग से करेगें, और उसके हर पहलू, हर बारीकी और तथ्य पर ध्यान देगें।
५) आप एक कुशल अन्वेशक होगें, और अपने आस - पास की परिस्थितियों को जाँचने परखने की आपमें अद्भुत क्षमता होगी।

रोजगार :

आपका मेधावी होने का गुण आपको बौद्धिक कार्यों की तरफ आकर्षित करेगा। आपके लिये ऐसे कार्य जहाँ दिमाग का प्रयोग हो, उत्तम रहेगें। आप सलाहकार, वकील, अध्यापक, गणितज्ञ, चिकित्सक , प्रबंधक, सांख्यिकी विद्, प्रोफेसर, कांउसलर, लेखक, लेखाकार आदि बनकर अपने भविष्य को चमका सकते हैं। आप संगीतज्ञ, अभिनेता, कमप्यूटर प्रोग्रामर, टेलीफोन ऑपरेटर, सुनार, ट्रांसपोर्टर या टूर प्रबंधक के रूप में भी प्रगति कर सकते हैं।

शुभ एवं अशुभ ग्रह :

१) आपके लग्न का स्वामी बुध होने के कारण वह आपके लिये सबसे शुभ होगा।
२) द्वितीयेश और नवमेश शुक्र एक लाभकारी ग्रह होगा।

३) तृतीयेश और अष्टमेश मंगल अति अशुभ होगा। एकादशेश चन्द्रमा भी शुभ है।
४) बृहस्पति सप्तमेश होने के कारण मारकेश है।

कन्या लग्न वाले कुछ महत्त्वपूर्ण व्यक्ति :

अजरूद्दीन, सचिन तेंदुलकर, वेंकटेश प्रसाद – क्रिकेटर, जॉन एफ कैनेडी, बिल क्लींटन – पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति, प्रिंसेस डायना – वेल्स की राजकुमारी, मुजीबुर रहमान – बांग्लादेश के जन्मदाता, राजीव गांधी, पी वी नरसिम्हाराव – पूर्व प्रधानमंत्री, लियंडर पेस – टेनिस खिलाडी, राधाकृष्णनन – भारत के पूर्व राष्ट्रपति

जन्म कुण्डली में प्राप्त विभिन्न ज्योतिषीय गणनाओं से भविष्यफल

जन्म कालिक ब्राहस्पत्य (संवत्सर) का भविष्यफल-

आपका जन्म राक्षस संवत्सर में हुआ है। यदि कुछ अनुकूल योग आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, और / या यदि कुछ बली संशोधनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, तो आपको प्रतिकूल परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। आप बहुत बुद्धिमान या ज्ञानी नहीं हो सकते हैं, और धर्म, नैतिकता, कानून, नियम तथा मान्यताओं के प्रति आपमें सम्मान की भावना नहीं हो सकती है। आप अत्याधिक दंभी स्वभाव वाले, विद्वेषी या लालची हो सकते हैं। आप विचारहीन कामों में संलग्न हो सकते हैं, कई लागों के साथ झगड़ा कर सकते हैं, और बुरे कामों को करने में आपको विशेष सुख मिल सकता है।

जन्म कालिक सौर अयन का भविष्यफल-

आपका जन्म सूर्य के दक्षिणायण (या यमयायन) में हुआ है। यदि कुछ प्रतिकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में नहीं हैं, तो संकेत अनुकूल नहीं हैं। आप कुछ हद तक दंभी और हठी प्रकृति, या असहिष्णु स्वभाव वाले व्यक्तिहो सकते हैं। यदि कुछ अनुकूल रवि योग कुण्डली (शुभ करतरी, उभयाचरी, वेशी, वोशी आदि) में मौजूद हैं, तो स्थितियों में बेहतरी के लिये सुधार होगा, लेकिन यदि सूर्य पाप करतरी योग में है, या अगली अधिकृत राशि में नैसर्गिक अशुभ ग्रह हैं, तो आप कठोर हृदयी या कपटी हो सकते हैं, आप अपनी जीविका कृषि और/ या मवेशियों के पालन से अर्जित कर सकते हैं, साथ ही आप कुछ ऐसे कामों को करने में संलग्न हो सकते हैं, जहाँ पर पारिश्रमिक किये गये प्रयासों की तुलना में बिल्कुल भी सामंजस्य पूर्ण नहीं हो सकता है।

जन्म कालिक ऋतु का भविष्यफल-

आपका जन्म हेमन्त ऋतु में हुआ है। यदि कुछ प्रतिकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, तो संकेत अनुकूलहैं। आप बहुत बुद्धिमान, विचारवान, ज्ञानी और विवेकी व्यक्तिहोगें। आप एक खुले दिमाग, उदार प्रवृत्ति वाले व्यक्तिहोगें, और हमेशा उचित कामों को करने में संलग्न रहेगें। आपका धार्मिक रूझान उत्कृष्ट होगा, और आप अपनी जीविका एक वरिष्ठ सलाहकार बन कर अर्जित कर सकते हैं। आप एक सुन्दर आचरण और सुशील स्वभाव वाले व्यक्ति होगें- जिससे लोग आपको सम्मान देगें।

जन्म कालिक मास का भविष्यफल-

आपका जन्म पौष मास (दिसम्बर/ जनवरी) में हुआ है। यदि कुछ संशोधनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, तो संकेत बहुत अनुकूल नहीं हैं। यद्यपि आप आकर्षक व्यक्तित्व और सुन्दर रूप वाले होगें, फिर भी आपकी संरचना कमजोर हो सकती है- यदि आपका जन्म कृष्ण पक्ष में हुआ है। आपको अपने माता पिता से आर्थिक सहायता नहीं प्राप्त हो सकती है, फिर भी आप लापरवाही से व्यय कर सकते हैं। साथ ही, आप रहस्यमयी प्रकृति के हो सकते हैं, और अपने विचार तथा निर्णय अपने तक सीमित रख सकते हैं- जिससे आप अपने शत्रुओं को आघात पहुँचा सकते हैं। सुखद पहलू यह है, कि आप धार्मिक विचारों वाले, पवित्र शास्त्रों के अध्ययन के शौकीन होगें, और विद्वानों तथा धर्मपरायण लोगों का उचित सम्मान करेगें।

जन्म कालिक पक्ष का भविष्यफल-

आपका जन्म शुक्ल पक्ष में हुआ है। यदि कुछ प्रतिकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, तो संकेत अनुकूल हैं। आप सौम्य स्वभाव, खुले दिमाग, उत्तम नैतिक चरित्र और आशावादी दृष्टिकोण वाले व्यक्तिहोगें। अपने स्पष्ट विचार और अभिव्यक्तिसे आप अपने समकालीनों को प्रभावित करने में सक्षम होगें। आपको दीर्घायु होने का वरदान प्राप्त होगा, और आप अपने जीवन साथी तथा संतानों के साथ एक शांतिपूर्ण और खुशहाल घरेलू जीवन का आनन्द लेगें। आपका स्वास्थ्य कुछ नाजुक हो सकता है, लेकिन रोगों के प्रति आपमें ताकतवर प्रतिरोधक क्षमता होगी।

जैसाकि आपकी कुण्डली में मंगल चन्द्रमा के साथ स्थित है (या इस पर उसकी दृष्टि है), आपका शरीर भारी और माँसल और स्वभाव तुनकमिजाज होगा। यद्यपि सामान्यत: आप उल्लसित रहेगें, फिर भी यदि आपको कोई ठेस पहुँचेगीं,या आपके हित दाँव पर होगें, तो आप क्रोधित हो सकते हैं। आपको रक्तया रक्तचाप से संबंधित कोई रोग हो सकता है। आप संसारिक मामलों और भौतिक अधिग्रहणों में रत रह सकते हैं। सम्पत्ति से संबंधित मामलों में आप किसी विवाद में पड़ सकते हैं- जो मुकदमें को जन्म दे सकता है।

जन्म कालिक दिन का भविष्यफल-

आपका जन्म वृहस्पतिवार को हुआ है। दिवसपति वृहस्पति की स्थिति आपकी कुण्डली में काफी महत्त्वपूर्ण है। इसका फल - भाव में इसकी स्थिति के अनुसार - और भी अधिक महत्त्वपूर्ण होगा। इसके अलावा सारी सामान्य स्थिति आपकेपक्ष में है। आप काफी शिक्षित तथा धार्मिक प्रवृति के व्यक्ति होगें। आपके मन में शिक्षक, बड़ो तथा साधु-संतो के प्रति काफी आदर होगा। आपके विशिष्ट व्यवहार कौशल तथा विचारों से लोग आपका सम्मान करेगें। आपके बुद्धिमानी तथा वाकचातुर्य के कारण आप सलाहकार के रूप में काफी आगे जायेगें और काफी धन संचित करेगें।

दिन या रात के जन्म का भविष्यफल-

आपका जन्म रात्रि के समय हुआ है। अगर आपकी कुण्डली में कोई प्रभावशाली ग्रह उपस्थित नही है तो आप आलसी तथा दिन में भी सोने वाले हो सकते हैं। आप कुछ गोपनशील स्वभाव के हो सकते हैं और आप अपनी अभिलाषाएँ गुप्त रखना चाहेगें। इसके अलावा, आप कुछ कामुक स्वभाव के हो सकते हैं, जिसकी वजह से आप अपने जीवनसाथी से दबे हो सकते हैं। यदि आपके लग्न में कोई ग्रह स्थित है या अपनी दृष्टि डाल रहा है तो आप कर्मठ, उत्साही, मेहनती तथा प्रतिभाशाली होगें।

जन्म कालिक सुर्य सिद्धान्त योग का भविष्यफल -

सूर्य-सिद्धान्त के अनुसार आपका जन्म शुभ योग में हुआ है। यह एक बहुत ही उत्तम योग है। इस योग में जन्म लेने केकारण आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें। योग के नामानुसार, आप हमेशा लाभ की स्थिति में होगें तथा यश की प्राप्ति करेगें। आप मधुरभाषी, आनंदित तथा प्रसन्नचित व्यक्ति होगें। आप अपने प्रशंसनीय कार्यों तथा सही परामर्श के लिए सराहना प्राप्त करेगें।

जन्म कालिक तिथी का भविष्यफल-

आपका जन्म पूर्णिमा को हुआ है। अगर कोई शुभ ग्रह चन्द्रमा से जुड़ा हुआ है या इस पर अपनी दृष्टि डाल रहा है तो काफी लाभदायक फल प्राप्त होगें। आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें। आप आकर्षक व्यक्तित्व, सुखद आचरण वाले व्यक्ति होगें। आप अपने प्रयत्नों एवं न्याय संगत तरीके से धन अर्जित करेगें, तथा जीवन सुख और आराम से बिताएँगें। अगर कोई अशुभ ग्रह चन्द्रमा से जुड़ा हुआ है या इस पर अपनी दृष्टि डाल रहा है तो आप खुशी खोजने वाले व्यक्ति हो सकते हैं लेकिन आपका वैवाहिक जीवन दीर्घायु नही होगा। अगर मंगल तथा राहु, दोनो का प्रभाव चन्द्रमा पर है तो आपके जीवनसाथी सर्पदंश के शिकार हो सकते हैं और आप दूसरी शादी कर सकते हैं।

जन्म कालिक करन का भविष्यफल-

आपका जन्म विष्टी करन में हुआ है। यह चर श्रेणी का सातवॉ करन है। आपकी जन्मकुण्डली में यदि कोई शुभ प्रभावकारी ग्रह उपस्थित नही है तो कुछ मामलों में बढ़िया संकेत नही है। आपका दिमाग तेज नही हो सकता है, लेकिन आपके स्वभाव के कारण यह कुछ बुरी प्रवृति का हो सकता है। यह और भी बुरा हो सकता है, यदि आपकी रूचियों पर ऑच आने का खतरा हो। आपमें सामर्थ्य और सहनशीलता होगा, जिससे आप कम प्रयास से ही अपने शत्रुओं को पराजित कर सकते हैं। शारीरिक रूप से आप आकर्षक दिखने वाले होगें और आपमें अस्थिर या चालबाज स्वभाव विकसित हो सकता है। आप कुछ आलसी भी हो सकते हैं। यदि आप महिला हैं तो आपको शिशु के जन्म के समय

कुछ परेशानी हो सकती है।

जन्म कालिक नक्षत्र का भविष्यफल-

जन्म कालिक लग्न का भविष्यफल-

आपका जन्म कन्या लग्न में हुआ है। यह राशिचक्र की ६ठी राशि है, संरचनात्मक रूप से यह एक पृथ्वी तत्व की उभय राशि है- शासित ग्रह बुध की नकारात्मक राशि। इस राशि में स्थित ग्रह (यदि कोई है) और इस राशि पर ग्रह की दृष्टि (यदि है) के सम्यक प्रभावों के साथ, आप उदीयमान राशि कन्या और इसके स्वामी ग्रह बुध की नैसर्गिक विशेषताओं और विशिष्ट गुणों से पूर्ण होगें। इस राशि के लाक्षणिक विशेषतायें स्थायित्व और सुरक्षा हैं। इस राशि का स्वामित्व शरीर के आँतों और सौर तंतुजाल के हिस्से पर है, आपको आँत की मंद कार्यप्रणाली के कारण समस्यायें हो सकती हैं। आपको जैतून के जैसा रंग प्रिय होगा।

आप अपनी स्वयं की दुनिया में रहने में विश्वास कर सकते हैं, और साथ ही, कभी आप बहुत शर्मीले और किसी दूसरेसमय बहुत स्पष्वादी हो सकते हैं। बहुत शीघ्र बड़े होने और भारी जिम्मेदारियों का बोझ उठाने का भय आपके दिमाग में उत्पन्न असुरक्षा की भावना का प्रमुख कारण हो सकता है। लेकिन एक ऐसा समय आयेगा , जब आप अचानकही जीवन के गंभीर उद्देश्य को समझेगें।

आपका सकारात्मक पक्ष यह है, कि आप एक चैतन्य, मेहनती और गैरसमझौतावादी स्वभाव के व्यक्तिहोगें। हालाँकि आपकुछ हद तक अल्पभाषी और एकांतप्रिय हो सकते हैं। आप खोजी दिमाग, रचनात्मक कल्पनाशीलता, स्पष्ट समझ, तार्किक सोच और पक्षपात रहित दृष्टिकोण वाले व्यक्तिहोगें। आप धैर्य और निरन्तर परिश्रम के गुण से पूर्ण होगें, और अति उत्तम काम करने के प्रति समर्पित होगें।

हालाँकि कम महत्वपूर्ण पक्ष यह है, कि आप स्वकेन्द्रित, दोष निकालने वाले नकचढ़े और व्यर्थ ही बाल की खाल निकालने वाले व्यक्तिहो सकते हैं। आप जिम्मेदारी से दूर भागने और सुविधाजनक तरीकों से लाभ प्राप्त करने की कलात्मक दक्षता प्राप्त कर सकते हैं। आपके दिमाग में विकृत विचार हो सकते हैं, और धूर्तता तथा कपटपूर्ण तरीकों से आने हितों को पूरा करने की अनुचित भावना आप के अन्दर जन्म ले सकती है।

आपकी कुण्डली में संचालित ग्रहीय प्रभावों का एकत्रित प्रभाव और आपके द्वारा अपनी मनाशक्तिके प्रयोग का तरीका निर्धारित करेगा, कि आप कौन सा रास्ता चुनना पसन्द करेगें, और आपको उस पर चलने से किस प्रकार के परिणाम वास्तव में मिलेगें।

जन्म कालिक होरा का भविष्यफल-

आपकी कुण्डली में लग्न मेष राशि के प्रथम होरा में स्थित है- जो सिंह होरा के समकक्ष है। इस युति के कारण आपका कद लम्बा और व्यक्तित्व ओजपूर्ण होगा। लेकिन आप गर्ममिजाज हो सकते हैं, और बदमाश किस्म के लोगों की संगतिपसन्द कर सकते हैं। आपमें अनावश्यक रूप से इधर उधर देखने की विशेष आदत हो सकती है, और आप यह मान सकते हैं, कि आप दूसरों से अधिक चालाक हैं।

जन्म कालिक द्रेष्काण का भविष्यफल-

आपकी कुण्डली में लग्न कन्या राशि के तीसरे द्रेष्काण में स्थित है- जो वृषभ द्रेष्काण के समकक्ष है। इस युति के कारण, आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें। आपकी शारीरिक संरचना औसत होगी, लेकिन काया स्थूल और आकृतियाँस्पष्ट होगीं। आपको आडंबर से घृणा होगी, अतः आप समस्याओं से मुक्तरहेगें, आपमें चीजों का हल

खोजने और कुछ लोगों को नियुक्त करने की विलक्षण क्षमता होगी– जो उनको हल कर सकें, और आप उनको अपने मित्रों और परिचितों के बीच में पायेगें। वित्तीय मामलों में भी आप चिन्ता मुक्त रहेगें। आपकी अपनी आय बहुत उत्तम होगी, और आवश्यकता पड़ने पर दूसरों से भी आप मदद प्राप्त करेगें। ईश्वर आपको एक शांतिपूर्ण और खुशहाल जीवन के आनन्द का वरदान देगा।

जन्म कालिक प्राणपद से भविष्यफल–

आपकी कुण्डली में, प्राणपद लग्न में स्थित है। यह एक अनुकूल युति नहीं है। यदि कुछ संशोशनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, तो संकेत अनुकूल नहीं हैं। आपका व्यक्तित्व कमजोर हो सकता है, आपमें मेधा और हाजिर जबाबी की कमी हो सकती है, आपका स्वभाव उत्तेजक और शरीर के किसी एक अवयव में कुछ गडबडी हो सकती है। आप जीवन के कुछ आरामों और सुखों का आनन्द नहीं ले सकते हैं, और बहुत दु:खी महसूस कर सकते हैं।

जन्म कालिक गुलिक से भविष्यफल–

आपकी कुण्डली में,गुलिका लग्न में स्थित है। यह एक अनुकूल युति नहीं है। यदि कुछ संशोशनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, तो संकेत बहुत अनुकूल नहीं हैं। आपमें तीक्ष्ण बुद्धि और हाजिर जवाब और परम्पराओं तथा मान्यताओं के प्रति सम्मान का अभाव हो सकता है। आप पेटू और अधीर हो सकते हैं, दिमाग कोप्रभावित करने वाले किसी रोग से ग्रस्त हो सकते हैं। आपका स्वभाव धृष्ट हो सकता है, और आप बुरी लतों का शिकार हो सकते हैं।

जन्म कालिक गण से भविष्यफल–

नर गण नक्षत्र में जन्म लेने के कारण आप कुछ मामलों में भाग्यशाली होगें। आपका व्यक्तित्व आकर्षक, रूप सुन्दर, दृष्टिकोण आशावादी और स्वभाव सौम्य होगा। आप भगवान के प्रति समर्पित होगें, धार्मिक कृत्यों का निर्वाहन करेगें। आप बुद्धिमान और विभिन्न विषयों के ज्ञाता होगें। आप काफी धनी होगें, और कुछ हद तक अभिमानी हो सकते हैं, फिरभी दयावान होगें, और दूसरों के प्रति परोपकारी भाव होगा।

जन्म कालिक से वर्ण से भविष्यफल–

वैश्य (व्यापारी) वर्ण नक्षत्र में जन्म लेने के कारण आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें। आप आध्यात्मिक विकास की तीसरी श्रेणी से संबंध रखेगें, आर्थिक लाभ और धन संग्रह आप का प्रमुख उद्देश्य हो सकता है। शैक्षिणिक उपलब्धियोंऔर आध्यात्मिक उन्नति का आपके लिये बहुत महत्व नहीं हो सकता है, आप आय के मानक और भौतिक अधिग्रहणों के स्तर से अधिक प्रभावित होगें। आप बहुत युक्तिपूर्ण और चतुर होगें– हमेशा अपने हितों को पूरा करने में लगे रहेगें। आपका मनोबल बहुत ऊँचा नहीं हो सकता है, और सिद्धान्त लचीले हो सकते हैं। आप बहुत धनी होगें, और अपने जीवन साथी तथा संतानों से बहुत प्रेम करेगें, फिर भी आप बहुत खुश नहीं हो सकते है– जैसाकि कहीं पर किसी चीज के अभाव के कारण खालीपन महसूस कर सकते हैं। आपकी धन और अधिग्रहणों के प्रति दीवानगी के कारणआपके अपने लोग आपको एक मशीनी यंत्र समझ सकते हैं।

कुण्डली में लागू हो रहे योग (ग्रह-युति)

कुण्डली में हो लागू हो रहे महत्वपूर्ण योग-

आपकी कुण्डली में, एक विशेष ग्रह एक राशि में अकेले स्थित है, चार ग्रह इसकी छः पूर्ववर्ती राशियों में स्थित हैं, जबकि शेष चार ग्रह इसकी छः अनुवर्ती राशियों में स्थित हैं। यह एक बहुत अनुकूल योग,अनिवाहप्पू योग का निर्माण करता है। आपकी कुण्डली में, इस योग की उपस्थिति के कारण आप विशिष्ट क्षमता के व्यक्तिहोगें, और अवश्य ही एकप्रभावशाली मुकाम तक पहुँचेगें। जहाँ एक तरफ आप विशिष्टों या अधिकारियों से सक्रिय मदद प्राप्त करेगें, वहीं दूसरी तरफ आपके भारी संख्या में समर्पित अनुयायी होगें। (हालाँकि यदि अनिवाहप्पू योग बनाने वाला एकाकी ग्रह एकसे अधिक अशुभ ग्रहों की दृष्टि के कारण पीड़ित है, इस योग का प्रभाव परिणामस्वरूप कम हो जायेगा, ऐसे में आपएक कमाण्डर या प्रबंध निदेशक होने के बजाय, केवल एक कप्तान या साधारण सुपरवाइजर तक ही सीमित रह सकतेहैं।)

आपकी कुण्डली में, लग्नेश और द्वादशेश केन्द्रीय भाव, अर्थात लग्न, ४थे, ७वें, और १०वें भाव में ग्रह स्थित हैं, जबकि एक या अधिक मित्र ग्रहों की दृष्टि इन पर है। समग्ररूप से यह एक बहुत शुभ युति, पर्वत योग (विद्यानाथ की जातक परिजात के अनुसार) का निर्माण करती है। इस शुभ योग की उपस्थिति के कारण आप बहुत भाग्यशाली होगें, आपको प्राचीन धार्मिक ग्रंथों और पवित्र शास्त्रों का ज्ञान और वाग्मिता का उपहार प्राप्त होगा, आपका परोपकारी स्वभाव होगा। इसके अलावा, आप गौरवशाली और उत्साही होगें, और शहर/ कस्बे/गाँव/ समाज में बहुत आदरणीय व्यक्तिहोगें।

आपकी कुण्डली में, लग्नेश की राशि का स्वामी बली है- जैसाकि यह तुंगस्थ या अपनी राशि में है, इसके अलावा यह एक केन्द्रीय भाव या त्रिकोण भाव में स्थित हैं। समग्ररूप से यह एक बहुत अनुकूल युति, काहल योग का निर्माण करती है (मंत्रेस्वर फल दीपिका के अनुसार)। इस शुभ योग में जन्म के कारण आप बहुत ऊर्जावान, कलात्मक और साहसी होगें, आपको शक्तिऔर अधिकार वाला पद प्राप्त होगा, और आप अपने कार्यक्षेत्र में नियंत्रण रखेगें। आप एक पुलिस अधिकारी / तहसीलदार / जिलाधीश हो सकते हैं।

आपकी कुण्डली में, शुभ ग्रह बृहस्पति, शुक्र और बुध केन्द्रीय या त्रिकोण या २रे भाव में स्थित हैं, जबकि बृहस्पति तुगंस्थ, या अपने भाव या एक मित्र राशि में है। यह एक बहुत अनुकूल युति बनाता है, जिसे सरस्वती योग कहते हैं। आपकी कुण्डली में इस योग के होने के कारण , आप एक सुशिक्षित और बहुत बुद्धिमान व्यक्तिहोगें। आप नाट्य विधामें दक्ष, काव्य, वृतांत वर्णन और प्राचीन पवित्र शास्त्रों तथा परम्परागत लोक साहित्य की विस्तृत व्याख्या में निपुण हो सकते हैं। आप बहुत भाग्यशाली होगें, और बहुत सम्मानीय लोगों से आदर प्राप्त करेगें।

आपकी कुण्डली में, द्वितीयेश, ३रे, ६ठे, ८वें और १२वें भाव के अलावा किसी भाव में स्थित है, द्वितीयेश की राशि का स्वामी २रे भाव में है । यह एक बहुत अनुकूल युति है, जिसे महा योग कहते हैं। आपकी कुण्डली में इस शुभ युति केहोने के कारण, आपको धन की देवी का वरदान प्राप्त होगा, और राज्य और अधिकारियों से सम्मान और लाभ प्राप्त करेगें। आप अपने जीवनसाथी, संतान, संबंधियों और मित्रों के साथ अपना जीवन आराम और शान के साथ व्यतीत करेगें। आपको समाज में काफी सम्मान प्राप्त होगा, और आपकी विश्वसनीयता, सम्मान, यश और प्रतिष्ठा में हमेशा वृद्धि होगी।

आपकी कुण्डली में, सप्तमेश, ३रे, ६ठे, ८वें और १२वें भाव के अलावा किसी भाव में स्थित है, सप्तमेश की राशि का स्वामी ७वें भाव में है । यह एक बहुत अनुकूल युति है, जिसे महा योग कहते हैं। आपकी कुण्डली में इस शुभ युति के होने के कारण, आपको धन की देवी का वरदान प्राप्त होगा, और राज्य और अधिकारियों से सम्मान और लाभ प्राप्त

करेगें। आप अपने जीवन साथी, संतान, संबंधियों और मित्रों के साथ अपना जीवन आराम और शान के साथ व्यतीत करेगें। आपको समाज में काफी सम्मान प्राप्त होगा, और आपकी विश्वसनीयता, सम्मान, यश और प्रतिष्ठा में हमेशा वृद्धि होगी।

आपकी कुण्डली में, लग्नेश नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ में स्थित हैं, और कोई नैसर्गिक शुभ ग्रह इसके साथ में, या इसकी दृष्टि उस पर नहीं है। इसके अलावा, कोई नैसर्गिक शुभ ग्रह लग्न में, या इसकी दृष्टि उसमें नहीं है। समग्ररूप से यह एक प्रतिकूल युति है, जिसे देह कष्ट योग कहते हैं। यदि कुछ बली संशोधनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में नहीं हैं, तो आप आर्थिक रूप से सम्पन्न नहीं हो सकते हैं, और / या परिस्थितिवश शारीरिक आराम और सुखों से वंचित हो सकते हैं।

आपकी कुण्डली में, बृहस्पति जलीय राशि (कर्क या वृश्चिक या मीन) में स्थित है, और बृहस्पति लग्न के साथ है, या उसकी दृष्टि इस पर है। इस युति को देह स्थूल योग कहते हैं। आपकी कुण्डली में इस युति के होने के कारण, यदि कुछ संशोधनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में नहीं हैं, तो आपका स्वास्थ्य उत्तम और शारीरिक संरचना मजबूत होगी।

आपकी कुण्डली में, एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह जोकि ना ही तुगंस्थ और ना ही अपनी राशि या अपने नक्षत्र में है- २रे भाव में स्थित है। द्वितीयेश या इसकी नवांश राशि का स्वामी एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह है, या नीच या अस्त या ग्रसित यालग्न या नवांश कुण्डली में एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ होने के कारण कमजोर है। यह प्रतिकूल युति है, जिसे दुर्मुख योग कहते हैं। यदि कुछ बली संशोधनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में नहीं हैं, तो आपका व्यक्तित्व आकर्षक नहीं हो सकता है, साथ ही आपका स्वभाव चिडचिड़ा हो सकता है, प्रायः आप अपना आपा खो सकते हैं, और कटु तथाअसामाजिक भाषा का प्रयोग कर सकते हैं- जिससे आपके अपने लोग आपको बिल्कुल नापसन्द कर सकते हैं।

आपकी कुण्डली में, लग्नेश ४थे भाव में है, और एक या अधिक नैसर्गिक शुभ ग्रह इस भाव में स्थित हैं, या उसकी दृष्टि इस पर है। यह एक अनुकूल युति है, जिसे निष्कपट योग कहते हैं। आप स्वभाव से बहुत साफ हृदय के व्यक्ति होगें, और सदा कपटी व्यवहार, गुप्त प्रकृति और धूर्ततापूर्ण कामों से घृणा करेगें।

आपकी कुण्डली में, तृतीयेश एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के नवांश राशि में स्थित है, और मंगल एक नैसर्गिक शुभ ग्रह की राशि में स्थित है। इसके अलावा, तृतीयेश एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ में स्थित है, या उसकी दृष्टि इस पर है। समग्ररूप से यह एक अनुकूल युति है, जिसे पराक्रम योग कहते हैं। आपकी कुण्डली में इस योग के होने के कारण, आप साहस, दृढ़ संकल्प और मनाशक्तिसे पूर्ण होगें।

आपकी कुण्डली में, तीन नैसर्गिक शुभ ग्रह (बृहस्पति, शुक्र और बुध) साथ में या अलग - अलग, लग्न या २रे या ४थे या ५वें या ७वें या ९वें या १0वें भाव में स्थित हैं। इसके अलावा, बृहस्पति तुगंस्थ या अपनी राशि या अपने नक्षत्र,या मित्र राशि में स्थित है। समग्ररूप से, यह एक विशेष अनुकूल युति है, जिसे सरस्वती योग कहते हैं। आपकी कुण्डली में इस योग के होने के कारण, आप विद्या की देवी से आशीष प्राप्त एक कृपापात्र व्यक्तिहो सकते हैं। आप एकबहुत विद्वान व्यक्तिहोगें, शैक्षिक कामों और/ या ललित कलाओं में बहुत निपुण होगें। आपको प्रत्येक की प्रशंसा मिलेगी, और आपका नाम और यश सब तरफ फैलेगा। आपका पारिवरिक जीवन बहुत खुशहाल और आनन्दमय होगा।

कुण्डली में लागू हो रहे धन योग -

आपकी कुण्डली में दूसरे भाव(धन) का स्वामी मजबूत स्थिति में है, और एक तुगंस्थ / अपने भाव का ग्रह भी दूसरे भाव में स्थिति है। यह आपके दूसरे भाव को बहुत मजबूती प्रदान करता है। आपका जन्म एक धनी परिवार में हुआ है, आपकी परिवरिश बहुत उत्तम होगी, और आपके भाग्य में निरन्तर वृद्धि

होगी।

आपकी कुण्डली में बहुत ही शुभ युति बन रही है। अपने स्वयं के कठिन प्रयत्नों और अपनी मनाशक्तिके द्वारा आप अपने समकालीनों से बहुत बधिक प्रगति करेगें। आपकी महत्वाकांक्षा फलीभूत होगी, और अवलम्बित अभिलाषायें पूरीहोगीं। आपके चारों तरफ के लोग आपको एक अनुकरणीय और प्रेरणादायक व्यक्तिमानेगें। आप अपने जीवनसाथी, संतान, संबंधी और मित्रों के साथ एक खुशहाल और समृद्धिपूर्ण जीवन व्यतीत करेगें।

आपकी कुण्डली में, लग्नेश और बृहस्पति एक साथ हैं, जो एक अनुकूल स्थिति में है, जिससे एक शुभ धन योग बनता है। आप धन के मामलों में भाग्यशाली होगें, आय बहुत उत्तम होगी, और अवश्य बहुत धनी होगें।

जैसाकि आपकी कुण्डली में, ११वाँ भाव जल तत्व की राशि के साथ है, आप अपने जन्मस्थान या निवास स्थान से उत्तर की दिशा में स्थित जगहों पर या से उत्तम लाभ कमा सकते हैं।

कुण्डली में लागू हो रहे वित्तहानि योग-

आपकी कुण्डली में, अति अशुभ ग्रह ८वें भाव में स्थित है, इस पर किसी शुभ ग्रह का प्रभाव नहीं है। यद्यपि आप काफी धनाढ्य होगें, फिर भी आपको बहुत सावधान और सजग रहना चाहिये, और अनावश्यक रूप से अधिक जोखिम नहीं उठाना चाहिये। आपको गम्भीर प्रकार की अशुभ घटना का सामना करना पड़ सकता है, इस बात की भी संभावना है कि आप किसी को गहरी चोट पहुँचा सकते हैं- जिससे आपको फँसाया या दंडित किया जा सकता है।

कुण्डली में लागू हो रहे नभष योग-

आपकी कुण्डली में मौजूद इस नभस योग को पाश योग कहते हैं। यह एक बहुत अनुकूल युति नहीं है, और आपको अपने जीवन के किसी दौर में विषमताओं और बाधाओं के खिलाफ संघर्ष करना पड़ सकता है। आप विनम्रतापूर्वक औसत पारिश्रमिक पर दूसरों की सेवा कर सकते हैं, और आपको उचित सम्मान प्राप्त नहीं हो सकता है। यद्यपि आप कार्य में निपुण हो सकते हैं, फिर भी आपका स्वभाव विद्वेषपूर्ण हो सकता है। कभी - कभी आप अपने शिष्टाचार को भूल सकते हैं, और मर्यादा को भंग कर सकते हैं। पारिस्थितिक अनिवार्यता के कारण आपको अपनी पसन्द के विरूद्ध किसी स्थान पर रहना पड़ सकता है।

कुण्डली में लागू हो रहे चन्द्र योग-

आपकी कुण्डली में बहुत शक्तिशाली चन्द्र मंगल योग है। आपका जन्म एक समृद्ध परिवार में हुआ है, और आप अपनेप्रयासों से अपने धन और सम्पत्ति में वृद्धि करेगें। आप एक स्वतन्त्र व्यवसाय को अपना सकते हैं, या एक शक्ति शाली और अधिकारपूर्ण पद को प्राप्त कर सकते हैं।

कुण्डली में लागू हो रहे पंच-महापुरूष योग-

आपकी कुण्डली में, बृहस्पति लग्न से केन्द में स्थित है, इसके अलावा यह बली है, जैसाकि यह तुगंस्थ राशि (या अपनी राशि) में है। यह हंस योग है, जो पंच-महापुरूष योगों में से एक है। यद्यपि इस वर्ग के योगों का सामान्य नाम कुछ हद तक भ्रमित करने वाला प्रतीत होता है, तो भी यह एक उत्तम योग है। यह भौतिक सुखों में वृद्धि को दर्शाता है, और सामान्य समृद्धि को सुनिश्चित करता है। आप का शरीर सुगठित और स्वभाव धर्मपरायण होगा, आप राजसी भोजन का आनन्द लेगें। जैसाकि आपकी कुण्डली में बृहस्पति अस्त (ग्रहण / वक्री) नहीं है, इस योग के लाभकारी प्रभाव काफी महत्वपूर्ण होगें।

ग्रहों की भावगत और राशिगत स्थिति से भविष्यफल

जन्म कालिक सूर्य की स्थिती से भविष्यफल–

आपकी कुण्डली में सूर्य धनु राशि में स्थित है। जैसाकि सूर्य मित्र राशि में सुव्यवस्थित है, आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें। आप चौड़े गठन की भव्य और प्रभावी शारीरिक संरचना से पूर्ण होगें। आप बहुत उत्साही, ऊर्जावान और सदा आशावादी होगें। आप एक विद्वान, बुद्धिमान और विवेकी व्यक्तिहोगें, लोग आपके विचारों और मतों को मानतथा महत्व देगें, और आपको बहुत सम्मान देगें। आप बड़ों, सदाचारी लोगों का आदर करेगें, और धर्म तथा ईश्वर में आस्था रखेगें। यद्यपि आप अन्दर से शांतिप्रिय होगें, फिर भी सुरक्षा के उद्देश्य से आपकी मार्शल आर्ट में महारत हासिल करने में बहुत रूचि हो सकती है, आप अपनी विद्वता का कुशलता से उपयोग ईमानदार योग्य लोगों को उचित प्रशिक्षण देने में कर सकते हैं। आपको अपने कार्य क्षेत्र में विशिष्टता प्राप्त होगी, और आप कई अनुयायिओं की प्रेरणाका स्रोत होगें।

आपकी कुण्डली में सूर्य ४थे भाव में स्थित है। जैसाकि आपका लग्न कन्या है, द्वादशेश सूर्य की ४थे भाव में स्थिति कुछ मामलों में एक अनुकूल युति नहीं है। आपकी माता का स्वास्थ्य उत्तम नहीं हो सकता है, और आपका घरेलू जीवनशांतिपूर्ण या खुशहाल नहीं हो सकता है। इसके अलावा, परिवार के सदस्यों में विशेष मतभेद के कारण सम्पत्ति काबँटवारा या नुकसान हो सकता है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव नहीं हैं,तो आपका परिवार अपनासम्मान खो सक्ता है– संभवत: आपके कुछ अविवेकपूर्ण कार्यो के कारण। आपकी शिक्षा बाधित हो सकती है, और आपको अपना घर तथा पैतृक स्थान अचानक पारिस्थितिक बाधाओं के कारण छोड़ना पड़ सकता है।

जन्म कालिक चन्द्रमा की स्थिती से भविष्यफल–

आपकी कुण्डली में चन्द्रमा वृषभ राशि में स्थित है। इस कारण से आप सहनशील, आकर्षक व्यक्तित्व और सुन्दर चालवाले होगें। आप मृदुभाषी, धैर्यवान प्रकृति वाले और सभी के प्रिय व्यक्तिहोगें। मित्रों और संबंधियों से आपके घनिष्ठ संबंध होगें, और आप विपरीत लिंग के अनुकूल लोगों की संगति के बहुत शौकीन हो सकते हैं। स्वादिष्ट भोजन आपकी कमजोरी हो सकता है– विशेषकर मीठा खाना, और लोग आपको पेटू समझ सकते हैं। हालाँकि आप विशाल हृदय और उदार भावना वाले व्यक्तिहोगें, और लोगों को उपहार देने में तेज होगें। आपको कफ की बीमारी हो सकती है, और एक या कई बार वाहन दुर्घटना का शिकार हो सकते हैं, अपनी बाद की आयु में आपको अपने पुत्र/पुत्रीसे परिस्थितियों की बाध्यता के कारण अलग होना पड़ सकता है, जो आपके नियंत्रण में नहीं होंगी।

आपकी कुण्डली में चन्द्रमा ९वें भाव में स्थित है। इस कारण से आप बहुत कल्पनापूर्ण प्रकृति और रूमानी स्वभाव वाले होगें, इसके अलावा, आप बहुत परिवर्तनशील और हमेशा भिन्नता चाहने वाले होगें। विदेशी स्थान आपको बहुत आकर्षित करेगें, और आप किसी विकसित देश जा सकते हैं– जहाँआपको बहुत लाभ और मूल्यवान अनुभव प्राप्त होगें। यदि चन्द्रमा वृषभ या कर्क राशि में स्थित है, तो आप बहुत भाग्यशाली होगें,लेकिन यदि चन्द्रमा वृश्चिक राशि में है, तो आपको किसी दूर स्थान पर दुर्भाग्य का सामना करना पड सकता है। आपको लकडी या हथियार के कारण कुछ परेशानियों का सामना करना पड सकता है, या आपको कोई छोटी शल्य चिकित्सा करवानी पड सकती है।

जन्म कालिक मंगल की स्थिती से भविष्यफल–

आपकी कुण्डली में मंगल वृषभ राशि में स्थित है। यदि कुछ संशोधनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, तो आप कुछ मामलों में भाग्यशाली नहीं हो सकते हैं। आप धनी नहीं हो सकते हैं, संताने कम हो सकती हैं, लेकिन कई आश्रित हो सकते हैं, और आपको भारी खर्च उठाना पड सकता है। धीरे – २ आप अविश्वसनीय प्रकृति और ईष्यालु स्वभाव वाले हो सकते हैं। आपकी भाषा कटु हो सकती है, आप अधिक खाने वाले और कुछ स्वार्थी हो सकते हैं। इसके अलावा, आप अपने संबंधियों से बैर भाव रख सकते हैं, कुछ हिंसक या नीच काम कर सकते हैं, और

अपने परिवार की प्रतिष्ठा कलंकित कर सकते हैं ।

आपकी कुण्डली में मंगल ६वें भाव में स्थित है । यदि मंगल मेष या वृश्चिक राशि में स्थित है,तो आप अपने पिता के मामले में भाग्यशाली और आर्थिकरूप से सम्पन्न होगें । यदि मंगल मकर राशि में स्थित है,तो आप अपने जीवन साथी के मामले में भाग्यशाली और आर्थिकरूप से सम्पन्न होगें, तथा काफी कम आयु में विदेश से भाग्य का सुख प्राप्त करेगें,आप आयात निर्यात के व्यापार में उत्तम काम कर सकते हैं, और विदेशी सहयोगों से उत्तम लाभ प्राप्त कर सकते हैं । यदि बृहस्पति मंगल के साथ स्थित है, या उसकी दृष्टि इ पर है, तो आपका धार्मिक रूझान उत्कृष्ट होगा, और आप पवित्र तीर्थों की यात्रा कर सकते हैं, लेकिन यदि नैसर्गिक अशुभ ग्रह से मंगल पीडित है, तो आपके पिता को अपने जीवन में किसी दुर्भाग्य का सामना करना पउ सकता है ।

जन्म कालिक बुध की स्थिती से भविष्यफल-

आपकी कुण्डली में बुध धनु राशि में स्थित है । इस कारण से आप कई मामलो में भाग्यशाली होगें । यदि बृहस्पति इस राशि में स्थित है,या बुध पर उसकी दृष्टि है, तो आपके भाग्य में और बढोत्तरी होगी। आप एक बुद्धिमान और विद्वान व्यक्तिहोगें, पवित्र धार्मिक शास्त्रों का अध्ययन आपको ज्ञानी और विवेकी बनायेगा। आप बहुत उदार प्रकृति वाले और प्रखर वक्ता होगें । आप किसी व्यवहारिक कला या शिल्प में निपुणता प्राप्त कर सकते हैं । आपका स्वभाव दयालु और विनम्र होगा, और काफी कम आयु के दौरान आप अपने जीवन में विशिष्टता प्राप्त करेगें । आपका धार्मिक रूझान बहुत उत्कृष्ट होगा, और आप अमूर्त ध्यान योग का अभ्यास कर सकते हैं ।

आपकी कुण्डली में बुध ४थे भाव में स्थित है। यदि बुध मिथुन या कन्या राशि में स्थित है, तो आप बहुत भाग्यशाली होगें- जैसाकि आपको भद्र योग (पंचमहापुरूष योग युति) का सुख मिलेगा। इस कारण से, आप एक विद्वान, बुद्धिमानऔर मृदुभाषी व्यक्तिहोगें, इसके अलावा, आप अपने सभी कामों में निडर और सफल होगें । कुछहद तक गोपनीय होने के कारण आपके संबंध अपने से आत्मीय नहीं हो सकते हैं । आप एक विद्वान व्यक्तिहोगें, और लोग आपको सम्मान तथा आदर देगें । यदि बुध मीन में स्थित है, तो आप एक औसत व्यापार कर सकते हैं- जैसे एक सिलाई केन्द्र । यदि किसी और राशि में है, तो आप इधर उधर भटकते रह सकते हैं, और सामान्यत: अपने सभी मामलों में बहुत अस्थिर हो सकते हैं ।

जन्म कालिक बृहस्पति की स्थिती से भविष्यफल-

आपकी कुण्डली में बृहस्पति मीन राशि में स्थित है। इस कारण से आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें । हलाँकि यदि बृहस्पति २० डिग्री और २३ डिग्री २० मिनट के बीच में है, तो परिणामों में कमी हो जायेगी- जैसाकि यह अपने नीचस्थनवांश (मकर) में है । एक विद्वान, बुद्धिमान और विवेकी व्यक्तिहोने के कारण, गंभीर परिस्थितियों में भी आप शांत और आत्मस्थित रहेगें । आप अभिमानी, निडर, अजेय और अपने सभी कामों में दृढ होगें । आपको उत्तम पद प्राप्तहोगा, आप सलाहकार के रूप में विख्यात हो सकते हैं, और व्यवहारिक तरीकों को परखने, रणनीति बनाने और नयी नीतियों के निर्माण में असाधारण रूप से निपुण होने के कारण पहचान प्राप्त करेगें ।

आपकी कुण्डली में बृहस्पति ७वें भाव में स्थित है। यदि बृहस्पति धनु या मीन या कर्क राशि में स्थित है, तो आप बहुत भाग्यशाली होगें- जैसाकि आपको हम्सा योग (एक पंचमहापुरूष युति)का सुख प्राप्त होगा। इस कारण से आप एक विद्वान, बुद्धिमान और सद्गुणी व्यक्तिहोगें, आपका धार्मिक रूझान बहुत उत्कृष्ट होगा, आप अपने सभी प्रयासों में सफल होगे । आपको पानी वाले रिसॉर्ट पसन्द होगें, लेकिन आप कुछहद तक कामुक हो सकते हैं । आप हमेशा प्रशंसनीय काम करने में रत रहेगें, और दूसरों की मदद करेगें । सामान्यत: लोग आपको बहुत सम्मान और उचित आदर देगें । आप पवित्र तीर्थों की यात्रा करेगें । यदि बृहस्पति किसी अन्य राशि में है, तो आप अपने जीवन साथी, व्यवसायिक साझीदार, और सार्वजनिक व्यवहारों में भाग्यशाली होगें । आपके शत्रु भी आपके शीघ्र मित्र बन जायेगें ।

जन्म कालिक शुक्र की स्थिती से भविष्यफल-

आपकी कुण्डली में शुक्र तुला राशि में स्थित है। जैसाकि शुक्र अपनी मूल त्रिकोण राशि में सुव्यवस्थित है, यह अवश्य ही शुभ परिणाम देगा, और आप कई मामलो में भाग्यशाली होगें। आप एक मेधावी व्यक्तिहोगें, और एक विशेषक्षेत्र में सुशिक्षित होगें। आप नीतिवान, उद्यमी और अपने कर्तव्यों में दक्ष होगें। आप औद्योगिक योजना से श्रमिकों की नियुक्तिकरके उत्तम आय प्राप्त करेगें। आप साहसी होगें, और अपने प्रयासों को बहुत बुद्धिमानी से निदेर्शित करके अपने लक्ष्यों को प्राप्त करेगें। आपका धार्मिक रूझान बहुत उत्कृष्ट होगा, और भारी रूचि के साथ पवित्र प्राचीन शास्त्रों का अध्ययन करेगें। आप बडों का आदर करेगें,और अपने मित्रों के प्रति उदार होगें।

आपकी कुण्डली में शुक्र २रे भाव में स्थित है। इस कारण से आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें। आप अपने जीवन साथी के मामले में भाग्यशाली होगें, और आपके परिवार में महिलाओं की संख्या अधिक हे सकती है। आप सम्पन्न होगें, और आपका घरेलू जीवन खुशहाल और आनन्दमय होगा। आप अपनी मुस्कराहटों, मीठी बोली, मनोहारी ढंगों और आकर्षक व्यवहार से लोगों को प्रभावित करेगें। आपको एक स्तरीय और ऊँचा पद प्राप्त होगा, आपकी आय बहुत उत्तम होगी, और आपके सम्मान और विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। भाग्य आप पर सदा मेहरबान रहेगा, और आपको कई नयी सम्पत्तियाँ प्रदान करेगा- जिसमें वाहन आराम की वस्तुयें, और मूल्यवान चीजें जैसे रत्न और आभूषण। आप शान और आराम के साथ जीवन व्यतीत करेगें।

जन्म कालिक शनि की स्थिती से भविष्यफल-

आपकी कुण्डली में शनि कर्क राशि में स्थित है। इस कारण से आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें। अपने शुरूआती बचपन में आपके पिता को कोई आघात लग सकता है, और आप कुछ परेशानियों का सामना कर सकते हैं, लेकिन अपने प्रयासों के बल पर आप अपने भाग्य में सुधार करेगें। अपने जीवन के मध्य काल में आप अपने प्रिय जीवन साथी के साथ जीवन के सभी सुखों का आनन्द प्राप्त करेगें। लेकिन दूसरों से प्रभावित होने के कारण आप कुछ हद तक कुटिल हो सकते हैं, और अपने संबंधियों से प्रतिकूल भाव रख सकते हैं। आपका स्वास्थ्य बहुत उत्तम नहीं हो सकता है, और कभी -२ आप छोटी बीमारियों से ग्रसित हो सकते हैं, आपको नेत्रों की कुछ समस्यायें हो सकती हैं। यदि कुछ संशोधनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, तो आपकी माता का स्वास्थ्य और सुख चिन्ता का कारण हो सकता है।

आपकी कुण्डली में शनि ११वें भाव में स्थित है। यह स्थिति कई मामलों में बहुत अनुकूल होगी, लेकिन यह आपके व्यक्तित्व को प्रभावित कर सकती है। आपकी आर्थिक संभावनाओं में भारी सुधार होगा- जैसाकि आप अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिये सुविधाजनक तरीकों को अपनाने में संकोच नहीं कर सकते हैं। आप भौतिक सुखों और आरामों का आनन्द प्राप्त करेगें, लेकिन आपके दिमाग में एक खालीपन हो सकता है, जैसाकि आप किसी चीज की कमी महसूस कर सकते हैं- जो मूल्यवान या मूल्यरहित हो सकता है। आपके जीवन साथी में उत्पादकता या उर्वरता का अभाव हो सकता है, या वह एक निराश वैरागी हो सकता है। संतानप्राप्ति के मामले में आप बहुत भाग्यशाली नहीं हो सकते हैं। इसके अलावा, आपके कुछ धोखेबाज या कपटी मित्र हो सकते हैं- जिनकी गलतियों के कारण आपकी आशायें और अभिलाषायें हताशा के सागर में डूब सकती हैं, और महत्वाकांक्षायें अफलित रह सकती हैं। यदि चन्द्रमा शनि के साथ में स्थित है, तो आपकी माता की मानसिक स्थिति का ह्रास आपकी वास्तविक चिन्ता का बडा कारण हो सकता है। यदि शनि कुम्भ या मकर या तुला राशि में स्थित है, तो शुभ परिणाम देगा।

जन्म कालिक राहु की स्थिती से भविष्यफल-

आपकी कुण्डली में राहु २रे भाव में स्थित है। इस कारण से आपका जन्म एक सम्पन्न परिवार में हुआ होगा, लेकिन आपके परिवार का भाग्य कुछ हद तक अस्थायी हो सकता है, और आपको पुराना स्तर प्राप्त करने के लिये कठिन परिश्रम करना पड सकता है। आपको मिलने वाले अवसरों का उपयोग करके आप अपने भाग्य में सुधार करेगें, लेकिन आपको

कुछ शुभ घरेलू समारोहों जैसे शादी में भारी धन खर्च करना पड सकता है। आपके अपने जीवन साथी और ससुराल वालों से संबंध बहुत आत्मीय नहीं हो सकते हैं।

जन्म कालिक केतु की स्थिती से भविष्यफल-

आपकी कुण्डली में, यूरेनस तुला राशि में स्थित है। इस कारण से, आपकी शारीरिक संरचना सही अनुपात में और कद लम्बा तथा मस्तक ढलाऊँ, बाल लम्बे हो सकते हैं। आपके कामों और विचारों के बीच अति उत्तम संतुलन हो सकता है- जिससे आप अपने सभी कामों में सफल होगें। हलाँकि, रोमांस के मामले में आप कुछहद तक उतावले हो सकते हैं,नये संबंध शीघ्र बन और टूट सकते हैं। लेकिन आपमें चुम्बकीय आकर्षण होगा, और आपके मित्रों तथा परिचितों का दायरा बडा होगा। आप गुर्दे की सूजन, मूत्र में रूकावट, डायबिटीज, ब्लैडर का संकुचन, स्कर्वी आदि रोगों से ग्रसितहो सकते हैं।

आपकी कुण्डली में, यूरेनस २रे भाव में स्थित है। इस कारण से,आपको बहुत सावधान और सजग रहना होगा- विशेषकर अपने कथनों, घरेलू और आर्थिक मामलों में । कुछ अचानक और अप्रत्याशित घटनाओं के कारण, आपको भारी उतार चढावों का सामना करना पड सकता है, और गंभीर आघात भी लग सकता है। यदि कुछ संशोधनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, तो जीवन के उतार चढावों के बीच आप झूलते रह सकते हैं।

जन्म कालिक नेपचुन की स्थिती से भविष्यफल-

आपकी कुण्डली में, नेपचून वृश्चिक राशि में स्थित है। इस कारण से,आपका शारीरिक आकृति कुछ हद तक रूखा और रूप बजारे की रह हो सकता है- हलाँकि आपमें लोगों को आपकर्षित करने की विलक्षण क्षमता होगी। यदि कोई नैसर्गिकशुभ ग्रह नेपचून को प्रभावित करता है, तो आपकी दार्शनिक क्षमता बली होगी, और आपमें भविष्यवाणी करने की दक्षता होगी। लेकिन यदि किसी नैसर्गिक अशुभ ग्रह का प्रभाव इस पर है, तो आप तुनक मिजाजी और ईष्यालु हो सकते हैं। आप जनांनांगों और प्रजनन तन्त्र से संबंधित रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं।

आपकी कुण्डली में, नेपचून ३रे भाव में स्थित है। इस कारण से,आप रचनात्मक कल्पनाशक्ति,खोजी दिमाग, जिज्ञासु मान्यताओं और मनोवैज्ञानिक दक्षताओं से पूर्ण होगें। आपमें गूढ विषयों के प्रति रूचि और गहन अन्तर्ज्ञान की परक हो सकती है, आपमें तारक संबंधी चित्रण की क्षमता या आध्यात्मिक दृष्टिकोण भी हो सकता है। आपको बहुत सावधान रहना चाहिये- जैसाकि आपके संबंधी आप पर भार लाद सकते हैं, या आपको धोखा दे सकते हैं, इसके अलावा, आपकोयात्राओं के दौरान कुछ समस्याओं का सामना करना पड सकता है।

जन्म कालिक प्लुटो की स्थिती से भविष्यफल-

आपकी कुण्डली में, प्लूटो कन्या राशि में स्थित है। इस कारण से, आपकी शारीरिक संरचना वर्गाकार,छरहरी तथा कद औसत और बाल काले हो सकते हैं। आपमें अपने को बहुत महत्वपूर्ण समझने की प्रवृत्ति हो सकती है, और दूसरों कोबिना झिझक ठेस पहुँचाने की आदत हो सकती है- जो आपके विचारों और मतों से सहमत नहीं हों। यदि प्लूटो किसी नैसर्गिक अशुभ ग्रह से पीडित है, तो आपका यश धीरे-२ मंदा पड सकता है, और आप गुमनामी के अँधेरों में खो सकते हैं। आप कलाई और अँगुलियों में माँसपेशियों के खिंचाव, भोजन विषाक्तता, डायरिया, दस्त, पेचिश, काला ज़्वर आदि रोगों से ग्रसित हो सकते हैं।

आपकी कुण्डली में, प्लूटो लग्न में स्थित है। इस कारण से,आप में स्वयं के एक कानून होने की धारणा विकसित हो सकती है- जिससे आप अपने कई मित्रों को अपना शत्रु बना सकते हैं। लेकिन यदि आप अपने भ्रम जाल से बाहर निकलने की कोशिश करते हैं, कुछ कठोर उपायों को अपना कर जीवन में प्रगति करने की आप में उल्लेखनीय क्षमता है- जैसाकि आपकी आधिपत्य की भावना को सही समय पर उचित काम करने की क्षमताओं का सहारा मिलेगा और आपइस कहावत को चरितार्थ करने में सक्षम होगें, कि भगवान भी उन्हीं की मदद करता है, जो अपनी मदद स्वयं करते

ॐ ।

कुण्डली में ग्रहों की स्थिति से भविष्यफल (सायन)

आपकी कुण्डली में लग्न की स्थिति यह दर्शाती है कि , आप एक महात्वाकांक्षी, निडर तथा नायकत्व का गुण रखने वालेव्यक्ति होगें। आप किसी स्थिति को जल्द समझने वाले, मेधावी तथा भाषण कला में निपूण होगें, जिसकी वजह से आप लोगों के दिमाग में अमिट छाप छोड़कर उन्हे प्रभावित कर सकते हैं। आप अपने दायरे में बहुत सारे लोगों का भरोसा और दिली समर्थन हासिल करेगें।

आपकी कुण्डली में सूर्य की स्थिति यह दर्शाती है कि , आप व्यवहारिक और कर्त्तव्यनिष्ठ स्वभाव वाले हैं। बेकार बैठनेकी जगह आपको काफी सोचना चाहिए। आपमें जल्दबाजी की प्रवृत्ति होगी। आप वैसे जगह पहुॅचेगें जहॉ लोग उत्पादक कार्य कर रहे होगें। आपमें क्रियात्मक गतिविधियों मे भाग लेने की हमेशा चाहत होगी।

आपकी कुण्डली में चन्द्रमा की स्थिति यह दर्शाती है कि , आप कपटी स्वभाव के हो सकते हैं, लेकिन गूढ़ लक्ष्य होगें। आपको सावधान रहना चाहिए और अनचाही प्रवृत्तियों को छोड़ना चाहिए, नही तो आपको ऐसे नुकसान का सामना करनापड़ सकता है जिससे बचना मुश्किल होगा। लेकिन, अगर आपकी कुण्डली में बुध ठीक से विराजमान है तो आप सही-सलामत बच जायेगें।

आपकी कुण्डली में मंगल की स्थिति यह दर्शाती है कि , जब तक बुध आपकी कुण्डली में सही स्थिति में नही आता है, तब तक आप दोहरे चरित्र तथा पाखंडी प्रवृत्ति के हो सकते हैं। आप अपना ही स्वभाव नही समझ सकते जिसकी वजह से आप पहले अपने आप को तथा बाद मे दूसरों को धोखा दे सकते हैं। अपना अपने मित्रों का विश्वाश और भरोसा खो सकते हैं।

आपकी कुण्डली में बुध की स्थिति यह दर्शाती है कि , जब तक आपकी कुण्डली में कोई शुभ प्रभावशाली ग्रह उपस्थित नहीं हैं, आपका स्वभाव नम्र लेकिन कुछ क्षीण होगा। आप उन कार्यों को करने की कोशिश करेगें जो आपके वश में नही होगी। या किसी कार्य को शुरू करने के पश्चात आपका उत्साह डगमगा सकता हैं।

आपकी कुण्डली में वृहस्पति की स्थिति यह दर्शाती है कि , आप बहुत ही कर्मठ व्यक्ति होगें तथा हमेशा व्यस्त रहेगें। आप काफी संवेदनशील हो सकते हैं तथा अपने आस-पास की स्थितियों से प्रभावित हो सकते हैं। दूसरों को समझाने के लिए आप उन्हे अपने विचार विस्तार से बतायेगें, जिसकी वजह से लोग आपको अधिक बातूनी समझ सकते हैं।

आपकी कुण्डली में शुक्र की स्थिति यह दर्शाती है कि , आपमें अद्भुत निर्णय क्षमता या परखने की क्षमता है तथा हर पहलू को ध्यान में रखकर प्रत्येक संभावनाओं को खोजने का विशेष गुण है। आप किसी भी चीज के दोनो पहलू देखने में सक्षम हैं जिसकी वजह से आपके लिए निर्णायक या आलोचक बनना आसान होगा, जिसके नजरिये और विचारों का महत्त्व होगा।

आपकी कुण्डली में शनि की स्थिति यह दर्शाती है कि , आप घमंडी स्वभाव के हो सकते हैं और अपने बारे मे ऊॅचा आत्माभिमान रख सकते हैं। यदि आपकी कुण्डली में सूर्य सही स्थिति में नही है या कोई अशुभ ग्रह आपके लग्न या आठवें घर के स्वामी को प्रभावित कर रहा है तो आप साहसी तथा घमंडी हो सकते हैं। लेकिन अगर सूर्य सही स्थान पर स्थित है तो निश्चित रूप से आप ऊॅचा पद और प्रतिष्ठा पाएॅगें।

आपकी कुण्डली में राहु की स्थिति यह दर्शाती है कि , आप तीव्र बुद्धि वाले होगें और आत्मज्ञान का भंडार होगा। बिना अधिक सोचे हुए ही आप निष्कर्ष निकाल सकते हैं और निर्णय ले सकते हैं जो आम तौर पर आपके लिए सही साबित

होगा। आप मनुष्य स्वभाव को ठीक तरह समझते हैं जिसकी वजह से जनसंपर्क में सफलता मिलेगी।

ञआपकी कुण्डली में केतू की स्थिति यह दर्शाती है कि , आप कुछ घमण्डी तथा आत्मविश्वासी हो सकते हैं । यदि न तो शुक्र और न ही चन्द्रमा आपकी कुण्डली में ठीक से स्थित नही है तो आप अपने उद्देश्य पूर्ति के लिए कोई गलत कदम भी उठा सकते हैं और अपनी धन–सम्पति बढ़ाने के लिए छल–कपट भी कर सकते हैं ।

ग्रहों के लिए रत्न और रूद्राक्ष

लग्नाधिपति के लिए रत्न

आपका लग्न स्वामी बुध है। चूँकि यह न तो नीचस्थ हैं और न ही त्रिका भाव में विराजमान है और न ही मारक भाव में स्थित है, इसलिए आप बुध के लिए रत्न पहन सक्ते हैं।

सोने की अँगुठी मे पांच या सात रत्ती का पन्ना डलवाकर इसे बुधवार के दिन दाहिने हाथ की छोटी या मध्य ऊँगली में पहनें। यदि आप पन्ना पाने मे सक्षम नही हैं तो इसकी जगह एक्वामरीन, पैरिडोट रत्न, हरितमणि या हरा तुरमली भी पहना जा सकता है।

''रत्न धारण करते समय निम्न में से किसी एक मंत्र का जाप करना चाहिए:

व्यासदेव का वेदिक मंत्र :

प्रियगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम्,
सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधम् प्रणमाम्यहम्।

ग्रह मंत्र :

ओऽम् ब्रम् ब्रीम् ब्रूम् सह बुधवे नमः।

बीज मंत्र :

ओऽम् ब्रूम ब्रीम बुधवे नमः।

नौवें भाव के स्वामी के लिए रत्न

चूँकि आपकी कुण्डली में नौवें घर का स्वामी मारक भाव का स्वामी है, इसलिए नौवें घर के स्वामी के लिए रत्न पहननाउपयुक्त है।

योग कारक ग्रह के लिए रत्न

आपकी कुण्डली में कोइ प्राकृतिक योग-कारक ग्रह नहीं है

तात्कालिक योग कारक ग्रह के लिए रत्न

आपकी कुण्डली में कोइ तात्कालिक योग-कारक ग्रह नहीं

रूद्राक्ष के लिए सुझाव

आपका जन्म पूर्णिमा को हुआ है, इसलिए आपके लिए पॉच मुख वाला रूद्राक्ष उपयुक्त है। क्योकि पन्द्रह मुख वाला रूद्राक्ष पहना नही जाता है।

इस रूद्राक्ष के इष्ट देव सदाशिव हैं। यह पॉचो तत्वों को दर्शाता है तथा स्वास्थ्य, सफलता, शांति तथा खुशहाल जीवन प्रदान करता है।

रूद्राक्ष को धारण करते समय आपको निम्न में से किसी एक मंत्र का जाप करना चाहिए:
रूद्राक्ष के लिए मंत्र:

ओऽम् ह्रिम् नमः।

रूद्राक्ष के लिए पंचाक्षरी मंत्र:

ओऽम् ह्रिम् आम् क्षम्यों सह्।

रूद्राक्ष के लिए दुसरे अन्य सुझाव :

चूँकि आपके चन्द्रमा का नक्षत्र स्वामी चन्द्रमा है, इसलिए आपके लिए दो मुख वाला रूद्राक्ष उपयुक्त है।

रूद्राक्ष की सत्यता प्रमाणित करने के लिए जॉच:

(अ)तैरान जॉच :- पानी की उपरी सतह पर रूद्राक्ष रखने से यदि यह डुब जाता है तो रूद्राक्ष असली है, लेकिन यदि यह तैरता रहता है, तो रूद्राक्ष झूठा है।

(ब) तॉबा जॉच :- असली रूद्राक्ष बहुत उष्म होता हैं और यह विद्युत चुम्बकीय गुण के कारण तॉबे को अपनी ओर आकर्षित करता है। यदि रूद्राक्ष के मोतियों को धागे में लटका कर तॉबे के चादर के छोटे से टुकड़े के उपर लटका दिया जाय तो ये मोती लगातार गोल-गोल घूमने लगेगें। यदि इनके घूमने की दिशा घड़ी की सूईयों की घूमने की दिशा के समान है तो ये असली हैं।

(वि प्रा - भद्राक्ष भी रूद्राक्ष की तरह होता है, परन्तु यह मृदुल रंग एवं कम ताप देने वाला होता है।)

(स) दूध जॉच :- एक कप दूध के अंदर रूद्राक्ष के मोती को डाल दें और इसे पूरे दिन तक रखिये। यदि दूध खराब नही होता है तो मोती असली है और यदि दूध खराब हो जाता है तो झूठा है।

वि प्रा - असली रूद्राक्ष गर्म होता है, इसलिए यदि आप वृद्ध या शारीरिक रूप से कमजोर व्यक्ति हैं, तो रूद्राक्ष की जगहआपको भद्राक्ष पहनना चाहिए।

भद्राक्ष भी रूद्राक्ष जैसा ही होता है लेकिन यह मृदुल रंग और कम ताप देने वाला होता है। ये गौरी शंकर का आर्शीवाद

प्रदान करते हैं। यह उत्तम स्वास्थ्य के लिए एवं परिवार तथा दोस्तों के साथ आरामदायक जीवन बिताने में लाभदायक है।

भद्राक्ष के लिए मंत्रः-

ओऽम् गौरी शंकराय नमः।

भद्राक्ष के लिए शुभ मंत्रः-

सर्व मंगल मांगल्ये शिवे सर्वथा साधिके
श्रणये त्रयम्बके गौरी नारायणी नमस्तुते ।

क्या है कालसर्प योग?

जब कुण्डली में सारे ग्रह राहु और केतु के अंशो के बीच में आ जाते हैं तो कुण्डली को कालसर्प योग से ग्रसित माना जाता है। यदि एक भी ग्रह राहु और केतु के अंशो के बाहर रह जाता है तो पूंर्ण कालसर्प योग नही माना जाएगा। हांलाकिसारे ग्रह केतू और राहु के अंशो के बीच में आ जायें तो भी आशिंक कालसर्प योग माना जायेगा।

कालसर्प योग का सामान्य प्रभाव–

१) किसी भी शुभ और महत्वपूर्ण कार्य को करते समय परेशानियों का सामना करना ।
२) मानसिक तनाव
३) आत्म विश्वास मे कमी
४) स्वास्थ्य संबधी परेशानियां
५) गरीबी और धन की कमी
६) ब्यापार में घाटा और नौकरी में परेशानी
७) उत्तेजना और बेकार की चिंताएं
८) मित्रों और शुभचिंतकों से मनमुटाव
९) मित्रों और शुभचिंतकों की तरफ से विश्वासघात
१०) मित्रों, शुभचिंतकों और रिश्तेदारों की ओर से किसी भी तरह का सहयोग नहीं प्राप्त होना

आपकी कुण्डली में कालसर्प योग मौजुद नहीं है।

शरीर के विभिन्न अंगो का ज़्योतिषीय आकलन

शारिरिक बनावट, कद-काठी और त्वचा का रंग

इनमें से हर एक तत्व कई सारे छोटे-छोटे कारकों पर निर्भर हैं, जैसे- लग्न राशि, लग्न में बैठे हुए ग्रह, लग्न पर दृष्टि डालने वाले ग्रह, चन्द्र राशि में बैठे हुए ग्रह, चन्द्र राशि पर दृष्टि डालने वाले ग्रह, लग्न का क्रिशांश, ग्रहो की राशिगत स्थिति, लग्नाधिपति की भावगत स्थिति इत्यादि।

संभावित कद का अनुमान (वयस्क होने पर)-

आपकी लग्न राशि कन्या है और लग्न में बहुत सारे ग्रह स्थित नहीं हैं। यदि कुछ संशोधनकारी प्रभाव आपकी जन्म-कुण्डली में उपस्थित नहीं है तो आपकी शारीरिक संरचना सामान्य होगी।

आपकी जन्म-कुण्डली में लग्न-स्वामी लग्न से केन्द्र भाव में स्थित है। यदि कुछ संशोधनकारी प्रभाव आपकी जन्म-कुण्डली में उपस्थित नहीं है तो आपकी शारीरिक संरचना लंबी होगी।

आपकी जन्म-कुण्डली में लग्न की शायन डिग्री राशि के दूसरे या तीसरे चतुर्थांश में है। यदि कुछ संशोधनकारी प्रभाव आपकी जन्म-कुण्डली में उपस्थित नहीं है तो आपकी शारीरिक संरचना सामान्य होगी।

संभावित त्वचा के रंग का अनुमान -

आपका जन्म पूर्णिमा तिथि को हुआ है। यदि कुछ संशोधनकारी प्रभाव आपकी जन्म-कुण्डली में उपस्थित नहीं है तो आप कुछ गौरवर्ण के होगें।

वृहस्पति आपके लग्न पर दृष्टि डाल रहा है, जबकि आपका लग्न न तो धनु है और न ही मीन है। यदि कुछ संशोधनकारी प्रभाव आपकी जन्म-कुण्डली में उपस्थित नहीं है तो आप थोड़े गौरवर्ण के होगें।

आपका लग्न न तो कुंभ है और न ही मकर और शनि आपके लग्न पर दृष्टि डाल रहा है। आप कुछ गहरे वर्ण के हो सकते हैं।

त्वचा के रंग पर ग्रहों का संयुक्त प्रभाव-

सभी ग्रहों (सूर्य से शनि तक) के संचित प्रभाव को ध्यान में रखते हुए ऐसा प्रतीत होता है कि आप मध्यम (न तो गहरेऔर न ही गौर) वर्ण के हो सकते हैं।

शरीर के स्थूलकाय होने का अनुमान (वयस्क होने पर)-

आपकी जन्म-कुण्डली में चंद्रमा एवं मंगल एक साथ स्थित हैं। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो इसके प्रभाव के कारण किशोरावस्था के बाद के आयु-काल से आपका शरीर बलिष्ठ होना शुरू होगा और बाद में आपका शरीर हट्टा-कठ्ठा, स्थूल एवं भारी होता जायेगा।

आपकी जन्म-कुण्डली में लग्न या तो शनि के साथ स्थित है या शनि इस पर अपनी दृष्टि डाल रहा है। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो इसके विपरीत प्रभाव के कारण आपका शरीर हट्टा-कठ्ठा या स्थूल या भारी नहीं हो सकता है।

जीभ, दांत और बोलने की क्षमता का आकलन

आपकी जन्म-कुण्डली में दूसरे भाव का स्वामी शुभ ग्रह है। यह तुंगस्थ है (या अपनी राशि या अपने नक्षत्र में स्थित है), जबकि यह न तो किसी अशुभ ग्रह के साथ नजदीकी से जुड़ा है और न ही इस पर किसी अशुभ ग्रह की दृष्टि

पड़ रही है । यह एक अनुकूल युति है । यदि आपकी जन्म–कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आपके दॉत काफी आकर्षक होगें, जो मोतियों जैसे होगें और लंबे समय तक चमकदार रहेगें । आप अपनी दॉतों का काफी ख्याल रखेगें ।

आपकी जन्म–कुण्डली में दूसरे भाव का स्वामी किसी दूसरे ग्रह के साथ राशि बदलाव में शामिल है । इसके प्रभाव के कारण आप काफी बातूनी व्यक्ति हो सकते हैं और इस हद तक हो सकते हैं कि आपने अपने लोग आपके होठों पर चिपकाने वाला टेप – फीता – लगाना चाहेगें । हालॉकि, आपकी नैसर्गिक क्षमता आपके लिए आपके रोजगार में काफी लाभदायक हो सकती है, जहॉ यह अक्षमता की जगह वांछित गुण साबित हो सकता है । आपमें दूसरे लोगों को अपनी बात मनवाने की अद्‌भूत क्षमता होगी। आप स्वयं का कोई व्यवसाय कर सकते हैं, जिसे आप तेजी से चलाने में सक्षम होगें ।

आपकी जन्म–कुण्डली में दूसरा भाव ध्वनि की राशि है । एक शुभ ग्रह (बुध या शुक्र) वहॉ स्थित है और यह किसी भी अशुभ ग्रह की स्थिति या दृष्टि से दूषित नहीं है । यह काफी उत्तम युति है । यदि आपकी जन्म–कुण्डली में कोई प्रतिकारी प्रभाव उपस्थित नहीं है तो आप वाक्‌पटुता से युक्त हो सकते हैं, जिसका दक्षता पूर्वक उपयोग आप लाभ एवं फायदे के लिए कर सकते हैं ।

जैसा कि बुध के भिन्न–अष्टकवर्ग में दूसरे भाव की राशि में सात बिन्दु हैं, यह काफी अनुकूल चीजों को इंगित करता है । इसके प्रभाव के कारण आप निश्चित रूप से एक असाधारण सहमति योग्य वक्ता होगें । इसके अलावा, आप एक समर्थ लेखक होगें । आप दूसरे लोगों को अपनी बात मनवाने में सक्षम होगें और अपने रायों एवं विचारों के लिए समर्थन प्राप्त कर सकते हैं । यदि आपकी जन्म–कुण्डली में कोई शुभ ग्रह ठीक ढंग से व्यवस्थित है और पॉचवॉ भाव भी मजबूत है तो आप कवि या साहित्यकार भी हो सकते हैं ।

आपकी जन्म–कुण्डली में बुध के भिन्न–अष्टकवर्ग में दूसरे भाव की राशि में चार (या अधिक) बिन्दु हैं । आपकी जन्म–कुण्डली में चंद्रमा आरोही (शुक्ल पक्ष का) है और यह अपने कक्षा में एक बिन्दु का योगदान कर रहा है । यह अनुकूल युति है । यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आप सौम्य व्यक्ति होगें । जैसा कि आप बातचीत के दौरान काफी स्पष्टवादी होगें, लोग आपको काफी पसंद करेगें ।

आपकी जन्म–कुण्डली में बुध के भिन्न–अष्टकवर्ग में दूसरे भाव की राशि में चार (या अधिक) बिन्दु हैं । बुध अपनी कक्षा में एक बिन्दु का योगदान कर रहा है, जबकि इस भाव राशि में एक (या अधिक) शुभ ग्रह भी बिन्दु का योगदान कररहा है । यह अनुकूल युति है । यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आपमें मनोहारीशिष्टाचार होगा। बातचीत के दौरान आपकी बातें तार्किक एवं हाजिर जवाब होगीं ।

आपकी जन्म–कुण्डली में बुध के भिन्न–अष्टकवर्ग में दूसरे भाव की राशि में चार (या अधिक) बिन्दु हैं । वृहस्पति अपनी कक्षा में एक बिन्दु का योगदान कर रहा है, जबकि इस भाव राशि में एक (या अधिक) शुभ ग्रह भी बिन्दु का योगदान कर रहा है । यह अनुकूल युति है । यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आपमें मनोहारी शिष्टाचार होगा। बातचीत के दौरान आपकी बातें बुद्धिमत्तापूर्ण एवं स्पष्ट होगीं और आप अक्छे उदाहरण प्रस्तुत करेगें ।

आपकी जन्म–कुण्डली में बुध के भिन्न–अष्टकवर्ग में दूसरे भाव की राशि में चार (या अधिक) बिन्दु हैं । शुक्र अपनी कक्षा में एक बिन्दु का योगदान कर रहा है, जबकि इस भाव राशि में एक (या अधिक) शुभ ग्रह भी बिन्दु का योगदान

कर रहा है। यह अनुकूल युति है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आपमें मनोहारी शिष्टाचार होगा। बातचीत के दौरान आपकी बातें ऊँचे आदर्शों एवं रोचक किस्सों के साथ फैलेगी।

कान और सुनने की शक्ति

आपकी जन्म-कुण्डली में एक शुभ ग्रह तीसरे भाव की राशि पर दृष्टि डाल रहा है। यह आंशिक रूप से अनुकूल युति है। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो, यदि आप पुरूष हैं तो, आपकी दाएं कान/श्रवण शक्ति (या यदि आप महिला हैं तो आपकी बाएं कान/श्रवण शक्ति) से संबंधित समस्याओं का सामना करने की संभावना बहुत कम है।

आपकी जन्म-कुण्डली में एक शुभ ग्रह ग्यारहवें भाव की राशि पर दृष्टि डाल रहा है। यह आंशिक रूप से अनुकूल युतिहै। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो, यदि आप पुरूष हैं तो, आपकी बाएं कान/श्रवण शक्ति (या यदि आप महिला हैं तो आपकी दाएं कान/श्रवण शक्ति) से संबंधित समस्याओं का सामना करने की संभावना बहुत कम है।

बांह, हाथ और कन्धे की संरचना का अनुमान

आपकी जन्म-कुण्डली में तीसरे भाव का स्वामी बलवान है, जैसा कि यह या तो तुंगस्थ है या अपनी राशि या अपने नक्षत्र में है। तीसरे भाव का स्वामी बॉह और कंधे का सूचक है। यह अनुकूल युति है। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आपके शरीर के ये हिस्से भली-भॉति विकसित होगें। जैसा कि तीसरा भावआहार-नली, हवा-नली, तंत्रिका प्रणाली एवं श्वांस प्रणाली को भी संचालित करता है, आपके शरीर के ये हिस्से बिल्कुल सही स्थिति में होगें।

हृदय और पीठ की स्थिति का अनुमान

आपकी जन्म-कुण्डली में पॉचवें भाव का स्वामी शक्तिशाली है, जैसा कि यह तुंगस्थ या अपनी राशि या अपने नक्षत्र मेंस्थित है। पॉचवें भाव का स्वामी दिल एवं पीठ को शासित करता है। यह अनुकूल युति है। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आपके शरीर के ये भाग सही तरीके से काम करेगें।

सूर्य, जो प्राकृतिक राशिचक्र में पॉचवीं राशि का स्वामी हैं, आपकी कुण्डली में एक या अधिक कार्यात्मक अशुभ ग्रहों के साथ स्थित है या इनकी दृष्टि सूर्य पर पड़ रही है। यह अनुकूल युति नहीं है। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आपके हृदय एवं पीठ के आस पास के भाग काफी मजबूत नहीं हो सकते हैं। जैसा कि सिंह राशि का आधिपत्य गठिया, ज़्वर एवं पेट के उपरी भाग से संबंधित समस्याओं पर होता है, आप इनमें से एक या अधिक कष्टों से ग्रसित हो सकते हैं।

आपकी जन्म-कुण्डली में पॉचवें भाव का स्वामी वृहस्पति के साथ स्थित है या इस पर वृहस्पति की दृष्टि पड़ रही है। यह अनुकूल युति है। जैसा कि पॉचवें भाव के स्वामी का आधिपत्य शरीर के दिल एवं पीठ वाले भाग पर होता है, आपके शरीर के ये हिस्से मजबूत होगें।

उदर (पेट) और पाचन क्रिया का अनुमान

कर्क राशि एवं इसके स्वामी का आधिपत्य शरीर के बहुत महत्त्वपूर्ण आंतरिक अंग पेट पर होता है। आपकी जन्म-कुण्डली में चंद्रमा (जो कि कर्क राशि का स्वामी है) शक्तिशाली है, जैसा कि यह तुंगस्थ है या अपनी राशि या अपने नक्षत्र में स्थित है। यह अनुकूल युति है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आपके पेट की क्रिया समस्यारहित होगी और आपकी पाचन शक्ति अच्छी

होगी।

कर्क राशि का आधिपत्य शरीर के बहुत महत्त्वपूर्ण आंतरिक अंग पेट पर होता है। आपकी जन्म-कुण्डली में एक या एक से अधिक अशुभ ग्रह इस राशि में स्थित हैं, जबकि कोई भी शुभ ग्रह इसमें स्थित नहीं है। यह अनुकूल युति नहीं है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित हैं तो आपके पेट की क्रिया छोटी-मोटी समस्याओं से रहित नहीं हो सकती है और आपकी पाचन शक्ति भी अच्छी नहीं होगी।

कर्क राशि का आधिपत्य शरीर के बहुत महत्त्वपूर्ण आंतरिक अंग पेट पर होता है। आपकी जन्म-कुण्डली में एक या एक से अधिक शुभ ग्रह इस राशि पर दृष्टि डाल रहे हैं, जबकि कोई भी अशुभ ग्रह इस पर दृष्टि नहीं डाल रहा है। यह अनुकूल युति है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित हैं तो आपके पेट की क्रिया समस्याओं से रहित हो सकती है और आपकी पाचन शक्ति भी अच्छी होगी।

चौथे भाव का आधिपत्य शरीर के बहुत महत्त्वपूर्ण आंतरिक अंग पेट पर होता है। आपकी जन्म-कुण्डली में एक या एकसे अधिक अशुभ ग्रह इस राशि पर दृष्टि डाल रहे हैं, जबकि कोई भी शुभ ग्रह इस राशि पर दृष्टि नहीं डाल रहा है। यह अनुकूल युति नहीं है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आपके पेट की क्रियाछोटी-मोटी समस्याओं से रहित नहीं हो सकती है और आपकी पाचन शक्ति भी अच्छी नहीं होगी।

छठे भाव के स्वामी का आधिपत्य शरीर के बहुत महत्त्वपूर्ण आंतरिक क्रिया पाचन प्रणाली पर होता है। आपकी जन्म-कुण्डली में एक या अधिक शुभ ग्रह छठे भाव के स्वामी पर दृष्टि डाल रहे हैं, जबकि कोई भी अशुभ ग्रह इस पर दृष्टि नहीं डाल रहा है। यह अनुकूल युति है। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैंतो आपके शरीर की पाचन प्रणाली समस्या रहित हो सकती है, जिसकी वजह से आपका स्वस्थ उत्तम होगा।

छठे भाव के स्वामी का आधिपत्य शरीर के बहुत महत्त्वपूर्ण आंतरिक क्रिया पाचन प्रणाली पर होता है। आपकी जन्म-कुण्डली में एक या अधिक अशुभ ग्रह छठे भाव के स्वामी पर दृष्टि डाल रहे हैं, जबकि कोई भी शुभ ग्रह इस पर दृष्टि नहीं डाल रहा है। यह अनुकूल युति नहीं है। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आप अपने पाचन प्रणाली को प्रभावित करने वाली कुछ समस्याओं से गुजर सकते हैं, जो आपके स्वास्थ्य को कुछ हद तक प्रभावित कर सकती है।

शरीर के ग्राही, अवशोषी और उत्सर्जी अंगो का अनुमान

आपकी जन्म-कुण्डली में चंद्रमा मजबूत स्थिति में है, जैसा कि यह तुंगस्थ है या अपनी राशि या अपने नक्षत्र में स्थितहै। संकेत अनुकूल हैं। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आपके शरीर का तरल प्रसारण प्रणाली एवं ग्रंथि प्रणाली समस्या रहित होगी।

आपकी जन्म-कुण्डली में चंद्रमा एक या अधिक शुभ ग्रहों के साथ स्थित है या चंद्रमा पर इनकी दृष्टि पड़ रही है। संकेत अनुकूल हैं। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आपके शरीर का तरल प्रसारण प्रणाली एवं ग्रंथि प्रणाली बिना किसी समस्या के काम करती रहेगी।

आपकी जन्म-कुण्डली में चंद्रमा एक या अधिक अशुभ ग्रहों के साथ स्थित होने या उनकी दृष्टि पड़ने के कारण दूषित हो रहा है। संकेत अनुकूल नहीं हैं। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आपको शरीर के तरल प्रसारण प्रणाली एवं ग्रंथि प्रणाली से संबंधित किसी समस्या के कारण कष्ट हो सकता

है।

जैसा कि आपकी जन्म-कुण्डली में चंद्रमा एक या अधिक क्रियात्मक अशुभ ग्रहों के साथ स्थित है या उनकी दृष्टि पड़ रही है। संकेत अनुकूल नहीं हैं। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आप किसी समय जैविक अव्यवस्था के कारण अतिसंवेदनशील हो सकते हैं।

आपकी जन्म-कुण्डली में शुक्र शक्तिशाली है, जैसा कि यह तुंगस्थ है या अपनी राशि या अपने नक्षत्र में स्थित है। संकेत अनुकूल हैं। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आप अपने आंतरिक जननेन्द्रिय से संबंधित किसी तरह की समस्या का सामना नहीं कर सकते हैं।

आपकी जन्म-कुण्डली में मंगल शक्तिशाली है, जैसा कि यह तुंगस्थ है या अपनी राशि या अपने नक्षत्र में स्थित है। संकेत अनुकूल हैं। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आप अपनी बाहरी जननेन्द्रिय और उत्सर्जन प्रणाली से संबंधित किसी तरह की समस्या का सामना नहीं कर सकते हैं।

जांघ, घुटना, टांगो और पंजों का अनुमान

आपकी जन्म-कुण्डली में एक तुंगस्थ ग्रह नौवें भाव में स्थित है, जो नितंब वाले भाग एवं जॉघों को दर्शाता है। संकेत अनुकूल हैं। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आपके शरीर के ये भाग काफीविकसित होगें।

आपकी जन्म-कुण्डली में एक या अधिक शुभ ग्रह नौवें भाव में स्थित है, जो नितंब वाले भाग एवं जॉघों को संचालित करता है। संकेत अनुकूल हैं। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आपके शरीरके ये भाग काफी विकसित होगें।

आपकी जन्म-कुण्डली में नौवें भाव का स्वामी शक्तिशाली है, जैसा कि यह तुंगस्थ है या अपनी राशि या अपने नक्षत्र में स्थित है। नौवें भाव का स्वामी नितंब वाले भाग एवं जॉघों को संचालित करता है। संकेत अनुकूल हैं। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आपके शरीर के ये भाग काफी विकसित होगें।

शनि, जो प्राकृतिक राशिचक्र में दसवीं राशि का स्वामी है, एक अशुभ ग्रह है। यह आपकी कुण्डली में कार्यात्मक अशुभग्रह भी है। इसके अलावा, यह आपकी कुण्डली में एक या अधिक कार्यात्मक अशुभ ग्रहों के साथ स्थित है या उनकी दृष्टि पड़ रही है। यह अनुकूल युति नहीं है। संकेत बिल्कुल भी अनुकूल नहीं हैं। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आपके शरीर के घुटनों के आस पास का भाग विकसित नहीं हो सकता है। या फिर, आप अपने शरीर के इस भाग के आस पास जन्मजात कष्ट महसूस कर सकते हैं।

आपकी जन्म-कुण्डली में ग्यारहवें भाव का स्वामी शक्तिशाली है, जैसा कि यह तुंगस्थ है या अपनी राशि या अपने नक्षत्र में स्थित है। ग्यारहवें भाव का स्वामी आपके शरीर के टांग के आस पास वाले भाग - घुटने से नीचे एवं टखने से ऊपर वाला भाग - को संचालित करता है। संकेत अनुकूल हैं। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आपके शरीर का यह भाग काफी विकसित होगा।

शनि, जो प्राकृतिक राशिचक्र में ग्यारहवीं राशि का स्वामी है, एक अशुभ ग्रह है। यह आपकी कुण्डली में कार्यात्मक अशुभ ग्रह भी है। इसके अलावा, यह आपकी कुण्डली में एक या अधिक कार्यात्मक अशुभ ग्रहों के साथ स्थित है या उनकी दृष्टि पड़ रही है। यह अनुकूल युति नहीं है। संकेत अनुकूल नहीं हैं। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ

संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आपके शरीर के टांग के आस पास वाले भाग – घुटने से नीचे एवं टखने से ऊपर वाला भाग – विकसित नहीं हो सकते हैं। या फिर, आप अपने शरीर के इस भाग के आस पास जन्मजात कष्ट महसूस कर सकते हैं।

शिक्षा की संभावना की जाँच

शिक्षा में बाधाओं का आकलन-

आपकी कुण्डली में, प्रमुख शिक्षा संबंधी भाव (२रे/ ४थे/ ५वे) का स्वामी वक्री है। अपितु यह लाभकारी कारक है। लेकिन आप बहुत नियमित या अधिक अध्ययनशील नहीं हो सकते हैं, फिर भी आपमें एकाग्रता की विशेष क्षमता होगी, और अविश्वसनीय रूप से आप कम समय में बहुत कुछ प्राप्त करेगें। कोर्स/ वर्ष के प्रारम्भ होने और पुन: अन्तिम परीक्षा के दौरान आपका उत्साह अपने चरम पर होगा, और अन्तत: आप अवश्य सफलता प्राप्त करेगें।

आपकी कुण्डली में, मंगल वक्री है। यह शिक्षा के लिये बिल्कुल भी बाधक नहीं है, अपितु यह लाभकारी कारक है। आप अवश्य महत्वाकांक्षी और गर्व की भावना से पूर्ण होगें- जो अप्रत्यक्ष रूप से आपको उत्तम शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगी।

आपकी कुण्डली में, शनि वक्री है। यह शिक्षा के लिये बिल्कुल भी बाधक नहीं है, अपितु यह लाभकारी कारक है। आपअवश्य महत्वाकांक्षी और गर्व की भावना से पूर्ण होगें- जो अप्रत्यक्ष रूप से आपको उत्तम शिक्षा प्राप्त करने के लिये प्रेरित करेगी। आपमें एकाग्रता का गुण होगा, और आपका अपनी मातृभाषा के अलावा विदेशी भाषाओं सहित अन्यभाषाओं पर बोलने और लिखने में उत्तम नियंत्रण हो सकता है। हालाँकि, आपको बहुत सावधान रहना चाहिए, क्योंकि वक्री शनि आपकी शिक्षा में स्थायी या अस्थायी रूप से बाधा डाल सकता है। जैसाकि तुगंस्थ या अपने भाव या नक्षत्र में स्थित होने के कारण शनि आपकी कुण्डली में बली है, अत: यह व्यवधान अस्थायी होगा, और इसका कारण परिस्थितियों में अचानक बदलाव या अवांछित विवशतायें हो सकती हैं।

रूझान और निपुणता (दुसरे भाव)-

आपकी कुण्डली में, द्वितीयेश बली है- तुगंस्थ या अपने भाव या नक्षत्र में स्थित होने के कारण। आपका शिक्षा के प्रति रूझान उत्तम होगा और आप में शैक्षिणिक दक्षता विद्यमान होगी- विशेषकर आपकी प्रारम्भिक आयु के दौरान।

आपकी कुण्डली में, एक या अधिक नैसर्गिक शुभ ग्रह २रे भाव में स्थित हैं। यह एक अनुकूल शैक्षिणिक संभावना है। आपका शिक्षा के प्रति रूझान उत्तम होगा और आप में शैक्षिणिक दक्षता विद्यमान होगी- विशेषकर आपकी अपेक्षाकृत प्रारम्भिक आयु के दौरान।

अनौपचारिक शिक्षा (तीसरे भाव से)-

आपकी कुण्डली में, तृतीयेश बली है- तुगंस्थ या अपने भाव या नक्षत्र में स्थित होने के कारण। यह दर्शाता है, कि आपबहुत धैर्यवान होगें, और अपनी रूचि के विभिन्न विषयों में आप कई वर्षो तक औपचारिक शिक्षा जारी रखेगें।

लिखावट (तीसरे भाव से)-

आपकी कुण्डली में, तृतीयेश बली है- तुगंस्थ या अपने भाव या नक्षत्र में स्थित होने के कारण। यह दर्शाता है, कि आपप्रभावी व्यक्तित्व और असाधारण लेखन की क्षमता वाले होगें, तथा आपकी लिखावट बहुत आकर्षक होगी, जिसे सुन्दर भी कहा जा सकता है।

शिक्षा में लग्नाधिपति की विशेष भूमिका-

आपकी कुण्डली में, लग्नेश चौथे भाव में स्थित है- जो सामान्य शिक्षा का भाव है। जैसाकि इससे चौथे भाव के बल मेंवृद्धि होती है, अत: उत्तम शिक्षा पाने के लिये यह लाभकारी होगा- कम से कम आप एक डिग्री या डिप्लोमाधारी होगें।

सामान्य शिक्षा (चौथे भाव से)-

आपकी कुण्डली में, चतुर्थेश बली है- तुगंस्थ या अपने भाव या नक्षत्र में स्थित होने के कारण। यह उत्तम शिक्षा की प्राप्ति के लिये अनुकूल संकेतों को दर्शाता है। आप सफलतापूर्वक केवल अपनी स्नातक की शिक्षा को ही नहीं पूरा करेगें, बल्कि आगे की शिक्षा भी जारी रखेगें। आप अपनी योग्यता को बढ़ाने के लिये किसी प्रतिष्ठित संस्था से कोई व्यवसायिक शिक्षा या पढ़ाई के बाद का प्रशिक्षण लेगें।

आपकी कुण्डली में, बुध चौथे भाव में स्थित है। यह उत्तम शिक्षा की प्राप्ति के लिये अनुकूल संकेतों को दर्शाता है। आप सफलतापूर्वक केवल अपनी स्नातक की शिक्षा को ही नहीं पूरा करेगें, बल्कि आगे की शिक्षा भी जारी रखेगें। आप अपनी योग्यता को बढ़ाने के लिये किसी प्रतिष्ठित संस्था से कोई व्यवसायिक शिक्षा या पढ़ाई के बाद का प्रशिक्षण लेगें।

आपकी कुण्डली में, लग्नेश चौथे भाव में स्थित है। शिक्षा के लिये यह लाभकारी युति है। यह उत्तम शिक्षा की प्राप्ति केलिये अनुकूल संकेतों को दर्शाता है। आप सफलतापूर्वक केवल अपनी स्नातक की शिक्षा को ही नहीं पूरा करेगें, बल्कि आगे की शिक्षा भी जारी रखेगें। आप अपनी योग्यता को बढ़ाने के लिये किसी प्रतिष्ठित संस्था से कोई व्यवसायिक शिक्षा या पढ़ाई के बाद का प्रशिक्षण लेगें।

बुद्धि, मेधा और योग्यता (पांचवें भाव से)-

आपकी कुण्डली में, पंचमेश बली है- तुगंस्थ या अपने भाव या नक्षत्र में स्थित होने के कारण। यह उत्तम शिक्षा की प्राप्ति के लिये अनुकूल संकेतों को दर्शाता है। आप प्रखर बुद्धि और अवधारक स्मरण क्षमता के स्वामी होगें। आप आसानी से केवल अपनी स्नातक की शिक्षा को ही नहीं पूरा करेगें, बल्कि आगे की शिक्षा भी जारी रखेगें। आप सामान्य क्षेत्रों में ऊँची शिक्षा जारी रख सकते हैं, या अपनी प्रतिष्ठि को बढ़ाने और व्यवसायिक स्तर में सुधार लाने के लिये किसी प्रतिष्ठित संस्था से कोई व्यवसायिक शिक्षा ले सकते हैं।

गुप्त एवम् रहस्यमय विद्याओं का अध्ययन और शोध (बारहवें भाव से)-

आपकी कुण्डली में, द्वादशेश ४थे भाव में स्थित है। जैसाकि १२वाँ भाव ४थे से ९वाँ भाव है (या ९वें से ४था है), अत:अपनी सामान्य या ऊँची शिक्षा के लिये आप किसी दूर स्थान पर या विदेश जा सकते हैं, और वहाँ पर काफी लम्बे समय तक रह सकते हैं। हालाँकि यदि आप किसी दूर स्थान पर नहीं जाते हैं, तो ऐसी संभावना है, कि आप स्कूल / कॉलेज / विश्वविद्यालय के छात्रावास में रह सकते हैं।

शिक्षा की संभावना और शिक्षा में रुझान के क्षेत्र (बुध ग्रह के भिन्न अष्टकवर्ग से)-

आपकी कुण्डली में, बुध के भिन्न -अष्टकवर्ग में, २रे भाव में काफी संख्या(७या ८) शुभ बिन्दु हैं। यह एक अनुकूल युति है, और आपका शिक्षा के प्रति रूझान उत्तम होगा तथा आप में शैक्षिणिक दक्षता होगी, आप वाक्पटु होगें, और आर्थिक सौदों के मामले में बहुत विश्वसनीय होगें।

आपकी कुण्डली में, बुध के भिन्न - अष्टकवर्ग में, ६ठे भाव में काफी संख्या(७या ८) शुभ बिन्दु हैं। यह एक अनुकूल युति है, यदि आप की रूचि है, तो आप रोगों और उनके उपचार के बारे में औपचारिक या अनौपचारिक अध्ययन करके बहुत ज्ञान और जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप एक निपुण चिकित्सक नहीं होते हैं, तो भी आपके व्यवसाय या शौक का भी संबंध नवीन या वैकल्पिक दवाओं से हो सकता है।

आपकी कुण्डली में, बुध के भिन्न -अष्टकवर्ग में, १२वें भाव में काफी संख्या(७या ८) शुभ बिन्दु हैं। यह एक अनुकूल युति है। विशेष रूझान के किसी विषय में आपकी उत्कृष्ट रूचि होगी, और बहुत लम्बे समय तक आप अपनीऔपचारिक शिक्षा जारी रखेगें, आप अपनी कुछ नयी खोजों या विशेष निष्कर्षों का पता लगा सकते हैं।

भिन्न अष्टकवर्ग में बिन्दुओं की कुल संख्या से शिक्षा की संभावना का आकलन-

आपकी कुण्डली में, २रे भाव में शुभ बिन्दुओं की कुल संख्या बहुत उत्तम है। यह एक अनुकूल युति है, और आपका शिक्षा के प्रति रूझान उत्तम होगा तथा आप में शैक्षिणिक दक्षता होगी, आप वाक्पटु होगें, और आर्थिक सौदों के मामले में बहुत विश्वसनीय होगें।

आपकी कुण्डली में, ६ठे भाव में शुभ बिन्दुओं की कुल संख्या बहुत उत्तम है। यह एक अनुकूल युति है, यदि आप की रूचि है, तो आप रोगों और उनके उपचार के बारे में औपचारिक या अनौपचारिक अध्ययन करके बहुत ज्ञान और जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप एक निपुण चिकित्सक नहीं होते हैं, तो भी आपके व्यवसाय या शौक का कोई संबंध दवाओं से हो सकता है।

ब्यवसाय(रोजगाार) की संभावनाओं की जाँच

जैसा कि सूर्य आपके लग्न से दसवें भाव पर दृष्टि डाल रहा है, आप काफी कर्मठ होगें एवं अपने सभी प्रयत्नों में सफल होगें। आपको सरकारी क्षेत्रों, दूतावासों आदि से संरक्षण प्राप्त होगा, अपनी मध्य आयु में सम्मान प्राप्त होगा औरआपकी ख्याति सुरक्षित रहेगी। आपमें नेतृत्व करने का गुण होगा और दूसरों के लिए प्रेरणा के श्रोत होगें। आपकी पहुॅच ऊॅचे सामाजिक दायरों में होगी और अपने विभिन्न प्रयासों से आप धन अर्जित करेगें। आप प्रशंसा प्राप्त करेगें तथा आपका नाम एवं यश चारो तरफ फैलेगा।

जैसा कि बुध आपके लग्न से दसवें भाव पर दृष्टि डाल रहा है, आप अशांत प्रवृति वाले होगें एवं साहित्य में रूचि होगी। आप साहित्यिक पेशे में बहुत बढ़िया करेगें। या फिर, आप ट्रेडिंग या कमीशन एजेन्सी के व्यापार में सफल होगें। यदि बुध तुंगस्थ है या अपने भाव में स्थित है तो आपको साहित्य, कला या कारीगरी से काफी लाभ प्राप्त होगा और कईलोगों का नेतृत्व/मार्गदर्शन कर काफी धन अर्जित करेगें। लेकिन, यदि मंगल किसी अशुभ ग्रह के साथ जुड़ा है या मंगल पर उसकी दृष्टि पड़ रही है तो आपको बहुत सारी चिंतायें एवं दु:ख हो सकते हैं और अपने पेशे के क्षेत्र में आपकी स्थिति अनिश्चित हो सकती है।

जैसा कि आपका दशमेश सूर्य के साथ जुड़ा हुआ है, आप अपने उक्चाधिकारियों एवं सरकारी अधिकारियों से भी सहयोग एवं लाभ प्राप्त करेगें। आप सरकारी या अर्द्ध-सरकारी संस्थानों में नौकरी में नियुक्त हो सकते हैं या अपने पेशे/रोजगार के सिलसिले में आपको उक्चव सरकारी अधिकारियों के साथ कारोबार करना पड़ सकता है।

आपकी कुण्डली में दशमेश पर अष्टमेश दृष्टि डाल रहा है, आप कई बार अपने पेशे में बदलाव कर सकते हैं या आपका तबादला हो सकता है। परिस्थितियों में बदलाव के कारण यह अचानक एवं अप्रत्याशित रूप से हो सकता है। आप निराशा महसूस कर सकते हैं या आप परेशान हो सकते हैं, क्योंकि आपको पर्याप्त तैयारी के लिए समय नहीं मिल सकता है।

आपकी कुण्डली में चंद्र-राशि से दशमेश पर चंद्र-राशि से अष्टमेश दृष्टि डाल रहा है, आप कई बार अपने पेशे में बदलाव कर सकते हैं या आपका तबादला हो सकता है। परिस्थितियों में बदलाव के कारण यह अचानक एवं अप्रत्याशितरूप से हो सकता है। आप निराशा महसूस कर सकते हैं या आप परेशान हो सकते हैं, क्योंकि आपको पर्याप्ततैयारी के लिए समय नहीं मिल सकता है।

आपकी कुण्डली में लग्नेश (स्वयं) एवं दशमेश (पेशा) बुध पर मंगल की दृष्टि पड़ रही है। मंगल अष्टमेश एवं तृतीयेश भी है, जो दोनों भाव अशुभ माने जाते हैं। साहस का ग्रह होने के कारण मंगल सामान्य से दुगुना अपनी खतरनाक प्रवृत्ति छोड़ रहा है। आप सुरक्षा, पुलिस, अग्नि शामक दल आदि सक्रिय सेवा में बढ़िया कर सकते हैं। या फिर, आप ऐसे व्यक्ति होगें, जो बाहरी क्रिया-कलापों में बहुत मजा लेता हो। आप सैरों एवं अभियानों के प्रेमी होगें। आपको मार्शल आर्ट, बॉक्सिंग या कुश्ती सिखने में दिलचस्पी हो सकती है और आप जाने-माने खिलाड़ी हो सकते हैं।

जैसा कि आपकी कुण्डली में सूर्य रोजगार का सहायक कारक है, आप सरकारी नौकरी में कार्यरत हो सकते हैं या सरकार के साथ संधि कार्य में सफल हो सकते हैं। यदि आपकी कुण्डली में सूर्य तुंगस्थ है या अपने भाव में स्थित है तो राजनीति से जुड़ सकते हैं या राजदूत भी बन सकते हैं। आप आधुनिक या परंपरागत दवाओं और हड्डी रोगों का उत्तमज्ञान प्राप्त कर सकते हैं या प्रकाश संबंधी विषयों में आपको विशेष दिलचस्पी हो सकती है। सोना, गहने, घड़ियॉ, तांबा और दूसरे चमकीले धातुओं का कारोबार आपके लिए अनुकूल होगा। यदि आपकी कुण्डली में सूर्य ठीक स्थिति में नहीं है तो आप चावल, गेहूॅ, ऊनी वस्तुयें, जूट उत्पाद, लकड़ियों के फर्नीचर आदि का कारोबार कर सकते हैं।

जैसा कि आपकी कुण्डली में बुध रोजगार का प्राथमिक कारक है, आप बौद्धिक कार्यों में संलग्न होगें। आपके पेशे का संबंध शिक्षण, प्रयोगशाला, वैज्ञानिक अनुसंधान, गणित, लेखाशास्त्र, पत्रकारिता, विज्ञापन, छपाई, प्रकाशन, किताबें, लेखन सामग्री, कूरियर, ब्रोकर का काम आदि से हो सकता है। आपका कुछ संबंध जूते या चमड़े की वस्तुओं से हो सकता है। आपका कुछ संबंध ऑक्सीजन, हेल्थ क्लब, योगा, ध्यान-साधना आदि से हो सकता है और आप स्वास्थ्य, फिटनेस या फेफड़े के विशेषज्ञ भी हो सकते हैं। यदि आपकी कुण्डली में बुध ठीक स्थिति में है तो ज़्योतिष एवं इससे संबंधित विषयों में आपको विशेष रूचि होगी। यदि आपकी कुण्डली में बुध दूषित है तो आप अनुचित कार्यों जैसे झूठ, चालबाजी, धोखेबाजी आदि का सहारा ले सकते हैं।

काल चक्र दशा अंश और जीव राशि से ब्यवसाय(रोजगाार) का आकलन

आपकी काल चक्र दशा अंश राशि - मीन

आपकी काल चक्र दशा जीव राशि- सिंह

जैसा कि वृहस्पति आपकी जीव-राशि (जीवन) में स्थित है, आप प्रसन्नचित्त स्वभाव एवं आशावादी दृष्टिकोण वाले ईमानदार व्यक्ति होगें। धर्मों के प्रति आपमें गहन आस्था होगी और पवित्र धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन करेगें। आप निरंतरधार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन करेगें और छोटे बक्च्चे आपको काफी प्रिय होगें। आपकी आमदनी काफी अक्च्छी होगी और आपका पारिवारिक जीवन शांतिमय एवं खुशहाल होगा। आप खुद के व्यवसाय में संलग्न हो सकते हैं या किसी प्रतिष्ठित वित्तीय संस्था में कार्यरत हो सकते हैं।

आपका काल चक्र दशा अंश सिंह राशि में है। अंश राशि के स्वामी (सूर्य) से प्रभावित होने के कारण आप जन्मजात भाग्यशाली व्यक्ति होगें। आप अशावादी दृष्टिकोण एवं खुशमिजाज स्वभाव वाले होगें। आपके माता-पिता में से कोई एक या दोनों अपने पेशे में ठीक स्थिति में होगें और/या उनका सरकारी स्रोतों से संबंध हो सकता है। आप स्वयं भी सरकारी नौकरी में किसी अक्च्छे पद पर हो सकते हैं या किसी तरह सरकारी क्षेत्रों से अक्च्छे संबंध हो सकते हैं। आप अधिकारियों से सहयोग एवं लाभ प्राप्त करेगें।

विवाह से संबंधित भविष्यफल

आपकी कुण्डली में, शुक्र के भिन्न अष्टकवर्ग में, शुक्र से ७वें भाव में ५(या अधिक) शुभ बिन्दु हैं। यह शुक्र के नैसर्गिक महत्वों- शादी और वैवाहिक जीवन में खुशियों, के बारे में एक बहुत भाग्यशाली युति है। आप अपने जीवन साथी के मामले में बहुत भाग्यशाली होगें। वह देखने में बहुत आकर्षक और धनी परिवार से होगा/ होगी। वह बहुत संस्कारित, परिष्कृत रूचियों वाला/ वाली और सुसभ्य होगा/ होगी। आपका वैवाहिक जीवन बहुत खुशहाल और आनन्दपूर्ण होगा, जैसाकि आप दोनों एक दूसरे से अपने जीवन से अधिक प्रेम करेगें ।

आपकी कुण्डली में,शुक्र के भिन्न अष्टकवर्ग में, शुक्र से ७वें भाव में ३(या कम) शुभ बिन्दु हैं। यह शुक्र के नैसर्गिकमहत्वों- शादी और वैवाहिक जीवन में खुशियों, के बारे में बिल्कुल भी भाग्यशाली युति नहीं है। यदि कुछ सौम्य संशोधनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में नहीं हैं, तो आप अपने जीवन साथी के मामले में बहुत भाग्यशाली नहीं हो सकते हैं। वह देखने में ना ही बहुत आकर्षक और ना ही धनी परिवार से हो सकता / सकती है। इसके अलावा, वह संस्कारित, परिष्कृत रूचियों वाला/ वाली और सभ्य नहीं हो सकता / सकती है। यद्यपि वह परिश्रमी हो सकता / सकती है, फिर भी आपका वैवाहिक जीवन बहुत खुशहाल नहीं हो सकता है, जैसाकि उसकी प्रकृति हठी और बहस करने वालीतथा स्वभाव बिल्कुल यथार्थ से परे दंभी हो सकता है।

आपकी कुण्डली में, शुक्र एक या अधिक नैसर्गिक अशुभ ग्रहों के साथ स्थित है (या उनकी दृष्टि इस पर है), जबकि यह किसी नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ स्थित नहीं है (या उसकी दृष्टि इस पर है)। इसके अलावा, यह ना ही तुगंस्थ है, और ना ही अपनी राशि या नक्षत्र में है। यह प्रतिकूल युति है। यदि कुछ प्रतिकारी सौम्य संशोधनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में नहीं हैं, तो आपका वैवाहिक जीवन खुशहाल या आनन्दमय नहीं हो सकता है।

आपकी कुण्डली में, राहु लग्न से ७वें भाव में स्थित है, जबकि दो अशुभ ग्रह मंगल और शनि क्रमशः ६ठे और ८वें भाव में स्थित हैं। इसके अलावा, इनमें से कोई भी ना ही तुगंस्थ है, और ना ही अपनी राशि या नक्षत्र में है। यह एक बहुत प्रतिकूल युति है। यदि कुछ सौम्य संशोधनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में नहीं हैं, तो आपके जीवन साथी से प्रायः आपके झगड़े हो सकते हैं, और आपका वैवाहिक जीवन खुशहाल या आनन्दमय नहीं हो सकता है। आपके जीवनसाथी का स्वास्थ्य बहुत नाजुक हो सकता है, और उसका सुख आपके लिये कुछ गंभीर चिन्ता का कारण हो सकता है।

आपकी कुण्डली में, सप्तमेश लग्न से ७वें भाव में स्वयं स्थित है, जबकि यह किसी भी त्रिका भाव(६ठे या ८वें या १२वें) का स्वामी नहीं है। यह एक अनुकूल युति है। आप अपने जीवन साथी के मामले में बहुत भाग्यशाली होगें- जोएक कुलीन परिवार से होगा। आपका वैवाहिक जीवन अवश्य ही मधुर, शांतिपूर्ण और बहुत खुशहाल होगा।

आपकी कुण्डली में,शुक्र के भिन्न अष्टकवर्ग में, शुक्र से ७वें भाव में ४(या ५) बिन्दु हैं। यह एक भाग्यशाली युति है।आपका जीवन साथी बहुत लिहाज करने वाला होगा। वह आपकी पसन्द और नापसन्द को उचित महत्व देगा, और आपके मतों का मान रखेगा। आपका वैवाहिक जीवन खुशहाल और आनन्दपूर्ण होगा।

आपकी कुण्डली में,बृहस्पति ७वें भाव में स्थित है। यह वास्तव में एक बहुत अनुकूल युति है। आप अपने जीवन साथी के मामले में बहुत भाग्यशाली होगें, वह आपके प्रति बहुत वफादार होगा, और सामान्यतः सभी मामलों में आपकाउससे बहुत नजदीकी लगाव होगा।

आपकी कुण्डली में, सप्तमेश नैसर्गिक शुभ ग्रह बृहस्पति के साथ स्थित है। जैसाकि बृहस्पति किसी त्रिकोण भाव

(६ठे/ ८वें/ १२वें) का स्वामी नहीं है। यह एक बहुत अनुकूल युति है। यदि कुछ बली प्रतिकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में नहीं हैं, तो आप अपने जीवन साथी के मामले में बहुत भाग्यशाली होगें, वह आपके प्रति बहुत वफादार होगा, और सामान्यत: सभी मामलों में आपका उससे बहुत नजदीकी लगाव होगा।

आपकी कुण्डली में,एक नैसर्गिक शुभ ग्रह ७वें भावारम्भ के बहुत नजदीक स्थित है। यह एक अनुकूल युति है। यदि कुछ बली प्रतिकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में नहीं हैं, तो आपका विवाह बहुत कम आयु में होने की बहुत उम्मीद है। आपका जीवन साथी एक धनी परिवार से हो सकता है।

जातक के स्वास्थ्य और बिमारियों का आकलन

जैसाकि आपकी कुण्डली में, सूर्य पीड़ित है, आप किसी प्रकार के जैविक विकार से ग्रस्त हो सकते हैं। आपकी संरचनाबहुत उत्तम नहीं हो सकती है, और आपमें अनुवांशिक रूप से कोई रोग उत्पन्न हो सकता है– संभवत: अपने पिता से।

जैसाकि आपकी कुण्डली में, चन्द्रमा पीड़ित नहीं है, आप किसी भी क्रियात्मक विकार से मुक्तरहेगें। आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, और बाह्य कारकों जैसे जलवायु और वातावरणीय स्थितियों में परिवर्तन के कारण आपको कोई रोग नहीं होगा।

जैसाकि आपकी कुण्डली में, लग्न पीड़ित है, आपमें रोगों के प्रति उत्तम प्रतिरोधक क्षमता नहीं हो सकती है। आप कभी– कभी किसी एक या अन्य रोग से ग्रसित हो सकते हैं।

जैसाकि आपकी कुण्डली में, षष्टेश (६ठा भाव– रोग) की दृष्टि लग्न पर है, आप किसी रोग से काफी लम्बे समय तक ग्रसित हो सकते हैं। संभवत: आप किसी रोग से किसी समय अपने बचपन या प्रारम्भिक युवास्था में ग्रसित हो सकते हैं।

जैसाकि आपकी कुण्डली में, अष्टमेश (८वाँ भाव– गंभीर समस्या) चन्द्र राशि में स्थित है, आप बहुत स्वस्थ नहीं हो सकते हैं, और आप कभी – कभी किसी एक या अन्य रोग से ग्रसित हो सकते हैं।

जैसाकि आपकी कुण्डली में, अष्टमेश (८वाँ भाव– गंभीर समस्या) की दृष्टि सूर्य पर है, आप बहुत स्वस्थ नहीं हो सकते हैं, और अपने जीवन में किसी समय किसी गंभीर रोग से ग्रसित हो सकते हैं।

जैसाकि आपकी कुण्डली में, मंगल वृषभ राशि में स्थित है, और सूर्य उससे पीड़ित है, अत: आप बुखार, गले में सूजन और पीड़ा, डिप्थीरिया, टॉंसिल में सूजन से ग्रस्त हो सकते हैं।

जैसाकि आपकी कुण्डली में, दो (या अधिक) नैसर्गिक अशुभ ग्रहों की दृष्टि ८वें भाव पर है, आप अपने जीवन में किसी समय एक गंभीर दुर्घटना का सामना कर सकते हैं,या आपको कोई बड़ी शल्य चिकित्सा भी करवानी पड़ सकती है।

जैसाकि आपकी कुण्डली में, केतु ८वें भाव में अकेले स्थित है, यदि कुछ प्रतिकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, तो आपको अपने जीवन में किसी समय शल्य चिकित्सा करवानी पड़ सकती है, साथ ही आप या तो किसी मारकाट, रक्तहीनता या किसी स्वास्थ्य संबंधी जटिलता का सामना कर सकते हैं।

जैसाकि आपकी कुण्डली में, मंगल ना ही तुगंस्थ है, ना ही अपने भाव में स्थित है, और यह वक्री है, आपको बहुत सावधान और सजग रहना चाहिये,आप किसी गंभीर दुर्घटना का सामना कर सकते हैं, या आपको कोई बड़ी शल्य चिकित्सा करवानी पड़ सकती है, साथ ही, आप अपने जीवन के दौरान किसी समय मारकाट या रक्तहीनता का सामना करसकते हैं।

जैसाकि आपकी कुण्डली में, शनि ना ही तुगंस्थ है, ना ही अपने भाव में स्थित है, और यह वक्री है, आपको बहुत सावधान और सजग रहना चाहिये,आपके जीवन में किसी समय आप ऊँचाई से गिर सकते हैं, या कोई वस्तु आपके

शरीर के किसी भाग पर गिर सकती है।

जैसाकि आपकी कुण्डली में, प्लूटो कन्या राशि में है, और लग्न उससे पीड़ित है, अतः आप पेट में दर्द, दस्त, पेचिश,आँतों में गड़बड़ी, किसी अनजाने स्थान पर विचित्र किस्म का खाना खाने के कारण भोजन विषाक्तता, कलाइयों, हथेली और अगुँलियों में सूक्ष्म जीवों / फफूँदी के संक्रमण के कारण खिंचाव आदि विकारों से ग्रस्त हो सकते हैं।

यात्रा, भ्रमण और विदेश गमन

आपकी कुण्डली में, चन्द्रमा ९वें भाव में स्थित है। दूरस्थ स्थानों की यात्रा करना आपकी नियति है। साथ ही आपको अपने व्यवसाय के कारण दूरस्थ स्थानों की यात्रायें करनी पड़ सकती हैं– यद्यपि यह केवल कभी कभार हो सकती हैं।

आपकी कुण्डली में, मंगल ९वें भाव में स्थित है। यह ना ही दशमेश है, ना ही पंचमेश। इसके अलावा, यह तुगंस्थ या अपने भाव में नहीं है। यह एक अनुकूल युति नहीं है। आपका अपने अधिकारियों/ वरिष्ठों से संबंध मधुर नहीं हो सकते हैं, या परिस्थितियाँ आपके लिये अनुकूल नहीं हो सकती हैं। आप कई बार अपने व्यवसाय में बदलाव कर सकतेहैं। जैसाकि मंगल वक्री है, ऐसे परिवर्तन बहुत अचानक हो सकते हैं, और आपको बिना पर्याप्त तैयारी के आगे बढ़ना पड़ सकता है।

आपकी कुण्डली में, बहुत सारे ग्रह (५ या अधिक) चर और उभय राशि में स्थित हैं। यह दर्शाता है, कि आप कई स्थानों की बहुत यात्रा करेगें। यदि कई सारे ग्रह चरअर्ध या चर राशियों से आधी नजदीकी में स्थित हैं, तो यह प्रवृत्ति और भी अधिक होगी।

आपकी कुण्डली में, नवमेश चर राशि में स्थित है। यह दर्शाता है, कि आप कई परिवर्तन करेगें, और प्रायः दूरस्थ स्थानों की यात्रायें करेगें।

आपकी कुण्डली में, तीव्र गति से चलने वाला ग्रह (जो वक्री नहीं है) एक दूसरे मंद चलने वाले ग्रह के साथ , जिस पर दृष्टि निर्माण के लिये आवश्यक स्थिति की यथार्थ डिग्री को इसने अभी प्राप्त नहीं किया है, १५0 डिग्री की दृष्टि में शामिल है। यह किसी अप्रत्याशित घटनाक्रम के कारण आपके किसी दूरस्थ स्थान (आपके जन्म या निवास स्थान से) परस्थानांतरित होने की संभावना को व्यक्तकरता है, जहाँ आप काफी लम्बे समय तक रहेगें। यदि कुछ प्रतिकारी संशोधनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, तो संभावित कारण परिस्थितियों में अचानक बदलाव, दुर्घटना या अशुभ घटना आदि हो सकती हैं।

शुभ दिशा का चुनाव ?

यदि कुछ प्रतिकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, तो आपके लिये अनुकूल दिशा उत्तर–पूर्व होगी।

विमशोत्तरी दशा से भविष्यफल

शनि दशा (06:08:2017 से 06:08:2036)

वर्तमान समय में आपकी शनि की महादशा चल रही है, और शनि आपकी कुण्डली में ग्यारहवें भाव में स्थित है। यह दशा बहुत उत्तम होगी। इसमें आपको धन, भूमि, भवन और सरकार द्वारा मान्यता मिलेगी। आपको सभी कामों में भारी सफलता प्राप्त होगी। आपको संतान सुख नहीं मिल सकता है। इस कारण आपको चिन्ता हो सकती है। आपका भाग्य स्थिर रहेगा। आपको एक बहुत ऊँचा सरकारी पद प्राप्त होगा। आपकी धार्मिक भावनायें प्रबल होगीं। आप अपने पिता के पद चिन्हों पर चलेगें। आप कई धार्मिक कार्य करेंगें। लेखन और प्रकाशन से आपकी आय होगी।

वर्तमान समय में आपकी शनि की महादशा चल रही है, और शनि आपकी कुण्डली में कर्क राशि में स्थित है। शनि के अपनी दशा के दौरान,अपनी संतानों, पत्नी और अन्य संबंधियों के कारण आपका दिमाग अधित्यजन हो सकता है। आपको कान और आँख के रोग हो सकते हैं, और आप कमजोर हो सकते हैं।

शनि अर्न्तदशा (06:08:2017 से 09:08:2020)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में शनि की अर्न्तदशा चल रही है। इस अर्न्तदशा के दौरान आप मानसिक वेदना, परिवार को कष्ट, विभिन्न रोगों, आपके द्वारा पोषित चौपाया जानवरों को जहरीले प्रभाव का खतरों का सामना करना पड़ सकता है, जिससे आपको धन की हानि हो सकती है। आपको महिला समुदाय से कष्ट हो सकता है, और आप अपने आपको ऐसी स्थिति में पा सकते हैं, जहाँ पर आप कोई निर्णय करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं। आपको वात या कफ, आँतों दर्द, लकवा आदि रोगों का सामना करना पड़ सकता है। संबंधी भी आपके लिये परेशानी पैदा कर सकते हैं। आपको अनावश्यक रूप से यात्रायें करनी पड़ सकती हैं। परिस्थितियाँ कुछ ऐसी बन सकती हैं, कि आपको निचले स्तर के लोगों के बिना अधिकार के और अप्रत्याशित दुर्वचनों का सामना करना पड़ सकता है, और ऐसे लोग आपको चोट भी पहुँचा सकते हैं। हालाँकि आपको महिलाओं से सावधान रहना चाहिये, जैसाकि आपकी उनके साथयौन संबंध बनाने की लालसा आपको अपमान और ब्लैकमेल का शिकार बना सकती है। मवेशियों की संख्या और कृषि से आपकी आय में बढ़ोत्तरी होगी। आप कई लोगों को रोजगार देगें, और उनसे आय प्राप्त करेगें।

शनि प्रत्यंतर्दशा (06:08:2017 से 27:01:2018)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में शनि की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शनि की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपकी जन्मकुण्डली में शनि का बल चाहे जिस कोटि का हो, आपको कुछ अवसरीय आर्थिक लाभों के अलावा अन्य कोई शुभ परिणाम प्राप्त नहीं हो सकते हैं। इस दशा के दौरान आपको अधिक मानसिक वेदना और परिवार को कष्ट हो सकते हैं। विपरीत लिंग के लोगों से आपको कष्ट हो सकता है। आपको बुखार, वायु विकार या कफ और आँतोंमें दर्द की शिकायत हो सकती है।

बुध प्रत्यंतर्दशा (27:01:2018 से 01:07:2018)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में शनि की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बुध की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपको रोगों से राहत मिल सकती है। आपकी स्थिति और वातावरण में धीरे-धीरे सुधार होगा। अपने मित्रों से आपको लाभ होगा। पत्नी और संतानों से आपको पूर्ण सुख मिलेगा। आपकी कुछ अतिरिक्त आय होगी। आपक संतानों को पढ़ाई में अनुकूल परिणाम प्राप्त होगें।

केतु प्रत्यंतर्दशा (01:07:2018 से 04:09:2018)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में शनि की अर्न्तदशा के अन्तर्गत केतु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपको अपने मित्रों और संबंधियों से ही नहीं , अपितु साहुकारों से भी धन उधार लेने पर बाध्य होना पड़ सकता है। कर्ज चुका पाने में सक्षम नहीं हो सकने के कारण आपको किसी अन्य अन्तर दशा के दौरान उचित समय पर कर्जदातान्यायालय में घसीट सकते हैं। यदि साढ़े साती या कंटक शनि की दशा चल रही है, तो आपको अपनी रोजमर्रा

की आजीविका के लिये भिक्षा माँगनी पड़ सकती है।

शुक्र प्रत्यंतर्दशा (04:09:2018 से 06:03:2019)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में शनि की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शुक्र की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। शनि और शुक्र की प्रकृति चाहे जो कुछ भी हो, आपको पिछली कुछ दशाओं से बेहतर परिणाम प्राप्त होगें। आप कुछ नयी व्यापारिक गतिविधियाँ शुरू कर सकते हैं, जिसमें आपको उचित लाभ मिलेगा। आप विदेश सहित दूरस्थ स्थानों की प्राय: यात्राये कर सक्ते हैं।

सूर्य प्रत्यंतर्दशा (06:03:2019 से 29:04:2019)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में शनि की अर्न्तदशा के अन्तर्गत सूर्य की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। यह एक खतरनाक दशा हो सकती है। आपके आस पास के लोग आपके लिये गंभीर समस्यायें पैदा कर सकते हैं। आपके पिता का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। संतानों को भी कष्ट हो सकता है। चिकित्सकीय खर्च बढ़ सकते हैं। आप कर्जदार हो सकते हैं। आपको शिव स्त्रोत का नित्य जाप करना चाहिये, ताकि आपको कष्टों से थोड़ी राहत मिल सके।

चन्द्रमा प्रत्यंतर्दशा (29:04:2019 से 30:07:2019)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में शनि की अर्न्तदशा के अन्तर्गत चन्द्रमा की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। इस दशा के दौरान आप बहुत अनुकूल परिणामों की आशा नहीं कर सकते हैं। मित्र आप से ऐसे विमुख हो सकते हैं- जैसे वे आपकी परेशानियों के बारे में जानते ही नहीं हैं। जीवन की वेदना को सहन करने में असक्षम होने केकारण आप आत्महत्या के बारे में सोच सकते हैं। यह एक पूर्ण मानसिक अवसाद की दशा हो सकती है।

मंगल प्रत्यंतर्दशा (30:07:2019 से 02:10:2019)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में शनि की अर्न्तदशा के अन्तर्गत मंगल की प्रत्यंतर्दशा चल रहीहै। आपको आग और वाहनों से सावधान रहना चाहिये- जैसाकि आपके जलने या दुर्घटना में चोट लगने की संभावना है। शत्रु आपकी सम्पत्ति को हड़पने की कोशिश कर सकते हैं। सम्पत्ति विवाद हो सकते हैं, और फिलहाल आपको उनमें हार का सामना करना पड़ सकता है।

राहु प्रत्यंतर्दशा (02:10:2019 से 15:03:2020)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में शनि की अर्न्तदशा के अन्तर्गत राहु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। अवसाद की दशा जारी रह सकती है। आपको कष्टों से कोई राहत नहीं मिल सकती है। कर्जदाता अपने कर्ज की प्राप्ति के लिये न्यायालय में जा सकते हैं। कोई आपकी मदद करने को आगे नहीं आ सकता है। आप रक्तकी खराबी के कारण होने वाले रोगों और त्वचा विकार से ग्रसित हो सकते हैं।

बृहस्पति प्रत्यंतर्दशा (15:03:2020 से 09:08:2020)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में शनि की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बृहस्पति की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। इस दशा के दौरान आपको थोड़ी राहत मिल सकती है। आप धीरे -धीरे आत्मनिर्भर होगें। अप्रत्याशित क्षेत्रों से आपको धन का लाभ होगा। आपके द्वारा लिया गये ऋण का कुछ हिस्सा चुका देने के कारण कर्जदाता शांत रह सकते हैं।

बुध अर्न्तदशा (09:08:2020 से 19:04:2023)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में बुध की अर्न्तदशा चल रही है। सामान्यत: यह अर्न्तदशा आपके लिये भाग्यशाली होगी। आपको अपने सभी कामों में सफलता मिलेगी। यदि आप व्यापारी हैं, तो पिछली अर्न्तदशा अर्थात शनि- शनि, के दौरान आपको गंभीर आघात का सामना करना पड़ा होगा। लेकिन अब समय आपको वह सब वापस करेगा, जो आपने खो दिया था। आप बिना किसी संशय के निवेश करके व्यापार को बढ़ा सकते हैं। आपको पूर्ण खुशी और आनन्द प्राप्त होगा। आप या तो नयी भूमि प्राप्त करेगें, या पैतृक सम्पत्ति और भूमि प्राप्त करेगें।आपका दिमाग स्थिर रहेगा। मित्रों से आपको लाभ होगा। आपको पत्नी और संतानों से पूर्ण सुख मिलेगा। आपकोविभिन्न समारोहों में शामिल होने के आमंत्रण मिलेगें, और सरकार का सहयोग तथा धन का लाभ मिलेगा। आप

अपना खाली समय ज्ञानी लोगों की संगति में व्यतीत करेगें। आपको विष्णुसहसत्रनाम(भगवान विष्णु के १000 नाम) काजप करना चाहिये।

बुध प्रत्यंतर्दशा (09:08:2020 से 26:12:2020)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में बुध की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बुध की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। सामान्यत: यह एक उत्तम दशा होगी। आपको अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार करने के लिये कई अवसर प्राप्त होगें। आपको रोजगार या व्यापार के प्रस्ताव एक के बाद एक स्वत: मिल सकते हैं। इस समय का आपको पूरा लाभ उठाना चाहिये।

केतु प्रत्यंतर्दशा (26:12:2020 से 22:02:2021)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में बुध की अर्न्तदशा के अन्तर्गत केतु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपकी आर्थिक स्थिति में लगातार सुधार होगा, लेकिन आपके साथ -साथ आपके माता पिता, पत्नी और संतानों को गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आपका व्यय बढ़ सकता है। यदि आपने व्यय में सावधानी नहीं बरती, तो अपनी बढ़ी हुयी आय के बावजूद आपको अपनी सभी जरूरतों को पूरा करने में परेशानी हो सकती है।

शुक्र प्रत्यंतर्दशा (22:02:2021 से 04:08:2021)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में बुध की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शुक्र की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। विवाहित लोगों के लिये यह दशा उत्तम नहीं हो सकती है- जैसाकि प्राय: आपका अपनी पत्नी से झगड़ा हो सकता है। हालाँकि आय में बढ़ोत्तरी होगी, लेकिन मानसिक शान्ति में कमी आयेगी। आप ऐसा सोच सकते हैं, कि विवाह न करना आपके लिये बेहतर होता। आपके माता पिता और पत्नी आपके जीवन में बहुत अधिक दखल दे सकते हैं, और स्थिति को और खराब कर सकते हैं।

सूर्य प्रत्यंतर्दशा (04:08:2021 से 22:09:2021)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में बुध की अर्न्तदशा के अन्तर्गत सूर्य की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आप अपनी स्वयं की पहचान बनायेगें, और अधिकार तथा शक्तिका प्रयोग करेगें। यदि आप बेरोजगार हैं, तो इस दशा के दौरान एक रोजगार प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं। आपका व्यापार भी समृद्ध होगा। राजनीति से जुड़े लोगों का जनता के साथ ताल मेल में सुधार होगा, लेकिन आपको किसी दुर्घटना और उससे चोट लगने का भय है।

चन्द्रमा प्रत्यंतर्दशा (22:09:2021 से 13:12:2021)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में बुध की अर्न्तदशा के अन्तर्गत चन्द्रमा की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। यह एक स्थिर दशा होगी। चनद्रमा और बुध आपके अधूरे कामों को मैत्रीपूर्ण ढ़ंग से पूरा करने और नयी योजनाओं और कार्यक्रमों का मूल्यांकन करने में मदद करेगें, जो आपके लिये लाभदायक साबित होगा। शनि भी योजनाओं के चुनाव और एकत्रीकरण में मदद करेगा। यदि आप किसी स्टील या रसायन के संयत्र में रोजगार करेगें, या इन वस्तुओं का व्यापार करेगें, तो आपके लिये बेहतर होगा।

मंगल प्रत्यंतर्दशा (13:12:2021 से 09:02:2022)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में बुध की अर्न्तदशा के अन्तर्गत मंगल की प्रत्यंतर्दशा चल रहीहै। आर्थिक मामलों के लिये यह दशा खराब नहीं हो सकती है। यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आपका विशिष्टों के साथ विवाद हो सकता है,और यदि आप व्यापार कर रहे हैं, तो उसे कार्यान्वित करने में आपको बाधाओं का सामना करनापड़ सकता है। मंगल से संबंधित व्यापार या रोजगार आपके लिये लाभदायक होगा।

राहु प्रत्यंतर्दशा (09:02:2022 से 06:07:2022)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में बुध की अर्न्तदशा के अन्तर्गत राहु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। यह एक बहुत उत्तम दशा होगी। आपको ऐसा प्रतीत होगा, कि जीवन बहुत सहज रूप से चल रहा है। हालाँकि, बीच-बीच में स्वास्थ्य संबंधी समस्यायें आ सकती हैं। यदि आप छात्र हैं, तो विभिन्न प्रतियोगी परिक्षाओं में बैठने के

लिये शुभ समय है।

बृहस्पति प्रत्यंतर्दशा (06:07:2022 से 14:11:2022)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में बुध की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बृहस्पति की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। जहाँ तक सम्पूर्ण शनि दशा की बात है, तो यह एक पूरी तरह से बदली हुई दशा होगी। आपको एक नयी ऊँचाई प्राप्त होगी। आपके सभी कामों में आपको सफलता मिलेगी। आप जिनसे मदद माँगेगें, लगभग वे सभी लोग आपकी मदद करेगें। इस दशा के दौरान आप एक स्थिर जीवन की एक सुदृढ़ नींव रखेगें।

शनि प्रत्यंतर्दशा (14:11:2022 से 19:04:2023)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में बुध की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शनि की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। यह एक छली दशा हो सकती है। आपने अब तक जो कुछ भी कमाया है, उसे सांसारिक सुखों की प्राप्ति में बर्बाद कर सकते हैं। इस दशा के दौरान एक करोड़पति भी भिखारी बन सकता है। मित्र और संबंधी आपको धोखा दे सकते हैं।आपको अपने उद्देश्यों की कोई पूर्व जानकारी नहीं हो सकती है। जब तक आप उन्हें जानेगें, तब तक बहुत देर हो चुकी होगी, आप हानि उठाने के अलावा कुछ नहीं कर सकते हैं।

केतु अर्न्तदशा (19:04:2023 से 27:05:2024)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में केतु की अर्न्तदशा चल रही है। सामान्यत: यह अर्न्तदशा आपके लिये उत्तम नहीं हो सकती है। आपको अर्जित धन की हानि हो सकती है। आपको अपनी सम्पत्ति को एक के बादएक बेचना पड़ सकता है। रात में बहुत सारे सपने देखने के कारण आपकी नींद खराब हो सकती है, और आपको नींद में चलने की आदत हो सक्ती है। वायु या आग के कारण आपकी सम्पत्ति नष्ट हो सकती है। रक्तविकार के कारण आपको रोग हो सकते हैं,और आप गठिया से ग्रसित हो सकते हैं। आपको भगवान श्रीकृष्ण की आराधना करने की सलाहदी जाती है।

केतु प्रत्यंतर्दशा (19:04:2023 से 12:05:2023)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में केतु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत केतु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपको इस दशा के दौरान मिले जुले परिणाम प्राप्त होगें। आपकी आर्थिक स्थिति औसत होगी। कोई असामान्य घटना नहीं होगी। आपकी अधिकतर गतिविधियाँ सामयिक होगीं। आप पूरी तरह से तनाव रहित होगें। आप कार्य के प्रति ना ही सुस्त होगें, और ना ही बहुत उत्साही होगें।

शुक्र प्रत्यंतर्दशा (12:05:2023 से 19:07:2023)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में केतु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शुक्र की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आप अपने दैनिक कामों में सक्रिय होगें। अपनी पुरानी गतिविधियों समेकित करने के लिये यह अनुकूल समय है।विदेश सहित किसी दूरस्थ स्थान से आपको शुभ समाचार मिल सकता है। आपको विदेश यात्रा पर जाने या वहाँ पर रोजगार का अवसर मिल सकता है।

सूर्य प्रत्यंतर्दशा (19:07:2023 से 08:08:2023)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में केतु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत सूर्य की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपको विदेशी मूल के लोगों के द्वारा पैदा की गयी विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आपका रोजगार समाप्त हो सकता है, या उसके खोने का आपको भय हो सकता है। राजनीति में आपको असफलता का सामना करना पड़ सक्ता है। आपके गुप्त शत्रु आपको तबाह करने की कोशिश कर सक्ते हैं। आपको तीव्र सिरदर्द और बुखार हो सकता है।

चन्द्रमा प्रत्यंतर्दशा (08:08:2023 से 11:09:2023)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में केतु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत चन्द्रमा की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। अशुभ प्रभावों से आपको थोडी राहत मिलेगी। हालाँकि, किसी न किसी कारण से आपकी मानसिक शांति भंग हो

सकती है। विशिष्टों और अधीनस्थों के साथ आपका विवाद हो सकता है। सुदूर स्थानों की आप यात्रा करेगें– विशेषकर दक्षिण दिशा में।

मंगल प्रत्यंतर्दशा (11:09:2023 से 04:10:2023)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में केतु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत मंगल की प्रत्यंतर्दशा चल रहीहै। इस अशुभ दशा को आप कभी भूल नहीं सकते हैं। आप जीवन के अकथित दु:खों का सामना कर सकते हैं। यदिआप विवाह के योग्य हैं, तो इस दशा के दौरान विवाह करना आपके लिये बेहतर होगा। भाइयों और संतानों को हानिहो सकती है।

राहु प्रत्यंतर्दशा (04:10:2023 से 04:12:2023)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में केतु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत राहु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। यह एक बहुत खराब दशा हो सकती है। पिछली दशा में जो परेशानी सामने आने से रह गयी थीं, वे अब आपके सामने आ सकती हैं। मित्रों और संबंधियों के साथ अप्रत्याशित रूप से विवाद हो सकते हैं। आपको कुछ असाध्य रोग हो सकते हैं। यदि आप विवाहित हैं, तो पत्नी से अलगाव हो सकता है।

बृहस्पति प्रत्यंतर्दशा (04:12:2023 से 27:01:2024)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में केतु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बृहस्पति की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। अस्थायी रूप से यह एक उत्तम दशा होगी। आप पिछली दशा में जो कुछ करने में असक्षम रहे हैं, उसे इस दशा में पूरा करने की कोशिश करना चाहिये– जैसाकि इस दशा में कुछ सफलता निश्चित है। यदि आप परीक्षा में बैठ रहे हैं,तो आप अनुकूल परिणामों की आशा कर सकते हैं। मित्र और संबंधी आपकी तन और धन दोनों से मदद करेगें।

शनि प्रत्यंतर्दशा (27:01:2024 से 31:03:2024)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में केतु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शनि की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। इस दशा के दौरान आपको मिले जुले परिणाम मिलेगें। यदि शनि बली है, आपको शुभ परिणाम जैसे सभी कामों मेंसफलता, सरकार से समर्थन, मुकदमों में सफलता और रोगों से राहत आदि, मिलेगें। यदि केतु बली है, तो आपका अपनी पत्नी और संतानों से झगड़ा हो सकता है, और आपको एकाकी जीवन व्यतीत करना पड़ सकता है।

बुध प्रत्यंतर्दशा (31:03:2024 से 27:05:2024)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में केतु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बुध की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। यह दशा पुर्नप्राप्ति और पुर्नस्थापना की होगी। आपको इस दशा का लाभ अवश्य उठाना चाहिये। आप लम्बी अवधि की पूँजियो में निवेश करने के लिये सोच सकते हैं। निवेशों से भी आपको उचित लाभ मिल सकता है। हालाँकि, इस दशा के दौरान आप और आपके नजदीकी संबंधियों के बीच सम्पत्ति के मामलों में विवाद हो सकते हैं।

शुक्र अर्न्तदशा (27:05:2024 से 28:07:2027)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में शुक्र की अर्न्तदशा चल रही है। सामान्य रूप से यह एक शुभदशा होगी। आपको विभिन्न तरीकों से लाभ मिलेगा। आपको नये अवसरों का लाभ उठाना होगा। आपको अपनी पत्नी से आर्थीक सहायता मिलेगी। आप नये घर का निर्माण करेंगे।

शुक्र प्रत्यंतर्दशा (27:05:2024 से 07:12:2024)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में शुक्र की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शुक्र की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। अपेक्षाकृत यह एक लाभकारी दशा होगी। इस दशा के दौरान आप अपनी आर्थिक में सुधार करेगें। आपको महिलाओंसे लाभ मिलेगा, और साथ ही उनमें से कुछ आपकी मानसिक शांति को बाधित कर सकती हैं। यदि आप ऐसीस्थिति से निपटने के लिये स्वयं को तैयार रखेगें, तो आप बिना परेशानियों के उससे बाहर निकल आयेगें। आपको यौन संतुष्टि प्राप्त होगी।

सूर्य प्रत्यंतर्दशा (07:12:2024 से 03:02:2025)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में शुक्र की अर्न्तदशा के अन्तर्गत सूर्य की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। धन प्राप्ति के स्रोत बढेगें। अधिकतर मामलों में आय व्यय से अधिक होगी। हालाँकि, आपकी खर्चीली जीवन शैली के कारण बचत नहीं हो सकती है। आपको सरकारी अधिकारियों से सर्मथन मिलेगा, या उनके ऊपर आपका नियंत्रण होगा।

चन्द्रमा प्रत्यंतर्दशा (03:02:2025 से 10:05:2025)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में शुक्र की अर्न्तदशा के अन्तर्गत चन्द्रमा की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपकी बहन को मृत्युतुल्य शारीरिक कष्ट हो सकता है। आपकी माता का स्वास्थ्य भी उत्तम नहीं हो सकता है। चिकित्सकीय खर्चे बढ़ सकते हैं। रोगों से किसी प्रकार की राहत न पा सकने के कारण, आप और आपका परिवार आध्यात्म के मार्ग का अनुसरण कर सकता है।

मंगल प्रत्यंतर्दशा (10:05:2025 से 16:07:2025)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में शुक्र की अर्न्तदशा के अन्तर्गत मंगल की प्रत्यंतर्दशा चल रहीहै। आपकी माता और बहन का स्वास्थ्य और क्षीण हो सकता है। आपको बुखार और शरीर में दर्द हो सकता है। आपकी पत्नी के साथ आपका बेतुकी बातों पर झगड़ा हो सकता है। आपका तलाक या कुछ समय के लिये शारीरिक अलगाव हो सकता है।

राहु प्रत्यंतर्दशा (16:07:2025 से 06:01:2026)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में शुक्र की अर्न्तदशा के अन्तर्गत राहु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपकी आय में बढ़ोत्तरी होगी, लेकिन आपकी आय चिकित्सकीय उपचार और यौन सुखों की प्राप्ति में व्यय हो सकती है। शुक्र और राहु से संबंधित वस्तुओं में आपको लाभ होगा। आपकी माता या बहन के स्वास्थ्य में इस प्रत्यंतर्दशा के अन्त में सुधार होगा।

बृहस्पति प्रत्यंतर्दशा (06:01:2026 से 09:06:2026)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में शुक्र की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बृहस्पति की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। यह एक अति उत्तम दशा होगी। कोई अशुभ घटना नहीं होगी। यह दशा समृद्धि, उद्देश्यों की प्राप्ति और सभी प्रकार के सुख प्रदान करेगी।

शनि प्रत्यंतर्दशा (09:06:2026 से 09:12:2026)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में शुक्र की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शनि की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। पिछली दशा के दौरान जो आर्थिक सुधार शुरू हुये थे, वे इस दशा के दौरान स्थिर हो जायेगें। आपको विदेश यात्रा या वहाँ पर रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। सभी रोगों से आपको बहुत राहत मिलेगी। शनि से संबंधित चीजों के व्यापार में आपको उत्तम लाभ प्राप्त होगा।

बुध प्रत्यंतर्दशा (09:12:2026 से 22:05:2027)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में शुक्र की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बुध की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, लेकिन आपकी मानसिक शांति भंग हो सकती है। महिलाओं के मामलें में अधिक संलग्नता आपको अपूर्णिय क्षति करवा सकती है। विपरीत लिंग के लोगों के साथ व्यवहार करते समय आपको सावधान रहना चाहिये– जैसाकि आपको उनसे धोखा मिल सकता है।

केतु प्रत्यंतर्दशा (22:05:2027 से 28:07:2027)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में शुक्र की अर्न्तदशा के अन्तर्गत केतु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। पिछली दशा के दौरान आपने जो कुछ संचित किया था, इस दशा के दौरान वह सब छिन सकता है, या खर्च हो सकता है। आपको व्यापार में हानि हो सकती है। यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो विशिष्ट और अधीनस्थ आपको परेशानकर सकते हैं। शत्रु आपकी सफलता के मार्ग में रोड़ा बन सकते हैं।

सूर्य अर्न्तदशा (28:07:2027 से 09:07:2028)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में सूर्य की अर्न्तदशा चल रही है। सामान्यत: यह अर्न्तदशा आपके लिये उत्तम नहीं हो सकती है। आपकी पत्नी और संतानों को कष्ट हो सकता है। आपको पेट और आँतों से संबंधित रोग हो सकते हैं। आपकी व्यावसायिक और व्यापारिक प्रगति में विभिन्न प्रकार की बाधायें आ सकती हैं। आपको धन की हानि हो सकती है, और अपने अस्तित्वहीन होने का अहसास हो सकता है। आपके शत्रुओं की संख्या बढ़ सकती है। प्राय: आप यात्रायें कर सकते हैं।

सूर्य प्रत्यंतर्दशा (28:07:2027 से 14:08:2027)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में सूर्य की अर्न्तदशा के अन्तर्गत सूर्य की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपके पिता या परिवार के बड़े पुरूषों का स्वास्थ्य गंभीर हो सकता है। आपको इस समय पैतृक सम्पत्ति विरासत मेंमिल सकती है।

चन्द्रमा प्रत्यंतर्दशा (14:08:2027 से 12:09:2027)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में सूर्य की अर्न्तदशा के अन्तर्गत चन्द्रमा की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपको पैतृक या ननिहाल की सम्पत्ति विरासत में मिल सकती है। सम्पत्ति मामलों में आपके नजदीकी संबंधियों के साथ प्राय: विवाद हो सकते हैं। रक्तकी खराबी के कारण आपकों रोग हो सकते हैं। साथ ही आपके दाँतों मेंसमस्या हो सकती है। आपके माता के स्वास्थ्य को अधिक देखभाल की आवश्यकता हो सकती है।

मंगल प्रत्यंतर्दशा (12:09:2027 से 02:10:2027)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में सूर्य की अर्न्तदशा के अन्तर्गत मंगल की प्रत्यंतर्दशा चल रहीहै। यह एक पूर्ण निराशा जनक दशा होगी। आपके सभी विचार और योजनायें आपसे में टकरा सकती हैं, और आप अपनी दैनिक गतिविधियों को भी कर पाने में असक्षम हो सकते हैं। आपके हर कार्य में बाधा आ सकती है। आपके अपने पिता और सह जन्मों के साथ विवाद हो सकते हैं, और वे ऐसी स्थिति में पहुँच सकते हैं, कि आगे कोई समझौतानहीं होने की संभावना हो सकती है।

राहु प्रत्यंतर्दशा (02:10:2027 से 23:11:2027)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में सूर्य की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बृहस्पति की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। इस दशा के परिणाम आपकी जन्मकुण्डली में राहु की स्थिति पर निर्भर करेगें। आपकी आर्थिक और शारीरिक स्थिति का ह्रास हो सकता है। आपकी पत्नी का स्वास्थ्य भी गंभीर रूप से प्रभावित हो सकता है।

बृहस्पति प्रत्यंतर्दशा (23:11:2027 से 09:01:2028)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में सूर्य की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बृहस्पति की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपकी अतिरिक्त आय हो सकती है। अप्रत्याशित स्रोतों से आपको धन प्राप्त होगा। यदि साढ़े साती नहीं चल रही है, तो आपको उत्तम परिणाम मिलेगें। आप प्राचीन ग्रन्थों के अध्ययन में गहरी रूचि लेगें, और अन्य ग्रहीय स्थिति के आधार पर आध्यात्मिक क्षेत्र में नाम और यश प्राप्त करेगें। आपके स्वास्थ्य को अधिक देखभाल की आवश्यकता होगी।

शनि प्रत्यंतर्दशा (09:01:2028 से 04:03:2028)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में सूर्य की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शनि की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। यदि सूर्य बली नहीं है, तो यह एक बेहतर दशा होगी। यदि सूर्य बली है, तो परिवार के सदस्यों के बीच विवाद हो सकते हैं। आपके परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। व्यय अधिक हो सकते हैं। पड़ोसी आपके शत्रु बन सकते हैं, और परेशानियाँ पैदा कर सकते हैं।

बुध प्रत्यंतर्दशा (04:03:2028 से 22:04:2028)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में सूर्य की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बुध की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपको तूफान के बीच से गुजरना पड़ सकता है। इस दशा के प्रारम्भिक कुछ दिनों में आपको अपने सभी कामों में कई बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। उसके बाद आपको लगेगा कि बाधायें एक के बाद एक दूर हो रही हैं, औरचीजें सहज होना शुरू हो गयीं हैं।

केतु प्रत्यंतर्दशा (22:04:2028 से 12:05:2028)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में सूर्य की अर्न्तदशा के अन्तर्गत केतु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। यह एक पूर्ण निराशा जनक दशा होगी। आपने पिछली दशा के दौरान जो कुछ प्राप्त किया है, वह सब ठहर जायेगा। संतुलन कायम करने के लिये आपको कठिन संघर्ष करना पड सकता है। शत्रु आपकी अवनति के लिये प्रयास कर सकतेहैं। कर्जदार आपको परेशान कर सक्ते हैं। अपने कामों में असफलता से निराश होकर आप ईश्वर की शरण में जा सकते हैं।

शुक्र प्रत्यंतर्दशा (12:05:2028 से 09:07:2028)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में सूर्य की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शुक्र की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपको अपनी खोयी हुई स्थिति और मानसिक शांति वापस प्राप्त होगी। महिलाओं से आपको मदद मिलेगी। हालाँकि, आपकी पत्नी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। आपको महिलाओं से धोखा मिल सकता है।

चन्द्रमा अर्न्तदशा (09:07:2028 से 08:02:2030)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में चन्द्रमा की अर्न्तदशा चल रही है। यह अर्न्तदशा आपके लियेउत्तम नहीं हो सकती है। आपको मृत्युतुल्य कष्ट, धन हानि, वायु विकार तथा आपकी पत्नी और माता पिता को खतरा हो सकता है। कार्य या कामना पूर्ण होने को हो सकती है, मगर अचानक बाधायें आकर अवसरों को नष्ट कर सकतीहैं। आपको किसी नये व्यापार को शुरू नहीं करना चाहिये, या अपने वर्तमान व्यवसाय को बदलने की कोशिश नहीं करना चाहिये। आपको इस अन्तर दशा के दौरान देवी दुर्गा के मंत्रों का जाप करना चाहिये।

चन्द्रमा प्रत्यंतर्दशा (09:07:2028 से 26:08:2028)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में चन्द्रमा की अर्न्तदशा के अन्तर्गत चन्द्रमा की प्रत्यंतर्दशा चलरही है। आपके घर पर शुभ समारोह आयोजित होगें। आपके सहोदरों का विवाह हो सकता है। यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आपको पदोन्नति प्राप्त होगी। हालाँकि यदि आप व्यापारी हैं, और यदि आपके व्यापार का संबंध चन्द्रमा या राहु की वस्तुओं से नहीं है, तो आपको लाभ प्राप्त नहीं हो सकता है। आप फेफड़े के रोगों और तपेदिक से ग्रस्त हो सकते हैं।

मंगल प्रत्यंतर्दशा (26:08:2028 से 29:09:2028)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में चन्द्रमा की अर्न्तदशा के अन्तर्गत मंगल की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आप रक्तकी खराबी के कारण होने वाले विकारों, चिंता, कफ से ग्रसित हो सकते हैं। आग, विद्युत और अन्य गर्मचीजों से आपको खतरा हो सकता है। आपको चोरों और शत्रुओं के कारण धन हानि हो सकती है। अपने कार्य क्षेत्र में भी आप असफल हो सक्ते हैं। दंड या आपके द्वारा किये गये गबन के अपराध के कारण आपका स्थानांतरण या पदावनति हो सकती है।

राहु प्रत्यंतर्दशा (29:09:2028 से 25:12:2028)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में चन्द्रमा की अर्न्तदशा के अन्तर्गत राहु की प्रत्यंतर्दशा चल रहीहै। आपके राहु के कारक संबंधियों को कष्ट हो सकता है, और आपको उनके उपचार में धन व्यय करने को बाध्य होना पड़ सकता है। जलीय उत्पादों से आपको भोजन विषाक्तता की संभावना है। आप अनजाने में कई बुरे और गलत काम कर सकते हैं, और बाद में उनके लिये प्रायश्चित कर सकते हैं।

बृहस्पति प्रत्यंतर्दशा (25:12:2028 से 12:03:2029)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में चन्द्रमा की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बृहस्पति की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आप धार्मिक सिद्धान्तों का पालन करेगें, और भिक्षा बाँटेगें। आपकी उत्तम वस्त्रों और आभूषणों को पाने में अधिक रूचि होगी। आपको विभिन्न स्रोतों से धन प्राप्त होगा, और संताने सम्पन्न होगीं। संतान आपको खुशियाँ प्रदान करेगीं। आपका रूझान वाहन प्राप्त करने में हो सकता है।

शनि प्रत्यंतर्दशा (12:03:2029 से 12:06:2029)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में चन्द्रमा की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शनि की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपको संबंधियों के कारण दु:खों और खतरों का सामना करना पड़ सकता है। आप, आपकी पत्नी, संतान और आपके माता पिता एक साथ विभिन्न रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं। उपचार में भारी धन व्यय हो सकता है। आप विभिन्न उपचारीय तरीके अपना सकते हैं, और धन बर्बाद कर सकते हैं। ऐसा करने पर भी राहत न प्राप्त कर पाने के कारण आप पूरी तरह से निराश हो सकते हैं।

बुध प्रत्यंतर्दशा (12:06:2029 से 02:09:2029)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में चन्द्रमा की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बुध की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। पिछली दशा में आपने जिन दु:खों और परेशानियों का सामना किया है, उनसे आपको थोड़ी राहत मिलेगी। आपको निरन्तर धन प्राप्त होगा, और आप उत्तम परिधान, आभूषण और नये मवेशी प्राप्त करेगें। कृषि उत्पादों से आपको उत्तम आय प्राप्त होगी। आपके नाम और यश में बढ़ोत्तरी होगी। नये प्राप्त ज्ञान और शिक्षा के द्वारा आप संपन्न होगें।

केतु प्रत्यंतर्दशा (02:09:2029 से 05:10:2029)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में चन्द्रमा की अर्न्तदशा के अन्तर्गत केतु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपके प्रियजनों को निराशा का सामना करना पड़ सकता है। आपको धन हानि हो सकती है। आप विभिन्न धार्मिक कार्यों में रत रहेगें, और भारी मात्रा में धन व्यय करेगें। आपको जल या जलीय उत्पादों से खतरा हो सकता है। आपको ऐसे व्यापार से दूर रहना चाहिये, जहाँ द्रव रसायन का प्रयोग होता हो।

शुक्र प्रत्यंतर्दशा (05:10:2029 से 10:01:2030)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में चन्द्रमा की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शुक्र की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। यह एक अति उत्तम दशा होगी। इस दशा में आप निवेशों और अपने मौजूदा व्यवसायिक गतिविधियों के विस्तार के बारे में सोच सकते हैं। तीनों ग्रहो या उनमें से किसी एक की दुर्बलता की कोटि चाहे जो कुछ भी हो, आपकोकोई अति अशुभ परिणाम नहीं मिलेगें। दूसरी तरफ आप बहुत आराम महसूस करेगें, और अनुकूल परिणामों का आनन्द प्राप्त करेगें।

सूर्य प्रत्यंतर्दशा (10:01:2030 से 08:02:2030)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में चन्द्रमा की अर्न्तदशा के अन्तर्गत सूर्य की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। यह एक विवादपूर्ण दशा हो सकती है। इस दशा के परिणामों का आंकलन करना बहुत कठिन है- जैसाकि परिणाम इन तीनों ग्रहों के कार्यों पर निर्भर करेगें। ये तीनों ग्रह भिन्न परिणाम प्रदर्शित करेगें, अर्थात यदि एक ग्रह बली है, तो वह शुभ परिणाम देगा, यदि कोई कमजोर है, तो यह अति अशुभ परिणाम प्रदान करेगा। दूसरे शब्दों में आप अति शुभ और अति अशुभ परिणामों का आनन्द एक साथ प्राप्त करेगें।

मंगल अर्न्तदशा (08:02:2030 से 19:03:2031)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में मंगल की अर्न्तदशा चल रही है। सामान्यत: यह अर्न्तदशा आपके लिये उत्तम नहीं हो सकती है। आपको विदेश यात्रा पर जाने का शौक हो सकता है, जहाँ पर आप विभिन्न समस्याओं का सामना कर सकते हैं। अत: आपको विदेश में स्थानंतरण या रोजगार या किसी व्यापाकि दौरे को स्वीकार नहीं करना चाहिये। आपको बुखार, हार्निया और आँखों के रोग हो सकते हैं। आपको हर समय मृत्यु का भय बना रह

सकता है। आग और धातु के साथ काम करते समय आपको सावधान रहना चाहिये। आपको कुछ शारीरिक चोट या अक्षमता हो सकती है। आप भारी धन हानि का सामना भी कर सकते हैं। आपकी पत्नी और घर की महिलाओं को कष्ट हो सकता है। आपको अपमान का भी सामना करना पड़ सकता है। आप अपने पद और स्थिति को खो सकते हैं। भगवान श्रीकृष्ण के मंत्रों का जाप आपके लिये लाभकारी साबित होगा।

मंगल प्रत्यंतर्दशा (08:02:2030 से 03:03:2030)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में मंगल की अर्न्तदशा के अन्तर्गत मंगल की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। इस प्रत्यंतर्दशा के दौरान आपको किसी न किसी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आपको कुछ शुभ परिणाम प्राप्त होगें, लेकिन केवल देने से अधिक लेने के लिये। आप परिवार से अलग हो सकते हैं। आपको अलाभकारी लम्बी यात्राओं पर जाने के लिये बाध्य होना पड़ सकता है।

राहु प्रत्यंतर्दशा (03:03:2030 से 03:05:2030)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में मंगल की अर्न्तदशा के अन्तर्गत राहु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। इस दशा के दौरान आप अति शुभ और अशुभ परिणाम प्राप्त करेगें। एक समय आपको लगेगा, कि सफलता आपके दरवाजे पर दस्तक दे रही है, लेकिन आपकी आँखों के सामने कोई अन्य व्यक्तिआकर आपकी सफलता उड़ा ले जा सकता है। आपके और परिवार के उपचार में आपका भारी धन व्यय हो सकता है।

बृहस्पति प्रत्यंतर्दशा (03:05:2030 से 26:06:2030)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में मंगल की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बृहस्पति की प्रत्यंतर्दशा चलरही है। आपको अति उत्तम परिणाम मिलेगें। यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आपको रोजगार के अप्रत्याशित प्रस्तावमिलेगें, यदि आप व्यापार कर रहे हैं, तो आपको व्यवसायिक प्रस्ताव मिलेगें। आपको अपनी पत्नी और संतानों का सहयोग मिलेगा। यदि आवश्यक हुआ तो मित्र और संबंधी भी आपकी मदद करेगें।

शनि प्रत्यंतर्दशा (26:06:2030 से 29:08:2030)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में मंगल की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शनि की प्रत्यंतर्दशा चल रहीहै। चूँकि, दोनों ग्रह नैसर्गिक रूप से अशुभ हैं, अत: वे परस्पर लड़ाई करेगें। एक लाभ पहुँचाने की कोशिश करेगा, दूसरा उनको छीनने की कोशिश करेगा। अत: कुछ अनुकूल घटनाओं के होने के दौरान आपको बहुत सावधान रहना चाहिये।

बुध प्रत्यंतर्दशा (29:08:2030 से 25:10:2030)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में मंगल की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बुध की प्रत्यंतर्दशा चल रहीहै। यह एक उदासीन दशा होगी। जीवन केवल सामान्य तरीके से चलेगा। आप कई चीजें करना चाह सकते हैं, लेकिनऐसा करने में आप सक्षम नहीं हो सकते हैं। आप अपना अधिकतर समय पत्नी और संतानों के साथ गुजारेगें।

केतु प्रत्यंतर्दशा (25:10:2030 से 18:11:2030)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में मंगल की अर्न्तदशा के अन्तर्गत केतु की प्रत्यंतर्दशा चल रहीहै। आपको कई छोटी यात्राओं पर जाने के लिये बाध्य होना पड़ सकता है, जिसमें आपका अतिरिक्तधन व्यय हो सकता है। आप अपने परिवार के साथ अधिक समय गुजार पाने में असक्षम हो सकते हैं। संतानों की शिक्षा में व्यवधान हो सकता है। आपके माता पिता का स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

शुक्र प्रत्यंतर्दशा (18:11:2030 से 24:01:2031)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में मंगल की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शुक्र की प्रत्यंतर्दशा चल रहीहै। आपका यौन सुखों की प्राप्ति की तरफ अधिक झुकाव हो सकता है। अपने कार्यक्षेत्र में आपको कोई रूचि नहीं होसकती है। आपका केवल एक उद्देश्य होगा–भरपूर आनन्द । आपको मदिरा और महिलाओं का नशा हो सकता है। आपको अपनी पत्नी में रूचि नही हो सकती है, जिससे प्राय: उसके साथ झगड़ा हो सकता है। आपको रतिजन्य रोग हो

सकते हैं।

सूर्य प्रत्यंतर्दशा (24:01:2031 से 13:02:2031)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में मंगल की अर्न्तदशा के अन्तर्गत सूर्य की प्रत्यंतर्दशा चल रहीहै। आपका स्वास्थ्य बहुत खराब हो सकता है, अत: आपका समय डाक्टरों के चक्कर लगाने में बीतेगा। आपको अपनेदैनिक जीवन में रूचि नहीं हो सकती है। आपकी आय व्यय से बहुत कम हो सकती है। शत्रु स्थिति का लाभ लेनेकी कोशिश कर सकते हैं, और आपकी सम्पत्ति को हड़प सकते हैं।

चन्द्रमा प्रत्यंतर्दशा (13:02:2031 से 19:03:2031)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में मंगल की अर्न्तदशा के अन्तर्गत चन्द्रमा की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आर्थिक मामलों को संचालित करने के लिये यह एक अनुकूल दशा होगी। आपको धन और अन्य सम्पत्तियों कीप्राप्ति होगी। आप जीवन का अति आनन्द प्राप्त करेगें। हालाँकि, आपकी माता के स्वास्थ्य की अधिक देखभाल की आवश्यकता होगी।

राहु अर्न्तदशा (19:03:2031 से 23:01:2034)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में राहु की अर्न्तदशा चल रही है। यह अर्न्तदशा आपके लिये उत्तम नहीं हो सकती है। आपको ऊँचाई से गिरने या किसी कुँयें अथवा सुरंग में गिरने के कारण चोट लग सकती है। आप बुखार, फोड़ों, सुजाक, प्लीहा के आकार में भारी वृद्धि, चर्म रोगों से ग्रसित हो सकते हैं। आपको भारी धन हानि होसकती है। आपका सभी के साथ झगड़ा हो सकता है, और आप शत्रुता को आमंत्रण दे सकते हैं। आप किसी की भी सलाह को नहीं मान सकते हैं, जिससे आप हमेशा गंभीर समस्यायों में फँस सकते हैं। आपका व्यवहार बहुत असहिष्णु हो सकता है। आपको इस पूरी अर्न्तदशा के दौरान महामृत्युंजय मंत्र का जाप करना चाहिये।

राहु प्रत्यंतर्दशा (19:03:2031 से 22:08:2031)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में राहु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत राहु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। यह दशा अति उत्तम साबित होगी। ऐसी स्थिति में आप भूमि, भवन, व्यापार और आर्थिक मामलों से संबंधित सभी महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं।

बृहस्पति प्रत्यंतर्दशा (22:08:2031 से 08:01:2032)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में राहु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बृहस्पति की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। तुलनात्मकरूप से यह एक बेहतर दशा होगी। इस समय आप कुछ सार्थक काम करने की सोच सकते हैं। आप भूमि, भवन और वाहन खरीदेगें। आपको उत्तम मित्रों का साथ मिलेगा। आपको विरासत में पैतृक सम्पत्ति प्राप्त हो सकती है।

शनि प्रत्यंतर्दशा (08:01:2032 से 21:06:2032)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में राहु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शनि की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। इस दशा के दौरान आपको विभिन्न परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपका व्यय इस सीमा तक बढ़ सकता है, कि आपको विभिन्न लोगों से धन उधार माँगना पड़ सकता है। आप ऐसे उधार लिये गये धन का उपयोग जुए या लॉटरी या अन्य कामुक उद्देश्यों के लिये कर सकते हैं। अन्तत: आप आत्महत्या करने की स्थिति में पहुँच सकते हैं।

बुध प्रत्यंतर्दशा (21:06:2032 से 16:11:2032)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में राहु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बुध की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आप अपनी पुरानी आदतों से चिपके रह सकते हैं, और आगे परेशानियों में फँस सकते हैं। ऋणदाता आपको लगातार परेशान कर सकते हैं, और आप किसी स्थान पर छुप सकते हैं। यदि बुध बली है, तो आपने जो कुछ भी खोया है, उसे इस प्रत्यंतर्दशा के अन्त में पुन: प्राप्त करने में सक्षम होगें।

केतु प्रत्यंतर्दशा (16:11:2032 से 16:01:2033)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में राहु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत केतु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आप अपने पैरो पर खड़े होने में सक्षम होगें। आपको कुछ अन्य समस्याओं जैसे पत्नी और संतानों की बीमारी या किसी दुर्घटना का सामना करना पड़ सकता है, जिससे आपका भारी व्यय हो सकता है। दूसरे शब्दों में, आपको मुश्किलों के बीच में कुछ लाभ होगा। आपको अधिक व्यय या यौन मामलों पर नियंत्रण रखना चाहिये।

शुक्र प्रत्यंतर्दशा (16:01:2033 से 08:07:2033)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में राहु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शुक्र की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। अन्ततः आपको आर्थिक संकट से कुट राहत मिलेगी। कुछ धन प्राप्त करने के आपको अवसर मिलेगें। आपने जो ऋण ले रखा है, उसे चुकता करने की कोशिश करेगें। हालाँकि, यौन सुखों को प्राप्त करने की आपकी प्रवृत्ति पूरी तरह से समाप्त नहीं हो सकती है। आपकी पत्नी के स्वास्थ्य की अधिक देखभाल की आवश्यकता हो सकती है।

सूर्य प्रत्यंतर्दशा (08:07:2033 से 29:08:2033)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में राहु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत सूर्य की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। इस दशा के दौरान आपका अपने नजदीकियों से विवाद हो सकता है। आपको बिना किसी कारण के अपमान का सामना करना पड़ सकता है। यद्यपि आप किसी को आघात नहीं पहुँचाना चाहेगें, फिर भी परिस्थितियों के कारण आपको सबसे लड़ाई करनी पड़ सकती है, और उनके क्रोध का सामना करना पड़ सकता है। आपको बुखार, पीलिया और चर्म रोग हो सकते हैं।

चन्द्रमा प्रत्यंतर्दशा (29:08:2033 से 24:11:2033)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में राहु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत चन्द्रमा की प्रत्यंतर्दशा चल रहीहै। आप जिन रोगों से ग्रस्त थे, उनसे आपको थोड़ी राहत मिलेगी। हालाँकि, आपके दिमाग की शांति किसी न किसी कारण से भंग हो सकती है। कानूनी मामलों में आपका का व्यय बढ़ सकता है। आपकी सम्पत्ति को दूसरे लोग हड़प सकते हैं, या आप उसे अपनी मूर्खता से गँवा सकते हैं।

मंगल प्रत्यंतर्दशा (24:11:2033 से 23:01:2034)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में राहु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत मंगल की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। इस दशा के दौरान आपको सावधान रहना होगा। आप दुर्घटनाओं और शरीर कटने या चोट का सामना कर सकते हैं, या आपको आग से भय हो सकता है। आप भूमि खरीद सकते हैं, या नया व्यापार शुरू कर सकते हैं।

बृहस्पति अर्न्तदशा (23:01:2034 से 06:08:2036)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में बृहस्पति की अर्न्तदशा चल रही है। आपके लिये यह बहुत उत्तम अर्न्तदशा होगी, जिसका आप एक लम्बे बुरे दौर के बाद अनुभव करेगें। आपका विश्वास पुनः लौटेगा। आपमें जीने की चाह बढ़ेगी, और आपको जीवन का अर्थ पूरी तरह से समझ में आयेगा। आप अपनी पत्नी, संतानों और मित्रोंकी संगति का पूर्ण आनन्द प्राप्त करेगें। आपको अपने हर काम में सफलता मिलेगी, और आप विभिन्न शुभ कार्यों को पूरा करेगें। ईश्वर के अस्तित्व का आपको पूर्ण अहसास होगा, और आप उसकी आराधना करेगें। आपको भूमि लाभ होगा। विभिन्न कलाओं में आप गहरी रूचि लेगें। इस अर्न्तदशा के दौरान आपका व्यवहार सौम्य होगा।

बृहस्पति प्रत्यंतर्दशा (23:01:2034 से 27:05:2034)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में बृहस्पति की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बृहस्पति की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। एक लम्बे संघर्ष के बाद आपको अधिक अनुकूल परिणामों का आनन्द प्राप्त होगा। विदेशों से मिलने वालेसमाचार आपको प्रफुल्लित करेगें। आपको विदेशी वस्तुओं का आनन्द प्राप्त करने का सौभाग्य प्राप्त होगा या आपको विदेश में रोजगार प्राप्त हो सकता है। मित्र और संबंधी आपकी सहायता करेगें।

शनि प्रत्यंतर्दशा (27:05:2034 से 20:10:2034)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में बृहस्पति की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शनि की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। यह दशा कुछहद उत्तम होगी। आप धन का संग्रह करेगें, भूमि और भवन खरीदेगें, नया रोजगार प्राप्त करेगें या नया व्यापार शुरू करेगें। हालाँकि, इस दशा के अन्त में आपको स्वयं या दुष्ट लोगों के कारण बदनामी का सामना करना पड़ सकता है।

बुध प्रत्यंतर्दशा (20:10:2034 से 28:02:2035)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में बृहस्पति की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बुध की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। यह एक बेहतर दशा होगी। निवेश और व्यापार करने के लिये यह शुभ समय है। आपको अवश्य लाभ मिलेगा। हालाँकि, यदि आप व्यापार करने की स्थिति में नहीं हैं, तो आप किसी रोजगार में जायेगें, और नाम तथा यश प्राप्त करेगें।

केतु प्रत्यंतर्दशा (28:02:2035 से 23:04:2035)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में बृहस्पति की अर्न्तदशा के अन्तर्गत केतु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। यह एक शान्तिपूर्ण दशा होगी। अधिक हलचल नहीं होगी। जीवन साधारण तरीके से गुजरेगा।

शुक्र प्रत्यंतर्दशा (23:04:2035 से 24:09:2035)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में बृहस्पति की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शुक्र की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। इस दशा के दौरान आपको वास्तविक आनन्द प्राप्त होगा। आपको विभिन्न स्रोतों से आय प्राप्त होगी। आप एक समय पर कई कार्य करेगें, और नाम, यश और धन प्राप्त करेगें। आपके माता पिता से भी आपको सुख मिलेगा। अपनी पत्नी और संतान से आपको पूरा आराम मिलेगा।

सूर्य प्रत्यंतर्दशा (24:09:2035 से 09:11:2035)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में बृहस्पति की अर्न्तदशा के अन्तर्गत सूर्य की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। राजनीति से जुउे लोगों के लिये यह एक अति उत्तम दशा होगी। धन के लिये वे आसानी से दूसरों को धोखा दे सकते हैं। यदि आप राजनीति से जुड़े हैं, तो आप चुनौतिपूर्ण कार्य की आशा कर सकते हैं। आपको विभिन्न स्रोतों से आय प्राप्त होगी।

चन्द्रमा प्रत्यंतर्दशा (09:11:2035 से 25:01:2036)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में बृहस्पति की अर्न्तदशा के अन्तर्गत चन्द्रमा की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। यदि आपने अपने दिमाग को ठंडा रखा, तो इस प्रत्यंतर्दशा के दौरान पूर्ण आनन्द प्राप्त करेगें। चूँकि चन्द्रमादिमाग का नियंत्रणकर्ता है, विचलित दिमाग के लोगों को भी बहुत राहत मिलेगी- जैसाकि बृहस्पति उनकी देखभाल करेगा। आप तीर्थयात्रा पर जा सकते हैं, और अपनी पत्नी तथा संतानों का सुख प्राप्त करेगें।

मंगल प्रत्यंतर्दशा (25:01:2036 से 20:03:2036)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में बृहस्पति की अर्न्तदशा के अन्तर्गत मंगल की प्रत्यंतर्दशा चलरही है। सामान्यत: यह एक उत्तम दशा होगी। बृहस्पति और मंगल की युति इसमें प्रमुख भूमिका निभायेगें। अत: आप एक बहुत उत्तम स्थिति और जीवन के सारे सुखों का आनन्द प्राप्त करेगें। आपका विवाह हो सकता है।

राहु प्रत्यंतर्दशा (20:03:2036 से 06:08:2036)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में शनि की महादशा में बृहस्पति की अर्न्तदशा के अन्तर्गत राहु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। इस दशा के दौरान आप ईश्वर की उपासना की तरफ पूरी तरह से मुड़ जायेगें, और वेद मंत्रों का जाप करेगें। आप लेखन या प्रकाशन आदि से कमायेगें।

अष्टोत्तरी दशा से भविष्यफल

शुक्र(रोहिणी) दशा

(18:12:1975 -- 28:05:1976)

यह अष्टोत्तरी दशा अधिक घटनापूर्ण नहीं है। यद्यपि हम बहुत अधिक स्थितियों की गणना कर रहे

शुक्र(मृगशिर) दशा

(28:05:1976 -- 29:05:1983)

जैसाकि योग स्फूट आपके ६वें भाव में स्थित है, जो आपके लग्न से त्रिकोण है, इस दशा के दौरान आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें- विशेषकर विदेशी और आर्थिक मामलों में। अपनी मेधा शक्तिऔर अन्तर्निहित क्षमताओं और प्रशंसनीय उपलब्धियों के कारण आपको उचित पहचान प्राप्त होगी। आप अपने पेशे के क्षेत्र में उत्तम कार्य करेगें, और कुछ लाभदायक परिवर्तन भी हो सकते हैं। यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आपको एक नया रोजगार प्राप्त हो सकता है। यदि आप व्यापारी हैं, तो आप एक नये संभावित क्षेत्र में विविधता लाने के लिये काम शुरू कर सकते हैं, या साझेदारी या सहयोग से लाभान्वित भी हो सकते हैं। आप लाभ और आनन्द के लिये लम्बी यात्रायें कर सकते हैं।

जैसाकि आपका योग स्फूट एक ऐसी राशि में है, जो ६ठे पद राशि के समान है, लेकिन राशि का स्वामी बली और सुव्यवस्थित है- आपका आगामी समय बहुत आनन्दपूर्ण है। आपके संबंधी मददगार होगें, और आपके शत्रु आपके लिये किसी भी प्रकार की परेशानी पैदा करने में सक्षम नहीं होगें। आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, प्रतियोगी परीक्षा में आपको सफलता मिलेगी, और यदि आप रोजगार की तलाश कर रहे हैं, तो आप एक मोहक रोजगार आसानी से प्राप्त करने में सक्षम होगें। यदि आप पहले से रोजगार कर रहे हैं, तो अपनी योग्यता से आप एक उत्तम उन्नति को प्राप्त करेगें।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 24:03:1978, 25:05:1978, 08:06:1978, 23:04:1980, 23:09:1981, 21:04:1983, 21:04:1983

सूर्य(आर्द्रा) दशा

(29:05:1983 -- 27:11:1984)

जैसाकि योग स्फूट आपके १०वें भाव में स्थित है, जो आपके लग्न से केन्द्र है, इस दशा के दौरान आप बहुत ऊर्जावान और सक्रिय होगें, और कई मामलों में आपका सारभूत सुधार होगा। यदि आप औपाचारिक पढ़ाई कर रहे हैं, तो आपकीबहुत उन्नति होगी, परीक्षा में आप सफल होगें, और एक गौरवपूर्ण योग्यता को प्राप्त करेगें । अपनी मेधा शक्ति और अन्तर्निहित क्षमताओं और प्रशंसनीय उपलब्धियों के कारण आपको उचित पहचान प्राप्त होगी। आप अपने पेशे के क्षेत्र में बहुत सुधार होगा, और कुछ लाभदायक परिवर्तन भी हो सकते हैं। आपकी विश्वसनीयता और सम्मान एक नयी ऊँचाइयों को छूयेगा। लेकिन जैसाकि अपने कैरियर पर अधिक ध्यान देने से आप अपने घरेलू जीवन को कुछ हद तक नजरअन्दाज कर सकते हैं।

जैसाकि आपका योग स्फूट एक ऐसी राशि में है, जो ८वें पद राशि के समान है, लेकिन राशि का स्वामी सुव्यवस्थित नहींहै-आपका आगामी समय बहुत समस्यापूर्ण हो सकता है। आपके संबंधी और मित्र मददगार नहीं हो सकते हैं, और आपके शत्रु आपके लिये परेशानी पैदा कर सकते हैं। आपका स्वास्थ्य उत्तम नहीं हो सकता है। यदि आप रोजगार की

तलाश कर रहे हैं, तो आप एक सुनहरे अवसर को हाथ से खो सकते हैं। यदि आप पहले से रोजगार कर रहे हैं, तो अपनेकार्य स्थल पर आप परेशानी का सामना कर सकते हैं। आपको बहुत सावधान और सजग रहना चाहिये, अन्यथा आपको किसी दुर्घटना का सामना करना पड़ सकता है, या व्यवसाय में झटका लग सकता है।

जैसाकि आपका योग स्फूट ४थे पद राशि में है, आप बहुत सक्रिय होगें, इस दशा के दौरान, अपने प्रयासों और परिश्रमरहित प्रयत्नों के द्वारा आप अपने उद्देश्यों को पूर्ण करेगें। यदि आप औपचारिक शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, तो परीक्षा में आप सफलता प्राप्त करेगें, और एक प्रभावी योग्यता धारण करेगें। आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, और आपका घरेलू जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल होगा। यदि आपके पेशे का संबंध शैक्षिणिक या प्रशिक्षण संस्थान, फैशन डिजायनिंग या आन्तरिक सजावट से है, तो आप उत्तम लाभ और धन प्राप्त कर सकते हैं। हालाँकि आपके पिता का स्वास्थ्य आपको चिन्तित कर सकता है।

जैसाकि आपका योग स्फूट पहले पद राशि में है, आप बहुत महत्वाकांक्षी , ऊर्जावान और बहुत सक्रिय होगें, इस दशा के दौरान, अपने प्रयासों और परिश्रमरहित प्रयत्नों के द्वारा आप अपने उद्देश्यों को पूर्ण करेगें। यदि आप एक रोजगार की तलाश कर रहे हैं,आपको एक प्रतिष्ठित पद प्राप्त होगा। आपके सभी प्रयास बहुत सफल होगें। आपकी ख्याति और सम्मान हमेशा बढ़ेगा, आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, और आपका घरेलू जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल होगा।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 13:06:1983, 02:10:1983, 02:02:1984, 02:02:1984, 02:07:1984, 16:07:1984, 19:07:1984

सूर्य(पुनर्वसु) दशा

(27:11:1984 -- 29:05:1986)

जैसाकि योग स्फूट आपके ३रे भाव में स्थित है, जोकि कई मामलों में अनुकूल है। इस दशा के दौरान आप अपने व्यवसाय के संबंध में छोटी यात्रायें कर सकते हैं। यदि आप रोजगार में परिवर्तन या स्थानांतरण या नये घर में स्थानांतरित होने की उम्मीद कर रहे हैं, तो समय आपके लिये अनुकूल है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आप बहुत उत्तमकार्य करेगें, और किसी अधिक जिम्मेदार पद को प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप लेखक, सम्पादक या अनुवादक हैं,तो आपकी अति उत्तम प्रगति होगी, लेकिन यदि आप व्यापारी हैं, और आपका संबंध प्रकाशन, मुद्रण, विज्ञापन आदिक्षेत्रों से है, तो आप बहुत सम्पन्न होगें। हालाँकि आपकी माता का स्वास्थ्य और सुख आपको चिन्तित कर सकता है।

जैसाकि आपका योग स्फूट ३रे पद राशि में है, इस दशा के दौरान, अपने व्यवसाय के संबंध में आप एक लम्बी यात्रा पर जा सकते हैं। आपका किसी नजदीकी स्थान पर स्थानांतरण हो सकता है, या ऐसे स्थान पर आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप अपना एक नया उपक्रम शुरू करना चाह रहे हैं, तो समय आपके लिये अनुकूल है। आपके सगे और चचेरे अनुज, पड़ोसी और सहकर्मी भी आपके लिये बहुत सहायक और मददगार होगें। हालाँकि आपकी माता का स्वास्थ्य आपको चिन्तित कर सकता है।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 26:12:1984, 26:12:1984, 26:05:1985, 08:06:1985, 11:06:1985, 05:11:1985, 24:02:1986

सूर्य(पुष्य) दशा

(29:05:1986 -- 27:11:1987)

जैसाकि योग स्फूट आपके ७वें भाव में स्थित है, जो आपके लग्न से केन्द्र है, इस दशा के दौरान आप बहुत ऊर्जावान और सक्रिय होगें, और कई मामलों में आपका सारभूत सुधार होगा। यदि आप एक नये रोजगार के अवसर को तलाश रहेहैं, या अपना स्वयं का एक व्यापार शुरू करना चाह रहे हैं, तो समय आपके लिये बहुत अनुकूल है। आप अपने पेशेके क्षेत्र में बहुत सुधार होगा, और कुछ लाभदायक परिवर्तन भी हो सकते हैं। आपकी विश्वसनीयता और सम्मान एक नयी ऊँचाइयों को छूयेगा। यदि आप अविवाहित हैं, तो आप शादी कर सकते हैं। साथ ही आप साझेदारी या सहयोगसे लाभान्वित हो सकते हैं।

जैसाकि आपका योग स्फूट ६वें पद राशि में है, इस दशा के दौरान, अपने व्यवसाय के संबंध में आप एक लम्बी यात्रा पर जा सकते हैं। आपका किसी दूर स्थान पर स्थानांतरण हो सकता है, या ऐसे स्थान पर आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप अपना एक नया उपक्रम शुरू करना चाह रहे हैं, तो समय आपके लिये अनुकूल है। किसी धनी और प्रभावी व्यक्तिसे आप बिल्कुल अप्रत्याशितरूप से कुछ समर्थन और लाभ हासिल कर सकते हैं।

जैसाकि आपका योग स्फूट ११वें पद राशि में है, इस दशा के दौरान, व्यवसाय से आपकी आय, दूसरे स्रोतों से लाभ और मित्रों का दायरा सभी में वृद्धि होगी। आप आनन्दमग्न रहेगें, और संबंधियों तथा मित्रों के साथ आप अपने जीवन का सुखपूर्वक आनन्द लेगें। आपकी कुछ महत्वाकांक्षायें फलीभूत होगीं, और कुछ अवलम्बित कामनायें पूर्ण होगीं। आप आनन्द और लाभ के लिये आप लम्बी यात्राओं पर जा सकते हैं, और आपके परिवार में कोई शुभ समारोह आयोजित हो सकता है। हालाँकि आपकी माता का स्वास्थ्य आपको चिन्तित कर सकता है।

जैसाकि आपका योग स्फूट पहले पद राशि में है, आप बहुत भाग्यशाली , ऊर्जावान और बहुत सक्रिय होगें, इस दशा केदौरान, अपने प्रयासों और परिश्रमरहित प्रयत्नों के द्वारा आप अपने उद्देश्यों को पूर्ण करेगें। अपनी विशेष उपलब्धियों के कारण आप अपने परिवार के आनन्द और गर्व का स्रोत होगें। आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, और आपका घरेलू जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल होगा। इसके अलावा, आपके परिवार में एक शुभ समारोह आयोजित हो सकता है।

जैसाकि आपका योग स्फूट ७वें पद राशि में है, आप बहुत सक्रिय होगें, इस दशा के दौरान, अपने प्रयासों और परिश्रमरहित प्रयत्नों के द्वारा आप अपने उद्देश्यों को पूर्ण करेगें। यदि आप अविवाहित हैं, तो आप शादी के बन्धन में बँध सकते हैं। यदि आप भागीदारी या सहयोग करना चाह रहे हैं, तो समय आपके लिये अनुकूल है। आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, और आपका घरेलू जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल होगा। यदि आपके पेशे का संबंध विदेश व्यापार या विदेशों से संबंध रखने वाली कम्पनियों से है, तो आप ऐसे स्रोतों से भारी लाभ और धन प्राप्त कर सकते हैं।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 14:06:1986, 28:06:1986, 01:07:1986, 25:11:1986, 15:03:1987, 16:07:1987, 16:07:1987

सूर्य(आश्लेषा) दशा

(27:11:1987 -- 29:05:1989)

जैसाकि योग स्फूट आपके १२वें भाव में स्थित है, जो आपकी कुण्डली में प्रतिकूल त्रिकोण भाव है, इस दशा के दौरान अप्रत्याशित साधनों के कारण आप कुछ गंभीर प्रकार की समस्याओं का सामना कर सकते हैं। अपने कार्य स्थल पर भी आपको कुछ समस्यायें हो सकती हैं, और आप अपने वरिष्टों या अधिकारियों के कारण मुश्किलों में पड़ सकते हैं।

कुछ ईष्यालु लोग गुप्तरूप से आपके लिये परेशानियाँ पैदा कर सकते हैं, और आप सतत तनाव में रह सकते हैं। आपकी आय आपके व्यय से बहुत कम हो सकती है, और समय -समय पर आप जरूरतों को पूरा करने के लिये ऋण ले सकते हैं। आपको अनुमानित निवेशों या ऋण लेने से दूर रहना चाहिये। यदि आप रोजगार में परिवर्तन या स्थानांतरण की उम्मीद कर रहे हैं, तो समय आपके लिये अनुकूल है।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 23:01:1988, 25:05:1988, 25:05:1988, 23:10:1988, 06:11:1988, 09:11:1988, 05:04:1989

चन्द्रमा(मघा) दशा

(29:05:1989 -- 29:05:1994)

जैसाकि योग स्फूट आपके १०वें भाव में स्थित है, जो आपके लग्न से केन्द्र है, इस दशा के दौरान आप बहुत ऊर्जावान और सक्रिय होगें, और कई मामलों में आपका सारभूत सुधार होगा। यदि आप औपाचारिक पढ़ाई कर रहे हैं, तो आपकीबहुत उन्नति होगी, परीक्षा में आप सफल होगें, और एक गौरवपूर्ण योग्यता को प्राप्त करेगें । अपनी मेधा शक्ति और अन्तर्निहित क्षमताओं और प्रशंसनीय उपलब्धियों के कारण आपको उचित पहचान प्राप्त होगी। आप अपने पेशे के क्षेत्र में बहुत सुधार होगा, और कुछ लाभदायक परिवर्तन भी हो सकते हैं। आपकी विश्वसनीयता और सम्मान एक नयी ऊँचाइयों को छूयेगा। लेकिन जैसाकि अपने कैरियर पर अधिक ध्यान देने से आप अपने घरेलू जीवन को कुछ हद तक नजरअन्दाज कर सकते हैं।

जैसाकि आपका योग स्फूट एक ऐसी राशि में है, जो ८वें पद राशि के समान है, लेकिन राशि का स्वामी सुव्यवस्थित नहींहै-आपका आगामी समय बहुत समस्यापूर्ण हो सकता है। आपके संबंधी और मित्र मददगार नहीं हो सकते हैं, और आपके शत्रु आपके लिये परेशानी पैदा कर सकते हैं। आपका स्वास्थ्य उत्तम नहीं हो सकता है। यदि आप रोजगार की तलाश कर रहे हैं, तो आप एक सुनहरे अवसर को हाथ से खो सकते हैं। यदि आप पहले से रोजगार कर रहे हैं, तो अपनेकार्य स्थल पर आप परेशानी का सामना कर सकते हैं। आपको बहुत सावधान और सजग रहना चाहिये, अन्यथा आपको किसी दुर्घटना का सामना करना पड़ सकता है, या व्यवसाय में झटका लग सकता है।

जैसाकि आपका योग स्फूट ४थे पद राशि में है, आप बहुत सक्रिय होगें, इस दशा के दौरान, अपने प्रयासों और परिश्रमरहित प्रयत्नों के द्वारा आप अपने उद्देश्यों को पूर्ण करेगें। यदि आप औपचारिक शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, तो परीक्षा में आप सफलता प्राप्त करेगें, और एक प्रभावी योग्यता धारण करेगें। आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, और आपका घरेलू जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल होगा। यदि आपके पेशे का संबंध शैक्षिणिक या प्रशिक्षण संस्थान, फैशन डिजायनिंग या आन्तरिक सजावट से है, तो आप उत्तम लाभ और धन प्राप्त कर सकते हैं। हालाँकि आपके पिता का स्वास्थ्य आपको चिन्तित कर सकता है।

जैसाकि आपका योग स्फूट पहले पद राशि में है, आप बहुत महत्वाकांक्षी , ऊर्जावान और बहुत सक्रिय होगें, इस दशा के दौरान, अपने प्रयासों और परिश्रमरहित प्रयत्नों के द्वारा आप अपने उद्देश्यों को पूर्ण करेगें। यदि आप एक रोजगार की तलाश कर रहे हैं,आपको एक प्रतिष्ठित पद प्राप्त होगा। आपके सभी प्रयास बहुत सफल होगें। आपकी ख्याति और सम्मान हमेशा बढ़ेगा, आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, और आपका घरेलू जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल होगा।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 04:09:1989, 08:09:1990, 24:10:1991, 24:10:1991, 10:03:1993, 23:04:1993,

03:05:1993

चन्द्रमा(पूर्वाफाल्गुनी) दशा

(29:05:1994 -- 29:05:1999)

यह अष्टोत्तरी दशा अधिक घटनापूर्ण नहीं है। यद्यपि हम बहुत अधिक स्थितियों की गणना कर रहे

चन्द्रमा(उत्तराफाल्गुनी) दशा

(29:05:1999 -- 28:05:2004)

यह अष्टोत्तरी दशा अधिक घटनापूर्ण नहीं है। यद्यपि हम बहुत अधिक स्थितियों की गणना कर रहे

मंगल(हस्त) दशा

(28:05:2004 -- 29:05:2006)

यह अष्टोत्तरी दशा अधिक घटनापूर्ण नहीं है। यद्यपि हम बहुत अधिक स्थितियों की गणना कर रहे

मंगल(चित्रा) दशा

(29:05:2006 -- 28:05:2008)

यह अष्टोत्तरी दशा अधिक घटनापूर्ण नहीं है। यद्यपि हम बहुत अधिक स्थितियों की गणना कर रहे

मंगल(स्वाती) दशा

(28:05:2008 -- 29:05:2010)

जैसाकि योग स्फूट आपके ६वें भाव में स्थित है, जो आपके लग्न से त्रिकोण है, इस दशा के दौरान आप कई मामलों मेंभाग्यशाली होगें- विशेषकर विदेशी और आर्थिक मामलों में। अपनी मेधा शक्तिऔर अन्तर्निहित क्षमताओं और प्रशंसनीय उपलब्धियों के कारण आपको उचित पहचान प्राप्त होगी। आप अपने पेशे के क्षेत्र में उत्तम कार्य करेगें, और कुछ लाभदायक परिवर्तन भी हो सकते हैं। यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आपको एक नया रोजगार प्राप्त हो सकता है। यदि आप व्यापारी हैं, तो आप एक नये संभावित क्षेत्र में विविधता लाने के लिये काम शुरू कर सकते हैं, या साझेदारी या सहयोग से लाभान्वित भी हो सकते हैं। आप लाभ और आनन्द के लिये लम्बी यात्रायें कर सकते हैं।

जैसाकि आपका योग स्फूट एक ऐसी राशि में है, जो ६ठे पद राशि के समान है, लेकिन राशि का स्वामी बली और सुव्यवस्थित है- आपका आगामी समय बहुत आनन्दपूर्ण है। आपके संबंधी मददगार होगें, और आपके शत्रु आपके लिये किसी भी प्रकार की परेशानी पैदा करने में सक्षम नहीं होगें। आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, प्रतियोगी परीक्षा में आपको सफलता मिलेगी, और यदि आप रोजगार की तलाश कर रहे हैं, तो आप एक मोहक रोजगार आसानी से प्राप्त करने में सक्षम होगें। यदि आप पहले से रोजगार कर रहे हैं, तो अपनी योग्यता से आप एक उत्तम उन्नति को प्राप्त करेगें।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 19:11:2008, 07:12:2008, 11:12:2008, 25:06:2009, 19:11:2009, 03:05:2010, 03:05:2010

मंगल(विशाखा) दशा

(29:05:2010 -- 28:05:2012)

यह अष्टोत्तरी दशा अधिक घटनापूर्ण नहीं है। यद्यपि हम बहुत अधिक स्थितियों की गणना कर रहे

बुध(अनुराधा) दशा

(28:05:2012 -- 27:01:2018)

यह अष्टोत्तरी दशा अधिक घटनापूर्ण नहीं है। यद्यपि हम बहुत अधिक स्थितियों की गणना कर रहे

बुध(ज्येष्ठा) दशा

(27:01:2018 -- 27:09:2023)

जैसाकि योग स्फूट आपके १२वें भाव में स्थित है, जो आपकी कुण्डली में प्रतिकूल त्रिकोण भाव है, इस दशा के दौरान अप्रत्याशित साधनों के कारण आप कुछ गंभीर प्रकार की समस्याओं का सामना कर सकते हैं। अपने कार्य स्थल पर भी आपको कुछ समस्यायें हो सकती हैं, और आप अपने वरिष्टों या अधिकारियों के कारण मुश्किलों में पड़ सकते हैं। कुछ ईष्यालु लोग गुप्तरूप से आपके लिये परेशानियाँ पैदा कर सकते हैं, और आप सतत तनाव में रह सकते हैं। आपकी आय आपके व्यय से बहुत कम हो सकती है, और समय -समय पर आप जरूरतों को पूरा करने के लिये ऋण ले सकते हैं। आपको अनुमानित निवेशों या ऋण लेने से दूर रहना चाहिये। यदि आप रोजगार में परिवर्तन या स्थानांतरण की उम्मीद कर रहे हैं, तो समय आपके लिये अनुकूल है।

जैसाकि दशा में एक ही ग्रह ग्रह स्वामी और नक्षत्र का स्वामी है। लगभग दशा के प्रारम्भ में दशा की अवधि अवश्य ही घटनाओं से पूर्ण होगी। दशा के मध्य और लगभग अन्त में भी कुछ महत्वपूर्ण अनुकूल परिवर्तन हो सकते हैं।

जैसाकि यह एक विशेष दशा है- जबकि दशमेश आपकी कुण्डली में दशा का स्वामी है, इस दशा के दौरान, आप बहुत सक्रिय होगें, और आपके पेशे के क्षेत्र में बहुत सुधार होगा। यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आपको एक मोहक और सम्माननीय पद प्राप्त होगा। आपकी विश्वसनीयता, ख्याति और सम्मान बढ़ेगा।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 30:06:2018, 08:10:2019, 08:10:2019, 30:04:2021, 19:06:2021, 01:07:2021, 06:01:2023

बुध(मूल) दशा

(27:09:2023 -- 29:05:2029)

जैसाकि योग स्फूट आपके ५वें भाव में स्थित है, जो आपके लग्न से त्रिकोण है, इस दशा के दौरान आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें- विशेषकर संतान और आर्थिक मामलों में। अपनी मेधा शक्ति और अन्तर्निहित क्षमताओं और प्रशंसनीय उपलब्धियों के कारण आपको उचित पहचान प्राप्त होगी। आप अपने पेशे के क्षेत्र में उत्तम कार्य करेगें, और कुछ लाभदायक परिवर्तन भी हो सकते हैं। यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आपको एक मोहक पदोन्नति प्राप्त हो सकती है, लेकिन यदि आप व्यापारी हैं, तो आप एक नये संभावित क्षेत्र में विविधता लाने के लिये काम शुरू कर सकते हैं, यासाझेदारी या सहयोग से लाभान्वित भी हो सकते हैं।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 18:11:2024, 07:01:2025, 19:01:2025, 27:07:2026, 18:09:2027, 27:12:2028, 27:12:2028

शनि(पूर्वाषाढ) दशा

(29:05:2029 -- 27:11:2031)

यह अष्टोत्तरी दशा अधिक घटनापूर्ण नहीं है। यद्यपि हम बहुत अधिक स्थितियों की गणना कर रहे

शनि(उत्तराषाढ़) दशा

(27:11:2031 -- 29:05:2034)

जैसाकि योग स्फूट आपके ७वें भाव में स्थित है, जो आपके लग्न से केन्द्र है, इस दशा के दौरान आप बहुत ऊर्जावान और सक्रिय होगें, और कई मामलों में आपका सारभूत सुधार होगा। यदि आप एक नये रोजगार के अवसर को तलाश रहेहैं, या अपना स्वयं का एक व्यापार शुरू करना चाह रहे हैं, तो समय आपके लिये बहुत अनुकूल है। आप अपने पेशेके क्षेत्र में बहुत सुधार होगा, और कुछ लाभदायक परिवर्तन भी हो सकते हैं। आपकी विश्वसनीयता और सम्मान एक नयी ऊँचाइयों को छूयेगा। यदि आप अविवाहित हैं, तो आप शादी कर सकते हैं। साथ ही आप साझेदारी या सहयोगसे लाभान्वित हो सकते हैं।

जैसाकि आपका योग स्फूट ६वें पद राशि में है, इस दशा के दौरान, अपने व्यवसाय के संबंध में आप एक लम्बी यात्रा पर जा सकते हैं। आपका किसी दूर स्थान पर स्थानांतरण हो सकता है, या ऐसे स्थान पर आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप अपना एक नया उपक्रम शुरू करना चाह रहे हैं, तो समय आपके लिये अनुकूल है। किसी धनी और प्रभावी व्यक्तिसे आप बिल्कुल अप्रत्याशितरूप से कुछ समर्थन और लाभ हासिल कर सकते हैं।

जैसाकि आपका योग स्फूट ११वें पद राशि में है, इस दशा के दौरान, व्यवसाय से आपकी आय, दूसरे स्रोतों से लाभ और मित्रों का दायरा सभी में वृद्धि होगी। आप आनन्दमग्न रहेगें, और संबंधियों तथा मित्रों के साथ आप अपने जीवन का सुखपूर्वक आनन्द लेगें। आपकी कुछ महत्वाकांक्षायें फलीभूत होगीं, और कुछ अवलम्बित कामनायें पूर्ण होगीं। आप आनन्द और लाभ के लिये आप लम्बी यात्राओं पर जा सकते हैं, और आपके परिवार में कोई शुभ समारोह आयोजित हो सकता है। हालाँकि आपकी माता का स्वास्थ्य आपको चिन्तित कर सकता है।

जैसाकि आपका योग स्फूट पहले पद राशि में है, आप बहुत भाग्यशाली , ऊर्जावान और बहुत सक्रिय होगें, इस दशा केदौरान, अपने प्रयासों और परिश्रमरहित प्रयत्नों के द्वारा आप अपने उद्देश्यों को पूर्ण करेगें। अपनी विशेष उपलब्धियों के कारण आप अपने परिवार के आनन्द और गर्व का स्रोत होगें। आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, और आपका घरेलू जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल होगा। इसके अलावा, आपके परिवार में एक शुभ समारोह आयोजित हो सकता है।

जैसाकि आपका योग स्फूट ७वें पद राशि में है, आप बहुत सक्रिय होगें, इस दशा के दौरान, अपने प्रयासों और परिश्रमरहित प्रयत्नों के द्वारा आप अपने उद्देश्यों को पूर्ण करेगें। यदि आप अविवाहित हैं, तो आप शादी के बन्धन में बँध सकते हैं। यदि आप भागीदारी या सहयोग करना चाह रहे हैं, तो समय आपके लिये अनुकूल है। आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, और आपका घरेलू जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल होगा। यदि आपके पेशे का संबंध विदेश व्यापार या विदेशों से संबंध रखने वाली कम्पनियों से है, तो आप ऐसे स्रोतों से भारी लाभ और धन प्राप्त कर सकते हैं।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 25:12:2031, 16:01:2032, 21:01:2032, 23:09:2032, 26:03:2033, 18:10:2033, 18:10:2033

शनि(अभिजीत) दशा

(29:05:2034 -- 27:11:2036)

जैसाकि योग स्फूट आपके ७वें भाव में स्थित है, जो आपके लग्न से केन्द्र है, इस दशा के दौरान आप बहुत ऊर्जावान और सक्रिय होगें, और कई मामलों में आपका सारभूत सुधार होगा। यदि आप एक नये रोजगार के अवसर को तलाश रहेहैं, या अपना स्वयं का एक व्यापार शुरू करना चाह रहे हैं, तो समय आपके लिये बहुत अनुकूल है। आप अपने पेशेके क्षेत्र में बहुत सुधार होगा, और कुछ लाभदायक परिवर्तन भी हो सकते हैं। आपकी विश्वसनीयता और सम्मान एक नयी ऊँचाइयों को छूयेगा। यदि आप अविवाहित हैं, तो आप शादी कर सकते हैं। साथ ही आप साझेदारी या सहयोगसे लाभान्वित हो सकते हैं।

जैसाकि आपका योग स्फूट ६वें पद राशि में है, इस दशा के दौरान, अपने व्यवसाय के संबंध में आप एक लम्बी यात्रा पर जा सकते हैं। आपका किसी दूर स्थान पर स्थानांतरण हो सकता है, या ऐसे स्थान पर आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप अपना एक नया उपक्रम शुरू करना चाह रहे हैं, तो समय आपके लिये अनुकूल है। किसी धनी और प्रभावी व्यक्तिसे आप बिल्कुल अप्रत्याशितरूप से कुछ समर्थन और लाभ हासिल कर सकते हैं।

जैसाकि आपका योग स्फूट ११वें पद राशि में है, इस दशा के दौरान, व्यवसाय से आपकी आय, दूसरे स्रोतों से लाभ और मित्रों का दायरा सभी में वृद्धि होगी। आप आनन्दमग्न रहेगें, और संबंधियों तथा मित्रों के साथ आप अपने जीवन का सुखपूर्वक आनन्द लेगें। आपकी कुछ महत्वाकांक्षायें फलीभूत होगीं, और कुछ अवलम्बित कामनायें पूर्ण होगीं। आप आनन्द और लाभ के लिये आप लम्बी यात्राओं पर जा सकते हैं, और आपके परिवार में कोई शुभ समारोह आयोजित हो सकता है। हालाँकि आपकी माता का स्वास्थ्य आपको चिन्तित कर सकता है।

जैसाकि आपका योग स्फूट पहले पद राशि में है, आप बहुत भाग्यशाली , ऊर्जावान और बहुत सक्रिय होगें, इस दशा केदौरान, अपने प्रयासों और परिश्रमरहित प्रयत्नों के द्वारा आप अपने उद्देश्यों को पूर्ण करेगें। अपनी विशेष उपलब्धियों के कारण आप अपने परिवार के आनन्द और गर्व का स्रोत होगें। आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, और आपका घरेलू जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल होगा। इसके अलावा, आपके परिवार में एक शुभ समारोह आयोजित हो सकता है।

जैसाकि आपका योग स्फूट ७वें पद राशि में है, आप बहुत सक्रिय होगें, इस दशा के दौरान, अपने प्रयासों और परिश्रमरहित प्रयत्नों के द्वारा आप अपने उद्देश्यों को पूर्ण करेगें। यदि आप अविवाहित हैं, तो आप शादी के बन्धन में बँध सकते हैं। यदि आप भागीदारी या सहयोग करना चाह रहे हैं, तो समय आपके लिये अनुकूल है। आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, और आपका घरेलू जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल होगा। यदि आपके पेशे का संबंध विदेश व्यापार या विदेशों से संबंध रखने वाली कम्पनियों से है, तो आप ऐसे स्रोतों से भारी लाभ और धन प्राप्त कर सकते हैं।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 26:06:2034, 18:07:2034, 23:07:2034, 24:03:2035, 25:09:2035, 18:04:2036, 18:04:2036

शनि(श्रवण) दशा

(27:11:2036 -- 29:05:2039)

यह अष्टोत्तरी दशा अधिक घटनापूर्ण नहीं है। यद्यपि हम बहुत अधिक स्थितियों की गणना कर रहे

बृहस्पति(धनिष्ठा) दशा

(29:05:2039 -- 27:09:2045)

यह अष्टोत्तरी दशा अधिक घटनापूर्ण नहीं है। यद्यपि हम बहुत अधिक स्थितियों की गणना कर रहे

बृहस्पति(शतभिषा) दशा

(27:09:2045 -- 27:01:2052)

जैसाकि योग स्फूट नैसर्गिक शुभ ग्रह शुक्र के बहुत पास में स्थित है, और ये दोनों एक ही दिशा में हैं, इस दशा के दौरान आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें। आप बहुत प्रसन्नचित्त रहेगें, और आराम तथा शान से रहने के आदी होगें ।यदि आप अविवाहित हैं, तो विपरीत लिंग के किसी व्यक्तिसे आपके अंतरंग संबंध हो सकते हैं, और आप शादी भी कर सकते हैं। हालाँकि यदि आप पहले से विवाहित हैं, तो आपके परिवार की महिला सदस्य आपको आनन्दित और गौरवान्वित करेगी।

जैसाकि योग स्फूट आपके २रे भाव(धन) में स्थित है, जोकि अनुकूल है, जैसाकि यह परिवार और धन का भाव है। इसदशा के दौरान आप अपने परिवार के लिये धन प्राप्त करने में अधिक संलग्न रहेगें। आप उत्तम भोजन और जीवंत चर्चाओं का आनन्द प्राप्त करेगें। आपको कुछ मूल्यवान सम्पत्तियाँ जैसे जीवन शैली को ऊँचा उठाने वाली विलास और आराम की वस्तुयें प्राप्त करेगें, आप कुछ आभूषण भी प्राप्त कर सकते हैं। आप अपने घर की आन्तरिक और / या बाह्यसजावट पर भी धन खर्च कर सकते हैं। इस दशा के दौरान आप एक नया घर प्राप्त कर सकते हैं, या नये घर में स्थानांतरित हो सकते हैं। अप्रत्याशित साधनों के कारण आप कुछ गंभीर प्रकार की समस्याओं का सामना करेगें।

जैसाकि आपका योग स्फूट २रे पद राशि में है, और राशि का स्वामी सुव्यवस्थित है, इस दशा के दौरान आपकी सम्पत्तियों और संग्रह में बढ़ोत्तरी होगी, आपको एक नया रोजगार या पदोन्नति मिल सकती है। आपका अपने परिवार के प्रति अधिक नजदीकी झुकाव होगा, और आप एक खुशहाल तथा आनन्दायक जीवन व्यतीत करेगें। विभिन्न स्रोतों से आप लाभ प्राप्त करेगें, और आराम की कुछ वस्तुयें प्राप्त करेगें- जो आपकी जीवन शैली को बढ़ायेगी। आपके परिवार में एक शुभ समारोह आयोजित हो सकता है।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 12:09:2046, 12:09:2046, 09:06:2048, 04:08:2048, 17:08:2048, 29:04:2050, 10:08:2051

बृहस्पति(पूर्वाभाद्रपद) दशा

(27:01:2052 -- 29:05:2058)

जैसाकि योग स्फूट आपके ७वें भाव में स्थित है, जो आपके लग्न से केन्द्र है, इस दशा के दौरान आप बहुत ऊर्जावान और सक्रिय होगें, और कई मामलों में आपका सारभूत सुधार होगा। यदि आप एक नये रोजगार के अवसर को तलाश रहेहैं, या अपना स्वयं का एक व्यापार शुरू करना चाह रहे हैं, तो समय आपके लिये बहुत अनुकूल है। आप अपने पेशेके क्षेत्र में बहुत सुधार होगा, और कुछ लाभदायक परिवर्तन भी हो सकते हैं। आपकी विश्वसनीयता और सम्मान एक नयी ऊँचाइयों को छूयेगा। यदि आप अविवाहित हैं, तो आप शादी कर सकते हैं। साथ ही आप साझेदारी या सहयोगसे लाभान्वित हो सकते हैं।

जैसाकि आपका योग स्फूट ९वें पद राशि में है, इस दशा के दौरान, अपने व्यवसाय के संबंध में आप एक लम्बी यात्रा पर जा सकते हैं। आपका किसी दूर स्थान पर स्थानांतरण हो सकता है, या ऐसे स्थान पर आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप अपना एक नया उपक्रम शुरू करना चाह रहे हैं, तो समय आपके लिये अनुकूल है। किसी धनी और प्रभावी व्यक्तिसे आप बिल्कुल अप्रत्याशितरूप से कुछ समर्थन और लाभ हासिल कर सकते

हैं।

जैसाकि आपका योग स्फूट ११वें पद राशि में है, इस दशा के दौरान, व्यवसाय से आपकी आय, दूसरे स्रोतों से लाभ और मित्रों का दायरा सभी में वृद्धि होगी। आप आनन्दमग्न रहेगें, और संबंधियों तथा मित्रों के साथ आप अपने जीवन का सुखपूर्वक आनन्द लेगें। आपकी कुछ महत्वाकांक्षायें फलीभूत होगीं, और कुछ अवलम्बित कामनायें पूर्ण होगीं। आप आनन्द और लाभ के लिये आप लम्बी यात्राओं पर जा सकते हैं, और आपके परिवार में कोई शुभ समारोह आयोजित हो सकता है। हालाँकि आपकी माता का स्वास्थ्य आपको चिन्तित कर सकता है।

जैसाकि आपका योग स्फूट पहले पद राशि में है, आप बहुत भाग्यशाली , ऊर्जावान और बहुत सक्रिय होगें, इस दशा केदौरान, अपने प्रयासों और परिश्रमरहित प्रयत्नों के द्वारा आप अपने उद्देश्यों को पूर्ण करेगें। अपनी विशेष उपलब्धियों के कारण आप अपने परिवार के आनन्द और गर्व का स्रोत होगें। आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, और आपका घरेलू जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल होगा। इसके अलावा, आपके परिवार में एक शुभ समारोह आयोजित हो सकता है।

जैसाकि आपका योग स्फूट ७वें पद राशि में है, आप बहुत सक्रिय होगें, इस दशा के दौरान, अपने प्रयासों और परिश्रमरहित प्रयत्नों के द्वारा आप अपने उद्देश्यों को पूर्ण करेगें। यदि आप अविवाहित हैं, तो आप शादी के बन्धन में बँध सकते हैं। यदि आप भागीदारी या सहयोग करना चाह रहे हैं, तो समय आपके लिये अनुकूल है। आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, और आपका घरेलू जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल होगा। यदि आपके पेशे का संबंध विदेश व्यापार या विदेशों से संबंध रखने वाली कम्पनियों से है, तो आप ऐसे स्रोतों से भारी लाभ और धन प्राप्त कर सकते हैं।

जैसाकि दशा में एक ही ग्रह ग्रह स्वामी और नक्षत्र का स्वामी है। लगभग दशा के प्रारम्भ में दशा की अवधि अवश्य ही घटनाओं से पूर्ण होगी। दशा के मध्य और लगभग अन्त में भी कुछ महत्वपूर्ण अनुकूल परिवर्तन हो सकते हैं।

जैसाकि यह एक विशेष दशा है- जबकि नैसर्गिक शुभ ग्रह बृहस्पति आपकी कुण्डली में दशा का स्वामी है, इस दशा केदौरान आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें- विशेषकर परिवार और आर्थिक मामलों में। यदि आप अविवाहित हैं, तोआप शादी कर सकते हैं। यदि आप पहले से विवाहित हैं,और एक संतान का कामना कर रहे हैं, तो आपको एक योग्यसंतान प्राप्त हो सकती है, जो आपके परिवार को हमेशा आनन्दित और गौरवान्वित करेगी।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 23:03:2052, 18:05:2052, 31:05:2052, 10:02:2054, 23:05:2055, 25:10:2056, 25:10:2056

राहु(उत्तराभाद्रपद) दशा

(29:05:2058 -- 29:05:2061)

जैसाकि योग स्फूट आपके ६ठे भाव में स्थित है, जो आपकी कुण्डली में प्रतिकूल त्रिकोण भाव है, इस दशा के दौरान पारिस्थितिक घटनाक्रमों के कारण आप कुछ गंभीर प्रकार की समस्याओं का सामना कर सकते हैं, जो आपके नियंत्रण से बाहर होगीं।अपने कार्य स्थल पर भी आपको कुछ समस्यायें हो सकती हैं, और आप अपने वरिष्टों या अधिकारियों के कारण मुश्किलों में पड़ सकते हैं। आपके शत्रु आपके लिये परेशानियाँ पैदा कर सकते हैं, और आप सतत तनाव को झेल सकते हैं। आपकी आय आपके व्यय से कम हो सकती है, और समय -समय पर आप जरूरतों को पूरा करने के लिये ऋण ले सकते हैं।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 17:10:2058, 12:11:2058, 18:11:2058, 08:09:2059, 16:04:2060, 19:12:2060, 19:12:2060

राहु(रेवती) दशा

(29:05:2061 -- 28:05:2064)

जैसाकि योग स्फूट आपके ११वें भाव (लाभ) में स्थित है, जोकि बहुत अनुकूल है, जैसाकि यह आय और लाभ का भाव है, आपकी व्यवसाय से आय और दूसरे स्रोतों से लाभ में बहुत वृद्धि होगी, और आप अपने मित्रों और शुभचिन्तकों से प्रत्यक्ष लाभ और अप्रत्यक्ष मदद प्राप्त करेगें। आपकी प्रतिष्ठा सम्मान और विश्वसनीयता हमेशा बढ़ती रहेगी। आपकी कुछ महत्वाकांक्षायें फलीभूत होगीं, और कुछ अवलम्बित कामनायें पूर्ण होगीं। आप आनन्द और लाभ के लिये लम्बी यात्राओं पर जा सकते हैं। यदि एकादशेश आपकी कुण्डली में सुव्यवस्थित है, तो सांस्कृतिक और शैक्षिणिक उद्देश्य से आप किसी दूर स्थान या विदेश की यात्रा कर सकते हैं। हालाँकि आपकी माता का स्वास्थ्य और सुख आपको चिन्तित कर सकता है।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 04:01:2062, 08:09:2062, 08:09:2062, 06:07:2063, 01:08:2063, 07:08:2063, 27:05:2064

राहु(अश्विनी) दशा

(28:05:2064 -- 29:05:2067)

जैसाकि योग स्फूट आपके ३रे भाव में स्थित है, जोकि कई मामलों में अनुकूल है। इस दशा के दौरान आप अपने व्यवसाय के संबंध में छोटी यात्रायें कर सकते हैं। यदि आप रोजगार में परिवर्तन या स्थानांतरण या नये घर में स्थानांतरित होने की उम्मीद कर रहे हैं, तो समय आपके लिये अनुकूल है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आप बहुत उत्तमकार्य करेगें, और किसी अधिक जिम्मेदार पद को प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप लेखक, सम्पादक या अनुवादक हैं,तो आपकी अति उत्तम प्रगति होगी, लेकिन यदि आप व्यापारी हैं, और आपका संबंध प्रकाशन, मुद्रण, विज्ञापन आदिक्षेत्रों से है, तो आप बहुत सम्पन्न होगें। हालाँकि आपकी माता का स्वास्थ्य और सुख आपको चिन्तित कर सकता है।

जैसाकि आपका योग स्फूट ३रे पद राशि में है, इस दशा के दौरान, अपने व्यवसाय के संबंध में आप एक लम्बी यात्रा पर जा सकते हैं। आपका किसी नजदीकी स्थान पर स्थानांतरण हो सकता है, या ऐसे स्थान पर आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप अपना एक नया उपक्रम शुरू करना चाह रहे हैं, तो समय आपके लिये अनुकूल है। आपके सगे और चचेरे अनुज, पड़ोसी और सहकर्मी भी आपके लिये बहुत सहायक और मददगार होगें। हालाँकि आपकी माता का स्वास्थ्य आपको चिन्तित कर सकता है।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 26:07:2064, 26:07:2064, 23:05:2065, 19:06:2065, 25:06:2065, 15:04:2066, 22:11:2066

राहु(भरणी) दशा

(29:05:2067 -- 29:05:2070)

जैसाकि योग स्फूट आपके ६वें भाव में स्थित है, जो आपके लग्न से त्रिकोण है, इस दशा के दौरान आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें– विशेषकर विदेशी और आर्थिक मामलों में। अपनी मेधा शक्ति और अन्तर्निहित क्षमताओं और प्रशंसनीय उपलब्धियों के कारण आपको उचित पहचान प्राप्त होगी। आप अपने पेशे के क्षेत्र में उत्तम कार्य करेगें, और कुछ लाभदायक परिवर्तन भी हो सकते हैं। यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आपको एक नया रोजगार प्राप्त हो सकता है, लेकिन यदि आप व्यापारी हैं, तो आप एक नये संभावित क्षेत्र में विविधता लाने के लिये काम शुरू कर सकते हैं, या साझेदारी या सहयोग से लाभान्वित भी हो सकते हैं। आप लाभ और आनन्द के लिये लम्बी यात्रायें कर सकते हैं।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 06:11:2067, 15:06:2068, 16:02:2069, 16:02:2069, 15:12:2069, 10:01:2070, 16:01:2070

आगे बढ़ायेगें। आप अपने सभी प्रयासों में सफल होगें, और समाज में बहुत आदर प्राप्त करेगें। आपका जीवन साथी सुन्दर और कर्तव्यपरायण होगा, आप योग्य संतानें प्राप्त करेगें,और अपनी उपलब्धियों से वे आपको सुख और गौरव प्रदान करेगीं। इस दशा के दौरान आपकी उल्लेख्नीय प्रगति होगी, और समाज में आप आसानी से ऊँचा स्थान हासिल करेगें।

ंमरी (मंगल){अश्लेषा} दशा

(29:05:1990 -- 29:05:1994)

जैसाकि मंगल आपकी कुण्डली में अष्ठमेश होकर ६वें भाव में है, आप योगिनी दशा की अवधि के दौरान कई समस्याओं का सामना कर सकते हैं। यदि आप व्यापार कर रहे हैं, तो आपको कुछ हानियाँ हो सकती हैं, या धन के अवरूद्ध होने के कारण परेशान हो सकते हैं, विशेषकर यदि आप विदेश व्यापार में हैं। आपको लम्बी यात्राओं पर भी जाना पड़ सकता है- लेकिन उनके बहुत सार्थक होने की उम्मीद कम है, साथ ही आपको दूरस्थ स्थानों पर किसी दुर्भाग्यका सामना करना पड़ सकता है। आपके पिता का स्वास्थ्य बहुत नाजुक हो सकता है, और यह आपको व्यथित करसकता है।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक शुभ ग्रहों की अनुकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी मंगल दशा आपके के लियेबहुत आनन्दायक होगी। इस दशा के दौरान आपकी बहुत उत्तम प्रगति होगी, और आपके परिवार में एक शुभ समारोह संपन्न हो सकता है।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल है, और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ यह प्रतिकूल दृष्टि में भी शामिल है। योगिनी मंगल दशा के दौरान आपको मिश्रित (अनुकूल और अन्यथा दोनों) अनुभव प्राप्त होगें। यदि आपके पेशे का संबंध आम जनता से है, तो आप कभी-कभी चिड़चिड़े हो सकते हैं, लेकिन चीजे नियंत्रण से बाहर नहीं होगीं- ना ही बहुत बिगड़ेगीं और ना ही लम्बे समय तक रहेगीं- जैसाकि एक नैसर्गिक शुभग्रह भी इस पर प्रभाव है।

द्रिका (बुध){मघा} दशा

(29:05:1994 -- 29:05:1999)

जैसाकि बुध आपकी कुण्डली में ४थे भाव में है, आप शैक्षिणिक या बौद्धिक कामों को बहुत उत्तम प्रकार से पूरा करेगें ।यदि आपके व्यवसाय का कुछ संबंध शैक्षिणिक संस्थानों, पुस्तकालयों, पुस्तक बिक्री, प्रशिक्षण या कोचिंग सेन्टर चलाने आदि से है, तो आप विश्वासपूर्वक इस दशा के दौरान बहुत सम्पन्नता प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं।

उल्का (शनि){पुर्वफाल्गुनी} दशा

(29:05:1999 -- 29:05:2005)

जैसाकि शनि आपके ११वें भाव में स्थित है, आपका आगामी समय फलदायी होगा- जो विभिन्न संभावनाओं से पूर्ण होगा। इस विशेष दशा के दौरान आपकी कुछ अवलम्बित कामनाये पूरी होगीं, और महत्वाकांक्षायें फलीभूत होगीं। यदि आप किसी दूसरे संभावित क्षेत्र में जाना चाह रहे हैं, या एक नया व्यापारिक उपक्रम शुरू करना चाह रहे हैं, या एक नया उद्योग शुरू करना चाह रहे हैं, तो समय आपके लिये शुभ है। आपकी आय में बहुत तेजी आयेगी, और आप इसको उत्तम प्रकार से नियोजित करने में सक्षम होगें। आपकी भौतिक सम्पत्तियों में बढ़ोत्तरी होगी, और आपकी जीवन शैली में बहुत बेहतर सुधार होगा।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक शुभ ग्रहों की अनुकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी शनि दशा आपके के लिये बहुत आनन्दायक होगी। इस दशा के दौरान आपकी बहुत उत्तम प्रगति होगी, और आपके परिवार में एक या कई शुभ समारोह संपन्न हो सकता

है।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक अशुभ ग्रहों की प्रतिकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी शुक्र दशा आपके के लिये बहुत कष्टकारी हो सकती है। इस दशा के दौरान आपको कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, और कुछअसोचनीय घटनाओं या अशुभ कामों के कारण भारी कष्ट का सामना करना पड़ सकता है।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ प्रतिकूल वर्ग दृष्टि में शामिल है, और यह दृष्टि पास की है। योगिनी शनि दशा आपके के लिये बहुत कष्टकारी हो सकती है। आप इस दशा के दौरान झगड़े और मारपीट का सामना कर सकते हैं। आपके घर पर कुछ व्यवधान पैदा करने वाली घटनायें हो सकती हैं, और आप बहुत निराश हो सकते हैं। आपको सजग रहना चाहिये, किरायेदार या मकान मालिक के साथ किसी परेशानी से बचना चाहिये, और किसी सम्पत्ति विवाद में उलझने से बचना चाहिये - दशा के प्रारम्भ में -३रे महीने के अन्त में और ४थे माह के प्रारम्भ में।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल है,और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ यह प्रतिकूल दृष्टि में भी शामिल है। योगिनी शनि दशा के दौरान आपको मिश्रित (अनुकूल और अन्यथा दोनों) अनुभव प्राप्त होगें। यदि आपके पेशे का संबंध आम जनता से है, तो आप कभी-कभी चिड़चिड़े हो सकते हैं, लेकिन चीजे ना ही बहुत बिगड़ेगीं और ना ही लम्बे समय तक रहेगीं- जैसाकि एक नैसर्गिक शुभ ग्रह का भी इस पर प्रभाव है।

सिद्धा (शुक्र){उत्तरफाल्गुनी} दशा

(29:05:2005 -- 28:05:2012)

जैसाकि शुक्र आपकी कुण्डली में २रे भाव में है, आगामी समय आपके लिये बहुत आनन्दायक होगा। आर्थिक मामलों में कुछ विशेष सुधार होगा, और और शादी या किसी के जन्म से आपके परिवार में वृद्धि हो सकती है। कुछ आराम की वस्तुओं सहित आपको नयी सम्पत्तियाँ प्राप्त होगीं-जिससे आपकी जीवन शैली में सुधार होगा। आप मूल्वान और फैशनदार वस्त्रों का निर्माण करेगें, और यदि आपका रूझान है, तो आप इत्र, आभूषण, मूल्यवान रत्न और निजी सजावटकी वस्तुयें भी खरीद सकते हैं।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक शुभ ग्रहों की अनुकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी शुक्र दशा आपके के लिये बहुत आनन्दायक होगी। इस दशा के दौरान आपकी बहुत उत्तम प्रगति होगी, और आपके परिवार में एक शुभ समारोह संपन्न हो सकता है।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल है,और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ यह प्रतिकूल दृष्टि में भी शामिल है। योगिनी शुक्र दशा के दौरान आपको मिश्रित (अनुकूल और अन्यथा दोनों) अनुभव प्राप्त होगें। यदि आपके पेशे का संबंध आम जनता से है, तो आप कभी-कभी चिड़चिड़े हो सकते हैं, लेकिन चीजे ना ही बहुत बिगड़ेगीं और ना ही लम्बे समय तक रहेगीं- जैसाकि एक नैसर्गिक शुभ ग्रह भी इस पर प्रभाव है।

संकटा (राहु){हस्ता} दशा

(28:05:2012 -- 28:05:2020)

राहु योगिनी दशा चक्र की अन्तिम समयावधि कुछ बुरे अनुभव प्रदान कर सकती है। दशा चक्र की अन्तिम समयावधि २८-०५-१९८४,२८-०५-२०२० और २८-०५-२०५६ हैं। आपको उपर दिए गये तारीखो से ३ महीने आगे-पीछे तक सावधान रहना

(28:05:1984 -- 29:05:1985)

आपकी कुण्डली में, चन्द्रमा तुगंस्थ है, और अपने नक्षत्र में स्थित है। योगिनी चन्द्रमा दशा की अवधि में आपको अवश्य ही बहुत अनुकूल परिणाम मिलेगें- जिनसे आपको बहुत आनन्द मिलेगा। आपकी महिला रिश्तेदारों और मित्रों का आपकी तरफ काफी रूझान होगा, और वे आपको बहुत खुशी देगीं।

आपकी कुण्डली में, मंगल चन्द्रमा के साथ स्थित है या उसकी दृष्टि इस है, और दशमेश पर भी यही प्रभाव है। इसके संकेत बिलकुल अनुकूल नहीं हैं, और आप का समय बहुत कष्टकारी हो सकता है- जो आपके व्यवसायिक क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है। आपको विलम्ब और निराशाओं का सामना करना पड़ सकता है, और योगिनी चन्द्रमा दशा की अवधि के दौरान घटनायें आपके नियंत्रण से बाहर जाती हुई प्रतीत हो सकती हैं।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक शुभ ग्रहों की अनुकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी चन्द्रमा दशा आपके के लिये बहुत आनन्दायक होगी। इस दशा के दौरान आपकी बहुत उत्तम प्रगति होगी, और आपके परिवार में एक या अधिक शुभ समारोह संपन्न होगें।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल है, और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ यह प्रतिकूल दृष्टि में भी शामिल है। योगिनी चन्द्रमा दशा के दौरान आपको मिश्रित (शुभ और अशुभ दोनों)अनुभव प्राप्त होगें। यदि आपके पेशे का संबंध आम जनता से है, तो आप कभी-कभी चिड़चिड़े हो सकते हैं, लेकिन चीजे ना ही बहुत बिगड़ेगीं और ना ही लम्बे समय तक रहेगीं- जैसाकि एक नैसर्गिक शुभ ग्रह भी अपने सौम्य प्रभावों से इस पर असर डालता है।

पिंगला (सुर्य){पुनर्वसु} दशा

(29:05:1985 -- 29:05:1987)

जैसाकि आपकी कुण्डली में सूर्य ४थे भाव में है, योगिनी सूर्य दशा के दौरान आप कुछ मामलों में बहुत भाग्यशाली नहीं होगें। यदि आप पढ़ाई कर रहे हैं, तो आपकी उत्तम प्रगति होगी। यदि आप रोजगार की तलाश में हैं, तो आप आसानी से इसे प्राप्त करने में सक्षम होगें- संभवत: किसी सरकारी क्षेत्र में। आप विश्वसनीयता और सम्मान के खजाने को प्राप्त करने की कोशिश करेगें, और आदतन अपने वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास करेगें। जैसाकि आप अपनी व्यवसायिक उलब्धियों में मान और महत्व के सितारे जड़ना चाहेगें, अत: परिणामस्वरूप साभिप्राय नगण्यता के कारण आपके घरेलू जीवन का वृक्ष आपके स्नेह और देखभाल के पोषण की कमी के कारण सुख और खुशहाली के फलों से वंचित हो सकता है।

धन्या (बृहस्पति){पुष्य} दशा

(29:05:1987 -- 29:05:1990)

वर्तमान में आपकी योगिनी बृहस्पति दशा चल रही है। जैसाकि, बृहस्पति आपकी कुण्डली में ७वें भाव में स्थित है (याइसकी दृष्टि है), आप कुछ मामलों में भाग्यशाली होगें। यदि आप अविवाहित हैं, तो आप शादी के बन्धन में बँध सकते हैं। यदि आप विवाहित हैं, और एक संतान की उम्मीद कर रहे हैं, तो आपको एक पुत्र रत्न की प्राप्ति हो सकती है। यदि आप रोजगार की तलाश में हैं, तो निजी क्षेत्र की एक बड़ी कम्पनी में आपको अवसर मिल सकता है। यदि आप पहले से ही रोजगार में हैं, तो अपने कार्यक्षेत्र में आप उत्तम प्रगति करेगें, और आपकी आय में बढ़ोत्तरी होगी।

वर्तमान में आपकी योगिनी बृहस्पति दशा चल रही है। जैसाकि,बृहस्पति आपकी कुण्डली में ७वें भाव में स्थित है, आप कुछ मामलों में भाग्यशाली होगें। आप बहुत सक्रिय व्यक्तिहोगें। आप एक सुशिक्षित और विद्वान व्यक्तिहोगें, औरअवश्य ही जीवन में एक ऊँचे पद तक पहुँचेगें, आप एक स्तरीय व्यक्तिहोगें, या दक्षता के साथ अपने व्यापार को

होगा।

आपकी कुण्डली में राहु २रे भाव(धन) में स्थित है, और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह इसके साथ में या उसकी दृष्टि इस पर है– जबकि कोई नैसर्गिक शुभ ग्रह इसके साथ में या उसकी दृष्टि इस पर नहीं है। यह एक प्रतिकूल युति है। अत: आपको हर संभव निवारक और ऐहतियाती उपाय अपनाना चाहिये। अन्यथा चोरी, डकैती, कपट , तोड़ फोड़ या धन के खर्च होने के कारण भारी क्षति हो सकती है।

मंगला (चन्द्रमा){चित्रा} दशा

(28:05:2020 -- 29:05:2021)

आपकी कुण्डली में, चन्द्रमा तुगंस्थ है, और अपने नक्षत्र में स्थित है। योगिनी चन्द्रमा दशा की अवधि में आपको अवश्य ही बहुत अनुकूल परिणाम मिलेगें– जिनसे आपको बहुत आनन्द मिलेगा। आपकी महिला रिश्तेदारों और मित्रों का आपकी तरफ काफी रूझान होगा, और वे आपको बहुत खुशी देगीं।

आपकी कुण्डली में, मंगल चन्द्रमा के साथ स्थित है या उसकी दृष्टि इस है, और दशमेश पर भी यही प्रभाव है। इसके संकेत बिलकुल अनुकूल नहीं हैं, और आप का समय बहुत कष्टकारी हो सकता है– जो आपके व्यवसायिक क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है। आपको विलम्ब और निराशाओं का सामना करना पड़ सकता है, और योगिनी चन्द्रमा दशा की अवधि के दौरान घटनायें आपके नियंत्रण से बाहर जाती हुई प्रतीत हो सकती हैं।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक शुभ ग्रहों की अनुकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी चन्द्रमा दशा आपके के लिये बहुत आनन्दायक होगी। इस दशा के दौरान आपकी बहुत उत्तम प्रगति होगी, और आपके परिवार में एक या अधिक शुभ समारोह संपन्न होगें।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक अशुभ ग्रहों की प्रतिकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी चन्द्रमा दशा आपके के लिये बहुत कष्टकारी हो सकती है। इस दशा के दौरान आपको कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, और कुछअसोचनीय घटनाओं या अशुभ कामों के कारण भारी कष्ट का सामना करना पड़ सक्ता है।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल है, और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ यह प्रतिकूल दृष्टि में भी शामिल है। योगिनी चन्द्रमा दशा के दौरान आपको मिश्रित (शुभ और अशुभ दोनों)अनुभव प्राप्त होगें। यदि आपके पेशे का संबंध आम जनता से है, तो आप कभी–कभी चिड़चिड़े हो सकते हैं, लेकिन चीजे ना ही बहुत बिगड़ेगीं और ना ही लम्बे समय तक रहेगीं– जैसाकि एक नैसर्गिक शुभ ग्रह भी अपने सौम्य प्रभावों से इस पर असर डालता है।

पिंगला (सुर्य){स्वाति} दशा

(29:05:2021 -- 29:05:2023)

जैसाकि आपकी कुण्डली में सूर्य ४थे भाव में है, योगिनी सूर्य दशा के दौरान आप कुछ मामलों में बहुत भाग्यशाली नहीं होगें। यदि आप पढ़ाई कर रहे हैं, तो आपकी उत्तम प्रगति होगी। यदि आप रोजगार की तलाश में हैं, तो आप आसानी से इसे प्राप्त करने में सक्षम होगें– संभवत: किसी सरकारी क्षेत्र में। आप विश्वसनीयता और सम्मान के खजाने को प्राप्त करने की कोशिश करेगें, और आदतन अपने वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास करेगें। जैसाकि आप अपनी व्यवसायिक उलब्धियों में मान और महत्व के सितारे जड़ना चाहेगें, अत: परिणामस्वरूप साभिप्राय नगण्यता के कारण आपके घरेलू जीवन का वृक्ष आपके स्नेह और देखभाल के पोषण की कमी के कारण सुख और खुशहाली के फलों से वंचित हो सकता

योगिनी दशा से भविष्यफल

सिद्धा (शुक्र){रोहिणी} दशा

(18:12:1975 -- 28:05:1976)

जैसाकि शुक्र आपकी कुण्डली में २रे भाव में है, आगामी समय आपके लिये बहुत आनन्दायक होगा। आर्थिक मामलों में कुछ विशेष सुधार होगा, और और शादी या किसी के जन्म से आपके परिवार में वृद्धि हो सकती है। कुछ आराम की वस्तुओं सहित आपको नयी सम्पत्तियाँ प्राप्त होगीं-जिससे आपकी जीवन शैली में सुधार होगा। आप मूल्वान और फैशनदार वस्त्रों का निर्माण करेगें, और यदि आपका रूझान है, तो आप इत्र, आभूषण, मूल्यवान रत्न और निजी सजावटकी वस्तुयें भी खरीद सकते हैं।

जैसाकि, शुक्र के योग स्फूट नक्षत्र का स्वामी ६वें भाव में स्थित है, आप का स्थानान्तरण या रोजगार में बदलाव हो सकता है। आप को किसी सुदूर स्थान पर या विदेश जाना पड़ सकता है, और वहाँ काफी लम्बे समय तक रहना पड़ सकता है।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक शुभ ग्रहों की अनुकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी शुक्र दशा आपके के लिये बहुत आनन्दायक होगी। इस दशा के दौरान आपकी बहुत उत्तम प्रगति होगी, और आपके परिवार में एक शुभ समारोह संपन्न हो सकता है।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ प्रतिकूल १५0 डिग्री दृष्टि में शामिल है, और यह दृष्टि पास की है। योगिनी शुक्र दशा आपके के लिये बहुत कष्टकारी हो सकती है। आप अपने व्यवसायिक जीवन में एक बुरे दौर से गुजर सकते हैं। आपके घर पर कुछ व्यवधान पैदा करने वाली घटनायें हो सकती हैं, और आप बहुत निराश हो सकते हैं। आपको सजग रहना चाहिये, अपने विशिष्टों/ अधिकारियों के साथ मतभेदों और किसी विवाद में उलझने से बचना चाहिये - योगिनी बुध दशा के प्रारम्भ में -लगभग ८वें महीने से अन्धकार स्वत: ही समाप्त हो कर चीजे प्रकाशमान हो जायेगीं, और आपको अपने को प्रभावी रूप से व्यक्तकरने के लिये बेहतर अवसर मिलने प्रारम्भ हो जायेगें।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल है,और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ यह प्रतिकूल दृष्टि में भी शामिल है। योगिनी शुक्र दशा के दौरान आपको मिश्रित (अनुकूल और अन्यथा दोनों) अनुभव प्राप्त होगें। यदि आपके पेशे का संबंध आम जनता से है, तो आप कभी-कभी चिड़चिड़े हो सकते हैं, लेकिन चीजे ना ही बहुत बिगड़ेगीं और ना ही लम्बे समय तक रहेगीं- जैसाकि एक नैसर्गिक शुभ ग्रह भी इस पर प्रभाव है।

संकटा (राहु){मृगशिर} दशा

(28:05:1976 -- 28:05:1984)

राहु योगिनी दशा चक्र की अन्तिम समयावधि कुछ बुरे अनुभव प्रदान कर सकती है। दशा चक्र की अन्तिम समयावधि २८~05~१९८४,२८~05~२0२0 और २८~05~२0५६ हैं। आपको उपर दिए गये तारीखो से ३ महीने आगे-पीछे तक सावधान रहना होगा।

आपकी कुण्डली में राहु २रे भाव(धन) में स्थित है, और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह इसके साथ में या उसकी दृष्टि इस पर है- जबकि कोई नैसर्गिक शुभ ग्रह इसके साथ में या उसकी दृष्टि इस पर नहीं है। यह एक प्रतिकूल युति है। अत: आपको हर संभव निवारक और ऐहतियाती उपाय अपनाना चाहिये। अन्यथा चोरी, डकैती, कपट, तोड़ फोड़ या धन के खर्च होने के कारण भारी क्षति हो सकती है।

मंगला (चन्द्रमा){अरिद्रा} दशा

है।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक शुभ ग्रहों की अनुकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी सूर्य दशा आपके के लिये बहुत आनन्दायक होगी। इस दशा के दौरान आपकी बहुत उत्तम प्रगति होगी, और आपके परिवार में एक या अधिक शुभसमारोह संपन्न होगें।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल है,और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ यह प्रतिकूल दृष्टि में भी शामिल है। योगिनी सूर्य दशा के दौरान आपको मिश्रित (शुभ और अशुभ दोनों)अनुभव प्राप्त होगें। यदि आपके पेशे का संबंध आम जनता से है, तो आप कभी-कभी चिड़चिड़े हो सकते हैं, लेकिन चीजे ना ही बहुत बिगड़ेगीं और ना ही लम्बे समय तक रहेगीं- जैसाकि एक नैसर्गिक शुभ ग्रह भी अपने सौम्य प्रभावों से इस पर असर डाल रहा है।

धन्या (बृहस्पति){विशाखा} दशा

(29:05:2023 -- 29:05:2026)

वर्तमान में आपकी योगिनी बृहस्पति दशा चल रही है। जैसाकि, बृहस्पति आपकी कुण्डली में ७वें भाव में स्थित है (याइसकी दृष्टि है), आप कुछ मामलों में भाग्यशाली होगें। यदि आप अविवाहित हैं, तो आप शादी के बन्धन में बँध सकते हैं। यदि आप विवाहित हैं, और एक संतान की उम्मीद कर रहे हैं, तो आपको एक पुत्र रत्न की प्राप्ति हो सकती है। यदि आप रोजगार की तलाश में हैं, तो निजी क्षेत्र की एक बड़ी कम्पनी में आपको अवसर मिल सकता है। यदि आप पहले से ही रोजगार में हैं, तो अपने कार्यक्षेत्र में आप उत्तम प्रगति करेगें, और आपकी आय में बढ़ोत्तरी होगी।

वर्तमान में आपकी योगिनी बृहस्पति दशा चल रही है। जैसाकि,बृहस्पति आपकी कुण्डली में ७वें भाव में स्थित है, आप कुछ मामलों में भाग्यशाली होगें। आप बहुत सक्रिय व्यक्तिहोगें। आप एक सुशिक्षित और विद्वान व्यक्तिहोगें, औरअवश्य ही जीवन में एक ऊँचे पद तक पहुँचेगें, आप एक स्तरीय व्यक्तिहोगें, या दक्षता के साथ अपने व्यापार को आगे बढ़ायेगें। आप अपने सभी प्रयासों में सफल होगें, और समाज में बहुत आदर प्राप्त करेगें। आपका जीवन साथी सुन्दर और कर्तव्यपरायण होगा, आप योग्य संतानें प्राप्त करेगें,और अपनी उपलब्धियों से वे आपको सुख और गौरव प्रदान करेगीं। इस दशा के दौरान आपकी उल्लेखनीय प्रगति होगी, और समाज में आप आसानी से ऊँचा स्थान हासिल करेगें।

ंमरी (मंगल){अनुराधा} दशा

(29:05:2026 -- 29:05:2030)

जैसाकि मंगल आपकी कुण्डली में अष्ठमेश होकर ६वें भाव में है, आप योगिनी दशा की अवधि के दौरान कई समस्याओं का सामना कर सकते हैं। यदि आप व्यापार कर रहे हैं, तो आपको कुछ हानियाँ हो सकती हैं, या धन के अवरूद्ध होने के कारण परेशान हो सकते हैं, विशेषकर यदि आप विदेश व्यापार में हैं। आपको लम्बी यात्राओं पर भी जाना पड़ सकता है- लेकिन उनके बहुत सार्थक होने की उम्मीद कम है, साथ ही आपको दूरस्थ स्थानों पर किसी दुर्भाग्यका सामना करना पड़ सकता है। आपके पिता का स्वास्थ्य बहुत नाजुक हो सकता है, और यह आपको व्यथित करसकता है।

आपकी योगिनी मंगल दशा चल रही है, और इसके योग स्फूट नक्षत्र का स्वामी शनि है। जैसाकि मंगल और शनि नैसर्गिक अशुभ ग्रह हैं, और वे दोनों परस्पर एक दूसरे के विरोधी हैं, आप इस योगिनी मंगल दशा के दौरान बहुत अप्रसन्न हो सकते हैं। इस दशा के दौरान, परिस्थिति की बाध्यता के कारण, आपको स्थान परिवर्तन करना पड़ सकता

है।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक शुभ ग्रहों की अनुकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी मंगल दशा आपके के लियेबहुत आनन्दायक होगी। इस दशा के दौरान आपकी बहुत उत्तम प्रगति होगी, और आपके परिवार में एक शुभ समारोह संपन्न हो सकता है।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल है, और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ यह प्रतिकूल दृष्टि में भी शामिल है। योगिनी मंगल दशा के दौरान आपको मिश्रित (अनुकूल और अन्यथा दोनों) अनुभव प्राप्त होगें। यदि आपके पेशे का संबंध आम जनता से है, तो आप कभी-कभी चिड़चिड़े हो सकते हैं, लेकिन चीजे नियंत्रण से बाहर नहीं होगीं- ना ही बहुत बिगड़ेगीं और ना ही लम्बे समय तक रहेगीं- जैसाकि एक नैसर्गिक शुभग्रह भी इस पर प्रभाव है।

द्रिका (बुध){ज्येष्ठा} दशा

(29:05:2030 -- 29:05:2035)

जैसाकि बुध आपकी कुण्डली में ४थे भाव में है, आप शैक्षिणिक या बौद्धिक कामों को बहुत उत्तम प्रकार से पूरा करेगें ।यदि आपके व्यवसाय का कुछ संबंध शैक्षिणिक संस्थानों, पुस्तकालयों, पुस्तक बिक्री, प्रशिक्षण या कोचिंग सेन्टर चलाने आदि से है, तो आप विश्वासपूर्वक इस दशा के दौरान बहुत सम्पन्नता प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं।

उल्का (शनि){मूला} दशा

(29:05:2035 -- 29:05:2041)

आपकी शनि की योगिनी दशा चल रही है, और इसके योग स्फूट का स्वामी केतु है। जैसाकि ये दोनों ग्रह पूरी तरह से अशुभ और परस्पर एक दूसरे के विरोधी हैं, आपको इस दशा के दौरान कुछ कष्ट हो सकते हैं, इसकी लगभग १ वर्ष और ६ मास की अन्तिम अवधि में स्थिति और भी बिगड़ सकती है। जैसाकि दोनों ग्रह आय को कम कर सकते हैं, एकआर्थिक आघात का सामना या धन के अवरूद्ध होने की बहुत संभावना इस अवधि में हो सकती है- जबकि इस दशा अन्तिम अवधि में आय के सामान्य स्रोत बन्द हो सकते हैं या अस्थायी रूप से उनमें व्यवधान आ सकता है।

आपकी शनि की योगिनी दशा चल रही है, और इसके योग स्फूट का स्वामी केतु है। जैसाकि ये दोनों ग्रह पूरी तरह से अशुभ और परस्पर एक दूसरे के विरोधी हैं, आपको इस दशा के दौरान कुछ कष्ट हो सकते हैं, इसकी लगभग १ वर्ष और ६ मास की अन्तिम अवधि में स्थिति और भी बिगड़ सकती है। जैसाकि दोनों ग्रह आय को कम कर सकते हैं, एकआर्थिक आघात का सामना या धन के अवरूद्ध होने की बहुत संभावना इस अवधि में हो सकती है- जबकि इस दशा अन्तिम अवधि में आय के सामान्य स्रोत बन्द हो सकते हैं या अस्थायी रूप से उनमें व्यवधान आ सकता है। जैसाकि शनि कुण्डली में वक्री है, अत: इस दशा के चतुर्थांश के प्रारम्भ में किसी समय घर लौटते समय आपके किसी दुर्घटना का शिकार होने की संभावना है।

जैसाकि शनि आपके ११वें भाव में स्थित है, आपका आगामी समय फलदायी होगा- जो विभिन्न संभावनाओं से पूर्ण होगा। इस विशेष दशा के दौरान आपकी कुछ अवलम्बित कामनाये पूरी होगीं, और महत्वाकांक्षायें फलीभूत होगीं। यदि आप किसी दूसरे संभावित क्षेत्र में जाना चाह रहे हैं, या एक नया व्यापारिक उपक्रम शुरू करना चाह रहे हैं, या एक नया उद्योग शुरू करना चाह रहे हैं, तो समय आपके लिये शुभ है। आपकी आय में बहुत तेजी आयेगी, और आप इसको उत्तम प्रकार से नियोजित करने में सक्षम होगें। आपकी भौतिक सम्पत्तियों में बढ़ोत्तरी होगी, और आपकी जीवन शैली में बहुत बेहतर सुधार

होगा।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक शुभ ग्रहों की अनुकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी शनि दशा आपके के लिये बहुत आनन्दायक होगी। इस दशा के दौरान आपकी बहुत उत्तम प्रगति होगी, और आपके परिवार में एक या कई शुभ समारोह संपन्न हो सकता है।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल है,और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ यह प्रतिकूल दृष्टि में भी शामिल है। योगिनी शनि दशा के दौरान आपको मिश्रित (अनुकूल और अन्यथा दोनों) अनुभव प्राप्त होगें। यदि आपके पेशे का संबंध आम जनता से है, तो आप कभी-कभी चिड़चिड़े हो सकते हैं, लेकिन चीजे ना ही बहुत बिगड़ेगीं और ना ही लम्बे समय तक रहेगीं- जैसाकि एक नैसर्गिक शुभ ग्रह का भी इस पर प्रभाव है।

सिद्धा (शुक्र){पूर्वाषाढ़} दशा

(29:05:2041 -- 28:05:2048)

जैसाकि शुक्र आपकी कुण्डली में २रे भाव में है, आगामी समय आपके लिये बहुत आनन्दायक होगा। आर्थिक मामलों में कुछ विशेष सुधार होगा, और और शादी या किसी के जन्म से आपके परिवार में वृद्धि हो सकती है। कुछ आराम की वस्तुओं सहित आपको नयी सम्पत्तियाँ प्राप्त होगीं-जिससे आपकी जीवन शैली में सुधार होगा। आप मूल्वान और फैशनदार वस्त्रों का निर्माण करेगें, और यदि आपका रूझान है, तो आप इत्र, आभूषण, मूल्यवान रत्न और निजी सजावटकी वस्तुयें भी खरीद सकते हैं।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक शुभ ग्रहों की अनुकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी शुक्र दशा आपके के लिये बहुत आनन्दायक होगी। इस दशा के दौरान आपकी बहुत उत्तम प्रगति होगी, और आपके परिवार में एक शुभ समारोह संपन्न हो सकता है।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल है,और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ यह प्रतिकूल दृष्टि में भी शामिल है। योगिनी शुक्र दशा के दौरान आपको मिश्रित (अनुकूल और अन्यथा दोनों) अनुभव प्राप्त होगें। यदि आपके पेशे का संबंध आम जनता से है, तो आप कभी-कभी चिड़चिड़े हो सकते हैं, लेकिन चीजे ना ही बहुत बिगड़ेगीं और ना ही लम्बे समय तक रहेगीं- जैसाकि एक नैसर्गिक शुभ ग्रह भी इस पर प्रभाव है।

संकटा (राहु){उत्तराषाढ़} दशा

(28:05:2048 -- 28:05:2056)

राहु योगिनी दशा चक्र की अन्तिम समयावधि कुछ बुरे अनुभव प्रदान कर सकती है। दशा चक्र की अन्तिम समयावधि २८ृ०५ृ१९८४,२८ृ०५ृ२०२० और २८ृ०५ृ२०५६ हैं। आपको उपर दिए गये तारीखो से ३ महीने आगे-पीछे तक सावधान रहना होगा।

आपकी कुण्डली में राहु २रे भाव(धन) में स्थित है, और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह इसके साथ में या उसकी दृष्टि इस पर है- जबकि कोई नैसर्गिक शुभ ग्रह इसके साथ में या उसकी दृष्टि इस पर नहीं है। यह एक प्रतिकूल युति है। अत: आपको हर संभव निवारक और ऐहतियाती उपाय अपनाना चाहिये। अन्यथा चोरी, डकैती, कपट , तोड़ फोड़ या धन के खर्च होने के कारण भारी क्षति हो सकती है।

मंगला (चन्द्रमा){श्रवण} दशा

(28:05:2056 -- 29:05:2057)

आपकी कुण्डली में, चन्द्रमा तुगंस्थ है, और अपने नक्षत्र में स्थित है। योगिनी चन्द्रमा दशा की अवधि में आपको अवश्य ही बहुत अनुकूल परिणाम मिलेगें- जिनसे आपको बहुत आनन्द मिलेगा। आपकी महिला रिश्तेदारों और मित्रों का आपकी तरफ काफी रूझान होगा, और वे आपको बहुत खुशी देगीं।

आपकी कुण्डली में, मंगल चन्द्रमा के साथ स्थित है या उसकी दृष्टि इस है, और दशमेश पर भी यही प्रभाव है। इसके संकेत बिलकुल अनुकूल नहीं हैं, और आप का समय बहुत कष्टकारी हो सकता है- जो आपके व्यवसायिक क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है। आपको विलम्ब और निराशाओं का सामना करना पड़ सकता है, और योगिनी चन्द्रमा दशा की अवधि के दौरान घटनायें आपके नियंत्रण से बाहर जाती हुई प्रतीत हो सकती हैं।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक शुभ ग्रहों की अनुकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी चन्द्रमा दशा आपके के लिये बहुत आनन्दायक होगी। इस दशा के दौरान आपकी बहुत उत्तम प्रगति होगी, और आपके परिवार में एक या अधिक शुभ समारोह संपन्न होगें।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल है, और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ यह प्रतिकूल दृष्टि में भी शामिल है। योगिनी चन्द्रमा दशा के दौरान आपको मिश्रित (शुभ और अशुभ दोनों)अनुभव प्राप्त होगें। यदि आपके पेशे का संबंध आम जनता से है, तो आप कभी-कभी चिड़चिड़े हो सकते हैं, लेकिन चीजे ना ही बहुत बिगड़ेगीं और ना ही लम्बे समय तक रहेगीं- जैसाकि एक नैसर्गिक शुभ ग्रह भी अपने सौम्य प्रभावों से इस पर असर डालता है।

पिंगला (सुर्य){धनिष्ठा} दशा

(29:05:2057 -- 29:05:2059)

जैसाकि आपकी कुण्डली में सूर्य ४थे भाव में है, योगिनी सूर्य दशा के दौरान आप कुछ मामलों में बहुत भाग्यशाली नहीं होगें। यदि आप पढ़ाई कर रहे हैं, तो आपकी उत्तम प्रगति होगी। यदि आप रोजगार की तलाश में हैं, तो आप आसानी से इसे प्राप्त करने में सक्षम होगें- संभवत: किसी सरकारी क्षेत्र में। आप विश्वसनीयता और सम्मान के खजाने को प्राप्त करने की कोशिश करेगें, और आदतन अपने वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने का प्रयास करेगें। जैसाकि आप अपनी व्यवसायिक उलब्धियों में मान और महत्व के सितारे जड़ना चाहेगें, अत: परिणामस्वरूप साभिप्राय नगण्यता के कारण आपके घरेलू जीवन का वृक्ष आपके स्नेह और देखभाल के पोषण की कमी के कारण सुख और खुशहाली के फलों से वंचित हो सकता है।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक शुभ ग्रहों की अनुकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी सूर्य दशा आपके के लिये बहुत आनन्दायक होगी। इस दशा के दौरान आपकी बहुत उत्तम प्रगति होगी, और आपके परिवार में एक या अधिक शुभसमारोह संपन्न होगें।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल है,और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ यह प्रतिकूल दृष्टि में भी शामिल है। योगिनी सूर्य दशा के दौरान आपको मिश्रित (शुभ और अशुभ दोनों)अनुभव प्राप्त होगें। यदि आपके पेशे का संबंध आम जनता से है, तो आप कभी-कभी चिड़चिड़े हो सकते हैं, लेकिन चीजे ना ही बहुत बिगड़ेगीं और ना ही लम्बे समय तक रहेगीं- जैसाकि एक नैसर्गिक शुभ ग्रह भी अपने सौम्य प्रभावों से इस पर असर डाल रहा है।

धन्या (बृहस्पति){शतभिषा} दशा

(29:05:2059 -- 29:05:2062)

वर्तमान में आपकी योगिनी बृहस्पति दशा चल रही है। जैसाकि, बृहस्पति आपकी कुण्डली में ७वें भाव में स्थित है (याइसकी दृष्टि है), आप कुछ मामलों में भाग्यशाली होगें। यदि आप अविवाहित हैं, तो आप शादी के बन्धन में बँध सकते हैं। यदि आप विवाहित हैं, और एक संतान की उम्मीद कर रहे हैं, तो आपको एक पुत्र रत्न की प्राप्ति हो सकती है। यदि आप रोजगार की तलाश में हैं, तो निजी क्षेत्र की एक बड़ी कम्पनी में आपको अवसर मिल सकता है। यदि आप पहले से ही रोजगार में हैं, तो अपने कार्यक्षेत्र में आप उत्तम प्रगति करेगें, और आपकी आय में बढ़ोत्तरी होगी।

वर्तमान में आपकी योगिनी बृहस्पति दशा चल रही है। जैसाकि,बृहस्पति आपकी कुण्डली में ७वें भाव में स्थित है, आप कुछ मामलों में भाग्यशाली होगें। आप बहुत सक्रिय व्यक्तिहोगें। आप एक सुशिक्षित और विद्वान व्यक्तिहोगें, औरअवश्य ही जीवन में एक ऊँचे पद तक पहुँचेगें, आप एक स्तरीय व्यक्तिहोगें, या दक्षता के साथ अपने व्यापार को आगे बढ़ायेगें। आप अपने सभी प्रयासों में सफल होगें, और समाज में बहुत आदर प्राप्त करेगें। आपका जीवन साथी सुन्दर और कर्तव्यपरायण होगा, आप योग्य संतानें प्राप्त करेगें,और अपनी उपलब्धियों से वे आपको सुख और गौरव प्रदान करेगीं। इस दशा के दौरान आपकी उल्लेख्नीय प्रगति होगी, और समाज में आप आसानी से ऊँचा स्थान हासिल करेगें।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक शुभ ग्रहों की अनुकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी बृहस्पति दशा आपके के लिये बहुत आनन्दायक होगी। इस दशा के दौरान आपकी बहुत उत्तम प्रगति होगी, और आपके परिवार में एक शुभ समारोह संपन्न हो सकता है।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल है,और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ यह प्रतिकूल दृष्टि में भी शामिल है। योगिनी बृहस्पति दशा के दौरान आपको मिश्रित (अनुकूल और अन्यथा दोनों) अनुभव प्राप्त होगें। यदि आपके पेशे का संबंध आम जनता से है, तो आप कभी-कभी चिड़चिड़े हो सकते हैं, लेकिन चीजे ना ही बहुत बिगड़ेगीं और ना ही लम्बे समय तक रहेगीं- जैसाकि एक नैसर्गिक शुभ ग्रह भी इस पर प्रभाव है।

ंमरी (मंगल){पूर्वाभाद्र} दशा

(29:05:2062 -- 29:05:2066)

जैसाकि मंगल आपकी कुण्डली में अष्ठमेश होकर ६वें भाव में है, आप योगिनी दशा की अवधि के दौरान कई समस्याओं का सामना कर सकते हैं। यदि आप व्यापार कर रहे हैं, तो आपको कुछ हानियाँ हो सकती हैं, या धन के अवरूद्ध होने के कारण परेशान हो सकते हैं, विशेषकर यदि आप विदेश व्यापार में हैं। आपको लम्बी यात्राओं पर भी जाना पड़ सकता है- लेकिन उनके बहुत सार्थक होने की उम्मीद कम है, साथ ही आपको दूरस्थ स्थानों पर किसी दुर्भाग्यका सामना करना पड़ सकता है। आपके पिता का स्वास्थ्य बहुत नाजुक हो सकता है, और यह आपको व्यथित करसकता है।

द्रिका (बुध){उत्तरभाद्र} दशा

(29:05:2066 -- 29:05:2071)

जैसाकि बुध आपकी कुण्डली में ४थे भाव में है, आप शैक्षिणिक या बौद्धिक कामों को बहुत उत्तम प्रकार से पूरा करेगें ।यदि आपके व्यवसाय का कुछ संबंध शैक्षिणिक संस्थानों, पुस्तकालयों, पुस्तक बिक्री, प्रशिक्षण या कोचिंग सेन्टर चलाने आदि से है, तो आप विश्वासपूर्वक इस दशा के दौरान बहुत सम्पन्नता प्राप्त करने की आशा कर सकते हैं।

उल्का (शनि){रेवती} दशा

(29:05:2071 -- 29:05:2077)

जैसाकि शनि आपके ११वें भाव में स्थित है, आपका आगामी समय फलदायी होगा- जो विभिन्न संभावनाओं से पूर्ण होगा। इस विशेष दशा के दौरान आपकी कुछ अवलम्बित कामनाये पूरी होगीं, और महत्वाकांक्षायें फलीभूत होगीं। यदि

आप किसी दूसरे संभावित क्षेत्र में जाना चाह रहे हैं, या एक नया व्यापारिक उपक्रम शुरू करना चाह रहे हैं, या एक नया उद्योग शुरू करना चाह रहे हैं, तो समय आपके लिये शुभ है। आपकी आय में बहुत तेजी आयेगी, और आप इसको उत्तम प्रकार से नियोजित करने में सक्षम होगें। आपकी भौतिक सम्पत्तियों में बढ़ोत्तरी होगी, और आपकी जीवन शैली में बहुत बेहतर सुधार होगा।

जैसाकि दशा के स्वामी शनि का स्फूट नक्षत्र स्वामी दशमेश के साथ स्थित है, यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो इस दशा के आरम्भ में आपको एक नया रोजगार या पदोन्नति मिल सकती है। यदि आप व्यापारी हैं, तो आपकी अति उत्तम उन्नतिहोगी। आपकी विश्वसनीयता और सम्मान में बहुत बढ़ोत्तरी होगी, और आपका नाम तथा यश हर तरफ फैलेगा।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ प्रतिकूल वर्ग दृष्टि में शामिल है, और यह दृष्टि पास की है। योगिनी शनि दशा आपके के लिये बहुत कष्टकारी हो सकती है। आप इस दशा के दौरान झगड़े और मारपीट का सामना कर सकते हैं। आपके घर पर कुछ व्यवधान पैदा करने वाली घटनायें हो सकती हैं, और आप बहुत निराश हो सकते हैं। आपको सजग रहना चाहिये, किरायेदार या मकान मालिक के साथ किसी परेशानी से बचना चाहिये, और किसी सम्पत्ति विवाद में उलझने से बचना चाहिये - दशा के प्रारम्भ में -३रे महीने के अन्त में और ४थे माह के प्रारम्भ में।

गोचर

गोचर दिनांक –	**20 January 2018 (Saturday)**
गोचर समय –	**04:37:25PM**
गोचर स्थान –	**New Delhi , INDIA**
अक्षांश –	**077:13:00E**
रेखांश –	**028:39:00N**

नाम–	MindSutra Software Technologies
संस्था का नाम–	MindSutra Software Technologies
पता–	A-16 Ramdutt Enclave
	Uttam Nagar
	New Delhi
फोन–	

श्रीगणेशाय नमः

गणानां त्वां गणपतिं हवामहे कविं कवीनामुपमश्रवस्तमम् ।
ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां ब्रह्मणस्पत आ नः शृण्वन्नूतिभिः सीद सादनम् ।।

नवग्रहस्तोत्र

जपाकुसुमसंकाशं काश्यपेयं महद्द्युतिम ।
तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽसिदिवाकरम्।। १ ।।
दधिशङ्खतुषाराभं क्षीरोदार्णवसंभवम ।
नमामि शशिनं सोमं शंभोर्मुकुटभूषणम।। 2 ।।
धरणीगर्भसंभूतं विधुत्कान्तिसमप्रभम् ।
कुमारंशक्तिहस्तंचमगंलंण्णमाम्यहम्।। ३ ।।
प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम् ।
सौम्यंसौम्यगुणोपेतंतंवुधंप्रणमाम्यहम् ।। ४ ।।
देवानां च ऋषीणां च गुरूं काड़वनसंनिभम्।
बुद्धिभूतंत्रिलोकेशंतंनमामिबृहस्पतिम् ।। ५ ।।
हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरूम्
सर्वशास्त्रप्रवक्तारंभार्गवंप्रणमाम्यहम् ।। ६ ।।
नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् ।
छायामार्तण्डसुभूतंतंनमामिशनैश्वरम् ।। ७ ।।
अर्धकायं महावीर्य चन्द्रादित्यविमदनम्।
सिंहिकागर्भसंभूतंतंराहुंप्रणमाम्यहम्।। ८ ।।
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम्।
रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम् ।। ९ ।।

फलश्रुति

इति व्यासमुखोद्गीतं यः पठेत्सुसमाहितः।
दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भयविष्यति ।। १ ।।
नरनारीनृपाणां च भवेहुः स्वप्रनाशनम
ऐश्वर्यमतुलंतेषामारोग्यंपुष्टिवर्धनम् ।। 2 ।।
ग्रहनक्षत्रजाः पीडस्तस्कराग्निसमुद्रवाः ।
ताः सर्वाः प्रशमं यान्ति व्यासो ब्रूते न संशयः ।। ३ ।।

इति श्री व्यासविरचितं आदित्यादिनवग्रहस्तोत्रं संपूर्णम् ।।

SAMPLE DOB-18:12:1975 TOB-01:45:00AM

गोचर की तारीख- 20:01:2018 गोचर का समय- 04:37:25PM गोचर का स्थान- New Delhi (INDIA)

ग्रह स्थिति

SAMPLE						Transit					
ग्रह	राशि	डिग्री	नक्षत्र			ग्रह	राशि	डिग्री	नक्षत्र		
लग्न	कन्या	21:15:23	हस्त (४)	–	–	लग्न	मिथुन	21:30:32	पुनर्वसु (१)	–	–
सूर्य	धनु	01:44:46	मूल (१)	मे0ग्र0	शु0ग्र0	सूर्य	मकर	06:13:55	उत्तराषाढ़ (३)		शु0ग्र0
चन्द्रमा	वृष	22:29:16	रोहिणी (४)	मूत्रि	दु0ग्रह	चन्द्रमा	कुम्भ	13:22:35	शतभिषा (३)		–
मंगल व0	वृष	28:34:16	मृगशिर (२)	त0ग्र0	शु0ग्र0	मंगल	वृश्चिक	02:08:58	विशाखा (४)		–
बुध	धनु	12:14:43	मूल (४)	श0ग्र0	दु0ग्रह	बुध	धनु	18:54:11	पूर्वाषाढ (२)		दु0ग्रह
बृहस्पति	मीन	21:18:54	रेवती (२)	स0	–	बृहस्पति	तुला	25:46:29	विशाखा (२)		–
शुक्र	तुला	19:02:52	स्वाती (४)	स0	दु0ग्रह	शुक्र	मकर	08:54:02	उत्तराषाढ़ (४)		ज्व0
शनि व0	कर्क	08:28:00	पुष्य (२)	त0ग्र0	–	शनि	धनु	09:30:14	मूल (३)		शु0ग्र0
राहु व0	तुला	26:29:32	विशाखा (२)	मे0ग्र0	शु0ग्र0	राहु व0	कर्क	21:45:36	आश्लेषा (२)	व0	–
केतु व0	मेष	26:29:32	भरणी (४)	मे0ग्र0	–	केतु व0	मकर	21:45:36	श्रवण (४)	व0	शु0ग्र0
इन्द्र	तुला	12:16:21	स्वाती (२)	–	शु0ग्र0	इन्द्र	मेष	00:36:07	अश्विनी (१)		–
वरूण	वृश्चिक	18:29:42	ज्येष्ठा (१)	–	–	वरूण	कुम्भ	18:18:18	शतभिषा (४)		शु0ग्र0
रूद्र	कन्या	17:57:42	हस्त (३)	–	–	रूद्र	धनु	25:20:02	पूर्वाषाढ (४)		शु0ग्र0

SAMPLE

लग्न कुण्डली

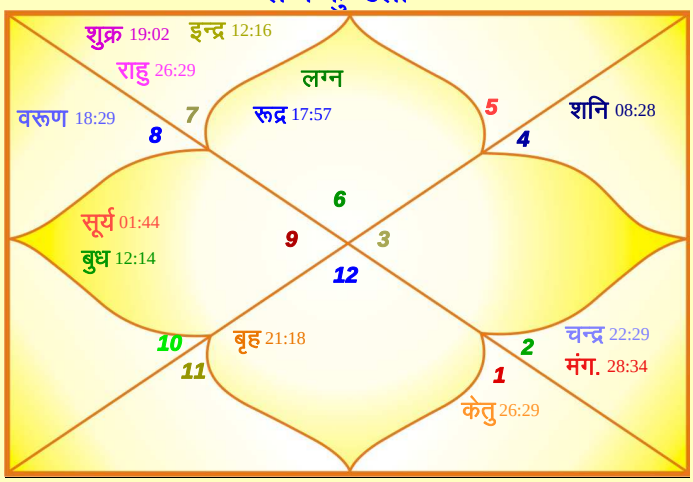

नवांश कुण्डली

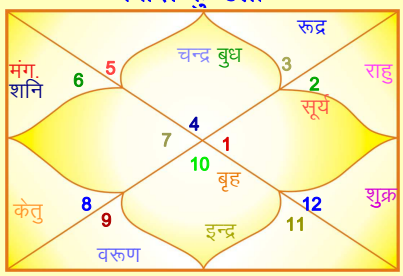

चन्द्र कुण्डली

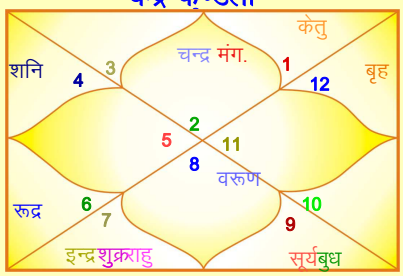

नवांश कुण्डली

चन्द्र कुण्डली

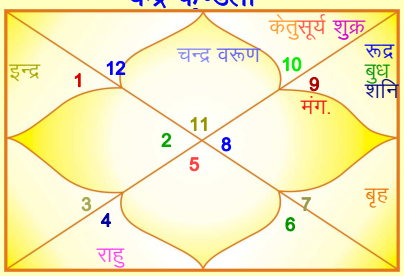

Transit

लग्न कुण्डली

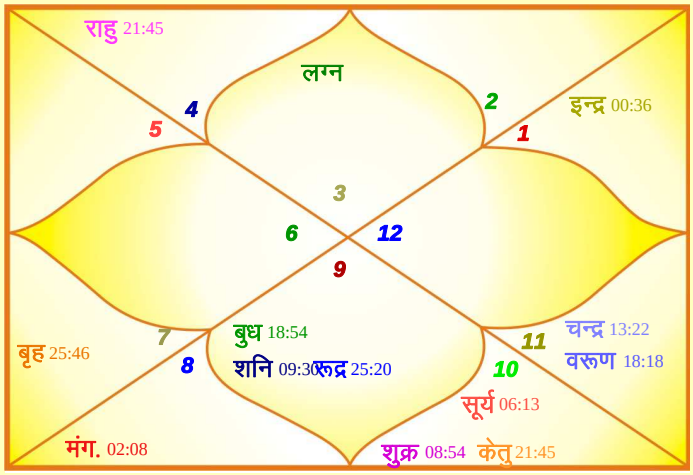

गोचर शनि

(शनि साढ़ेसाती)

द्वादशे जन्मगै राशौ द्वितीये च शनैश्चर।
सार्धानि सप्त वर्षाणि तथा दुखैर्युतो भवेत।।

गोचर में जब शनि ग्रह, जन्म चन्द्र से बारहवें, पहले और दूसरे भाव में भ्रमण करता है, उस समय (लगभग साढ़े सात वर्ष तक) को शनि साढ़ेसाती के नाम से जाना जाता है।

शनि साढ़ेसाती का पहला चक्र

साढ़ेसाती चक्र	राशि में गोचर	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व-म-दि)	शनि मूर्ति
प्रथम ढ़ैया	मेष	17:04:1998	07:06:2000	2 y.1 m.21 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से बारहवें)					
द्वितिय ढ़ैया	वृष	07:06:2000	23:07:2002	2 y.1 m.15 d.	स्वर्ण
(जन्म चन्द्र से पहले)	वृष	08:01:2003	07:04:2003	0 y.2 m.28 d.	
तृतिय ढ़ैया	मिथुन	23:07:2002	08:01:2003	0 y.5 m.17 d.	रूपया
(जन्म चन्द्र से दूसरे)	मिथुन	07:04:2003	06:09:2004	1 y.5 m.0 d.	
कंटक शनि	सिंह	01:11:2006	10:01:2007	0 y.2 m.9 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से चौथे)	सिंह	16:07:2007	10:09:2009	2 y.1 m.25 d.	
अष्टम शनि	धनु	26:01:2017	21:06:2017	0 y.4 m.24 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से आठवें)	धनु	26:10:2017	24:01:2020	2 y.2 m.29 d.	

शनि साढ़ेसाती का दूसरा चक्र

साढ़ेसाती चक्र	राशि में गोचर	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व-म-दि)	शनि मूर्ति
प्रथम ढ़ैया	मेष	03:06:2027	20:10:2027	0 y.4 m.17 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से बारहवें)	मेष	23:02:2028	08:08:2029	1 y.5 m.14 d.	
द्वितिय ढ़ैया	वृष	08:08:2029	05:10:2029	0 y.1 m.27 d.	स्वर्ण
(जन्म चन्द्र से पहले)	वृष	17:04:2030	31:05:2032	2 y.1 m.14 d.	
तृतिय ढ़ैया	मिथुन	31:05:2032	13:07:2034	2 y.1 m.12 d.	रूपया
(जन्म चन्द्र से दूसरे)					
कंटक शनि	सिंह	27:08:2036	22:10:2038	2 y.1 m.25 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से चौथे)	सिंह	05:04:2039	13:07:2039	0 y.3 m.8 d.	
अष्टम शनि	धनु	08:12:2046	06:03:2049	2 y.2 m.27 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से आठवें)	धन	10:07:2049	04:12:2049	0 y.4 m.25 d.	

शनि साढ़ेसाती का तीसरा चक्र

साढ़ेसाती चक्र	राशि में गोचर	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व-म-दि)	शनि मूर्ति
प्रथम ढ़ैया	मेष	07:04:2057	28:05:2059	2 y.1 m.20 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से बारहवें)					
द्वितिय ढ़ैया	वृष	28:05:2059	11:07:2061	2 y.1 m.13 d.	स्वर्ण
(जन्म चन्द्र से पहले)	वृष	13:02:2062	07:03:2062	0 y.0 m.22 d.	
तृतिय ढ़ैया	मिथुन	11:07:2061	13:02:2062	0 y.7 m.4 d.	रूपया
(जन्म चन्द्र से दूसरे)	मिथुन	07:03:2062	24:08:2063	1 y.5 m.18 d.	
कंटक शनि	सिंह	13:10:2065	03:02:2066	0 y.3 m.21 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से चौथे)	सिंह	03:07:2066	30:08:2068	2 y.1 m.28 d.	
अष्टम शनि	धनु	16:01:2076	11:07:2076	0 y.5 m.24 d.	ताम्र
(जन्म चन्द्र से आठवें)	धनु	11:10:2076	15:01:2079	2 y.3 m.4 d.	

गोचर बृहस्पति
(गुरू गोचर)

गुरू गोचर चक्र	राशि में गोचर	आरम्भ का समय	समाप्ति का समय	भ्रमण काल (व–म–दि)
चद्र राशि से दूसरे	मिथुन	18:07:1977	05:08:1978	1 y.0 m.18 d.
चद्र राशि से पांचवें	कन्या	26:09:1980	27:10:1981	1 y.1 m.0 d.
चद्र राशि से सातवें	वृश्चिक	26:11:1982	22:12:1983	1 y.0 m.26 d.
चद्र राशि से नौवें	मकर	10:01:1985	25:01:1986	1 y.0 m.15 d.
चद्र राशि से ग्यारहवें	मीन	03:02:1987	16:06:1987	0 y.4 m.11 d.
	मीन	26:10:1987	03:02:1988	0 y.3 m.9 d.
चद्र राशि से दूसरे	मिथुन	02:07:1989	21:07:1990	1 y.0 m.19 d.
चद्र राशि से पांचवें	कन्या	11:09:1992	12:10:1993	1 y.1 m.0 d.
चद्र राशि से सातवें	वृश्चिक	11:11:1994	07:12:1995	1 y.0 m.26 d.
चद्र राशि से नौवें	मकर	26:12:1996	08:01:1998	1 y.0 m.13 d.
चद्र राशि से ग्यारहवें	मीन	26:05:1998	10:09:1998	0 y.3 m.16 d.
	मीन	13:01:1999	26:05:1999	0 y.4 m.11 d.
चद्र राशि से दूसरे	मिथुन	16:06:2001	05:07:2002	1 y.0 m.19 d.
चद्र राशि से पांचवें	कन्या	28:08:2004	28:09:2005	1 y.1 m.0 d.
चद्र राशि से सातवें	वृश्चिक	27:10:2006	22:11:2007	1 y.0 m.26 d.
चद्र राशि से नौवें	मकर	10:12:2008	01:05:2009	0 y.4 m.20 d.
	मकर	30:07:2009	20:12:2009	0 y.4 m.21 d.
चद्र राशि से ग्यारहवें	मीन	02:05:2010	01:11:2010	0 y.6 m.0 d.
	मीन	06:12:2010	08:05:2011	0 y.5 m.1 d.
चद्र राशि से दूसरे	मिथुन	31:05:2013	19:06:2014	1 y.0 m.19 d.
चद्र राशि से पांचवें	कन्या	11:08:2016	12:09:2017	1 y.1 m.1 d.
चद्र राशि से सातवें	वृश्चिक	11:10:2018	29:03:2019	0 y.5 m.17 d.
	वृश्चिक	23:04:2019	05:11:2019	0 y.6 m.13 d.
चद्र राशि से नौवें	मकर	30:03:2020	30:06:2020	0 y.3 m.0 d.
	मकर	20:11:2020	06:04:2021	0 y.4 m.15 d.
चद्र राशि से ग्यारहवें	मीन	13:04:2022	22:04:2023	1 y.0 m.9 d.
चद्र राशि से दूसरे	मिथुन	14:05:2025	18:10:2025	0 y.5 m.5 d.
	मिथुन	05:12:2025	02:06:2026	0 y.5 m.27 d.
चद्र राशि से पांचवें	कन्या	26:11:2027	28:02:2028	0 y.3 m.3 d.
	कन्या	24:07:2028	26:12:2028	0 y.5 m.2 d.
चद्र राशि से सातवें	वृश्चिक	25:01:2030	01:05:2030	0 y.3 m.5 d.
	वृश्चिक	23:09:2030	17:02:2031	0 y.4 m.25 d.
चद्र राशि से नौवें	मकर	05:03:2032	12:08:2032	0 y.5 m.7 d.
	मकर	23:10:2032	18:03:2033	0 y.4 m.24 d.
चद्र राशि से ग्यारहवें	मीन	28:03:2034	06:04:2035	1 y.0 m.9 d.
चद्र राशि से दूसरे	मिथुन	10:09:2036	17:11:2036	0 y.2 m.7 d.
	मिथुन	26:04:2037	16:09:2037	0 y.4 m.21 d.
चद्र राशि से पांचवें	कन्या	04:11:2039	06:04:2040	0 y.5 m.2 d.
	कन्या	29:06:2040	03:12:2040	0 y.5 m.4 d.
चद्र राशि से सातवें	वृश्चिक	02:01:2042	10:06:2042	0 y.5 m.7 d.
	वृश्चिक	28:08:2042	27:01:2043	0 y.5 m.0 d.
चद्र राशि से नौवें	मकर	16:02:2044	02:03:2045	1 y.0 m.14 d.
चद्र राशि से ग्यारहवें	मीन	13:03:2046	21:03:2047	1 y.0 m.8 d.

भचक्र में सर्व ग्रह गोचर

क्र स	गोचर में ग्रह	चन्द्र राशि से गोचर में स्थिति	शुभ / अशुभ	विरोधी ग्रह
1	सूर्य	IX	अशुभ	रा0
2	चन्द्रमा	X	शुभ	सू0] शु0] के0
3	मंगल	VII	----	---
4	बुध	VIII	शुभ	---
5	बृहस्पति	VI	----	---
6	शुक्र	IX	शुभ	---
7	शनि	VIII	----	---
8	राहु	III	शुभ	सू0] शु0] के0
9	केतु	IX	अशुभ	रा0

अंग ग्रह

जन्म नक्षत्र से ग्रहों का गोचर

ग्रह	नक्षत्र गिनती	गोचर नक्षत्र	अंग	संभावित परिणाम
भानु (सूर्य)	18	उत्तराषाढ़	दोनो पैर	धन की रूकावट / हानि
शशि(चन्द्रमा)	21	शतभिषा	दोनो पैर	दूरस्थ स्थान की यात्रा
भौम(मंगल)	13	विशाखा	बांया हाथ	आर्थीक परेशानियां
सौम्य(बुध)	17	पूर्वाषाढ	पेट	धन के मामलों में लाभ
जीव(बृहस्पति)	13	विशाखा	पेट	लाभ में वृद्धि
भृगु(शुक्र)	18	उत्तराषाढ़	अंदरूनी अंग	धन की रूकावट / हानि
सौरी(शनि)	16	मूल	पेट	शारीरिक घनिष्टता
असुर(राहु)	6	आश्लेषा	दाहिना पैर	दूरस्थ स्थान की यात्रा
शिखी(केतु)	19	श्रवण	पेट	शारीरिक घनिष्टता

पंगु चक्र
(शनि क्षेत्र)

इस सिद्धान्त में, नक्षत्र गिनती करते समय शनि के गति के दिशा का भी ध्यान दिया जाता है।

ग्रह	गति	नक्षत्र गिनती	गोचर नक्षत्र	अंग	संभावित परिणाम
सौरी(शनि)	मार्गी	16	मूल	बांया हाथ	जेल जाने की संभावना

अष्टक-वर्ग से गोचर

जन्म कुण्डली से अनुमान						
स अ बि राशि में	भि अ बि राशि में	ग्रह राशि	ग्रह	कक्ष पति	भि अ बि कक्षा में	कक्ष बल
27	3	धनु	सूर्य	शनि	0	4
27	3	वृष	चन्द्रमा	बुध	0	7
27	5	वृष	मंगल	लग्न	0	2
27	5	धनु	बुध	सूर्य	0	3
30	7	मीन	बृहस्पति	बुध	1	3
35	7	तुला	शुक्र	बुध	1	8
31	6	कर्क	शनि	मंगल	1	4
35	6	तुला	राहु	शनि	0	5

गोचर कुण्डली से अनुमान						
स अ बि राशि में	भि अ बि राशि में	ग्रह राशि	ग्रह	कक्ष पति	भि अ बि कक्षा में	कक्ष बल
25	4	मकर	सूर्य	बृहस्पति	1	8
35	7	कुम्भ	चन्द्रमा	सूर्य	1	4
25	2	वृश्चिक	मंगल	शनि	0	4
27	5	धनु	बुध	बुध	1	4
35	4	तुला	बृहस्पति	चन्द्रमा	0	6
25	5	मकर	शुक्र	मंगल	1	4
27	3	धनु	शनि	मंगल	0	4
31	6	कर्क	राहु	मंगल	1	3

ग्रहो के गोचर से भविष्यफल

गोचर में सूर्य चन्द्र राशि से आठवें भाव से गुजर रहा है। यह शुभ गोचर नही है। आपको अपने सम्बन्धियों से अलग रहना पड़ सकता है। अगर आप अपने दूरस्थ सम्बन्धियों से आशा लगाये हुये हैं, तो आपको निराश होना पड़ सकता है।अगर गोचर में दूसरे अन्य ग्रह भी शुभ स्थिति में नही हैं तो आपको विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है तथा आप अपमानित हो सकते हैं और गहरे मानसिक तनाव से गुजर सकते हैं। हालॉकि, यह गोचर आपकी माता के स्वास्थ्य और कुशलता लिए बहुत बढ़िया है।

माघ महीने के दौरान सूर्य इस गोचर मे होगा (१४-१५ जनवरी से १३-१४ फरवरी तक)

चन्द्रमा गोचर में अपनी राशि से दसवें भाव से गुजर रहा है। यह गोचर अति भाग्यशाली है और आप एक दो-दिन काफीसुखपूर्वक गुजारेगें। आप अपने सभी प्रयत्नों में सफल होगें और आपके सुझाव/प्रस्ताव सभी को पंसद आयेगें। आप अपना कार्य सफ्लतापूर्वक खत्म कर नया कार्य अपने हाथ में लेगें।

मंगल गोचर में चन्द्र राशि से सातवें भाव से गुजर रहा है। यह मंगल का सबसे अशुभ गोचर है। आपको बहुत सचेत और सावधान रहना चाहिए। आपको किसी भी प्रकार के विवाद से बचना चाहिए। आपका सम्बन्ध अपने जीवनसाथी अथवा व्यापारिक सहयोगी से बिगड़ सकता है और सामान्य लोगों का व्यवहार भी आपके प्रति आक्रामक हो सकता है। अपने वरिष्ठ अधिकारियों से भी आपका विवाद हो सकता है। आपको कुछ साधारण रोगों जैसे पेट मे गड़बड़ी अथवा ऑख के रोग से पीड़ित होना पड़ सकता है।

बुध गोचर में आपके चन्द्र राशि से आठवें भाव से गुजर रहा है। यह एक अति शुभ गोचर है। चीजें आपके पक्ष में होगीं। आप अन्य लोगों से भी सहयोग और लाभ प्राप्त करेगें और आप उनके संचित धन को अपने व्यापार इत्यादि में लगा सकते हैं। आपका पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कुछ दिनों के लिए आपका कोई रिश्तेदार आपके घर आ सकताहै या आप अपने किसी रिश्तेदार के घर जा सकते हैं। आपके संतानों की गतिविधि आपके लिए गर्व का स्रोत होगी।

गोचर में वृहस्पति चन्द्रराशि से छठे भाव से गुजर रहा है। यह बहुत ही शुभ गोचर नही है। आपको काफी सावधान और सचेत रहना चाहिए। आपको अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि आप बीमार पड़ सकते हैं। आपके शत्रु आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं और आपके सम्बन्धी, मुख्य रूप से आपकी माता के तरफ के, आपके प्रति शत्रुतापूर्ण व्यवहार करेगें। आपके कुछ कर्मचारी अथवा नौकर आपको छोड़कर जा सकते हैं, जिससे आपकी परेशानी काफी बढ़ सकती है। यद्यपि यह समय आपके व्यापार अथवा नौकरी के लिए ठीक है और आपकी उन्नति बरकरार रहेगी।

गोचर में शुक्र चन्द्रराशि से नौवें भाव से गुजर रहा है। यह गोचर अत्यंत शुभ है। भाग्य आप पर मेहरबान होगा और आप अपने सभी प्रयत्नों में सफलता प्राप्त करेगें। यदि आप किसी कलात्मक अथवा रचनात्मक कार्य में लगे हुये हैं तो आप अपनी योग्यता से आगे बढ़कर काम कर सकते हैं। आप दूरस्थ बैठे लोगों से सहायता और धन प्राप्त कर सकते हैं। आप मौज-मजे के लिए किसी पर्यटन स्थल की यात्रा कर सकते हैं।

गोचर में शनि आपकी चन्द्र राशि से आठवें भाव से गुजर रहा है। इसको अष्टम-शनि भी कहा जाता है। यह कई मामलोंमें बहुत ही अवांछनीय फल देता है। आपको अपने कार्य स्थल पर कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है और कुछ लोग आपके किये कार्य का श्रेय ले सकते हैं। आपको किसी दूसरे द्वारा की गई गलती के लिए सजा मिल

सकती है या जिम्मेदार समझा जा सकता है। आपकी आमदनी मे कमी हऔर खर्चों में वृद्धि हो सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है और प्रतिष्ठा पर ऑच आ सकती है। मानसिक शांति की कमी से आपका स्वास्थय खराब हो सकता है।

गोचर में राहु आपकी चन्द्र राशि से तीसरे भाव से गुजर रहा है। यह एक शुभ गोचर है। आपका जीवन सुखमय और खुशियों से भरा होगा। आप काफी साहसी, सक्रिय, और उत्साही होगें। आप कोई नया कार्य शुरू करेगें और उसे समय पर सफलता पूर्वक समाप्त भी करेगें। अपने पेशे से संबंधित आपको निकट स्थानों की छोटी–छोटी यात्राएँ करनी पड़ सकती है, और आप बहुत सारे नये लोगों से मिलेगें, जिनसे भविष्य में आपको लाभ प्राप्त होगा। अगर आप ठेकेदार याकोई ऐजेन्ट या आपूर्तिकर्त्ता हैं तो आपको बहुत सारे नये मौके प्राप्त होगें।

गोचर में केतू आपकी चन्द्र राशि से नौवें भाव से गुजर रहा है। यह केतू का सबसे अशुभ गोचर है और आपको बहुत ही सावधान और सचेत रहना चाहिए। किसी अप्रत्याशित परिस्थितिवश, दूरस्थ बैठे किसी व्यक्ति से आपकी अपेक्षाएँ खत्म हो सकती है। इसके अलावा, आपको कुछ निराशा हो सकती है और अनिश्चितताएँ आपकी संभावनाओं को धुँधली कर सकती है। यदि अन्य ग्रह भी शुभ गोचर में नही हैं तो आपको हानि उठानी पड़ सकती है और सबसे बुरी संभावना है कि आप अनर्थ घटना, राजनैतिक या सामाजिक अशांति या सरकारी नीतियों में अचानक बदलाव के शिकार हो सकते हैं।

श्रीगणेशाय नमः

गणानां त्वां गणपतिं हवामहे कविं कवीनामुपमश्रवस्तमम् ।
ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां ब्रह्मणस्पत आ नः शृण्वन्नूतिभिः सीद सादनम् ।।

नवग्रहस्तोत्र

जपाकुसुमसंकाशं काश्यपेयं महद्द्युतिम ।
तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽसिदिवाकरम्।। १ ।।
दधिशङ्खतुषाराभं क्षीरोदार्णवसंभवम ।
नमामि शशिनं सोमं शंभोर्मुकुटभूषणम।। 2 ।।
धरणीगर्भसंभूतं विधुत्कान्तिसमप्रभम् ।
कुमारंशक्तिहस्तंचमगंलंण्णमाम्यहम्।। ३ ।।
प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम् ।
सौम्यंसौम्यगुणोपेतंतंवुधंप्रणमाम्यहम् ।। ४ ।।
देवानां च ऋषीणां च गुरूं काड़वनसंनिभम्।
बुद्धिभूतंत्रिलोकेशंतंनमामिबृहस्पतिम् ।। ५ ।।
हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरूम्
सर्वशास्त्रप्रवक्तारंभार्गवंप्रणमाम्यहम् ।। ६ ।।
नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् ।
छायामार्तण्डसुभूतंतंनमामिशनैश्वरम् ।। ७ ।।
अर्धकायं महावीर्य चन्द्रादित्यविमदनम्।
सिंहिकागर्भसंभूतंतंराहुंप्रणमाम्यहम्।। ८ ।।
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम्।
रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम् ।। ९ ।।

फलश्रुति

इति व्यासमुखोद्गीतं यः पठेत्सुसमाहितः।
दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भयविष्यति ।। १ ।।
नरनारीनृपाणां च भवेहुः स्वप्रनाशनम
ऐश्वर्यमतुलंतेषामारोग्यंपुष्टिवर्धनम् ।। 2 ।।
ग्रहनक्षत्रजाः पीडस्तस्कराग्निसमुद्रवाः ।
ताः सर्वाः प्रशमं यान्ति व्यासो ब्रूते न संशयः ।। ३ ।।

इति श्री व्यासविरचितं आदित्यादिनवग्रहस्तोत्रं संपूर्णम् ।।

वर्ष पूर्ण- 42 वर्षफल काल- 18:12:2017--18:12:2018

ग्रह स्थिति

जन्म						वर्षफल					
ग्रह	राशि	डिग्री	नक्षत्र			ग्रह	राशि	डिग्री	नक्षत्र		
लग्न	कन्या	21:15:23	हस्त (४)	–	–	लग्न	कर्क	08:53:04	पुष्य (२)	–	–
सूर्य	धनु	01:44:46	मूल (१)	मि0ग्र0	शु0ग्र0	सूर्य	धनु	01:44:48	मूल (१)		दु0ग्रह
चन्द्रमा	वृष	22:29:16	रोहिणी (४)	मूत्रि	दु0ग्रह	चन्द्रमा	वृश्चिक	24:36:10	ज़्येष्ठा (३)		ज्व0
मंगल व0	वृष	28:34:16	मृगशिर (२)	त0ग्र0	शु0ग्र0	मंगल	तुला	11:03:56	स्वाती (२)		शु0ग्र0
बुध	धनु	12:14:43	मूल (४)	श0ग्र0	दु0ग्रह	बुध व0	वृश्चिक	21:30:43	ज़्येष्ठा (२)	व0	शु0ग्र0
बृहस्पति	मीन	21:18:54	रेवती (२)	स0	–	बृहस्पति	तुला	20:15:00	विशाखा (१)		दु0ग्रह
शुक्र	तुला	19:02:52	स्वाती (४)	स0	दु0ग्रह	शुक्र	वृश्चिक	26:18:41	ज़्येष्ठा (३)		ज्व0
शनि व0	कर्क	08:28:00	पुष्य (२)	त0ग्र0	–	शनि	धनु	05:35:23	मूल (२)		ज्व0
राहु व0	तुला	26:29:32	विशाखा (२)	मि0ग्र0	शु0ग्र0	राहु व0	कर्क	23:33:14	आश्लेषा (३)	व0	–
केतु व0	मेष	26:29:32	भरणी (४)	मि0ग्र0	–	केतु व0	मकर	23:33:14	धनिष्ठा (१)	व0	–
इन्द्र	तुला	12:16:21	स्वाती (२)	–	शु0ग्र0	इन्द्र व0	मेष	00:34:31	अश्विनी (१)	व0	–
वरूण	वृश्चिक	18:29:42	ज़्येष्ठा (१)	–	–	वरूण	कुम्भ	17:32:24	शतभिषा (४)		–
रूद्र	कन्या	17:57:42	हस्त (३)	–	–	रूद्र	धनु	24:11:56	पूर्वाषाढ (४)		दु0ग्रह

Varsha-Phala Section

चन्द्र कुण्डली(वर्षफल)

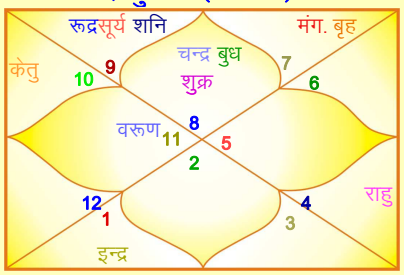

मुन्था राशि- मीन

मुन्था भाव- ६

लग्न कण्डली(वर्षफल)

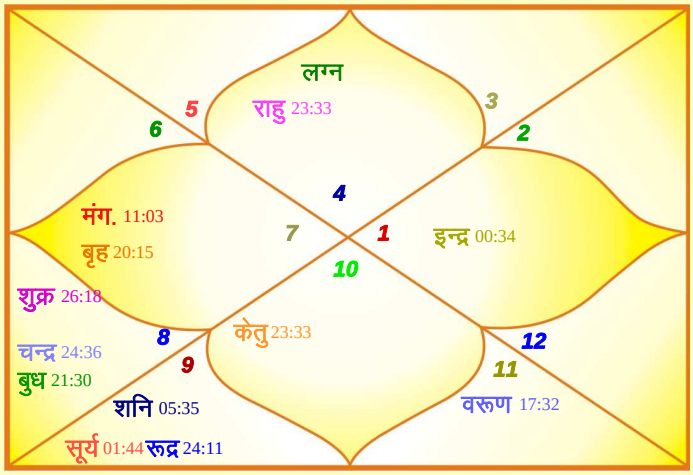

Natal Section

लग्न कुण्डली(जन्म)

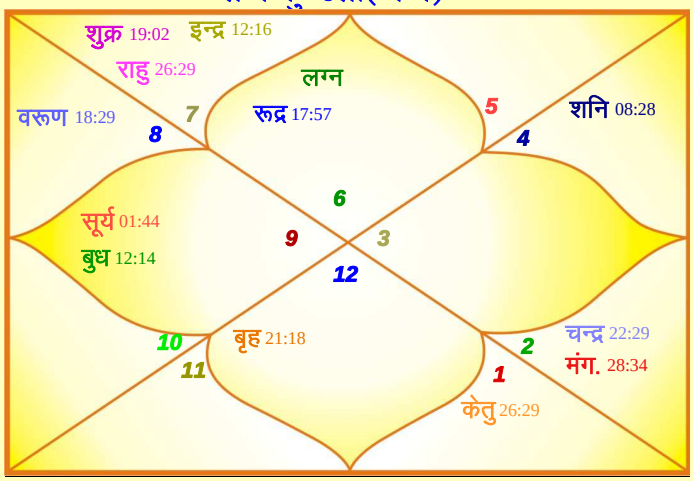

नवांश कुण्डली(जन्म)

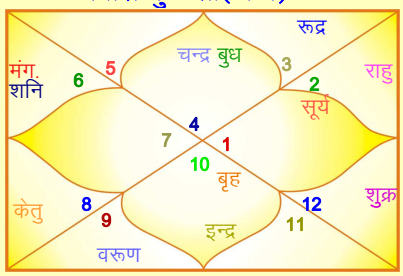

चन्द्र कुण्डली

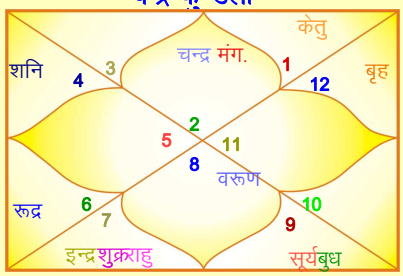

Year Completed-42 (Varshphal - From-18:12:2017 To-18:12:2018)

वर्षफल कुण्डली में ग्रहों का बल

पंचवर्गीय बल								
क्र स	बल का नाम	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि
1	क्षेत्र बल	15.00	15.00	07.50	07.50	07.50	07.50	07.50
2	उच्च बल	05.75	02.40	08.12	12.61	08.31	06.59	14.93
3	हद्दा बल	07.50	03.75	03.75	03.75	15.00	07.50	03.75
4	द्रेक्कन बल	05.00	10.00	02.50	02.50	02.50	02.50	02.50
5	नवांश बल	02.50	01.25	01.25	02.50	02.50	02.50	02.50
कुल बल		35.75	32.4	23.12	28.86	35.81	26.59	31.18
तुलनात्मक बल		साधारण	साधारण	साधारण	साधारण	साधारण	साधारण	साधारण

द्ववादश वर्गीय बल								
क्र स	बल का नाम	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि
1	राशि बल	+1	+1	-1	-1	-1	-1	-1
2	होरा बल	+1	+1	+1	-1	+1	-1	-1
3	द्रेक्कन बल	+1	+1	-1	-1	-1	-1	-1
4	चतुर्थांशं बल	+1	+1	-1	+1	+1	-1	-1
5	पंचमाशं बल	+1	-1	-1	+1	-1	+1	-1
6	षष्टाशं बल	+1	-1	-1	+1	+1	-1	+1
7	सप्तमाशं बल	+1	-1	+1	+1	-1	-1	+1
8	अष्टमाशं बल	+1	-1	-1	+1	-1	-1	+1
9	नवाशं बल	+1	-1	-1	+1	+1	+1	+1
10	दसाशं बल	+1	+1	-1	+1	+1	-1	+1
11	एकादसाशं बल	+1	+1	-1	+1	-1	-1	+1
12	द्ववादशाशं बल	+1	+1	-1	-1	-1	+1	+1
कुल बल		+12	+2	-8	+4	-2	-6	+2
तुलनात्मक बल		असाधारण	साधारण	बदतर	सुन्दर	सम	बहुत बुरा	साधारण

हर्ष बल								
क्र स	बल का नाम	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि
1	स्थान बल	0	0	0	0	0	5	0
2	क्षेत्र बल	0	0	0	0	0	0	0
3	ओज–युग्म बल	5	0	5	0	5	0	0
4	दिवा–रात्रि बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल बल		5	5	5	5	5	10	5
तुलनात्मक बल		अल्पबली	अल्पबली	अल्पबली	अल्पबली	अल्पबली	मध्यबली	अल्पबली

Year Completed-42 (Varshphal - From-18:12:2017 To-18:12:2018)

वर्षफल सहम

क्र स	सहम का नाम	डिग्री	राशि	सहमेश	एकादशेश	अष्टमेश
1	पुण्य सहम	136:01:42	सिंह	सूर्य	बुध	---
2	विद्या सहम	091:44:25	कर्क	चन्द्रमा	शुक्र	---
3	यश सहम	034:39:45	वृष	शुक्र	बृहस्पति	---
4	मित्र सहम	172:05:23	कन्या	बुध	चन्द्रमा	---
5	महात्य सहम	183:55:17	तुला	शुक्र	सूर्य	---
6	आशा सहम	044:21:36	वृष	शुक्र	बृहस्पति	---
7	समर्थ सहम	172:25:17	कन्या	बुध	चन्द्रमा	---
8	भ्रात्रि सहम	053:32:41	वृष	शुक्र	बृहस्पति	---
9	गौरव सहम	306:05:58	कुम्भ	शनि	बृहस्पति	---
10	पितृ सहम	095:02:29	कर्क	चन्द्रमा	शुक्र	---
11	राजा सहम	095:02:29	कर्क	चन्द्रमा	शुक्र	---
12	मातृ सहम	130:35:34	सिंह	सूर्य	बुध	---
13	अपत्य सहम	163:14:13	कन्या	बुध	चन्द्रमा	---
14	जीव सहम	053:32:41	वृष	शुक्र	बृहस्पति	---
15	कर्म सहम	169:19:50	कन्या	बुध	चन्द्रमा	---
16	रोग सहम	323:09:57	कुम्भ	शनि	---	बुध
17	काली सहम	089:41:59	मिथुन	बुध	---	शनि
18	शास्त्र सहम	306:51:06	कुम्भ	शनि	बृहस्पति	---
19	बन्धु सहम	131:58:31	सिंह	सूर्य	बुध	---
20	निधन सहम	026:55:26	मेष	मंगल	---	मंगल
21	परदेश सहम	324:53:32	कुम्भ	शनि	बृहस्पति	---
22	धन सहम	244:04:04	धनु	बृहस्पति	शुक्र	---
23	प्रदर सहम	134:19:11	सिंह	सूर्य	बुध	---
24	वनिज सहम	095:47:36	कर्क	चन्द्रमा	शुक्र	---
25	कार्यसिद्धि सहम	232:03:09	वृश्चिक	मंगल	बुध	---
26	विवाह सहम	138:09:46	सिंह	सूर्य	बुध	---
27	संताप सहम	235:34:34	वृश्चिक	मंगल	---	बुध
28	श्रद्धा सहम	053:38:19	वृष	शुक्र	बृहस्पति	---
29	प्रीति सहम	288:03:40	मकर	शनि	मंगल	---
30	जाद्य सहम	316:02:10	कुम्भ	शनि	---	बुध
31	व्यापार सहम	044:21:36	वृष	शुक्र	बृहस्पति	---
32	शत्रु सहम	183:24:31	तुला	शुक्र	---	शुक्र
33	जलपत्तन सहम	269:28:27	धनु	बृहस्पति	शुक्र	---
34	बंधन सहम	238:26:44	वृश्चिक	मंगल	---	बुध
35	अपघात सहम	343:23:12	मीन	बृहस्पति	---	शुक्र
36	वित्तहानि सहम	263:49:59	धनु	बृहस्पति	---	चन्द्रमा
37	त्रिक स्फुट	317:21:06	कुम्भ	शनि	---	बुध
38	घात स्थान	005:30:35	मेष	मंगल	---	मंगल

SAMPLE DOB-18:12:1975 TOB-01:45:00AM POB-New Delhi

Year Completed-42 (Varshphal - From-18:12:2017 To-18:12:2018)

द्वादश वर्ग कुण्डली

वर्ष लग्न कुण्डली

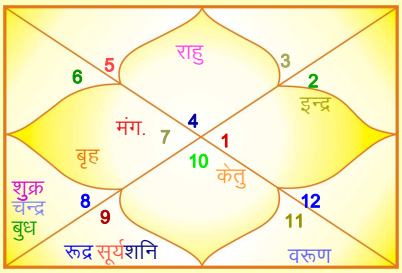

वर्ष होरा कुण्डली

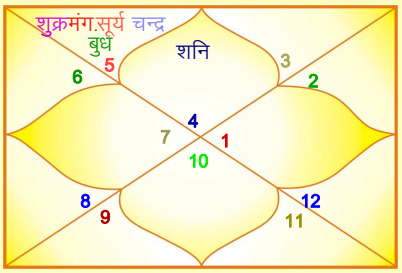

वर्ष द्रेष्काण कुण्डली

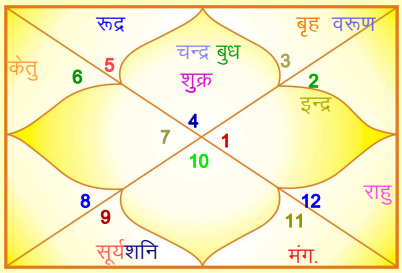

वर्ष चतुर्थांशं कुण्डली

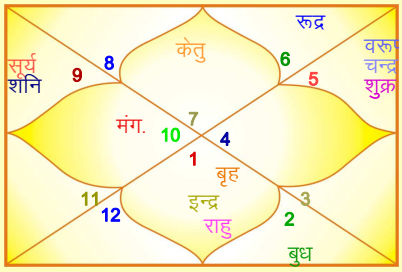

वर्ष पंचमांशं कुण्डली

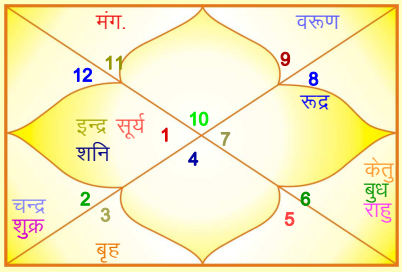

वर्ष षष्ठांशं कुण्डली

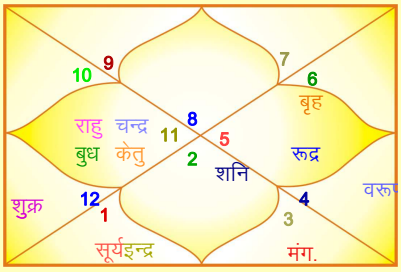

वर्ष सप्तांशं कुण्डली

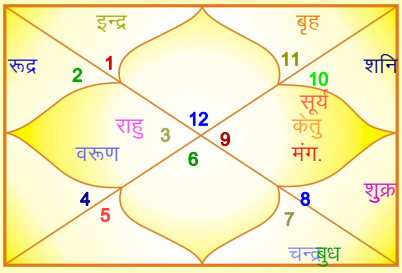

वर्ष अष्टांशं कुण्डली

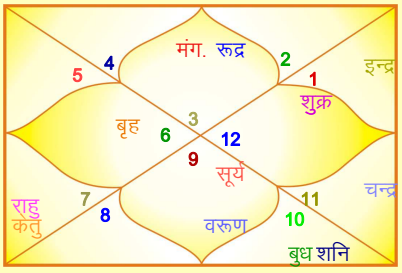

वर्ष नवांशं कुण्डली

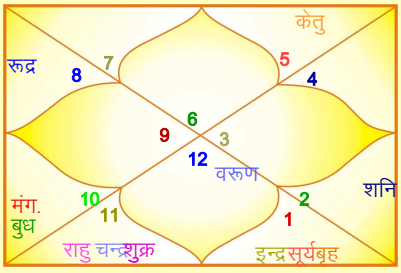

वर्ष दशमांशं कुण्डली

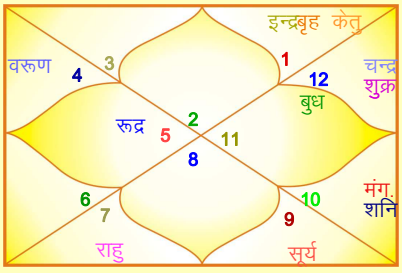

वर्ष एकादशांशं कुण्डली

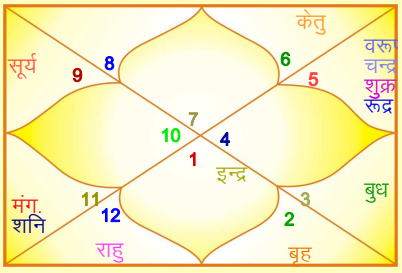

वर्ष द्वादशांशं कुण्डली

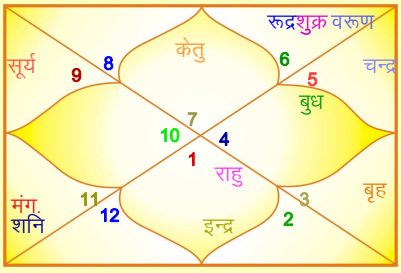

Year Completed-42 (Varshphal - From-18:12:2017 To-18:12:2018)

पत्ययनी दशा

क्र स	दशा का नाम	दशा काल	से ---------तक
1	सूर्य	0 y.0 m.24 d.	18:12:2017 To 12:01:2018
2	शनि	0 y.1 m.23 d.	12:01:2018 To 06:03:2018
3	लग्न	0 y.1 m.15 d.	06:03:2018 To 21:04:2018
4	मंगल	0 y.1 m.0 d.	21:04:2018 To 21:05:2018
5	बृहस्पति	0 y.4 m.6 d.	21:05:2018 To 25:09:2018
6	बुध	0 y.0 m.17 d.	25:09:2018 To 13:10:2018
7	चन्द्रमा	0 y.1 m.12 d.	13:10:2018 To 25:11:2018
8	शुक्र	0 y.0 m.23 d.	25:11:2018 To 18:12:2018

मुद्दा विंशोत्तरी दशा

क्र स	दशा का नाम	दशा काल	से ---------तक
1	केतु	0 y.0 m.21 d.	18:12:2017 -- 09:01:2018
2	शुक्र	0 y.2 m.0 d.	09:01:2018 -- 10:03:2018
3	सूर्य	0 y.0 m.18 d.	10:03:2018 -- 29:03:2018
4	चन्द्रमा	0 y.1 m.0 d.	29:03:2018 -- 28:04:2018
5	मंगल	0 y.0 m.21 d.	28:04:2018 -- 19:05:2018
6	राहु	0 y.1 m.24 d.	19:05:2018 -- 13:07:2018
7	बृहस्पति	0 y.1 m.18 d.	13:07:2018 -- 31:08:2018
8	शनि	0 y.1 m.27 d.	31:08:2018 -- 28:10:2018
9	बुध	0 y.1 m.21 d.	28:10:2018 -- 18:12:2018

मददा योगिनी दशा

क्र स	दशा का नाम	दशा काल	से ---------तक
1	उल्का (शनि) दशा	0 y.2 m.0 d.	18:12:2017 -- 17:02:2018
2	सिद्धा (शुक्र) दशा	0 y.2 m.10 d.	17:02:2018 -- 29:04:2018
3	संकटा (राहु) दशा	0 y.2 m.20 d.	29:04:2018 -- 19:07:2018
4	मंगला (चन्द्रमा) दशा	0 y.0 m.10 d.	19:07:2018 -- 29:07:2018
5	पिंगला (सूर्य) दशा	0 y.0 m.20 d.	29:07:2018 -- 19:08:2018
6	धन्या (बृहस्पति) दशा	0 y.1 m.0 d.	19:08:2018 -- 18:09:2018
7	मंगला (चन्द्रमा) दशा	0 y.0 m.10 d.	18:09:2018 -- 28:09:2018
8	पिंगला (सूर्य) दशा	0 y.0 m.20 d.	28:09:2018 -- 19:10:2018

मददा षोडशोत्तरी दशा

क्र स	दशा का नाम	दशा काल	से ---------तक
1	शनि	0 y.1 m.13 d.	18:12:2017 -- 31:01:2018
2	केतु	0 y.1 m.17 d.	31:01:2018 -- 20:03:2018
3	चन्द्रमा	0 y.1 m.20 d.	20:03:2018 -- 09:05:2018
4	बुध	0 y.1 m.23 d.	09:05:2018 -- 01:07:2018
5	शुक्र	0 y.1 m.26 d.	01:07:2018 -- 27:08:2018
6	सूर्य	0 y.1 m.4 d.	27:08:2018 -- 01:10:2018
7	मंगल	0 y.1 m.7 d.	01:10:2018 -- 07:11:2018
8	बृहस्पति	0 y.1 m.10 d.	07:11:2018 -- 18:12:2018

आपकी कुण्डली में मुद्दा षोडशोत्तरी दशा लागू हो रही है।

जैमिनी चर दशा – वर्षफल

क्र स	दशा का नाम	दशा काल	से ---------तक
1	कर्क दशा	0 y.0 m.28 d.	18:12:2017 -- 15:01:2018
2	मिथुन दशा	0 y.1 m.5 d.	15:01:2018 -- 20:02:2018
3	वृष दशा	0 y.2 m.11 d.	20:02:2018 -- 03:05:2018
4	मेष दशा	0 y.2 m.11 d.	03:05:2018 -- 13:07:2018
5	मीन दशा	0 y.1 m.5 d.	13:07:2018 -- 18:08:2018
6	कुम्भ दशा	0 y.0 m.14 d.	18:08:2018 -- 01:09:2018
7	मकर दशा	0 y.0 m.7 d.	01:09:2018 -- 08:09:2018
8	धनु दशा	0 y.0 m.14 d.	08:09:2018 -- 23:09:2018
9	वृश्चिक दशा	0 y.0 m.7 d.	23:09:2018 -- 30:09:2018
10	तुला दशा	0 y.0 m.7 d.	30:09:2018 -- 07:10:2018
11	कन्या दशा	0 y.0 m.14 d.	07:10:2018 -- 21:10:2018
12	सिहं दशा	0 y.1 m.26 d.	21:10:2018 -- 18:12:2018

वर्षफल से महत्वपूर्ण भविष्यफल

(अष्टक चक्र, ढुढिंराजा पद्धति, वर्षेश्वर और मुन्था)

चूँकि पूर्व भाग में शेष बचता है, जबकि उत्तर भाग में कोई शेष नहीं बचता है, आपका आगामी समय प्रयासपूर्ण हो सकता है–विशेषकर वर्ष के दूसरे अर्धभाग में। यदि संशोशनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, तो आप धन के अवरूद्ध हो जाने या नुकसान के कारण असुविधाओं का सामना कर सकते हैं।

चूँकि पूर्व और उत्तर भाग में अगले वर्ष के लिये कोई शेष नहीं बचता है, आपका आगामी समय बहुत व्यवधानकारी होसकता है। सामान्यत: आपको अपने सभी मामलों में सावधान और सजग रहना चाहिये, विवादों और झगड़ों से बचनाचाहिये, और अपने स्वास्थ्य का उचित ध्यान रखना चाहिये। आपको रोमांस और अनुमानित निवेशों से दूर रहना चाहिये–जैसाकि ये सक्षमकारी स्रोत आपको भारी रूप से निराश कर सकते हैं।

आपको सजग रहना चाहिये, और इस वर्ष जोखिम उठाने से बचना चाहिये, जैसाकि आपके चारों तरफ की चीजें बिना किसी प्रत्यक्ष कारण के अस्त व्यस्त हो सकती हैं। किसी दुर्घटना का शिकार होने या अशुभ घटना का सामना करने की भीसंभावना है।

आपकी कुण्डली में वर्तमान वर्ष के लिये अष्टक चक्र ग्रह मंगल यह ग्रह चन्द्र राशि से सप्तमेश है, जिसकी चन्द्रराशि सेसातवें भाव में दृष्टि है। यदि आपकी वर्तमान आयु के लिये प्रासंगिक है, तो आप इस वर्ष के दौरान विवाह या अपना नया उपक्रम (संभवत: साझेदारी/ सहयोग के द्वारा) शुरू करने की आशा कर सकते हैं।

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, वर्षेश्वर ग्रह चन्द्रमा है।

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, वर्षेश्वर नैसर्गिक अशुभ ग्रह है। यह ना ही तुगंस्थ है, ना ही अपनी राशि में है। इसके अलावा, पंचवर्गीय बल के अनुसार इसका बल बहुत उत्तम नहीं है। इसके परिणामस्वरूप, वर्ष के दौरान घटनायें बहुत सहज नहीं हो सकती हैं। यदि कुछ बली संशोधनकारी प्रभाव आपकी वर्षफल कुण्डली में नहीं हैं, तो आप अचानक किसी अशुभ घटना या अपने सामान्य मामलों में अचानक उतार चढ़ाव का सामना कर सकते हैं।

इस वर्ष की वर्षफल कुण्डली में वर्षेश्वर चन्द्रमा है। यह आपको सामान्यत: अपने सभी मामलों में भाग्यशाली बनायेगा। आप निरन्तर विख्यात होगें, और स्तर तथा अधिकार वाले लोगों से आपकी मित्रता होगी। आप अपने व्यवसायके संबंध में सम्पन्न होगें, आपकी आय और संचित धन में बढ़ोत्तरी होगी और आप कुछ नये अधिग्रहण करेगें। आपका घरेलू जीवन बहुत शांतिपूर्ण और खुशहाल होगा, आपके परिवार के सदस्यों की संख्या में शादी या संतान के जन्म से बढ़ोत्तरी हो सकती है। आपका घर के प्रति अधिक आकर्षण होगा, फिर भी वर्ष के दौरान किसी समय आप आनन्द और लाभ के लिये लम्बी यात्रा कर सकते हैं।

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में मुन्था नौवें भाव में है। यह एक बहुत अनुकूल स्थिति है और आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें। आप अपने वरिष्ठों से प्रत्यक्ष समर्थन प्राप्त करेगें और सरकारी स्रोतों से भी लाभ प्राप्त करसकते हैं। इस स्थिति को जिम्मेदारी प्रदान करने वाली कहा जाता है, अत: आप किसी प्रतिष्ठित पद पर पहुँचने की आशा कर सकते हैं। आपका स्वास्थ्य उत्तम, मनोबल ऊँचा और मिजाज आनन्दपूर्ण होगा। आपका धार्मिक रूझान उत्कृष्टहोगा और आप तीर्थयात्रा करेगें। आपके ज्ञान और बुद्धि में वृद्धि होगी और आप सामाजिक उत्थान तथा मानवीय कार्यों को करने में संलग्न

रहेगें ।

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में मुन्था राशि चन्द्रमा की कर्क राशि में स्थिति है । अशुभ ग्रहों की संगति या दृष्टिके कारण राशि और इसका स्वामी दोनों ही पीड़ित हैं । आगामी समय आपके लिये बहुत समस्याकारी हो सकता है । आपका स्वास्थ्य उत्तम नहीं रह सकता है और आपका घरेलू जीवन बिल्कुल भी खुशहाल नहीं हो सकता है । आपको व्यवसाय में अस्थायी रूप से आघात लग सकता है या आप कुछ कारणों से दु:खी हो सकते हैं । विवाहित महिलाओं कीआपके प्रति प्रतिकूल भावना हो सकती है वे आपके साथ बुरा बर्ताव कर सकती हैं या कटु, सख्त अथवा अपमानजनक शब्दों का प्रयोग कर सकती हैं । आपकी कीर्ति का सूर्य अस्त हो सकता है और आपकी विश्वसनीयता तथासम्मान में भी कमी आ सकती है ।

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में मुन्था बृहस्पति की राशि में स्थित है । आगामी समय आपके लिये अनुकूल है ।आपके सभी प्रयास बहुत फलदायी होगें । आप अपने वरिष्ठों से प्रत्यक्ष और अधिकारियों से अप्रत्यक्ष लाभ प्राप्त करेगें । आपके व्यवसाय में उत्तम प्रगति होगी, और ज्ञानी तथा सदाचारी लोगों के साथ आपके संबंध बनेगें । आपका धार्मिक रूझान उत्कृष्ट होगा, और आप पवित्र स्थानों की यात्रा कर सकते हैं । आपकी संतान आपके आनन्द का स्रोत हो सकते हैं ।

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में मुन्था राशि का स्वामी, वर्षफल लग्न से चौथे भाव में स्थित है, लेकिन ग्रह तुगंस्थ है या अपनी राशि या नक्षत्र में है । यद्यपि यह बहुत अनुकूल युति नहीं है, फिर भी कुछ सुरक्षात्मक प्रभाव भी क्रियाशील हैं । वर्ष के दौरान आप बीमार हो सकते हैं । आपके व्यर्थ के खर्चे हो सकते हैं । अपने व्यवसाय के क्षेत्र में आपका किसी असुविधाजनक स्थान पर स्थानांतरण हो सकता है, इसके अलावा, आपका महत्व और मान धीरे-धीरे कुछ कारणों से कम हो सकता है ।

वर्षफल कुण्डली में लागु हो रहे ताजिक योग

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में एक ग्रह (जो लग्नेश नहीं है) किसी अन्य ग्रह के साथ नजदीकी दृष्टि में शामिल है, इन दोनों में से पहला ग्रह यर्थाथ दृष्टि को प्राप्त करने की ओर अग्रसर है, जबकि दूसरा ग्रह मंदा है। यह एक बहुत अनुकूल युति है, जिसे ताजिक पद्धति के अनुसार इथाशला योग कहते हैं। यह कामनाओं की पूर्ण पूर्ति और दृष्टिकोण में उद्देश्य की अनुभूति का संकेत करता है। लेकिन जैसाकि लग्नेश युति में शामिल नहीं है, प्राप्त लाभकारीपरिणाम बहुत सारभूत या महत्वपूर्ण नहीं हो सकते हैं। पहले ग्रह और युति में शामिल दूसरे ग्रह की नैसर्गिक सार्थकताओं से वर्ष के दौरान घटना की प्रकृति के मूर्तिमान होने का संकेत मिलता है, और घटना का समय इन दोनों में से किसी एक ग्रह की पत्यायीनी दशा के साथ में पड़ सकता है।

इस वर्ष आपकी वर्षफल कुण्डली में लग्नेश वक्री (या अस्त) है, और इसने एक अन्य ग्रह (जो समान रूप से स्थित है) के साथ इथाशला योग में प्रवेश किया है। यह एक प्रतिकूल युति है, जिसे ताजिक पद्धति के अनुसार रद्दा योग कहते हैं। यद्यपि सामान्यत: इथाशला योग बहुत अनुकूल माना जाता है और प्रयासों में सफलता का संकेत है, फिर भी ग्रहों की अवांछित स्थितियों ने इसे प्रतिकूल बना दिया है। यह संभावित निराशाओं और कुंठा का संकेत है जैसाकि कुछअचानक और अप्रत्याशित घटनाक्रमों के कारण चीजें गलत हो सकती हैं। अत: आपको बहुत सावधान और सजग रहना चाहिये और अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिये किसी प्रकार के छोटे तरीकों को अपनाने से बचना चाहिये, जैसाकि चीजें स्थितियों को पलट सकती हैं।

इस वर्ष आपकी वर्षफल कुण्डली में लग्नेश वक्री (या अस्त) है, और इसने एक अन्य ग्रह (जो समान रूप से स्थित है) के साथ इथाशला योग में प्रवेश किया है। यह एक प्रतिकूल युति है, जिसे ताजिक पद्धति के अनुसार रद्दा योग कहते हैं। यद्यपि सामान्यत: इथाशला योग बहुत अनुकूल माना जाता है और प्रयासों में सफलता का संकेत है, फिर भी ग्रहों की अवांछित स्थितियों ने इसे प्रतिकूल बना दिया है। यह संभावित निराशा का संकेत है जैसाकि कुछ अचानक और अप्रत्याशित घटनाक्रमों के कारण चीजें गलत हो सकती हैं। अत: आपको बहुत सावधान और सजग रहना चाहिये और अपने उद्देश्यों को पूरा करने के लिये किसी प्रकार के सुविधाजनक तरीकों को अपनाने से बचना चाहिये जैसाकि चीजें स्थितियों को पलट सकती हैं। हालाँकि लग्नेश युति में शामिल नहीं है, चीजें आपके लिये बहुत बुरी नहीं हो सकती हैं।

वर्षफल सहम से भविष्यफल

आपकी वर्षफल कुण्डली में मित्र सहम एकादशेश के बहुत नजदीक स्थित है (या नजदीकी दृष्टि में है)। अध्ययन से दोतिथियों. १६/0२/२0१८ और १५/१0/२0१८ का पता चलता है, आपके साथ इन दोनों तिथियों में से किसी एक या दोनोंके आस पास किसी समय कुछ अनुकूल घटनायें (इस विशेष सहम से संबंधित) हो सकती हैं।

आपकी वर्षफल कुण्डली में महात्यम सहम एकादशेश के बहुत नजदीक स्थित है (या नजदीकी दृष्टि में है)। अध्ययन से दो तिथियों १४/0२/२0१८ और २0/१0/२0१८ का पता चलता है। आपके साथ इन दोनों तिथियों में से किसी एक या दोनों के आस पास किसी समय कुछ अनुकूल घटनायें (इस विशेष सहम से संबंधित) हो सकती हैं।

आपकी वर्षफल कुण्डली में समर्थ सहम एकादशेश के बहुत नजदीक स्थित है (या नजदीकी दृष्टि में है)। अध्ययन सेदो तिथियों १८/0२/२0१८ और १५/१0/२0१८ का पता चलता है। आपके साथ इन दोनों तिथियों में से किसी एक या दोनों के आस पास किसी समय कुछ अनुकूल घटनायें (इस विशेष सहम से संबंधित) हो सकती हैं।

आपकी वर्षफल कुण्डली में कार्यसिद्धि सहम एकादशेश के बहुत नजदीक स्थित है (या नजदीकी दृष्टि में है)। अध्ययनसे दो तिथियों १७/१२/२0१८ और १८/१२/२0१७ का पता चलता है। आपके साथ इन दोनों तिथियों में से किसीएक या दोनों के आस पास किसी समय कुछ अनुकूल घटनायें (इस विशेष सहम से संबंधित) हो सकती हैं।

आपकी वर्षफल कुण्डली में रोग सहम एकादशेश के बहुत नजदीक स्थित है (या नजदीकी दृष्टि में है)। अध्ययन से दोतिथियों १५/0६/२0१८ और २0/0३/२0१८ का पता चलता है। आपके साथ इन दोनों तिथियों में से किसी एक या दोनों के आस पास किसी समय कुछ अनुकूल घटनायें (इस विशेष सहम से संबंधित) हो सकती हैं।

मुद्रा-विंशोत्तरी दशा से भविष्यफल

केतु दशा

(18:12:2017 To 09:01:2018)

यह मुद्रा-विंशोत्तरी दशा अधिक घटनापूर्ण नहीं है। यद्यपि हम बहुत अधिक स्थितियों की गणना कर रहे हैं।

शुक्र दशा

(09:01:2018 To 10:03:2018)

आपकी वर्षफल कुण्डली में, शुक्र वर्ष लग्न से एक उपचय भाव (३रे/६ठे/ ११वें) में स्थित है। यह एक अनुकूल युतिहै, शुक्र की दशा के दौरान आप भाग्यशाली होगें। आपके आर्थिक स्तर में सुधार होगा, और आप धन संग्रह करेगें। आपको आनन्दायक यात्रायें करने और पिकनिक, आनन्दभ्रमण आदि पर जाने का शौक होगा। आपका घरेलू जीवन बहुत खुशहाल और आनन्दपूर्ण होगा।

सूर्य दशा

(10:03:2018 To 29:03:2018)

आपकी वर्षफल कुण्डली में, सूर्य वर्ष लग्न से एक उपचय भाव (३रे/६ठे/ ११वें) में स्थित है। यह एक अनुकूल युतिहै, और सूर्य की दशा के दौरान आप भाग्यशाली होगें। आप निडर, साहसी, ऊर्जावान और उत्साही होगें। आपके शत्रु परास्त होगें और आप अपने सभी प्रयासों में सफल होगें, आप किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर सकते हैं, और अपनी प्रतिभा / स्तर के कारण पहचान प्राप्त करेगें। अपने व्यवसाय के क्षेत्र में आपकी प्रगति होगी, और आपकी आय में बढोत्तरी हो सकती है।

चन्द्रमा दशा

(29:03:2018 To 28:04:2018)

आपकी वर्षफल कुण्डली में, चन्द्रमा वर्ष लग्न से एक उपचय भाव (३रे/६ठे/ ११वें) में स्थित है। यह एक अनुकूल युति है, और चन्द्रमा की दशा के दौरान आप भाग्यशाली होगें। आप और अधिक विख्यात होगें और एक से अधिक स्रोतों से लाभ प्राप्त करेगें। आपकी आय बढ़ेगी, और आप धन संचित करेगें। आप वाहन या सम्पत्ति का एक टुकड़ा खरीद सकते हैं, जो आपकी जीवन शैली और मानसिक संतुष्टि को बढ़ायेगा।

आपकी वर्षफल कुण्डली में, चन्द्रमा नीचस्थ होने के कारण स्थान बली नहीं है। यह एक अनुकूल स्थिति नहीं है, और चन्द्रमा की दशा के दौरान आप भाग्यशाली नहीं हो सकते हैं। आपकी माता (या जीवन साथी) का स्वास्थ्य चिन्ता का कारण हो सकता है, जिससे आप बहुत चिन्तित या तनावग्रस्त हो सकते हैं। आपका स्वास्थ्य भी नाजुक हो सकता है, और आपको शांति तथा मानसिक संतुष्टि की कमी महसूस हो सकती है।

मंगल दशा

(28:04:2018 To 19:05:2018)

यह मुद्रा-विंशोत्तरी दशा अधिक घटनापूर्ण नहीं है। यद्यपि हम बहुत अधिक स्थितियों की गणना कर रहे हैं।

राहु दशा

(19:05:2018 To 13:07:2018)

यह मुद्दा–विंशोत्तरी दशा अधिक घटनापूर्ण नहीं है। यद्यपि हम बहुत अधिक स्थितियों की गणना कर रहे हैं।

बृहस्पति दशा

(13:07:2018 To 31:08:2018)

यह मुद्दा–विंशोत्तरी दशा अधिक घटनापूर्ण नहीं है। यद्यपि हम बहुत अधिक स्थितियों की गणना कर रहे हैं।

शनि दशा

(31:08:2018 To 28:10:2018)

आपकी वर्षफल कुण्डली में, शनि वर्ष लग्न से एक उपचय भाव (३रे/६ठे/ ११वें) में स्थित है। यह एक अनुकूल युतिहै, और शनि की दशा के दौरान आप भाग्यशाली होगें। आप कोई प्रतियोगिता जीत सकते हैं, या किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफल हो सकते हैं। आपके कार्य क्षेत्र में आपके पद और स्तर में बहुत सुधार होगा, और आप धन संग्रह करेगें। आपके शत्रु परास्त होगें, और आप खुशहाल जीवन का आनन्द लेगें।

बुध दशा

(28:10:2018 To 18:12:2018)

आपकी वर्षफल कुण्डली में, बुध वर्ष लग्न से एक उपचय भाव (३रे/६ठे/ ११वें) में स्थिति है। यह एक अनुकूल युतिहै, और बुध की दशा के दौरान आप भाग्यशाली होगें। अनौपचारिक शिक्षा को जारी रखने में आपकी रूचि बढ़ेगी, और आप शैक्षिणिक तथा बौद्धिक कामों में उत्तम काम करेगें। आपके अपने व्यवसाय के क्षेत्र में सुधार होगा और आप एक से अधिक स्रोतों से लाभ प्राप्त करेगें। आपके अपने मित्रों और संबंधियों से रिश्ते अधिक आत्मीय होगें और आप चिन्ताओं और व्यथाओं से मुक्तएक खुशहाल जीवन का आनन्द प्राप्त करेगें।

पत्ययिनी दशा से वार्षिक भविष्यफल

सूर्य दशा

(18:12:2017 To 12:01:2018)

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, सूर्य तुगंस्थ या अपनी राशि में या नीचस्थ नहीं है और यह ग्रसित भी नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन युति का निर्माण करते हैं। अत: सूर्य की दशा केवल साधारण होगी, और कोई महत्वपूर्ण घटना नहीं होगी। हालाँकि आपके कार्यस्थल पर स्थिति कुछ हद तक खराब हो सकती है और आप अपने किसी एक वरिष्ट या सहकर्मी के साथ प्राय: किसी छोटी असहमति या गलतफ्हमी के कारण झुँझलाहट महसूस कर सकतेहैं।

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, सूर्य एक उपचय भाव (३रे/ ६ठे/१०वें/ ११वें) में स्थित है। यह ना ही नीचस्थहै और ना ही राहु के पास में स्थित है। यह वास्तव में अनुकूल युति है। सूर्य की दशा आपके लिये लाभकारी साबित होगी। आप अपने सभी प्रयासों में सफल होगें, और वर्ष के दौरान कोई विशेष उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। वरिष्ठ सरकारी अधिकारी आपके प्रति अनुकूल होगें और आप उनसे समर्थन या लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

शनि दशा

(12:01:2018 To 06:03:2018)

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, शनि नीचस्थ है या अस्त या ग्रसित होने के कारण कंलकित है। यह एक अनुकूल युति नहीं है। शनि की दशा आपके लिये उत्तम नहीं हो सकती है। अत: सामान्यत: आपको सावधान और सजग रहना चाहिये और अपने स्वास्थ्य का अधिक ध्यान रखना चाहिये। आपके परिवार के कुछ लोगों का गिरता स्वास्थ्य आपकी चिन्ता का कारण हो सकता है, या आप धन अवरूद्ध हो जाने या हानियों के कारण अपने वचनों को पूरा करने में कठिनाई का सामना कर सकते हैं। आप कुछ कारणों से दु:खी हो सकते हैं, और निराशा महसूस कर सकते हैं, या अवसाद का शिकार हो सकते हैं। किसी महत्वपूर्ण काम की शुरूआत या किसी लम्बी यात्रा के लिये प्रस्थान बहुत फलदायी नहीं हो सकता है।

लग्न दशा

(06:03:2018 To 21:04:2018)

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, लग्नेश नीचस्थ (या वक्री या अस्त या ग्रसित है)। यह एक अनुकूल युति नहीं है। लग्न की दशा आपके लिये उत्तम नहीं हो सकती है। अत: सामान्यत: आपको अपने सभी मामलों में बहुत सावधान और सजग रहना चाहिये और अपने स्वास्थ्य का अधिक ध्यान रखना चाहिये। इस दशा के दौरान किसी शुभ और महत्वपूर्ण काम की शुरूआत या किसी लम्बी यात्रा के लिये प्रस्थान फलदायी नहीं हो सकता है। कार्यस्थल पर स्थिति कुछ हद तक खराब हो सकती है, यद्यपि सामान्य लोग आपको उचित सम्मान देगें फिर भी आपके वरिष्ठ अधिकारी आपको दबाने की कोशिश कर सकते हैं, और तर्कसंगत रूप से आपको मिलने वाला श्रेय किसी और को दे सकते हैं, साथ ही आपको अन्यायपूर्वक उस दोष के लिये कलंकित किया जा सकता है, जहाँ आपकी बहुत छोटी या कोई भी त्रुटि नहीं है।

मंगल दशा

(21:04:2018 To 21:05:2018)

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, मंगल तुगंस्थ या अपनी राशि में या नीचस्थ नहीं है, और यह ग्रसित या अस्तभी नहीं है। समग्र रूप से ये एक उदासीन युति का निर्माण करते हैं। अत: मंगल की दशा केवल साधारण होगी, और कोई महत्वपूर्ण घटना नहीं होगी। हालाँकि आप अपने कार्यस्थल पर कुछ समस्याओं का सामना कर सकते हैं, साथ ही आप अपने सगे या चचेरे भाई या पड़ोसी के साथ सम्पत्ति विवाद में फँस सकते हैं, जिससे आप झुँझलाहट महसूस कर सकते हैं।

बृहस्पति दशा

(21:05:2018 To 25:09:2018)

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, बृहस्पति तुगंस्थ या अपनी राशि या नीचस्थ में नहीं है और यह ना ही ग्रसित या अस्त है। समग्र रूप से ये एक उदासीन युति का निर्माण करते हैं। अत: बृहस्पति की दशा केवल साधारण होगी, औरकोई महत्वपूर्ण घटना नहीं होगी। आपके सभी मामले सामान्यत: भली भाँति चलेगें। आपके पेशे के क्षेत्र में चीजें बहुत सहज होगीं, आप अपने संबंधियों और मित्रों की संगति पाने के लिये कुछ खाली समय निकालने में सक्षम होगें। आपका घरेलू जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल होगा।

बुध दशा

(25:09:2018 To 13:10:2018)

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, बुध नीचस्थ है या अस्त या ग्रसित होने के कारण कंलकित है। यह एक अनुकूल युति नहीं है। बुध की दशा आपके लिये उत्तम नहीं हो सकती है। अत: सामान्यत: आपको अपने सभी मामलोंमें बहुत सावधान और सजग रहना चाहिये, और अपने स्वास्थ्य का उचित ध्यान रखना चाहिये। आप कफ और वायु विकारों से ग्रस्त हो सकते हैं। किसी महत्वपूर्ण काम की शुरूआत या किसी लम्बी यात्रा के लिये प्रस्थान फलदायी नहीं हो सकता है। आपके कार्यस्थल पर स्थिति कुछ हद तक समस्याकारी हो सकती है, और आप कभी-कभी आपने किसी सहकर्मीयों के साथ असहमति या गलतफहमी होने के कारण झुँझलाहट महसूस कर सकते हैं।

चन्द्रमा दशा

(13:10:2018 To 25:11:2018)

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, चन्द्रमा नीचस्थ या राहु (केतु) की समीपता के कारण कंलकित है। यह एक अनुकूल युति नहीं है। चन्द्रमा की दशा आपके लिये उत्तम नहीं हो सकती है। अत: सामान्यत: आपको अपने सभी मामलों में बहुत सावधान और सजग रहना चाहिये और अपने स्वास्थ्य का उचित ध्यान रखना चाहिये। किसी शुभ और महत्वपूर्ण काम की शुरूआत या किसी लम्बी यात्रा के लिये प्रस्थान फलदायी नहीं हो सकता है। आपके कार्यस्थल पर स्थिति कुछ हद तक समस्याकारी हो सकती है, और आप तथाआपके किसी सहकर्मी के बीच असहमति या गलतफहमी हो सकती है।

शुक्र दशा

(25:11:2018 To 18:12:2018)

इस वर्ष की आपकी वर्षफल कुण्डली में, शुक्र नीचस्थ है या अस्त या ग्रसित होने के कारण कंलकित है। यह एक अनुकूल युति नहीं है। शुक्र की दशा आपके लिये उत्तम नहीं हो सकती है। अत: सामान्यत: आपको सावधान और सजग रहना चाहिये और अपने स्वास्थ्य का उचित ध्यान रखना चाहिये। आपके परिवार के कुछ लोग विशेषकर आपके

जीवन साथी का गिरता स्वास्थ्य आपकी चिन्ता का कारण हो सकता है, या आप धन अवरूद्ध हो जाने के कारण अपने वचनों को पूरा करने में कठिनाई का सामना कर सकते हैं। किसी महत्वपूर्ण काम की शुरूआत या किसी लम्बी यात्रा के लिये प्रस्थान बहुत फलदायी नहीं हो सकता है।

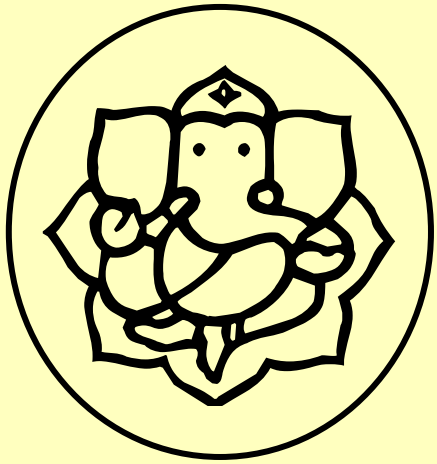

गुण – मिलान (विवाह)

नाम –	**SAMPLE**	**SAMPLE Girl**
जन्म दिन –	**18 December 1975 (Thursday)**	**1 March 1977 (Tuesday)**
जन्म समय –	**01:45:00AM**	**01:45:00AM**
जन्म स्थान –	**New Delhi , INDIA**	**New Delhi , INDIA**
अक्षांश –	**077:13:00E**	**077:13:00E**
रेखांश –	**028:39:00N**	**028:39:00N**

नाम–	MindSutra Software Technologies
संस्था का नाम–	MindSutra Software Technologies
पता–	A-16 Ramdutt Enclave
	Uttam Nagar
	New Delhi
फोन–	

श्रीगणेशाय नमः

गणानां त्वां गणपतिं हवामहे कविं कवीनामुपमश्रवस्तमम् ।
ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां ब्रह्मणस्पत आ नः शृण्वन्नूतिभिः सीद सादनम् ।।

नवग्रहस्तोत्र

जपाकुसुमसंकाशं काश्यपेयं महद्द्युतिम ।
तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽसिदिवाकरम्।। १ ।।
दधिशङ्खतुषाराभं क्षीरोदार्णवसंभवम ।
नमामि शशिनं सोमं शंभोर्मुकुटभूषणम।। 2 ।।
धरणीगर्भसंभूतं विधुत्कान्तिसमप्रभम् ।
कुमारंशक्तिहस्तंचमगंलंण्णमाम्यहम्।। ३ ।।
प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम् ।
सौम्यंसौम्यगुणोपेतंतंवुधंप्रणमाम्यहम् ।। ४ ।।
देवानां च ऋषीणां च गुरूं काड़वनसंनिभम्।
बुद्धिभूतंत्रिलोकेशंतंनमामिबृहस्पतिम् ।। ५ ।।
हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरूम्
सर्वशास्त्रप्रवक्तारंभार्गवंप्रणमाम्यहम् ।। ६ ।।
नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् ।
छायामार्तण्डसुभूतंतंनमामिशनैश्वरम् ।। ७ ।।
अर्धकायं महावीर्य चन्द्रादित्यविमदनम्।
सिंहिकागर्भसंभूतंतंराहुंप्रणमाम्यहम्।। ८ ।।
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम्।
रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम् ।। ९ ।।

फलश्रुति

इति व्यासमुखोद्गीतं यः पठेत्सुसमाहितः।
दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भयविष्यति ।। १ ।।
नरनारीनृपाणां च भवेहुः स्वप्रनाशनम
ऐश्वर्यमतुलंतेषामारोग्यंपुष्टिवर्धनम् ।। 2 ।।
ग्रहनक्षत्रजाः पीडस्तस्कराग्निसमुद्रवाः ।
ताः सर्वाः प्रशमं यान्ति व्यासो ब्रूते न संशयः ।। ३ ।।

इति श्री व्यासविरचितं आदित्यादिनवग्रहस्तोत्रं संपूर्णम् ।।

ज्योतिष सारिणी

	SAMPLE	SAMPLE Girl
जन्म दिन–	18 December 1975 (Thursday)	1 March 1977 (Tuesday)
जन्म समय–	01:45:00AM	01:45:00AM
जन्म स्थान–	New Delhi , INDIA	New Delhi , INDIA
रेखांश–	077:13:00E	077:13:00E
अक्षांश–	028:39:00N	028:39:00N
समयक्षेत्र–	-05:30:00 hrs	-05:30:00 hrs
समय संशोधन–	00:00:00 hrs	00:00:00 hrs
जीएमटी.समय–	20:15:00 hrs	20:15:00 hrs
स्थानीय समय संस्कार–	-00:21:08 hrs	-00:21:08 hrs
स्थानीय समय–	01:23:52 hrs	01:23:52 hrs

लग्न :	कन्या	वृश्चिक
लग्नाधिपति :	बुध	मंगल
राशि (चन्द्रमा) :	वृष	मिथुन
राशिपति :	शुक्र	बुध
नक्षत्र :	रोहिणी	आर्द्रा
नक्षत्रपति :	चन्द्रमा	राहु
नक्षत्र चरण :	4	4
पाया :	रजत	लौह
ऋतु :	हेमन्त	शिशिर
मास :	मार्गशीर्ष	फाल्गुन
पक्ष :	शुक्ल	शुक्ल
तिथि :	पूर्णिमा	एकादशी
तिथि श्रेणी :	पूर्णा	नन्दा
तिथि पति :	शनि	मंगल
करण :	विष्टी	वनिज
करण श्रेणी :	चर	चर
करणपति :	यम	मनिभद्र
गण :	मनुष्य	मनुष्य
वर्ण :	वैश्य	शुद्र
योनि :	सर्प (पु0)	श्वान (स्त्री)
सूर्य सिद्धान्त योग :	शुभ	आयुष्मान
रज्जु :	कंठ	कंठ
वश्य :	चतुश्पद	द्विपद
तत्व :	पृथ्वी	जल
तत्वाधिपति :	बुध	शुक्र
विहग :	भारधंक	पिंगला
नाड़ी :	अन्त	आदि
नाड़ी पद :	अन्त	आदि
वेध :	स्वाती	श्रवण
आद्याक्षर :	वो	चा

ग्रह स्थिति

SAMPLE						SAMPLE Girl					
ग्रह	राशि	डिग्री	नक्षत्र			ग्रह	राशि	डिग्री	नक्षत्र		
लग्न	कन्या	21:15:23	हस्त (४)	–	–	लग्न	वृश्चिक	23:45:39	ज़्येष्ठा (३)	–	–
सूर्य	धनु	01:44:46	मूल (१)	मि0ग्र0	शु0ग्र0	सूर्य	कुम्भ	16:35:42	शतभिषा (३)		शु0ग्र0
चन्द्रमा	वृष	22:29:16	रोहिणी (४)	मू़त्रि	दु0ग्रह	चन्द्रमा	मिथुन	16:49:22	आर्द्रा (४)		–
मंगल व0	वृष	28:34:16	मृगशिर (२)	त0ग्र0	शु0ग्र0	मंगल	मकर	21:27:00	श्रवण (४)		–
बुध	धनु	12:14:43	मूल (४)	श0ग्र0	दु0ग्रह	बुध	कुम्भ	03:55:10	धनिष्ठा (४)		दु0ग्रह
बृहस्पति	मीन	21:18:54	रेवती (२)	स0	–	बृहस्पति	वृष	00:47:36	कृत्तिका (२)		–
शुक्र	तुला	19:02:52	स्वाती (४)	स0	दु0ग्रह	शुक्र	मीन	26:48:39	रेवती (४)		–
शनि व0	कर्क	08:28:00	पुष्य (२)	त0ग्र0	–	शनि व0	कर्क	17:52:34	आश्लेषा (१)	व0	–
राहु व0	तुला	26:29:32	विशाखा (२)	मि0ग्र0	शु0ग्र0	राहु व0	तुला	03:13:43	चित्रा (३)	व0	–
केतु व0	मेष	26:29:32	भरणी (४)	मि0ग्र0	–	केतु व0	मेष	03:13:43	अश्विनी (१)	व0	–
इन्द्र	तुला	12:16:21	स्वाती (२)	–	शु0ग्र0	इन्द्र व0	तुला	18:09:28	स्वाती (४)	व0	दु0ग्रह
वरूण	वृश्चिक	18:29:42	ज़्येष्ठा (१)	–	–	वरूण	वृश्चिक	22:31:11	ज़्येष्ठा (२)		–
रूद्र	कन्या	17:57:42	हस्त (३)	–	–	रूद्र व0	कन्या	20:08:00	हस्त (४)	व0	–

SAMPLE

लग्न कुण्डली

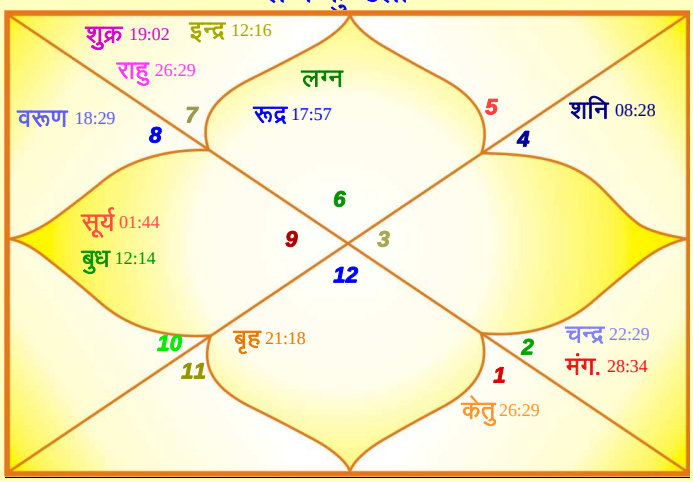

नवांश कुण्डली

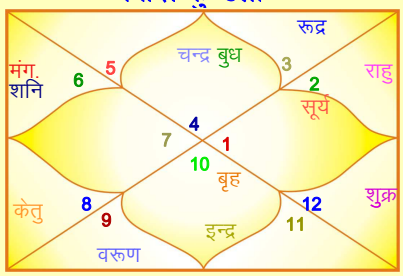

चन्द्र कुण्डली

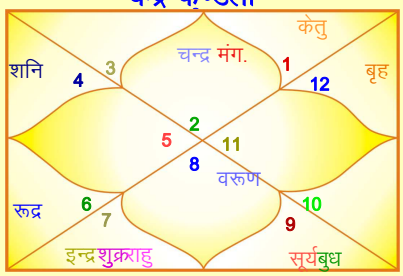

SAMPLE Girl

लग्न कुण्डली

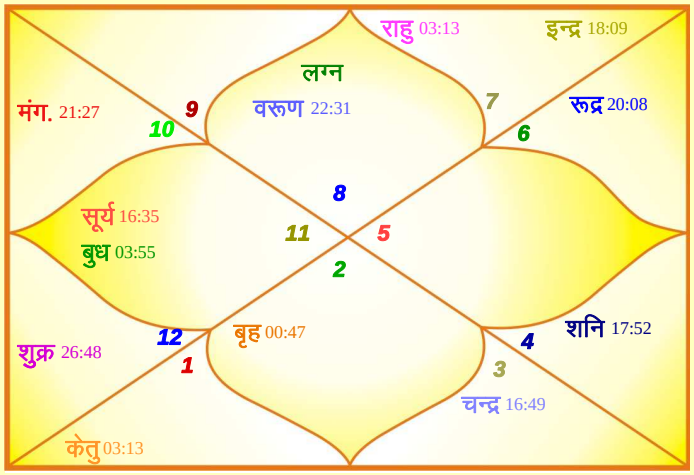

नवांश कुण्डली

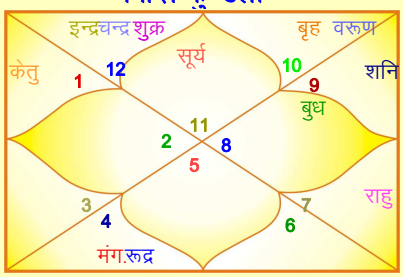

चन्द्र कुण्डली

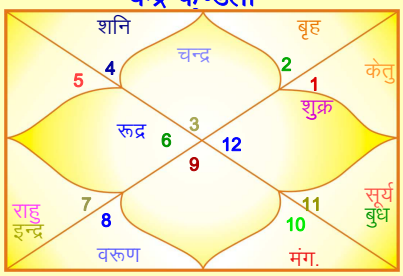

ग्रहों से अष्टकुट गुण मिलान

लग्न से				
कूट	SAMPLE	SAMPLE	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0
वश्य	द्विपद	कीट	2	1
तारा	प्रत्यरी	साधक	3	1.5
योनि	बिल्ली (पु0)	मूषक (स्त्री)	4	2
ग्रह–मैत्री	बुध	मंगल	5	0.5
गण	देव	राक्षस	6	0
राशि	कन्या	वृश्चिक	7	7
नाडी	आदि	आदि	8	0
योग			36	12

सूर्य से				
कूट	SAMPLE	SAMPLE	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	क्षत्रिय	शुद्र	1	1
वश्य	चतुश्पद	जलचर	2	2
तारा	प्रत्यरी	साधक	3	1.5
योनि	सर्प (स्त्री)	अश्व (पु0)	4	2
ग्रह–मैत्री	बृहस्पति	शनि	5	3
गण	राक्षस	राक्षस	6	6
राशि	धनु	कुम्भ	7	7
नाडी	आदि	आदि	8	0
योग			36	22.5

चन्द्रमा से				
कूट	SAMPLE	SAMPLE	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	वैश्य	शुद्र	1	1
वश्य	चतुश्पद	द्विपद	2	0.5
तारा	मित्र	विपत	3	1.5
योनि	सर्प (पु0)	सर्प (स्त्री)	4	2
ग्रह–मैत्री	शुक्र	बुध	5	5
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6
राशि	वृष	मिथुन	7	0
नाडी	अन्त	आदि	8	8
योग			36	24

मंगल से				
कूट	SAMPLE	SAMPLE	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1
वश्य	चतुश्पद	जलचर	2	2
तारा	सम्पत	अति मित्र	3	3
योनि	सर्प (पु0)	गौ (पु0)	4	2
ग्रह–मैत्री	शुक्र	शनि	5	5
गण	देव	देव	6	6
राशि	वृष	मकर	7	0
नाडी	मध्य	अन्त	8	8
योग			36	27

बुध से				
कूट	SAMPLE	SAMPLE	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	क्षत्रिय	शुद्र	1	1
वश्य	चतुश्पद	जलचर	2	2
तारा	साधक	प्रत्यरी	3	1.5
योनि	सर्प (स्त्री)	ब्याघ्र (स्त्री)	4	1
ग्रह–मैत्री	बृहस्पति	शनि	5	3
गण	राक्षस	राक्षस	6	6
राशि	धनु	कुम्भ	7	7
नाडी	आदि	मध्य	8	8
योग			36	29.5

बृहस्पति से				
कूट	SAMPLE	SAMPLE	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1
वश्य	जलचर	चतुश्पद	2	2
तारा	निधन	खेष्म	3	1.5
योनि	हस्त (पु0)	मेष (स्त्री)	4	3
ग्रह–मैत्री	बृहस्पति	शुक्र	5	0.5
गण	देव	राक्षस	6	0
राशि	मीन	वृष	7	7
नाडी	अन्त	अन्त	8	0
योग			36	15

शुक्र से				
कूट	SAMPLE	SAMPLE	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	शुद्र	विप्र	1	0
वश्य	द्विपद	जलचर	2	0.5
तारा	निधन	खेष्म	3	1.5
योनि	बिल्ली (पु0)	हस्त (पु0)	4	3
ग्रह–मैत्री	शुक्र	बृहस्पति	5	0.5
गण	देव	देव	6	6
राशि	तुला	मीन	7	0
नाडी	अन्त	अन्त	8	0
योग			36	11.5

शनि से				
कूट	SAMPLE	SAMPLE	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1
वश्य	जलचर	जलचर	2	2
तारा	अति मित्र	सम्पत	3	3
योनि	मेष (स्त्री)	श्वान (स्त्री)	4	3
ग्रह–मैत्री	चन्द्रमा	चन्द्रमा	5	5
गण	देव	राक्षस	6	0
राशि	कर्क	कर्क	7	7
नाडी	मध्य	अन्त	8	8
योग			36	29

राहु से				
कूट	SAMPLE	SAMPLE	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	शुद्र	शुद्र	1	1
वश्य	द्विपद	द्विपद	2	2
तारा	विपत	मित्र	3	1.5
योनि	मूषक (पु0)	मूषक (पु0)	4	4
ग्रह–मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5
गण	राक्षस	राक्षस	6	6
राशि	तुला	तुला	7	7
नाडी	अन्त	मध्य	8	8
योग			36	34.5

केतु से				
कूट	SAMPLE	SAMPLE	सम्पू0	प्राप्त0
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1
वश्य	चतुश्पद	चतुश्पद	2	2
तारा	सम्पत	अति मित्र	3	3
योनि	हस्त (पु0)	अश्व (पु0)	4	2
ग्रह–मैत्री	मंगल	मंगल	5	5
गण	मनुष्य	देव	6	5
राशि	मेष	मेष	7	7
नाडी	मध्य	आदि	8	8
योग			36	33

विवाह मेलापक सारिणी

(अष्टकूट सिद्धान्त के अनुसार)

क0स0	विवरण	SAMPLE	SAMPLE	पूर्णांक	प्राप्ताकं	अभिप्राय
1	वर्ण कूट	वैश्य	शुद्र	1	1	दैविय विकास
2	वश्य कूट	चतुश्पद	द्विपद	2	0.5	प्राकृतिक सामजंस्य
3	तारा कूट	मित्र	विपत	3	1.5	सम्बन्ध का स्थायित्व
4	योनि कूट	सर्प (पु0)	श्वान (स्त्री)	4	2	प्रत्यक्ष गुण
5	ग्रह–मैत्री कूट	शुक्र	बुध	5	5	मानसिक प्रकृति
6	गण कूट	मनुष्य	मनुष्य	6	6	विवाह सम्बन्धि अनुरूपता
7	राशि कूट	वृष	मिथुन	7	0	आपसी तालमेल
8	नाड़ी कूट	अन्त	आदि	8	8	मानसिक मानक
योग				36	24	66.7%

दाम्पत्य सम्बन्धित अन्य विचार

क0स0	विवरण	परिणाम
1	नाड़ी–पद कूट	चुकि नाड़ी कूट समझौता भावी दम्पति के कुण्डलियों में उपस्थित है, इसलिए नाड़ी–पद समझौता पर ध्यान देना जरूरी नही है।
2	महेन्द्र कूट	भावी दम्पति के कुण्डलियों में महेन्द्र कूट समझौता उपस्थित नही है।
3	स्त्री दीर्घ कूट	भावी दम्पति के कुण्डलियों मे स्त्रीदीर्घ कूट समझौता उपस्थित है। यह बहुत अच्छे वैवाहिक एकरूपता और विवाह सम्बन्धी अनुरूपता का सूचक है।
4	रज्जु कूट	भावी दम्पति के कुण्डलियों में रज्जु कूट समझौता अनुपस्थित है। यदि कुण्ड़ली में कोई सुधार की संभावना उपस्थित नही है तो भावी पत्नी के स्वास्थ पर बुरा असर पड़ सकता है।
5	वेध कूट	चूकि वर और बधु के चन्द्रमा के नक्षत्र परस्पर वेध सम्बन्ध नही स्थापित करतें है, वे एक दूसरे को अच्छी तरह से समझेगें और किसी तरह का आपसी वैमनस्य होने की सभांवना कम ही है ।
6	समान जन्म राशि	वर और वधु के चन्द्रमा के राशि एक समान नही है, इसलिए समान जन्म राशि का प्रश्न ही नही है।
7	समान जन्म नक्षत्र	वर और वधु के नक्षत्र एक समान नही है।
8	समान जन्म नक्षत्र–पद	चूकि वर–वधु के चन्द्रमा का नक्षत्र एक समान नही है इसलिए नक्षत्र पद को देखने की जरूरत नहीं और इस विवाह की अनुमति है।

सुक्ष्मग्राही बिन्दु

SAMPLE		SAMPLE Girl	
बीज–स्फुट(१)	072:06:32	क्षेत्र–स्फुट(१)	039:03:58
बीज–स्फुट(२)	098:04:21	क्षेत्र–स्फुट(२)	194:01:15
बीज–स्फुट(३)	146:56:16	क्षेत्र–स्फुट(३)	334:46:58
शु लक्षण	64 %	शु लक्षण	60 %

भाव स्फूट और कुण्डली

भाव सख्या	भाव मध्य		भाव विस्तार (आरम्भ——अन्त)			
I	कन्या	021:15:23	कन्या	06:22:26	तुला	06:22:26
II	तुला	021:29:29	तुला	06:22:26	वृश्चिक	06:36:32
III	वृश्चिक	021:43:35	वृश्चिक	06:36:32	धनु	06:50:38
IV	धनु	021:57:41	धनु	06:50:38	मकर	06:50:38
V	मकर	021:43:35	मकर	06:50:38	कुम्भ	06:36:32
VI	कुम्भ	021:29:29	कुम्भ	06:36:32	मीन	06:22:26
VII	मीन	021:15:23	मीन	06:22:26	मेष	06:22:26
VIII	मेष	021:29:29	मेष	06:22:26	वृष	06:36:32
IX	वृष	021:43:35	वृष	06:36:32	मिथुन	06:50:38
X	मिथुन	021:57:41	मिथुन	06:50:38	कर्क	06:50:38
XI	कर्क	021:43:35	कर्क	06:50:38	सिहं	06:36:32
XII	सिहं	021:29:29	सिहं	06:36:32	कन्या	06:22:26

लग्न कुण्डली

भाव कुण्डली

भाव चलित कुण्डली

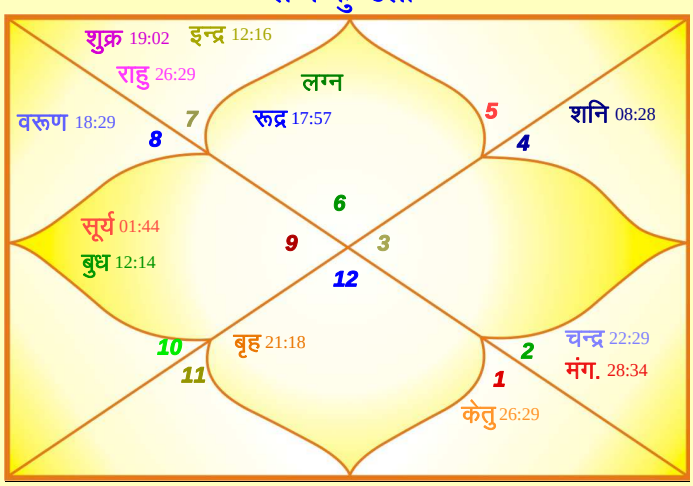

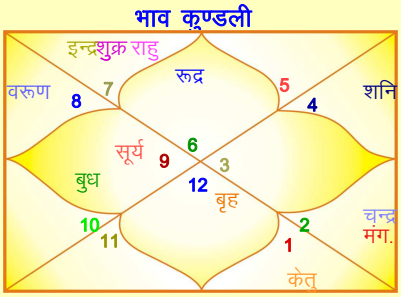

ग्रह से भाव (भाव मध्य) के बीच की दूरी

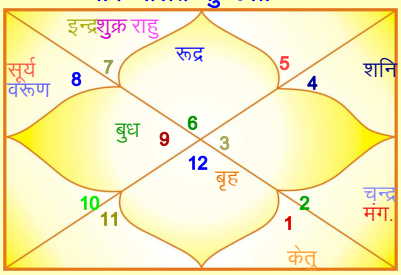

	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु	इन्द्र	वरूण	रूद्र
लग्न	70	**241**	247	81	**180**	28	287	35	215	21	57	357
दूसरा भाव	40	**211**	217	51	**150**	358	257	5	185	351	27	326
तीसरा भाव	10	**181**	187	21	**120**	327	227	335	155	321	357	296
नादिर	340	**151**	157	350	**89**	297	197	305	125	290	327	266
पॅाचवा भाव	310	**121**	127	321	**60**	267	167	275	95	261	297	236
छठवा भाव	280	**91**	97	291	30	238	137	245	65	231	267	206
सातॅवा भाव	250	**61**	67	261	**0**	208	107	215	35	201	237	177
आठवा भाव	220	31	37	231	330	178	77	185	5	171	207	146
नवा भाव	190	**1**	7	201	**300**	147	47	155	335	141	177	116
एम सी	160	331	337	170	**269**	117	17	125	305	110	147	86
ग्यारहवा भाव	130	**301**	307	141	**240**	87	347	95	275	81	117	56
बारहवा भाव	100	**271**	277	111	**210**	58	317	65	245	51	87	26

0,1,359 ०,१,३५९ कन्जक्शॅन ***59,60,61,299,300,301*** सेक्सटाइल ***89,90,91,269,270,271*** स्कवायर

119,120,121,239,240,241 ट्राइन ***149,150,151,209,210,211*** क्वीनकक्सं ***179,180,181*** अपोजीसन

MindSutra Software Technologies

षोडश वर्ग

लग्न(जन्म) कुण्डली

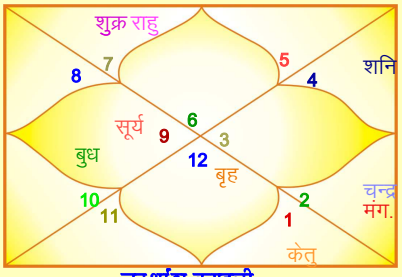

होरा कुण्डली

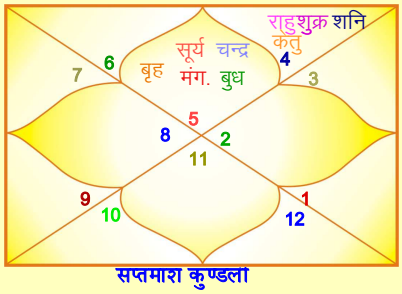

द्रेष्काण कुण्डली

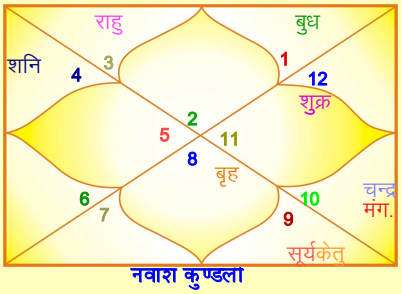

चतुर्थांश कुण्डली

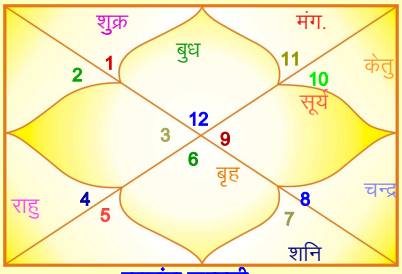

सप्तमांश कुण्डला

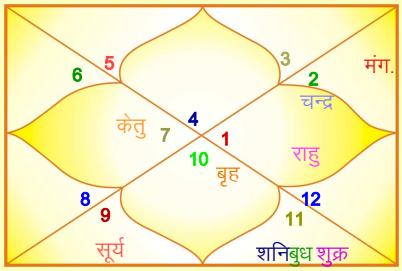

नवांश कुण्डला

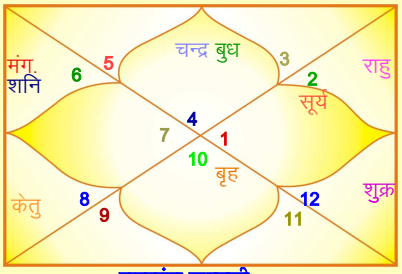

दशमांश कुण्डली

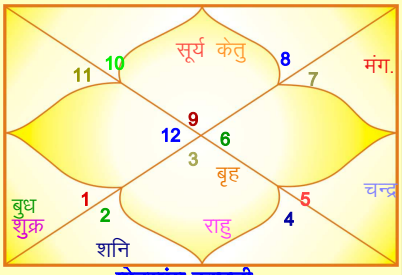

द्वादशांश कुण्डली

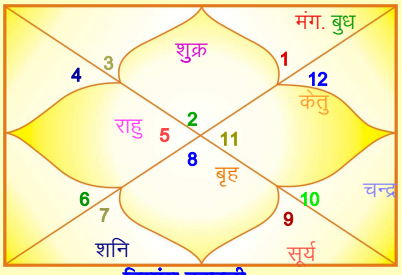

D1	मुख्य कुण्डली, सभी मुद्दों के लिए
D2	धन दौलत के लिए
D3	सहोदरों का जीवन और स्वास्थ्य
D4	भाग्य और रिहायशी मकान
D7	संतान और उनकी संतान
D9	जीवनसाथी और उनका स्वास्थ्य
D10	कारोबार और किसी भी कार्य में सफलता
D12	माता-पिता का जीवन और स्वास्थ्य
D16	वाहन से संबंधित बातें
D20	अध्यात्मिक रूझान
D24	शिक्षा, ज्ञान और समझ
D27	ताकत और दुर्बलता
D30	दरिद्रता, कठिनाईयां और दुर्गति
D40	शुभ-अशुभ घटनाएं
D45	सभी मुद्दों के लिए
D60	सभी मुद्दों के लिए

षोडशांश कुण्डली

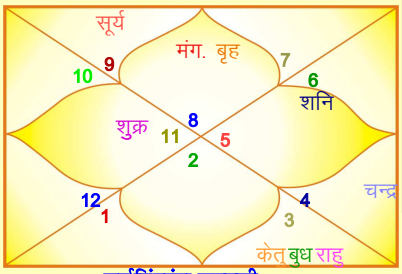

विशांश कुण्डली

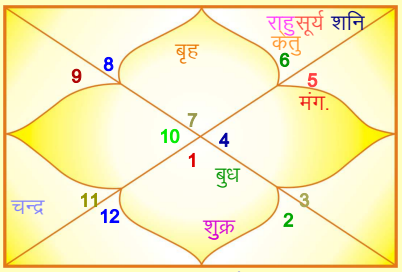

चतुर्विंशांश कुण्डली

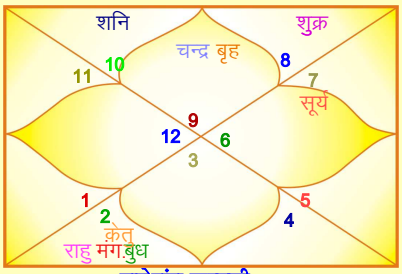

सप्तविंशांश कुण्डली

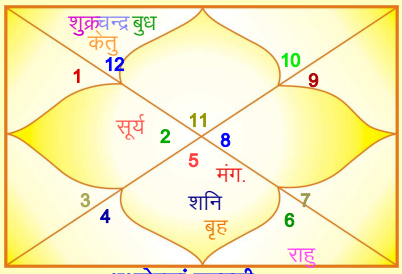

त्रिंशांश कुण्डली

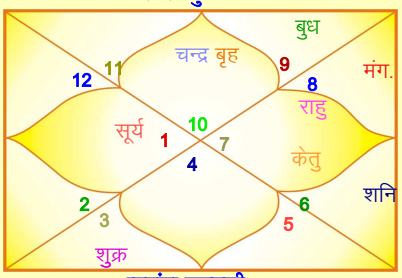

खवेदांश कुण्डली

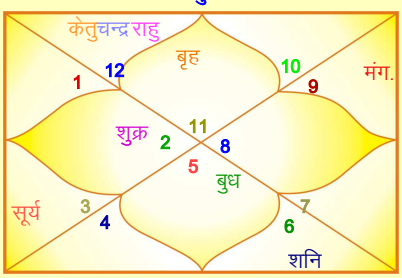

अक्षवेदांशं कुण्डली

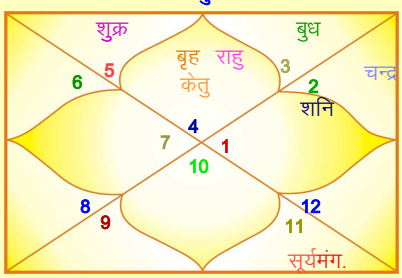

षष्ठांश कुण्डली

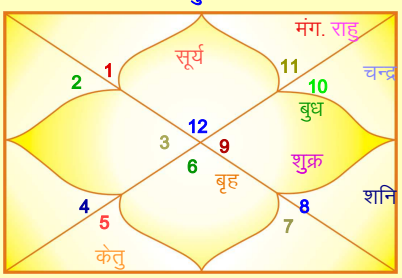

षड्बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि
उच्च बल	17.25	53.50	19.81	30.92	25.44	07.35	26.16
सप्त वर्ग बल	135.00	131.25	91.88	50.63	108.75	133.13	90.00
युग्म अयुग्म बल	30.00	30.00	00.00	15.00	00.00	15.00	00.00
केन्द्रादी बल	60.00	15.00	15.00	60.00	60.00	30.00	30.00
द्रेक्कन बल	15.00	15.00	00.00	15.00	00.00	00.00	00.00
स्थान बल	**257.25**	**244.75**	**126.68**	**171.54**	**194.19**	**185.47**	**146.16**
वांछित स्थान बल	165	133	96	165	165	133	96
वांछित अंश	155.91	184.03	131.96	103.97	117.69	139.45	152.25
दिग बल	**06.74**	**09.82**	**52.20**	**33.00**	**00.02**	**39.03**	**24.26**
वांछित दिग बल	35	50	30	35	35	50	30
वांछित अंश	19.25	19.65	174.01	94.30	00.06	78.06	80.88
नतोन्नत बल	07.33	52.67	52.67	07.33	00.00	07.33	52.67
पक्ष बल	03.09	56.91	03.09	03.09	56.91	56.91	03.09
त्रिभाग बल	00.00	00.00	00.00	00.00	60.00	60.00	00.00
वर्ष बल	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	15.00	00.00
मास बल	00.00	00.00	30.00	00.00	00.00	00.00	00.00
दिन बल	00.00	00.00	00.00	00.00	45.00	00.00	00.00
होरा बल	00.00	00.00	60.00	00.00	00.00	00.00	00.00
अयन बल	00.34	00.99	58.48	58.63	36.86	09.97	04.78
युद्ध बल	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00
काल बल	**10.76**	**110.57**	**204.23**	**69.05**	**198.77**	**149.22**	**60.54**
वांछित काल बल	112	100	67	112	112	100	67
वांछित अंश	09.60	110.57	304.82	61.65	177.48	149.22	90.35
चेष्टा बल	**00.34**	**56.91**	**07.50**	**00.00**	**15.00**	**30.00**	**30.00**
वांछित चेष्टा बल	50	30	40	50	50	30	40
वांछित अंश	00.67	189.71	18.75	00.00	30.00	100.00	75.00
नैसर्गिक बल	**60.00**	**51.43**	**17.14**	**25.71**	**34.29**	**42.86**	**08.57**
द्रिक बल	**12.84**	**09.61**	**10.37**	**12.63**	**-04.21**	**00.09**	**16.25**
कुल षड्बल	**347.92**	**483.11**	**418.14**	**311.95**	**438.06**	**446.67**	**285.78**
षड्बल (रूप में)	**5.80**	**8.05**	**6.97**	**5.20**	**7.30**	**7.44**	**4.76**
न्यूनतम वांछनिय	390	360	300	420	390	330	300
वांछनिय अंश	89.21	134.20	139.38	74.27	112.32	135.35	95.26
तुलनात्मक स्थिति	**5**	**1**	**4**	**6**	**3**	**2**	**7**
इष्ट फल	**05.22**	**55.18**	**12.19**	**00.00**	**19.53**	**14.85**	**28.01**
कष्ट फल	**54.78**	**04.82**	**47.81**	**60.00**	**40.47**	**45.15**	**31.99**
दिप्ति बल	**100.00**	**56.91**	**58.94**	**22.50**	**36.52**	**54.51**	**47.76**

भावबल

भाव सँख्या	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII
भाव राशि	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह
भावाधिपति बल	311.95	446.67	418.14	438.06	285.78	285.78	438.06	418.14	446.67	311.95	483.11	347.92
भाव दिग्बल	60.00	50.00	20.00	00.00	50.00	10.00	30.00	40.00	50.00	30.00	10.00	40.00
भाव दृष्टि बल	-09.05	-07.37	21.74	09.82	04.96	-07.85	-05.92	-21.18	02.69	17.72	18.43	-01.33
भाव बल का योग	**362.90**	**489.29**	**459.88**	**447.88**	**340.73**	**287.92**	**462.14**	**436.96**	**499.35**	**359.67**	**511.54**	**386.59**
भाव बल (रूप में)	**6.05**	**8.15**	**7.66**	**7.46**	**5.68**	**4.80**	**7.70**	**7.28**	**8.32**	**5.99**	**8.53**	**6.44**
तुलनात्मक स्थिति	**9**	**3**	**5**	**6**	**11**	**12**	**4**	**7**	**2**	**10**	**1**	**8**

ग्रह दृष्टि (पराशरी)

ग्रह	मुख्य दृष्टि	विशेष दृष्टि
सूर्य	------	------
चन्द्रमा	------	------
मंगल	------	सूर्य, बुध
बुध	------	------
बृहस्पति	लग्न	शनि
शुक्र	केतु	------
शनि	------	लग्न, केतु
राहु	केतु	------
केतु	शुक्र, राहु	------

ग्रह दृष्टि (जैमिनी)

राशि (ग्रह)	सम्मुख दृष्टि	पृष्ठ दृष्टि
मेष (के0)	वृश्चिक	सिहं, कुम्भ
वृष (च0, मं0)	तुला (शु0, रा0)	कर्क (श0), मकर
मिथुन	कन्या	धनु (सू0, बु0), मीन (बृ0)
कर्क (श0)	कुम्भ	वृष (च0, मं0), वृश्चिक
सिहं	मकर	मेष (के0), तुला (शु0, रा0)
कन्या	मिथुन	धनु (सू0, बु0), मीन (बृ0)
तुला (शु0, रा0)	वृष (च0, मं0)	सिहं, कुम्भ
वृश्चिक	मेष (के0)	कर्क (श0), मकर
धनु (सू0, बु0)	मीन (बृ0)	मिथुन, कन्या
मकर	सिहं	वृष (च0, मं0), वृश्चिक
कुम्भ	कर्क (श0)	मेष (के0), तुला (शु0, रा0)
मीन (बृ0)	धनु (सू0, बु0)	मिथुन, कन्या

नोट-सम्मुख दृष्टि का प्रभाव पृष्ठ दृष्टि से ज्यादा होता है।

ग्रह दृष्टि (ताजिक)

ग्रह	लग्न	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु
लग्न	---									
सूर्य	4/10 (-)	---								
चन्द्रमा	5/9 (+)	6/8 (-)	---							
मंगल	5/9 (-)	6/8 (-)	1/1 (+)	---						
बुध	4/10 (-)	1/1 (+)	6/8 (-)	6/8 (-)	---					
बृहस्पति	7/7 (+)	4/10 (-)	3/11 (+)	3/11 (+)	4/10 (-)	---				
शुक्र	2/12 (+)	3/11 (-)	6/8 (+)	6/8 (-)	3/11 (+)	6/8 (+)	---			
शनि	3/11 (-)	6/8 (+)	3/11 (-)	3/11 (-)	6/8 (+)	5/9 (-)	4/10 (-)	---		
राहु	2/12 (-)	3/11 (-)	6/8 (+)	6/8 (+)	3/11 (-)	6/8 (+)	1/1 (-)	4/10 (-)	---	
केतु	6/8 (-)	5/9 (-)	2/12 (+)	2/12 (+)	5/9 (-)	2/12 (+)	7/7 (-)	4/10 (-)	7/7 (+)	---

लिजेन्ड-

१/१ कन्जक्शन , २ /१२ सेमी सेक्सटाइल , ३/११ सेक्सटाइल , ४/१० स्क्वायर , ५/९ ट्राइन , ६/८ क्वीन्कशं , ७/७ अपोजीशन (.) से अभिप्राय यह है कि इसमें ग्रहीय दृष्टि सीमा का समावेश है , (_) से अभिप्राय यह है कि इसमें ग्रहीय दृष्टि सीमा का समावेश नहीं है।

नोट- ग्रह दृष्टि के लिए ताजिक सिद्धान्त के अनुसार औसत ग्रहीय दृष्टि सीमा को लिया गया है। राहु और केतु के लिए दृष्टि सीमा ६ लिय गया है, परन्तु लग्न के लिए किसी दृष्टि सीमा को नहीं लिया गया है।

भिन्न अष्टक वर्ग कुण्डली

शनि

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
शनि	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	4
वृह0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	4
मगंल	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	6
सूर्य	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	7
शुक्र	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	3
वुध	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	0	0	6
न्द्रमा	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	3
लग्न	0	0	1	1	0	1	0	1	1	0	1	0	6
योग	1	2	2	6	3	6	4	3	3	2	3	4	39

बृहस्पति

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
शनि	0	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	4
वृह0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	8
मगंल	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	7
सूर्य	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	1	1	9
शुक्र	0	0	1	1	1	0	0	1	0	0	1	1	6
वुध	1	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	1	8
न्द्रमा	0	0	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	5
लग्न	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	1	9
योग	2	4	7	3	4	6	4	4	6	5	4	7	56

मंगल

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
शनि	1	1	0	1	0	0	1	0	0	1	1	1	7
वृह0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	1	1	0	4
मगंल	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	7
सूर्य	1	1	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	5
शुक्र	0	1	0	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
वुध	1	1	0	0	0	0	1	0	0	1	0	0	4
न्द्रमा	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	3
लग्न	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	0	5
योग	3	5	2	3	3	3	4	2	2	2	6	4	39

सूर्य

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
शनि	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	8
वृह0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	0	0	4
मगंल	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	8
सूर्य	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	1	8
शुक्र	1	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	1	3
वुध	1	1	0	0	1	1	1	0	0	0	1	0	7
न्द्रमा	0	0	0	1	0	0	1	0	1	1	0	1	4
लग्न	0	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	6
योग	3	3	3	5	6	3	4	4	3	4	5	5	48

शुक्र

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
शनि	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	7
वृह0	0	0	0	1	0	0	1	1	1	1	0	0	5
मगंल	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	6
सूर्य	0	0	0	1	0	0	1	1	0	0	0	0	3
शुक्र	0	1	1	1	1	0	1	1	1	1	1	0	9
वुध	1	1	0	0	1	0	1	0	0	0	1	0	5
न्द्रमा	1	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	9
लग्न	1	1	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	8
योग	5	5	2	6	3	4	7	5	4	5	3	3	52

बुध

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
शनि	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	8
वृह0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	4
मगंल	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	8
सूर्य	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	5
शुक्र	0	1	1	0	1	0	1	1	1	1	1	0	8
वुध	1	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	0	8
न्द्रमा	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	6
लग्न	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	0	7
योग	4	5	4	2	7	2	7	4	5	4	7	3	54

चन्द्रमा

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
शनि	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	4
वृह0	0	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	1	7
मगंल	0	0	1	1	0	1	1	0	0	1	1	1	7
सूर्य	0	1	1	1	0	1	1	0	0	0	1	0	6
शुक्र	1	0	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	7
वुध	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	1	8
न्द्रमा	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	6
लग्न	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	4
योग	2	3	6	6	1	5	5	3	4	3	7	4	49

लग्न

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
शनि	1	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	6
वृह0	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	1	9
मगंल	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5
सूर्य	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	6
शुक्र	0	1	1	0	0	0	1	1	1	1	1	0	7
वुध	0	1	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	7
न्द्रमा	1	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	5
लग्न	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	4
योग	3	5	3	6	1	4	6	4	4	3	5	5	49

राहु

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
शनि	1	1	1	0	0	1	0	1	0	1	0	0	6
वृह0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	0	0	1	5
मगंल	1	0	1	1	0	1	0	1	0	0	0	0	5
सूर्य	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	0	7
शुक्र	1	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	4
वुध	0	0	1	1	0	0	0	1	0	1	0	1	5
न्द्रमा	0	1	0	1	0	1	0	1	1	1	1	0	7
लग्न	0	1	0	0	1	0	0	1	1	1	0	0	5
योग	4	4	5	4	3	5	1	5	3	5	2	3	44

कक्ष बल

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
शनि	5	7	1	4	2	5	5	4	4	3	4	4	48
वृह0	2	1	3	4	5	3	4	3	5	8	4	3	45
मगंल	2	5	5	4	4	3	4	4	4	4	7	8	54
सूर्य	2	4	4	5	3	6	8	3	3	3	4	4	49
शुक्र	2	4	5	3	6	3	3	4	4	4	5	4	47
वुध	6	7	1	3	5	6	8	3	4	2	5	3	53
न्द्रमा	2	2	3	6	2	2	6	2	2	2	4	8	41
लग्न	2	2	7	8	1	5	3	6	5	2	7	1	49
योग	23	32	29	37	28	33	41	29	31	28	40	35	386

विंशोत्तरी दशा

जन्म के समय विंशोत्तरी ोग्य दशा (एन सी लहरी अयनाश : ०२३:३१:१७) : चन्द्रमा : ० व० ७ मा० १८ दि०

क्र० स०	ग्रह दशा	अवधि	से ———— तक
1	☽ चन्द्रमा महादशा	0 y.7 m.18 d.	18:12:1975 --- 06:08:1976
2	♂ मंगल महादशा	7 y.0 m.0 d.	06:08:1976 --- 06:08:1983
3	☊ राहु महादशा	18 y.0 m.0 d.	06:08:1983 --- 06:08:2001
4	♃ बृहस्पति महादशा	16 y.0 m.0 d.	06:08:2001 --- 06:08:2017
5	♄ शनि महादशा	19 y.0 m.0 d.	06:08:2017 --- 06:08:2036
6	☿ बुध महादशा	17 y.0 m.0 d.	06:08:2036 --- 06:08:2053
7	☋ केतु महादशा	7 y.0 m.0 d.	06:08:2053 --- 06:08:2060
8	♀ शुक्र महादशा	20 y.0 m.0 d.	06:08:2060 --- 06:08:2080
9	☉ सूर्य महादशा	6 y.0 m.0 d.	06:08:2080 --- 06:08:2086

विंशोत्तरी अन्तर्दशा

चन्द्रमा दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
चन्द्रमा	
मंगल	
राहु	
बृहस्पति	
शनि	
बुध	
केतु	
शुक्र	18:12:1975 - 05:02:1976
सूर्य	05:02:1976 - 06:08:1976

मंगल दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
मंगल	06:08:1976 - 02:01:1977
राहु	02:01:1977 - 20:01:1978
बृहस्पति	20:01:1978 - 27:12:1978
शनि	27:12:1978 - 05:02:1980
बुध	05:02:1980 - 02:02:1981
केतु	02:02:1981 - 01:07:1981
शुक्र	01:07:1981 - 30:08:1982
सूर्य	30:08:1982 - 05:01:1983
चन्द्रमा	05:01:1983 - 06:08:1983

राहु दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
राहु	06:08:1983 - 19:04:1986
बृहस्पति	19:04:1986 - 11:09:1988
शनि	11:09:1988 - 19:07:1991
बुध	19:07:1991 - 05:02:1994
केतु	05:02:1994 - 23:02:1995
शुक्र	23:02:1995 - 23:02:1998
सूर्य	23:02:1998 - 17:01:1999
चन्द्रमा	17:01:1999 - 18:07:2000
मंगल	18:07:2000 - 06:08:2001

बृहस्पति दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
बृहस्पति	06:08:2001 - 24:09:2003
शनि	24:09:2003 - 06:04:2006
बुध	06:04:2006 - 12:07:2008
केतु	12:07:2008 - 18:06:2009
शुक्र	18:06:2009 - 17:02:2012
सूर्य	17:02:2012 - 06:12:2012
चन्द्रमा	06:12:2012 - 06:04:2014
मंगल	06:04:2014 - 13:03:2015
राहु	13:03:2015 - 06:08:2017

शनि दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
शनि	06:08:2017 - 09:08:2020
बुध	09:08:2020 - 19:04:2023
केतु	19:04:2023 - 28:05:2024
शुक्र	28:05:2024 - 28:07:2027
सूर्य	28:07:2027 - 09:07:2028
चन्द्रमा	09:07:2028 - 08:02:2030
मंगल	08:02:2030 - 19:03:2031
राहु	19:03:2031 - 23:01:2034
बृहस्पति	23:01:2034 - 06:08:2036

बुध दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
बुध	06:08:2036 - 02:01:2039
केतु	02:01:2039 - 30:12:2039
शुक्र	30:12:2039 - 30:10:2042
सूर्य	30:10:2042 - 06:09:2043
चन्द्रमा	06:09:2043 - 05:02:2045
मंगल	05:02:2045 - 02:02:2046
राहु	02:02:2046 - 21:08:2048
बृहस्पति	21:08:2048 - 27:11:2050
शनि	27:11:2050 - 06:08:2053

केतु दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
केतु	06:08:2053 - 02:01:2054
शुक्र	02:01:2054 - 04:03:2055
सूर्य	04:03:2055 - 10:07:2055
चन्द्रमा	10:07:2055 - 08:02:2056
मंगल	08:02:2056 - 06:07:2056
राहु	06:07:2056 - 25:07:2057
बृहस्पति	25:07:2057 - 01:07:2058
शनि	01:07:2058 - 09:08:2059
बुध	09:08:2059 - 06:08:2060

शुक्र दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
शुक्र	06:08:2060 - 06:12:2063
सूर्य	06:12:2063 - 06:12:2064
चन्द्रमा	06:12:2064 - 06:08:2066
मंगल	06:08:2066 - 06:10:2067
राहु	06:10:2067 - 06:10:2070
बृहस्पति	06:10:2070 - 06:06:2073
शनि	06:06:2073 - 06:08:2076
बुध	06:08:2076 - 06:06:2079
केतु	06:06:2079 - 06:08:2080

सूर्य दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
सूर्य	06:08:2080 - 23:11:2080
चन्द्रमा	23:11:2080 - 25:05:2081
मंगल	25:05:2081 - 30:09:2081
राहु	30:09:2081 - 24:08:2082
बृहस्पति	24:08:2082 - 12:06:2083
शनि	12:06:2083 - 24:05:2084
बुध	24:05:2084 - 31:03:2085
केतु	31:03:2085 - 06:08:2085
शुक्र	06:08:2085 - 06:08:2086

सर्वाष्टक वर्ग से निष्कर्ष

सर्वाष्टक वर्ग

राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिहं	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	
भाव	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	VI	VII	
♄ शनि	1	2	2	6	3	6	4	3	3	2	3	4	39
♃ बृहस्पति	2	4	7	3	4	6	4	4	6	5	4	7	56
♂ मगंल	3	5	2	3	3	3	4	2	2	2	6	4	39
☉ सूर्य	3	3	3	5	6	3	4	4	3	4	5	5	48
♀ शुक	5	5	2	6	3	4	7	5	4	5	3	3	52
☿ बुध	4	5	4	2	7	2	7	4	5	4	7	3	54
☽ चन्द्रमा	2	3	6	6	1	5	5	3	4	3	7	4	49
योग	20	27	26	31	27	29	35	25	27	25	35	30	337
AC लग्न	3	5	3	6	1	4	6	4	4	3	5	5	49
☊ राहु	4	4	5	4	3	5	1	5	3	5	2	3	44

तत्व चक्र

स0 व0 बिन्दु	पूर्णांकं	प्राप्ति	शुभ दिशा
अग्नि त्रिकोन	84.25	74	पूर्व
पृथ्वी त्रिकोन	84.25	81	दक्षिण
वायु त्रिकोन	84.25	96	पश्चिम
जल त्रिकोन	84.25	86	उत्तर

)विशेष - सबसे ज़्यादा बिन्दु सबसे शुभ दिशा को इंगित करता है (पू, द, प और उ)। अगर दोनों भागों के बिन्दुओं की संख्या बराबर या आसपास हैं, तो शुभ दिशा (उ पू, दपू, उ प और दप) होगी।)

भुवन चक्र

स0 व0 बिन्दु	पूर्णांकं	प्राप्ति	निष्कर्ष
केन्द्र भाव–राशि	112.33	112	मेहनत और लगन
पनफरा भाव–राशि	112.33	111	आर्थिक स्थिति
अपक्लिम् भाव–राशि	112.33	114	वित्त हानि

दिशा चक्र

भाग	स0 व0 बिन्दु	पूर्णांकं	प्राप्ति	निष्कर्ष
बन्धुक	भाग्य त्रिकोन	84.25	81	बन्धु –बान्धवो से सहायता
सेवक	कर्म त्रिकोन	84.25	96	नौकरी से अर्जन
पोषक	लाभ त्रिकोन	84.25	86	लाभ और धन
घातक	व्यय त्रिकोन	84.25	74	दुर्भाग्य और हानि

भाव स्फूट और कुण्डली

भाव सख्या	भाव मध्य		भाव विस्तार (आरम्भ——अन्त)			
I	वृश्चिक	023:45:39	वृश्चिक	10:47:12	धनु	10:47:12
II	धनु	027:48:44	धनु	10:47:12	मकर	14:50:16
III	मकर	001:51:49	मकर	14:50:16	कुम्भ	18:53:21
IV	कुम्भ	005:54:53	कुम्भ	18:53:21	मीन	18:53:21
V	मीन	001:51:49	मीन	18:53:21	मेष	14:50:16
VI	मेष	027:48:44	मेष	14:50:16	वृष	10:47:12
VII	वृष	023:45:39	वृष	10:47:12	मिथुन	10:47:12
VIII	मिथुन	027:48:44	मिथुन	10:47:12	कर्क	14:50:16
IX	कर्क	001:51:49	कर्क	14:50:16	सिहं	18:53:21
X	सिहं	005:54:53	सिहं	18:53:21	कन्या	18:53:21
XI	कन्या	001:51:49	कन्या	18:53:21	तुला	14:50:16
XII	तुला	027:48:44	तुला	14:50:16	वृश्चिक	10:47:12

लग्न कुण्डली

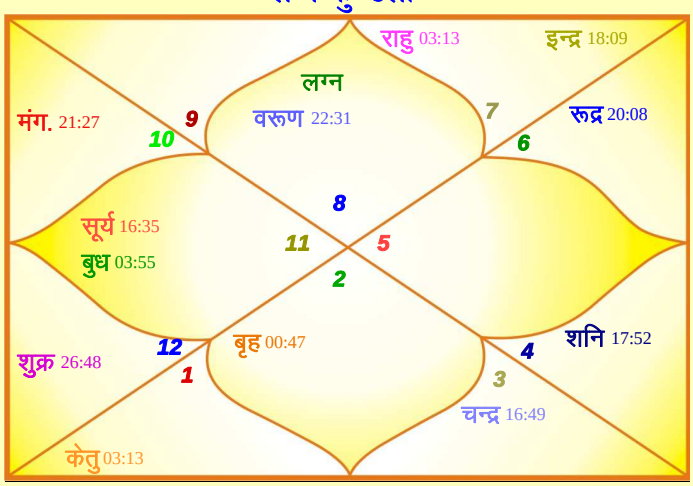

भाव कुण्डली

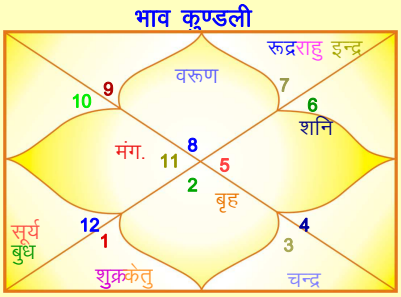

भाव चलित कुण्डली

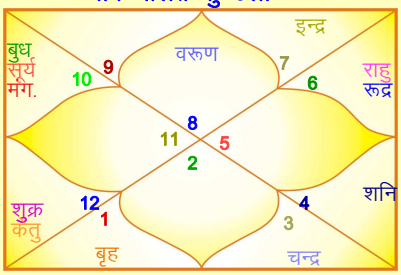

ग्रह से भाव (भाव मध्य) के बीच की दूरी

	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु	इन्द्र	वरूण	रूद्र
लग्न	83	203	58	70	157	123	234	309	129	324	**359**	296
दूसरा भाव	49	169	24	36	123	**89**	200	275	95	290	325	262
तीसरा भाव	15	135	350	2	**89**	55	166	**241**	**61**	256	291	228
नादिर	341	101	316	328	55	21	132	207	27	222	257	194
पॉचवा भाव	315	75	290	302	29	355	106	**181**	**1**	196	231	168
छठवा भाव	289	49	264	276	3	329	80	155	335	170	205	142
सातॅवा भाव	263	23	238	250	337	303	54	129	309	144	**179**	116
आठवा भाव	229	349	204	216	303	**269**	20	95	275	110	145	82
नवा भाव	195	315	170	182	**269**	235	346	**61**	**241**	76	111	48
एम सी	161	281	136	148	235	201	312	27	207	42	77	14
ग्यारहवा भाव	135	255	110	122	**209**	175	286	**1**	**181**	16	51	348
बारहवा भाव	109	229	84	96	183	**149**	260	335	155	350	25	322

0,1,359 ०,१,३५६ कन्जक्शॅन ***59,60,61,299,300,301*** सेक्सटाइल ***89,90,91,269,270,271*** स्कवायर

119,120,121,239,240,241 ट्राइन ***149,150,151,209,210,211*** क्वीनकक्सं ***179,180,181*** अपोजीसन

षोडश वर्ग

लग्न(जन्म) कुण्डली

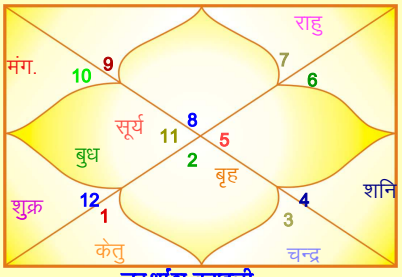

होरा कुण्डली

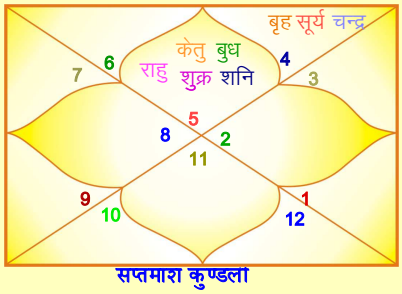

द्रेष्काण कुण्डली

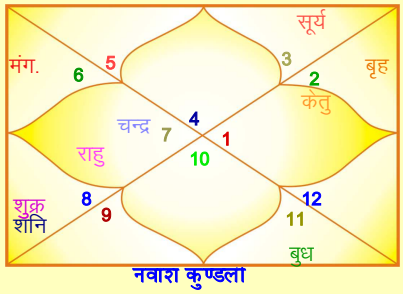

चतुर्थांश कुण्डली

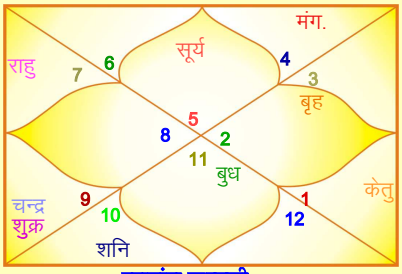

सप्तमांश कुण्डला

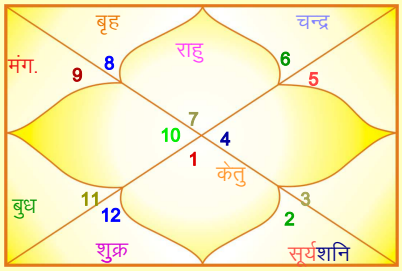

नवांश कुण्डला

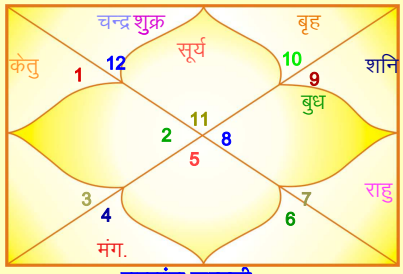

दशमांश कुण्डली

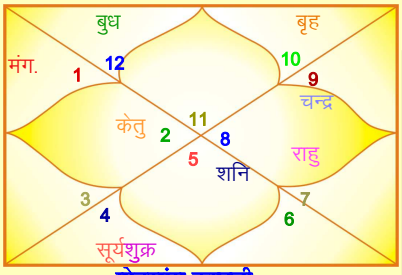

द्वादशांश कुण्डली

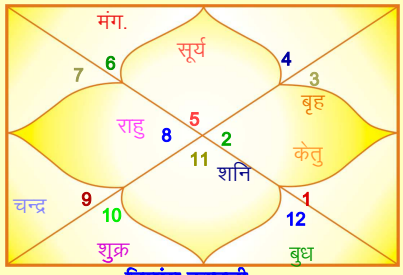

षोडशांश कुण्डली

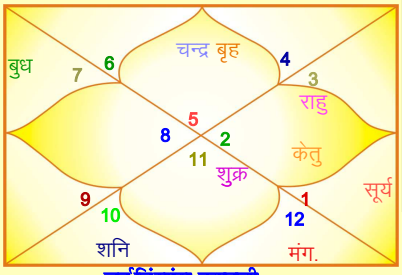

विशांश कुण्डली

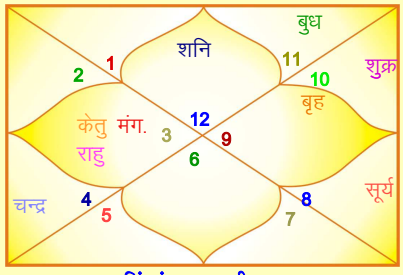

D1	मुख्य कुण्डली, सभी मुद्दों के लिए
D2	धन दौलत के लिए
D3	सहोदरों का जीवन और स्वास्थ्य
D4	भाग्य और रिहायशी मकान
D7	संतान और उनकी संतान
D9	जीवनसाथी और उनका स्वास्थ्य
D10	कारोबार और किसी भी कार्य में सफलता
D12	माता-पिता का जीवन और स्वास्थ्य
D16	वाहन से संबंधित बातें
D20	अध्यात्मिक रूझान
D24	शिक्षा, ज्ञान और समझ
D27	ताकत और दुर्बलता
D30	दरिद्रता, कठिनाईयां और दुर्गति
D40	शुभ-अशुभ घटनाएं
D45	सभी मुद्दों के लिए
D60	सभी मुद्दों के लिए

चतुर्विंशांश कुण्डली

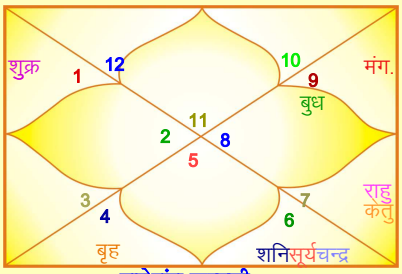

सप्तविंशांश कुण्डली

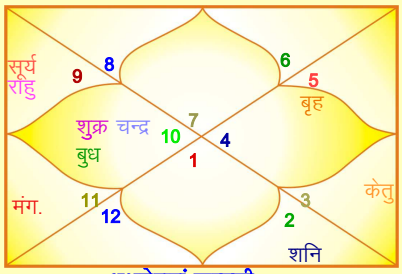

त्रिंशांश कुण्डली

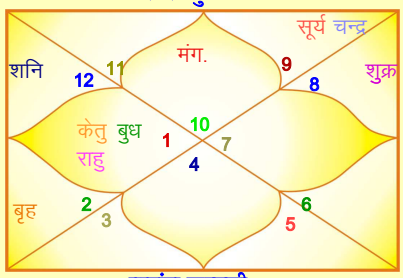

खवेदांश कुण्डली

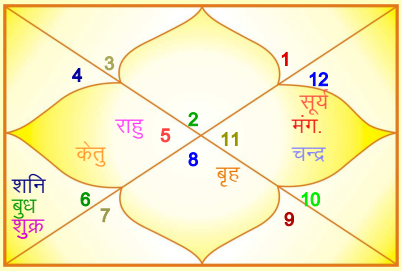

अक्षवेदांशं कुण्डली

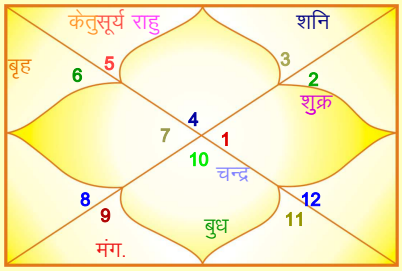

षष्ठांश कुण्डली

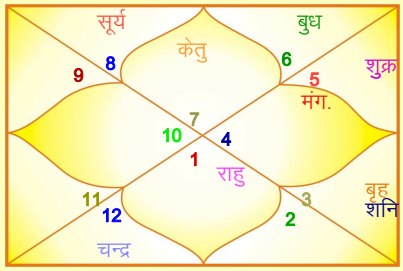

षड्बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि
उच्च बल	42.20	45.39	57.82	13.69	38.60	59.94	29.29
सप्त वर्ग बल	75.00	105.00	60.00	63.75	75.00	90.00	78.75
युग्म अयुग्म बल	30.00	15.00	00.00	15.00	00.00	30.00	15.00
केन्द्रादी बल	60.00	30.00	15.00	60.00	60.00	30.00	15.00
द्रेक्कन बल	00.00	00.00	00.00	00.00	15.00	15.00	15.00
स्थान बल	**207.20**	**195.39**	**132.82**	**152.44**	**188.60**	**224.94**	**153.04**
वांछित स्थान बल	165	133	96	165	165	133	96
वांछित अंश	125.57	146.91	138.35	92.39	114.30	169.13	159.42
दिग बल	**06.44**	**26.36**	**14.82**	**36.61**	**07.66**	**53.03**	**41.96**
वांछित दिग बल	35	50	30	35	35	50	30
वांछित अंश	18.40	52.73	49.41	104.61	21.87	106.07	139.87
नतोन्नत बल	05.92	54.08	54.08	05.92	00.00	05.92	54.08
पक्ष बल	19.92	40.08	19.92	19.92	40.08	40.08	19.92
त्रिभाग बल	00.00	00.00	00.00	00.00	60.00	60.00	00.00
वर्ष बल	00.00	00.00	00.00	00.00	15.00	00.00	00.00
मास बल	00.00	00.00	00.00	00.00	30.00	00.00	00.00
दिन बल	00.00	00.00	00.00	45.00	00.00	00.00	00.00
होरा बल	00.00	00.00	00.00	00.00	60.00	00.00	00.00
अयन बल	19.83	00.74	08.98	44.97	53.07	39.59	07.82
युद्ध बल	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00
काल बल	**45.67**	**94.90**	**82.98**	**115.81**	**258.15**	**145.58**	**81.83**
वांछित काल बल	112	100	67	112	112	100	67
वांछित अंश	40.78	94.90	123.85	103.40	230.49	145.58	122.13
चेष्टा बल	**19.83**	**40.08**	**30.00**	**00.00**	**15.00**	**45.00**	**07.50**
वांछित चेष्टा बल	50	30	40	50	50	30	40
वांछित अंश	39.66	133.59	75.00	00.00	30.00	150.00	18.75
नैसर्गिक बल	**60.00**	**51.43**	**17.14**	**25.71**	**34.29**	**42.86**	**08.57**
द्रिक बल	**-02.11**	**06.43**	**09.21**	**-00.52**	**-23.55**	**-07.39**	**09.89**
कुल षड्बल	**337.04**	**414.59**	**286.97**	**330.06**	**480.14**	**504.02**	**302.80**
षड्बल (रूप में)	**5.62**	**6.91**	**4.78**	**5.50**	**8.00**	**8.40**	**5.05**
न्यूनतम वांछनिय	390	360	300	420	390	330	300
वांछनिय अंश	86.42	115.16	95.66	78.59	123.11	152.73	100.93
तुलनात्मक स्थिति	**4**	**3**	**7**	**5**	**2**	**1**	**6**
इष्ट फल	**31.41**	**42.65**	**41.65**	**00.00**	**24.06**	**51.93**	**14.82**
कष्ट फल	**28.59**	**17.35**	**18.35**	**60.00**	**35.94**	**08.07**	**45.18**
दिप्ति बल	**100.00**	**40.08**	**08.38**	**27.16**	**24.73**	**51.34**	**50.43**

भावबल

भाव सँख्या	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII
भाव राशि	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला
भावाधिपति बल	286.97	480.14	302.80	480.14	286.97	286.97	504.02	330.06	337.04	330.06	504.02	504.02
भाव दिग्बल	00.00	20.00	10.00	30.00	50.00	20.00	30.00	10.00	10.00	60.00	40.00	50.00
भाव दृष्टि बल	16.51	14.91	15.27	02.32	-00.89	-34.65	02.36	08.15	16.77	09.32	-15.18	-05.83
भाव बल का योग	**303.48**	**515.04**	**328.06**	**512.46**	**336.08**	**272.32**	**536.38**	**348.21**	**363.80**	**399.38**	**528.84**	**548.19**
भाव बल (रूप में)	**5.06**	**8.58**	**5.47**	**8.54**	**5.60**	**4.54**	**8.94**	**5.80**	**6.06**	**6.66**	**8.81**	**9.14**
तुलनात्मक स्थिति	**11**	**4**	**10**	**5**	**9**	**12**	**2**	**8**	**7**	**6**	**3**	**1**

ग्रह दृष्टि (पराशरी)

ग्रह	मुख्य दृष्टि	विशेष दृष्टि
सूर्य	------	------
चन्द्रमा	------	------
मंगल	शनि	केतु
बुध	------	------
बृहस्पति	लग्न	मंगल
शुक्र	------	------
शनि	मंगल	केतु
राहु	केतु	------
केतु	राहु	------

ग्रह दृष्टि (जैमिनी)

राशि (ग्रह)	सम्मुख दृष्टि	पृष्ठ दृष्टि
मेष (के0)	वृश्चिक	सिहं, कुम्भ (सू0, बु0)
वृष (बृ0)	तुला (रा0)	कर्क (श0), मकर (मं0)
मिथुन (च0)	कन्या	धनु, मीन (शु0)
कर्क (श0)	कुम्भ (सू0, बु0)	वृष (बृ0), वृश्चिक
सिहं	मकर (मं0)	मेष (के0), तुला (रा0)
कन्या	मिथुन (च0)	धनु, मीन (शु0)
तुला (रा0)	वृष (बृ0)	सिहं, कुम्भ (सू0, बु0)
वृश्चिक	मेष (के0)	कर्क (श0), मकर (मं0)
धनु	मीन (शु0)	मिथुन (च0), कन्या
मकर (मं0)	सिहं	वृष (बृ0), वृश्चिक
कुम्भ (सू0, बु0)	कर्क (श0)	मेष (के0), तुला (रा0)
मीन (शु0)	धनु	मिथुन (च0), कन्या

नोट-सम्मुख दृष्टि का प्रभाव पृष्ठ दृष्टि से ज्यादा होता है।

ग्रह दृष्टि (ताजिक)

ग्रह	लग्न	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु
लग्न	---									
सूर्य	4/10 (+)	---								
चन्द्रमा	6/8 (-)	5/9 (+)	---							
मंगल	3/11 (+)	2/12 (+)	6/8 (+)	---						
बुध	4/10 (-)	1/1 (-)	5/9 (-)	2/12 (-)	---					
बृहस्पति	7/7 (-)	4/10 (-)	2/12 (-)	5/9 (-)	4/10 (+)	---				
शुक्र	5/9 (+)	2/12 (+)	4/10 (-)	3/11 (+)	2/12 (-)	3/11 (-)	---			
शनि	5/9 (-)	6/8 (+)	2/12 (+)	7/7 (+)	6/8 (-)	3/11 (-)	5/9 (-)	---		
राहु	2/12 (-)	5/9 (-)	5/9 (-)	4/10 (-)	5/9 (+)	6/8 (+)	6/8 (-)	4/10 (-)	---	
केतु	6/8 (-)	3/11 (-)	3/11 (-)	4/10 (-)	3/11 (+)	2/12 (+)	2/12 (-)	4/10 (-)	7/7 (+)	---

लिजेन्ड-

१/१ कन्जक्शन , २ /१२ सेमी सेक्सटाइल , ३/११ सेक्सटाइल , ४/१० स्क्वायर , ५/९ ट्राइन , ६/८ क्वीन्कशं , ७/७ अपोजीशन (.) से अभिप्राय यह है कि इसमें ग्रहीय दृष्टि सीमा का समावेश है , (_) से अभिप्राय यह है कि इसमें ग्रहीय दृष्टि सीमा का समावेश नहीं है।

नोट- ग्रह दृष्टि के लिए ताजिक सिद्धान्त के अनुसार औसत ग्रहीय दृष्टि सीमा को लिया गया है। राहु और केतु के लिए दृष्टि सीमा ६ लिय गया है, परन्तु लग्न के लिए किसी दृष्टि सीमा को नहीं लिया गया है।

भिन्न अष्टक वर्ग कुण्डली

शनि

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	
♄ शनि	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	**4**
♃ वृह0	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	**4**
♂ मगंल	0	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	**6**
☉ सूर्य	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	**7**
♀ शुक्र	0	0	0	0	1	0	0	0	0	1	1	0	**3**
☿ वृध	0	0	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	**6**
☽ न्द्रमा	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	**3**
AC लग्न	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	1	0	**6**
योग	**3**	**3**	**1**	**1**	**4**	**5**	**3**	**6**	**4**	**3**	**3**	**3**	39

बृहस्पति

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	
♄ शनि	0	0	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	**4**
♃ वृह0	0	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	**8**
♂ मगंल	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	**7**
☉ सूर्य	1	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	**9**
♀ शुक्र	1	0	0	1	1	0	0	1	1	1	0	0	**6**
☿ वृध	0	1	1	1	0	0	1	1	1	0	1	1	**8**
☽ न्द्रमा	1	0	0	1	0	0	1	0	1	0	1	0	**5**
AC लग्न	1	1	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	**9**
योग	**5**	**4**	**3**	**6**	**5**	**3**	**4**	**7**	**7**	**2**	**6**	**4**	56

मंगल

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	
♄ शनि	1	1	0	1	0	0	1	0	0	1	1	1	**7**
♃ वृह0	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	1	**4**
♂ मगंल	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	**7**
☉ सूर्य	1	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	0	**5**
♀ शुक्र	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	**4**
☿ वृध	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	**4**
☽ न्द्रमा	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	**3**
AC लग्न	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	**5**
योग	**7**	**1**	**2**	**4**	**4**	**1**	**4**	**4**	**2**	**4**	**4**	**2**	39

सूर्य

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	
♄ शनि	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	**8**
♃ वृह0	0	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	**4**
♂ मगंल	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	**8**
☉ सूर्य	0	1	0	0	1	1	1	1	0	1	1	0	**8**
♀ शुक्र	0	0	0	0	1	1	1	0	0	0	1	1	**3**
☿ वृध	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	0	0	**7**
☽ न्द्रमा	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	**4**
AC लग्न	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	0	**6**
योग	**5**	**2**	**1**	**3**	**6**	**5**	**6**	**4**	**2**	**5**	**5**	**4**	48

शुक्र

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	
♄ शनि	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	**7**
♃ वृह0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	1	1	**5**
♂ मगंल	0	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	**6**
☉ सूर्य	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	0	0	**3**
♀ शुक्र	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	1	**9**
☿ वृध	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	0	0	**5**
☽ न्द्रमा	1	1	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	**9**
AC लग्न	0	0	1	1	0	1	0	1	1	1	1	1	**8**
योग	**4**	**4**	**5**	**4**	**1**	**6**	**4**	**4**	**6**	**5**	**4**	**5**	52

बुध

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	
♄ शनि	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	**8**
♃ वृह0	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	**4**
♂ मगंल	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	0	**8**
☉ सूर्य	0	0	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	**5**
♀ शुक्र	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	**8**
☿ वृध	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	1	0	**8**
☽ न्द्रमा	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	1	**6**
AC लग्न	1	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	**7**
योग	**7**	**2**	**4**	**6**	**3**	**3**	**6**	**5**	**4**	**6**	**4**	**4**	54

चन्द्रमा

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	
♄ शनि	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	**4**
♃ वृह0	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	1	1	**7**
♂ मगंल	0	1	1	0	0	1	1	1	0	0	1	1	**7**
☉ सूर्य	1	0	0	1	1	1	0	1	1	0	0	0	**6**
♀ शुक्र	0	1	1	1	0	1	0	1	1	1	0	0	**7**
☿ वृध	1	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	**8**
☽ न्द्रमा	1	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	**6**
AC लग्न	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	**4**
योग	**5**	**5**	**4**	**2**	**5**	**6**	**1**	**7**	**6**	**2**	**3**	**3**	49

लग्न

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	
♄ शनि	1	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	0	**6**
♃ वृह0	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	**9**
♂ मगंल	0	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	**5**
☉ सूर्य	1	1	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	**6**
♀ शुक्र	1	1	1	1	0	0	1	1	0	0	0	1	**7**
☿ वृध	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	1	1	**7**
☽ न्द्रमा	1	1	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	**5**
AC लग्न	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	**4**
योग	**5**	**6**	**3**	**4**	**3**	**4**	**4**	**6**	**3**	**4**	**2**	**5**	49

राहु

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	
♄ शनि	1	1	1	0	0	1	0	1	0	1	0	0	**6**
♃ वृह0	0	1	0	1	1	0	1	0	1	0	0	0	**5**
♂ मगंल	0	1	0	1	0	0	0	0	1	0	1	1	**5**
☉ सूर्य	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	**7**
♀ शुक्र	0	0	0	0	1	1	0	0	0	1	1	0	**4**
☿ वृध	0	1	0	0	1	1	0	0	0	1	0	1	**5**
☽ न्द्रमा	0	0	1	0	1	0	1	0	1	1	1	1	**7**
AC लग्न	0	0	0	1	0	0	1	0	0	1	1	1	**5**
योग	**2**	**4**	**3**	**3**	**5**	**4**	**3**	**2**	**3**	**5**	**5**	**5**	44

कक्ष बल

राशि	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
भाव	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	
♄ शनि	5	7	1	4	2	5	5	4	4	3	4	4	**48**
♃ वृह0	4	3	2	1	3	4	5	3	4	3	5	8	**45**
♂ मगंल	4	3	4	4	4	4	7	8	2	5	5	4	**54**
☉ सूर्य	4	4	2	4	4	5	3	6	8	3	3	3	**49**
♀ शुक्र	4	4	4	5	4	2	4	5	3	6	3	3	**47**
☿ वृध	5	3	6	7	1	3	5	6	8	3	4	2	**53**
☽ न्द्रमा	8	2	2	3	6	2	2	6	2	2	2	4	**41**
AC लग्न	7	1	2	2	7	8	1	5	3	6	5	2	**49**
योग	**41**	**27**	**23**	**30**	**31**	**33**	**32**	**43**	**34**	**31**	**31**	**30**	386

विंशोत्तरी दशा

जन्म के समय विंशोत्तरी ोग्य दशा (एन सी लहरी अयनाश : ०२३:३२:१७) : राहु : ४ व0 ३ मा0 १४ दि0

क0 स0	ग्रह दशा	अवधि	से ———————— तक
1	☊ राहु महादशा	4 y.3 m.14 d.	01:03:1977 --- 14:06:1981
2	♃ बृहस्पति महादशा	16 y.0 m.0 d.	14:06:1981 --- 14:06:1997
3	♄ शनि महादशा	19 y.0 m.0 d.	14:06:1997 --- 14:06:2016
4	☿ बुध महादशा	17 y.0 m.0 d.	14:06:2016 --- 14:06:2033
5	☋ केतु महादशा	7 y.0 m.0 d.	14:06:2033 --- 14:06:2040
6	♀ शुक्र महादशा	20 y.0 m.0 d.	14:06:2040 --- 14:06:2060
7	☉ सूर्य महादशा	6 y.0 m.0 d.	14:06:2060 --- 14:06:2066
8	☽ चन्द्रमा महादशा	10 y.0 m.0 d.	14:06:2066 --- 14:06:2076
9	♂ मंगल महादशा	7 y.0 m.0 d.	14:06:2076 --- 14:06:2083

विंशोत्तरी अन्तर्दशा

राहु दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
राहु	
बृहस्पति	
शनि	
बुध	
केतु	
शुक्र	01:03:1977 - 01:01:1978
सूर्य	01:01:1978 - 25:11:1978
चन्द्रमा	25:11:1978 - 26:05:1980
मंगल	26:05:1980 - 14:06:1981

बृहस्पति दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
बृहस्पति	14:06:1981 - 02:08:1983
शनि	02:08:1983 - 12:02:1986
बुध	12:02:1986 - 20:05:1988
केतु	20:05:1988 - 26:04:1989
शुक्र	26:04:1989 - 26:12:1991
सूर्य	26:12:1991 - 14:10:1992
चन्द्रमा	14:10:1992 - 12:02:1994
मंगल	12:02:1994 - 19:01:1995
राहु	19:01:1995 - 14:06:1997

शनि दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
शनि	14:06:1997 - 17:06:2000
बुध	17:06:2000 - 25:02:2003
केतु	25:02:2003 - 04:04:2004
शुक्र	04:04:2004 - 05:06:2007
सूर्य	05:06:2007 - 17:05:2008
चन्द्रमा	17:05:2008 - 17:12:2009
मंगल	17:12:2009 - 25:01:2011
राहु	25:01:2011 - 01:12:2013
बृहस्पति	01:12:2013 - 14:06:2016

बुध दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
बुध	14:06:2016 - 10:11:2018
केतु	10:11:2018 - 07:11:2019
शुक्र	07:11:2019 - 07:09:2022
सूर्य	07:09:2022 - 15:07:2023
चन्द्रमा	15:07:2023 - 14:12:2024
मंगल	14:12:2024 - 11:12:2025
राहु	11:12:2025 - 29:06:2028
बृहस्पति	29:06:2028 - 05:10:2030
शनि	05:10:2030 - 14:06:2033

केतु दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
केतु	14:06:2033 - 10:11:2033
शुक्र	10:11:2033 - 10:01:2035
सूर्य	10:01:2035 - 18:05:2035
चन्द्रमा	18:05:2035 - 17:12:2035
मंगल	17:12:2035 - 14:05:2036
राहु	14:05:2036 - 02:06:2037
बृहस्पति	02:06:2037 - 09:05:2038
शनि	09:05:2038 - 17:06:2039
बुध	17:06:2039 - 14:06:2040

शुक्र दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
शुक्र	14:06:2040 - 14:10:2043
सूर्य	14:10:2043 - 14:10:2044
चन्द्रमा	14:10:2044 - 14:06:2046
मंगल	14:06:2046 - 14:08:2047
राहु	14:08:2047 - 14:08:2050
बृहस्पति	14:08:2050 - 14:04:2053
शनि	14:04:2053 - 14:06:2056
बुध	14:06:2056 - 14:04:2059
केतु	14:04:2059 - 14:06:2060

सूर्य दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
सूर्य	14:06:2060 - 01:10:2060
चन्द्रमा	01:10:2060 - 02:04:2061
मंगल	02:04:2061 - 08:08:2061
राहु	08:08:2061 - 02:07:2062
बृहस्पति	02:07:2062 - 20:04:2063
शनि	20:04:2063 - 01:04:2064
बुध	01:04:2064 - 06:02:2065
केतु	06:02:2065 - 14:06:2065
शुक्र	14:06:2065 - 14:06:2066

चन्द्रमा दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
चन्द्रमा	14:06:2066 - 14:04:2067
मंगल	14:04:2067 - 13:11:2067
राहु	13:11:2067 - 15:05:2069
बृहस्पति	15:05:2069 - 13:09:2070
शनि	13:09:2070 - 14:04:2072
बुध	14:04:2072 - 13:09:2073
केतु	13:09:2073 - 14:04:2074
शुक्र	14:04:2074 - 14:12:2075
सूर्य	14:12:2075 - 14:06:2076

मंगल दशा

अन्तर्दशा	से —— तक
मंगल	14:06:2076 - 10:11:2076
राहु	10:11:2076 - 28:11:2077
बृहस्पति	28:11:2077 - 04:11:2078
शनि	04:11:2078 - 14:12:2079
बुध	14:12:2079 - 11:12:2080
केतु	11:12:2080 - 09:05:2081
शुक्र	09:05:2081 - 08:07:2082
सूर्य	08:07:2082 - 13:11:2082
चन्द्रमा	13:11:2082 - 14:06:2083

सर्वाष्टक वर्ग से निष्कर्ष

सर्वाष्टक वर्ग

राशि		मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिहं	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	
भाव		VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII	I	II	III	IV	V	
♄	शनि	3	3	1	1	4	5	3	6	4	3	3	3	39
♃	बृहस्पति	5	4	3	6	5	3	4	7	7	2	6	4	56
♂	मगंल	7	1	2	4	4	1	4	4	2	4	4	2	39
☉	सूर्य	5	2	1	3	6	5	6	4	2	5	5	4	48
♀	शुक	4	4	5	4	1	6	4	4	6	5	4	5	52
☿	बुध	7	2	4	6	3	3	6	5	4	6	4	4	54
☽	चन्द्रमा	5	5	4	2	5	6	1	7	6	2	3	3	49
योग		36	21	20	26	28	29	28	37	31	27	29	25	337
AC	लग्न	5	6	3	4	3	4	4	6	3	4	2	5	49
☊	राहु	2	4	3	3	5	4	3	2	3	5	5	5	44

तत्व चक्र

स0 व0 बिन्दु	पूर्णांकं	प्राप्ति	शुभ दिशा
अग्नि त्रिकोन	84.25	95	पूर्व
पृथ्वी त्रिकोन	84.25	77	दक्षिण
वायु त्रिकोन	84.25	77	पश्चिम
जल त्रिकोन	84.25	88	उत्तर

)विशेष - सबसे ज़्यादा बिन्दु सबसे शुभ दिशा को इंगित करता है (पू, द, प और उ)। अगर दोनों भागों के बिन्दुओं की संख्या बराबर या आसपास हैं, तो शुभ दिशा (उ पू, दपू, उ प और दप) होगी।)

भुवन चक्र

स0 व0 बिन्दु	पूर्णांकं	प्राप्ति	निष्कर्ष
केन्द्र भाव–राशि	112.33	115	मेहनत और लगन
पनफरा भाव–राशि	112.33	105	आर्थिक स्थिति
अपक्लिम् भाव–राशि	112.33	117	वित्त हानि

दिशा चक्र

भाग	स0 व0 बिन्दु	पूर्णांकं	प्राप्ति	निष्कर्ष
बन्धुक	भाग्य त्रिकोन	84.25	88	बन्धु –बान्धवो से सहायता
सेवक	कर्म त्रिकोन	84.25	95	नौकरी से अर्जन
पोषक	लाभ त्रिकोन	84.25	77	लाभ और धन
घातक	व्यय त्रिकोन	84.25	77	दुर्भाग्य और हानि

कुज दोष (या मांगलिक दोष) की उपस्थिति की जाँच

लड़के की कुण्डली में, मंगल चन्द्र राशि में स्थित है। उत्तर भारतीय पद्धति के अनुसार, यह कुज दोष (या मांगलिक दोष) का निर्माण करता है। अगले भाग में इस बात की जाँच की जायेगी, कि इस कुण्डली में इस दोष को निरस्त करने की कोई दशा भी विद्यामान है, या नहीं। हालाँकि, दक्षिण भारतीय पद्धति के अनुसार, मंगल की चन्द्र राशि में उपस्थिति कुज दोष (या मांगलिक दोष) का निर्माण नहीं करती है।

लड़की की कुण्डली में, मंगल चन्द्रमा राशि से ८वीं राशि में स्थित है। यह कुज दोष (या मांगलिक दोष) का निर्माण करता है। अगले भाग में इस बात की जाँच की जायेगी, कि इस कुण्डली में इस दोष को निरस्त करने की कोई दशा भी विद्यामान है, या नहीं।

लड़के की कुण्डली में, मंगल शुक्र राशि से ८वीं राशि में स्थित है। यह कुज दोष (या मांगलिक दोष) का निर्माण करताहै। अगले भाग में इस बात की जाँच की जायेगी, कि इस कुण्डली में इस दोष को निरस्त करने की कोई दशा भी विद्यामान है, या नहीं।

कुज दोष (या मांगलिक दोष) का निस्तारण

लड़के की कुण्डली में, मंगल और चन्द्रमा एक ही राशि में स्थित है। यह एक अपवाद है, जहाँ पर कुज दोष को जाँचने की कोई आवश्यकता ही नहीं है। लड़का मांगलिक दोष से मुक्तहै – वह मंगली नहीं है।

लड़की की कुण्डली में, मंगल चर राशि में स्थित है, कुछ लोगों के अनुसार यह एक अपवाद है, जहाँ पर कुज दोष को जाँचने की कोई आवश्यकता ही नहीं है। लड़का मांगलिक दोष से मुक्तहै – वह मंगली नहीं है। (हालाँकि इस राय को बहुमत नहीं प्राप्त है।)

लड़का और लड़की दोनों की कुण्डलियों में कुज दोष (या मांगलिक दोष) आभासी रूप से उपस्थित है (उत्तर भारतीयपद्धति के अनुसार)। लेकिन प्रत्येक मामले में, कुछ निश्चित परिस्थितियों की उपस्थिति के कारण, दोष निरस्त होजाता है। अत: इस दोष के निस्तारण का प्रश्न ही नहीं उठता है। अत: तकनीकि रूप से लड़का और लडकी मंगली नहीं हैं। अत: इस आधार पर कोई आपत्ति नहीं हो सकती है। यदि अन्य कारक अनुकूल होते हैं, तो ये दोनों विवाह करसकते हैं।

चारों नुकसानदायक नक्षत्रों में जन्म की जाँच

२७ नक्षत्रों में से , केवल ४ नक्षत्रों (अश्लेषा, विशाखा, ज्येष्ठा और मूला) को विनाशकारी नक्षत्र माना गया है– जैसाकि इनमें से प्रत्येक नक्षत्र कुछ प्रतिकूल प्रभाव देने वाला समझा जाता है, और जीवन साथी के एक निश्चित संबंधी के स्वास्थ्य तथा सुख को प्रभावित करता है। यदि लड़की का चन्द्रमा इन चारों में से किसी एक नक्षत्र में स्थित है, तो यह प्रभाव अधिक भयप्रद है। यदि लड़के का चन्द्रमा इन चारों में से किसी एक नक्षत्र में स्थित है, तो भी समान प्रभाव पड़ता है। हालाँकि, यह बात ध्यान में रखनी चाहिये, कि विषम परिणाम इन चारों में से किसी एक नक्षत्र के, केवल एक विशेष चरण में ही प्राप्त होते हैं, शेष अन्य तीन चरणों में नहीं। अश्लेषा का प्रथम चरण, विशाखा का प्रथम चरण, ज्येष्ठा का प्रथम चरण और मूला का चौथा चरण अशुभ माना जाता है– जबकि इन चारों में से प्रत्येक नक्षत्र के शेष तीन अन्य चरण अशुभ नहीं होते हैं (कम से कम इस संबंध में)

विहग, तत्व, वध-विनाशक और सम-गोत्र दोष की जाँच

चन्द्रमा के नक्षत्र के विहग वर्गीकरण के अनुसार, लड़के की श्रेणी कुक्कुट है, लडकी का चन्द्रमा नक्षत्र समान श्रेणी से संबंधित नहीं है– जैसाकि यह भारधंक श्रेणी से संबंधित है। यह एक अनुकूल युति नहीं है – जैसाकि भिन्न विहग श्रेणीवाले युग्म की पसन्द / नापसन्द, अभिलाषाओं आदि के संबंध में भिन्नतायें होती हैं। अत:, इस युग्म की कुण्डलियों में इस संबंध में गुण मिलान विद्यमान नहीं है–(इस गुण मिलान का वर्णन विहग – अनुकूल्या के रूप में सोमायाजी के प्राचीन शास्त्र जातकदेश मार्ग में किया गया है।)

चन्द्रमा के नक्षत्र के तत्व वर्गीकरण के अनुसार, लड़का पृथ्वी श्रेणी से संबंधित है, तथा लड़की के चन्द्रमा का नक्षत्र जल श्रेणी से संबंधित है। यह एक अनुकूल युति है – जैसाकि परस्पर अनुरूप तत्व श्रेणियों वाले युग्म की आन्तरिक प्रकृति के संबंध में बहुत समानतायें होगीं। अत: इस युग्म की कुण्डलियों में इस संबंध में गुण मिलान विद्यमान है।

लड़के और लड़की की जन्मकुण्डलियों में चन्द्रमा की स्थिति की तुलना करने के दौरान लड़की के चन्द्रमा का नक्षत्र लड़के के चन्द्रमा के नक्षत्र से गिनने पर २२वाँ नक्षत्र नहीं है, और ना ही लड़के के चन्द्रमा का नक्षत्र लड़की के चन्द्रमा के नक्षत्र से गिनने पर २२वाँ नक्षत्र है। अत: वध – वैनाशिक दोष की प्रतिकूल युति इन दोनों कुण्डलियों में विद्यमान नहीं है। इसलिये, यदि इस युग्म का मिलान एक साथ होता है, तो उसमें कोई समस्या नहीं है।

दोनों जन्मकुण्डलियों के मिलान करने के दौरान, यह दिखता जाता है, कि २८ नक्षत्र पद्धति (अभिजीत सहित) के अनुसार, लड़के के चन्द्रमा का नक्षत्र मारिच श्रेणी में आता है। लड़की के नक्षत्र का गोत्र भी उसी श्रेणी में स्थित है। जैसाकि ये दोनों एक ही श्रेणी से संबंधित है, इसे अशुभ माना जाता है। इस मिलान को टाल देना चाहिये –अन्यथा संतान का बौद्धिक स्तर और आध्यात्मिक रूझान ऊँची कोटि का नहीं हो सकता है।

४ नक्षत्र – मृगशिरा (५), मघा (१०), स्वाती (१५) और अनुराधा (१७) विशेष नक्षत्रों की श्रेणी में आते हैं। यदि लड़के या लड़की के चन्द्रमा का नक्षत्र इनमें से कोई है, तो मिलान स्वीकार्य हो सकता है – यद्यपि कूट मिलान का कुलजोड़ अनुकूलतम योग से कम हो। यह काल विधान, मुहुर्त पर एक लेख (चुनाव ज्योतिष) के अनुसार है।

दोनों कुण्डलियों (लड़के और लड़की दोनों की) में चन्द्रमा का नक्षत्र चार विशेष (महा) नक्षत्रों (मृगशिरा मघा , स्वाती तथा अनुराधा) में से एक भी नहीं है। अत: इस आधार पर इस विशेष मामले में किसी विशेष विचार का प्रश्न नहीं उठता है।

वर-वधु की कुण्डली में वैवाहिक सामंजस्य की जांच-अष्ट-कुट मिलान से

वर्ण कुट सामंजस्य की उपस्थिति की जांच -

लड़के का वर्ण वैश्य है और लड़की का वर्ण शूद्र है। चूँकि लड़के का वर्ण ऊँची श्रेणी का है, अत: यह अनुकूल है, और इस कारण से वैवाहिक अनुकूलता विद्यमान है। इस गणना के अनुसार कूट मिलान का प्राप्तांक १ (पूर्णांक - १) है।

वश्य कुट सामंजस्य की उपस्थिति की जांच -

लड़के का वश्य चतुष्पद है और लड़की का वश्य द्विपद समूह का है। यह बहुत अनुकूल नहीं है, और इस कारण से वैवाहिक अनुकूलता केवल नाम मात्र विद्यामान है। इस गणना के अनुसार कूट मिलान का प्राप्तांक 0५ (पूर्णांक - २) है।

तारा कुट (दिन कुट) सामंजस्य की उपस्थिति की जांच -

लड़की के जन्म नक्षत्र से लड़के के जन्म नक्षत्र तक गणना करने पर २६ संख्या प्राप्त होती है। ९ से विभाजित करने पर इसमें ८ शेष बचता है, जो अनुकूल है। लड़के के जन्म नक्षत्र से लड़की के जन्म नक्षत्र तक गणना करने पर ३ संख्या प्राप्त होती है। ९ से विभाजित करने पर इसमें ३ शेष बचता है, जो अनुकूल है। अत:, दिन (तारा) कूट से इस कुण्डली में वैवाहिक अनुकूलता उपस्थित है। इस गणना के अनुसार कूट मिलान का प्राप्तांक ३ (पूर्णांक - २) है।

योनि कुट सामंजस्य की उपस्थिति की जांच -

वर का नक्षत्र सर्प (पु0) श्रेणी का है, जबकि वधू का नक्षत्र श्वान (स्त्री) श्रेणी का है। योनि-कूट मिलान के अनुसार, इस जोड़ी के लिए, २ गुण का योगदान है।

ग्रह-मैत्रि सामंजस्य कुट की उपस्थिति की जांच -

लड़के का जन्म राशिपति शुक्र है, और लड़की का जन्म राशिपति बुध है। नैसर्गिक संबंध के अनुसार ये दोनों अधिपतिग्रह परस्पर मित्र हैं। यह एक बहुत अनुकूल युति है, जैसाकि यह विशेष कूट युग्म के मनोवैज्ञानिक स्वभावों को दर्शाता है। युग्म की मानसिक विशेषतायें बहुत अनुकूल होगीं, और उन दोनों में एक दूसरे के लिये परस्पर सम्मान / स्नेह का भाव होगा- जोकि वैवाहिक जीवन में खुशियों के लिये एक जीवनकारी कारक है। इस कारण से कूट - मिलानसंख्या में ५ अंकों (पूर्णांक - ५) का योगदान होगा।

गण कुट सामंजस्य की उपस्थिति की जांच -

लड़के का नक्षत्र नर गण श्रेणी में है, जबकि लड़की का नक्षत्र भी नर गण श्रेणी में स्थित है। यह बहुत अनुकूल युति है,जैसा की गण व्यक्ति के मिजाज और रूझान को व्यक्त करता है। संभावित युग्म के दोनों सदस्यों की प्रकृति और प्रवृत्तियों में बहुत समानता होगी। वे एक दूसरे को भली भाँति समझेगें, और उसी के अनुसार अपने को व्यवस्थित करेगें। इस गणना के अनुसार, कूट मिलान का प्राप्तांक ६ (पूर्णांक - ६) है।

राशि कुट सामंजस्य की उपस्थिति की जांच -

लड़के की जन्म राशि वृष है, जबकि लड़की की जन्म राशि मिथुन ये दोनों राशियाँ एक दूसरे के साथ परस्पर प्रतिकूल द्विद्वादश(२-१२) संबंध में हैं, जो फिजूल के खर्चों और वैवाहिक जीवन में दु:ख लाने वाली हानियों का संकेत है। अत: इस कारण से कूट मिलान का प्राप्तांक 0 है। लेकिन चूँकि एक ही ग्रह (शनि) दोनों कुण्डलियों में जन्म राशि का स्वामी है, और यदि अन्य चीजें अनुकूल हैं, तो विवाह की स्वीकृति दी सकती है।

नाड़ी कुट सामंजस्य की उपस्थिति की जांच -

वर की नाड़ी अन्त श्रेणी का है, जबकि वधू की नाड़ी आदि श्रेणी का है। जैसा कि वर और वधू की नाड़ी समान श्रेणी की नही है, संकेत लाभदायक हैं। दोनों को विवाह की सलाह दी जा सकती है। कूट-मिलान का कुल योग १८ से कम

नही है। इस हिसाब से योगदान ८ गुण का है।